THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 340 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन शु. 4 2079 गुरुवार, 23 फरवरी 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

ईसी के फैसले पर स्टे से इनकार

उद्धव की याचिका पर जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, मुंबई, 22 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने उद्धव ठाकरे गुट को बड़ा झटका दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने शिवसेना नाम और चुनाव चिन्ह के इस्तेमाल को लेकर चुनाव आयोग के फैसले पर स्टे लगाने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि अब हम चुनाव आयोग के फैसले पर रोक नहीं लगा सकते। सुप्रीम कोर्ट ने उद्धव गुट की अर्जी पर दोनों पक्षों को नोटिस जारी किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में दो पक्षों से दो हफ्तों में जवाब मांगा है। अब सुप्रीम कोर्ट दो हफ्ते बाद इस मामले की सुनवाई करेगा।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के बाद उद्धव ठाकरे गुट के नेता अनिल परब ने बताया कि हमने अपनी एसएलपी में यह डिमांड की थी कि शिंदे गुट को आवंटित चुनाव चिह्न और नाम को यथास्थिति दी जाए। लेकिन कोर्ट ने स्वीकार किया कि सुनवाई 2 सप्ताह के बाद होगी और तब तक हम शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नाम के साथ जारी रख सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि तब तक उद्धव गुट के विधायकों को न तो कोई अयोग्यता नोटिस दिया जाएगा और न ही उनके खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि चुनाव आयोग ने बीते शुक्रवार को एकनाथ शिंदे गुट को शिवसेना के तौर पर अधिकृत किया है। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले दल के पास ही पार्टी का चुनाव चिन्ह धनुष और बाण रहेंगे। अपने इस फैसले में चुनाव आयोग ने उद्धव ठाकरे गुट को विवाद के दौरान आवंटित किया गया चुनाव निशान "जलती मशाल' अगले महाराष्ट्र विधानसभा उपचुनाव होने तक रखने की इजाजत भी दी है।

सावरकर को भारत रत्न और नौकरियों में 80% कोटा देने का प्रस्ताव पास

शिवसेना कार्यकारिणी की पहली बैठक

मुंबई, 22 फरवरी (एजेंसियां)। शिवसेना का नाम और निशान मिलने के बाद मंगलवार को शिवसेना (शिंदे गुट) कार्यकारिणी की पहली बैठक हुई। बैठक में वीर सावरकर को भारत रत्न देने और स्थानीय भूमिपुत्रों को सरकारी नौकरी में 80% कोटा देने समेत कई प्रस्ताव पास हुए। इसके साथ ही बैठक में एकनाथ शिंदे को शिवसेना का मुख्य नेता चुना गया। उन्हें पार्टी से जुड़े अहम फैसले लेने के अधिकार होंगे। हालांकि, उन्हें शिवसेना प्रमुख नहीं कहा गया है। इसके क्या मायने है यह अभी पार्टी को ओर से स्पष्ट नहीं किया गया है

बैठक में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आज फिर कहा कि हमें कोई संपत्ति नहीं चाहिए और हम कोई दावा नहीं करने वाले हैं। बैठक के बाद उद्योग मंत्री उदय सामंत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी है।

बैठक में ये पास हुए प्रस्ताव

मराठी भाषा को अभिजात भाषा को दर्जा मिले। स्थानीय भूमिपुत्रों को नौकरी में 80% स्थान दिया जाए।

चर्चगेट रेल स्टेशन को चिंतामन राव देशमुख का नाम दिया जाए। पार्टी के खिलाफ काम करने वाले लोगों पर कार्रवाई करने 3 सदस्यीय समिति होगी। दादा भूसे समिति के अध्यक्ष होंगे। परीक्षा के लिए मराठी छात्रों को ट्रेनिंग कोचिंग में मदद करेगी।सांसद संजय राउत की ओर से चुनाव आयोग को लेकर दिए गए आपत्तिजनक बयान के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पास किया गया।

मनीष सिसोदिया पर केस करेगी सीबीआई

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। नेताओं-अफसरों की जासूसी करवाने के मामले दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। गृह मंत्रालय ने बुधवार को केजरीवाल सरकार की फीडबैक यूनिट के जरिए जासूसी कराने के आरोपों पर सिसोदिया के खिलाफ सीबीआई जांच की मंजूरी दे दी है।

भाजपा ने सिसोदिया पर आरोप लगाया था कि उन्होंने दिल्ली सरकार की "फीडबैक यूनिट' के जरिए केंद्र सरकार के मंत्रालयों, विपक्षी दलों, विभिन्न संस्थाओं और लोगों की जासूसी कराई। आम आदमी पार्टी ने साल 2015 में दिल्ली में सरकार बनाने के बाद इस यूनिट का गठन किया था। विजिलेंस विभाग के मंत्री होने के

दिल्ली में पहली बार आप की मेयर

शैली 34 वोट से जीतीं

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। नगर निगम चुनाव के 80 दिन बाद दिल्ली को नया मेयर मिल गया है। आम आदमी पार्टी की शैली ओबेरॉय को मेयर चुना गया। शैली को 150 वोट मिले। उन्होंने भाजपा की रेखा गुप्ता को 34 वोटों से हराया।

दिल्ली को 10 साल बाद महिला मेयर मिली है। 2011 में भाजपा की रजनी अब्बी आखिरी महिला मेयर थीं। इसके बाद 2012 में शीला दीक्षित सरकार में दिल्ली नगर निगम को 3 हिस्सों में बांटा गया था। 2022 में इन हिस्सों को मिलाकर फिर से एक कर दिया गया। इसके बाद यह पहला चुनाव था। उधर, मेयर चुनाव में शैली ओबेरॉय की जीत के बाद सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि गुंडागर्दी हार गई, दिल्ली की जनता जीत गई।

दिल्ली में एमसीडी चुनाव 4 दिसंबर को हुए थे, जबकि इनका रिजल्ट 8 दिसंबर को आया था। चुनाव में 15 साल बाद भाजपा को एमसीडी में बहुमत नहीं मिला था। 250 सीट के सदन में मेयर बनने के लिए 138 वोट चाहिए थे। मेयर चुनाव में 241 पार्षद, 10 सांसद और 14 विधायकों ने वोट डाले। 9 कांग्रेस पार्षदों ने चुनाव में हिस्सा नहीं लिया।

वोटिंग से पहले पुलिस से भिड़े आप पार्षद

सुबह 11 बजे वोटिंग शुरू होने से पहले सिविक सेंटर में हंगामे जैसे हालात दिखे। आप पार्षदों की पुलिस से झड़प भी हुई। आप पार्षद सदन में बीजेपी विधायक विजेंद्र गुप्ता की एंट्री का विरोध कर रहे थे। हंगामे की आशंका को देखते हुए सदन में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। सदन में एसएसबी जवानों को तैनात किया गया।

इससे पहले 3 बार चुनाव नहीं हो सके

इससे पहले 3 बार मेयर चुनाव कराने की कोशिश की गई, लेकिन भाजपा और आप मेंबर्स के हंगामे के चलते ये नहीं हो सके। हंगामे की वजह एलजी वीके सक्सेना की ओर से मनोनीत 10 सदस्यों को वोट देने की अनुमति का फैसला था।

>14

प्रधानमंत्री मोदी बताएंगे रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने का फॉर्मूला

बाइडेन की यूक्रेन यात्रा के बाद पहली बार रूस, चीन, अमेरिका के मंत्री साथ बैठेंगे

नई दिल्ली, मुंबई, 22 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मार्च के पहले हफ्ते में 40 देशों के विदेश मंत्रियों से औपचारिक-अनौपचारिक बातचीत करेंगे। जी-20 और रायसीना डायलॉग के बैनर तले होने वाली इस बैठक में रूस-यूक्रेन युद्ध ज्यादा चर्चा में रहेगा। हालांकि, यूक्रेन इस मीटिंग

का हिस्सा नहीं है, लेकिन रूस के बहाने उस पर चर्चा होगी।

माना जा रहा है कि बैठक में भारत युद्ध को समाप्त करने का फॉर्मूला पेश कर एक बड़ी पहल कर सकता है। जी-20 मुख्यत: आर्थिक विकास को गति देने का मंच है, लेकिन रूस पर लगे प्रतिबंध और भारत जैसे देशों द्वारा रूस से तेल खरीदने को लेकर राजनीतिक चर्चा हो सकती है। इसी बैठक में सितंबर में होने जा रहे शिखर सम्मेलन का एजेंडा तैयार होगा।

श्रीनगर में जी-20 के पर्यटन को लेकर बैठक होगी। इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। लेकिन, सूत्रों का कहना है कि श्रीनगर में इसके लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। बैठक मई में संभावित है। इसे जम्मू-कश्मीर में चुनाव के आस-पास रखा जाना है।

अनुच्छेद 370 हटने के बाद पहले चुनावों में विदेशी प्रतिनिधियों को यह संदेश दिया जाएगा कि जम्मू-कश्मीर कैसे विकास के मार्ग पर बढ़ रहा है।

>14

राहुल बोले- मेघालय में भाजपा को लाना चाहती है टीएमसी

शिलांग, 22 फरवरी (एजेंसियां)। राहुल गांधी ने बुधवार को मेघालय की राजधानी शिलांग में चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मीडिया पर निशाना साधा। राहुल ने कहा कि मोदी ने संसद में मुझसे एक सवाल पूछा और कहा- मेरा नाम गांधी है, नेहरू क्यों नहीं? मैंने उनके सवाल का जवाब दिया, लेकिन मीडिया ने उसको कहीं नहीं दिखाया। राहुल ने आगे कहा कि आपने देखा होगा कि जब पीएम

भाषण देते हैं तो पूरे टीवी पर छा जाते हैं, लेकिन मेरी स्पीच को मीडिया नहीं दिखाता है।

मेघालय में 27 फरवरी को विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसी को देखते हुए राहुल ने शिलांग में चुनावी रैली की। इस दौरान उन्होंने भाजपा के साथ-साथ टीएमसी पर भी निशाना साधा। उन्होंने लोगों से कहा कि आप टीएमसी का इतिहास जानते हैं।

बंगाल में होने वाली हिंसा को भी जानते हैं। उनकी परंपरा को पूरी दुनिया जानती है। गोवा में टीएमसी जाती है और चुनाव के दौरान खूब पैसा भी खर्च करती है, क्योंकि उनका उद्देश्य बीजेपी की मदद करना था। मेघालय में भी टीएमसी का मकसद भाजपा को सत्ता में लाना है।

राहुल ने मेघालय में मोदी और बिजनेसमैन गौतम अडाणी को लेकर भी हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मैंने संसद में पीएम से अडाणी के साथ उनके संबंधों के बारे में पूछा था। मैंने सभी सदस्यों को एक तस्वीर भी दिखाई थी, जिसमें पीएम और अडाणी एक प्लेन में साथ बैठे हुए हैं।

कोहिनूर भारत को वापस दो

इंग्लैंड के टीवी शो में तीखी बहस, भारतीय मूल की पत्रकार ने ब्रिटेन के लोगों को बताया इतिहास

लंदन, 22 फरवरी (एजेंसियां)। ब्रिटेन के राजा चार्ल्स के राज्याभिषेक में महारानी कैमिला दिवंगत क्वीन विक्टोरिया के कोहिनूर हीरे लगे ताज को नहीं पहनेंगी। बकिंघम पैलेस की घोषणा से इस पर फिर से बहस शुरू हो गई है कि ब्रिटेन को कोहिनूर हीरा भारत को फिर से वापस लौटाना चाहिए या नहीं। ब्रिटेन के एक मशहूर टीवी शो पर लेखिका और प्रसारकर्ता एम्मा वेब और भारतीय मूल की पत्रकार नरिंदर कौर के बीच कोहिनूर हीरे के मुद्दे पर तीखी बहस देखने को मिली।

एम्मा वेब के दावे पर भड़कीं नरिंदर कौर

शो के दौरान, एम्मा वेब ने दावा किया कि कोहिनूर हीरे के स्वामित्व को लेकर विवाद है, जिस पर नरिंदर कौर ने कहा कि आप इतिहास के बारे में नहीं जानती हैं। दरअसल, एम्मा वेब का कहना था कि सिख साम्राज्य का लाहौर पर भी शासन था, तो क्या पाकिस्तान भी कोहिनूर पर दावा करेगा।

नरिंदर कौर बोलीं- कोहिनूर भारत को वापस देना चाहिए

उन्होंने कहा कि सिख साम्राज्य ने कोहिनूर हीरे को ईरानी साम्राज्य से चुराया था और ईरानी साम्राज्य ने मुगल शासकों पर आक्रमण करके इसे छीना था, तो इस वजह से कोहिनूर के स्वामित्व पर विवाद है। इस पर नरिंदर कौर ने कहा, कोहिनूर हीरा औपनिवेश काल और खून खराबे का प्रतिनिधित्व करता है। इसे भारत को वापस दे देना चाहिए। मुझे नहीं लगता कि एक भारतीय बच्चे को कोहिनूर हीरे को देखने के लिए इतनी लंबी यात्रा करके ब्रिटेन आना चाहिए। इसके बाद नरिंदर कौर ने एक ट्वीट भी किया और कहा कि कोहिनूर हीरा भारत के गोलकुंडा में पाया गया था और इसे यहीं पर तराशा गया इसलिए इसे भारत सरकार को वापस किया जाना चाहिए। बता दें कि कोहिनूर हीरा सबसे बड़ा हीरा है, जिसे लेकर ब्रिटेन का दावा है कि साल 1849 में 11 वर्षीय सिख सम्राट महाराजा दलीप सिंह ने महारानी विक्टोरिया को गिफ्ट किया था।

>14

फ्यूल लीक, एयर इंडिया फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

300 यात्री अमेरिका से दिल्ली आ रहे थे, विमान स्वीडन में उतारना पड़ा

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट को तकनीकी खराबी की वजह से स्वीडन के स्टॉकहोम में बुधवार को इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। विमान में 300 यात्री सवार थे। सभी सुरक्षित हैं। एयर इंडिया के बोइंग 777-300ER फ्लाइट ने अमेरिका के नेवार्क से दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी। तभी विमान के इंजन-2 से ड्रेन मास्ट से फ्यूल लीक हुआ। इस वजह से एक इंजन को बंद करना पड़ा। जिसके बाद विमान को स्टॉकहोम एयरपोर्ट में सुरक्षित लैंड कराया गया।

दूसरी तरफ मंगलवार रात को दिल्ली-मुंबई एयर इंडिया की फ्लाइट में देरी की वजह से यात्रियों और एयरलाइन स्टाफ के बीच तीखी बहस हो गई। दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट पांच घंटे से ज्यादा लेट हो गई थी।

एक यात्री ने बताया कि एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या AI-805 से उसे मुंबई जाना था। फ्लाइट के टेकऑफ का शेड्यूल रात 8:00 बजे था, लेकिन पहले उसे रात 10:40 बजे रिशेड्यूल किया गया। उसके बाद रात 11.35 बजे और फिर 12.30 बजे फिर से रिशेड्यूल किया गया। यात्रियों के मुताबिक, पांच घंटे बाद करीब 1:48 बजे फ्लाइट दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल 3 से टेकऑफ हुई।

खड़गे का दावा- 2024 में कांग्रेस सरकार

कांग्रेस की अगुआई में विपक्ष भाजपा को हटा देगा

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दावा किया है कि 2024 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की अगुआई में केंद्र की सरकार बनेगी। खड़गे मंगलवार को नगालैंड में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भले 100 मोदी और 100 शाह आ जाएं, लेकिन सरकार कांग्रेस की ही बनेगी।

खड़गे ने कहा- '2024 में कांग्रेस की अगुआई में विपक्ष भाजपा को हटा देगा। हम इस बारे में दूसरी पार्टियों से भी बातचीत कर रहे हैं, वरना देश से लोकतंत्र और संविधान खत्म हो जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक ऑटोक्रेट की तरह काम कर रहे हैं।

खड़गे ने कहा, 'मोदी अक्सर कहते हैं कि वो अकेले इंसान हैं, जो देश का सामना करते हैं। इस देश में कोई दूसरा इंसान उन्हें छू नहीं सकता है। कोई लोकतांत्रिक व्यक्ति ऐसा नहीं कह सकता है। आपको ये याद रखना चाहिए कि आप लोकतंत्र में हैं। आप

तानाशाह नहीं हैं। आपको लोगों ने चुना है और आपको चुनने वाले लोग 2024 में आपको सबक सिखाएंगे।'

हम संविधान और लोकतंत्र के साथ चलेंगे

वो बोले, 'गठबंधन की सरकार केंद्र में आएगी और कांग्रेस अगुआई करेगी। हम दूसरी पार्टियों से बात कर रहे हैं। हम लोगों से बातचीत कर रहे हैं, उनसे अपने आइडिया शेयर कर रहे हैं। हम ये बात कर रहे हैं कि किस तरह से 2024 का चुनाव जीतें। अब भाजपा बहुमत में नहीं आएगी। दूसरी पार्टियों को साथ लाकर कांग्रेस की अगुआई में हमें बहुमत मिलेगा। हम संविधान और लोकतंत्र के साथ चलेंगे।'

खड़गे ने कहा, '100 मोदी और शाह आ जाएं, ये हिंदुस्तान है। हमारे लोगों ने आजादी के लिए अपनी जिंदगी दी है। कांग्रेस के लोगों ने जान दी है। भाजपा के लोगों ने नहीं दी। एक भाजपा का आदमी बता दो जिसने आजादी की लड़ाई लड़ी हो, जेल गया हो।'

उन्होंने कहा, 'जो आदमी आजादी के लिए लड़ रहा था.. महात्मा गांधी, उन्हें इन लोगों मार दिया। ऐसे लोग देशभक्ति की बात कर रहे हैं। हमें सिखा रहे हैं, जिन्होंने अपनी जान दी। देश की एकता के लिए इंदिराजी ने, राजीव गांधी ने अपनी जिंदगी दी। भाजपा में किसने अपनी जान दी। उन्हें लगता है कि 2014 में ही आजादी आई है, उन्हें 1947 याद नहीं है।'

रघुवंशी ड्रग्स कंट्रोलर जनरल बने

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। डॉ. राजीव सिंह रघुवंशी को भारत का नया ड्रग कंट्रोलर जनरल नियुक्त किया गया है। रघुवंशी भारतीय फार्माकोपिया आयोग के सचिव-सह-वैज्ञानिक निदेशक हैं। संघ लोक सेवा आयोग ने पिछले महीने इस पद के लिए उनके नाम की सिफारिश की थी। उनकी नियुक्ति उस दिन से मानी जाएगी जिस दिन से वे चार्ज लेंगे। वे 28 फरवरी 2025 को रिटायर होंगे।

एनसीआर में 3.6 तीव्रता का भूकंप

नई दिल्ली। दिल्ली एनसीआर में बुधवार को भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.6 मापी गई। नेशनल सेटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक, भूकंप का केंद्र यूपी के मुजफ्फरनगर में था। फिलहाल किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है।

नेपाल के बाजुरा में बुधवार को दोपहर करीब 1:45 बजे भूकंप का झटका महसूस किया गया। नेपाल के राष्ट्रीय भूकंप निगरानी और अनुसंधान केंद्र ने बताया कि रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.2 आंकी गई।

पटना हाईकोर्ट के 7 जजों ने सुप्रीमकोर्ट से लगाई गुहार

जजों का जीपीएफ खाता बंद, सीजेआई भी हैरान; 24 को होगी सुनवाई

पटना, 22 फरवरी (एजेंसियां)। पटना हाईकोर्ट के 7 जजों का जीपीएफ (जनरल प्रॉविडेंट फंड) खाता बंद हो गया है। सातों जजों ने सुप्रीम कोर्ट में इसे लेकर गुहार लगाई है। मंगलवार को जब ये मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो सीजेआई भी हैरान रह गए। सीजेआई ने पूछा- क्या? जजों का जीपीएफ खाता बंद? याचिकाकर्ता कौन है?

शायद देश के इतिहास में यह पहली घटना है जब भेदभाव किए जाने के खिलाफ हाईकोर्ट के सात मौजूदा जज न्याय की गुहार लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हों। सुप्रीम कोर्ट से पटना हाईकोर्ट के सात जजों की याचिका पर सुनवाई का अनुरोध किया गया तो वे भी चौंक पड़े। सभी जजों ने सुप्रीम कोर्ट में सामान्य भविष्य निधि खातों को बंद करने के लिए केंद्रीय कानून और न्याय मंत्रालय द्वारा जारी निर्देश को चुनौती दी है।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा की खंडपीठ से मामले में जल्द सुनवाई करने की तारीख मांगी गई थी। याचिका दायर करने वाले न्यायमूर्ति शैलेन्द्र सिंह, न्यायमूर्ति अरुण कुमार झा,न्यायमूर्ति जितेन्द्र कुमार, न्यायमूर्ति आलोक कुमार पांडेय, न्यायमूर्ति सुनील दत्त मिश्रा, न्यायमूर्ति चन्द्रप्रकाश सिंह और न्यायमूर्ति चन्द्रशेखर झा हैं। ये सभी न्यायिक सेवा कोटे से 22 जून को न्यायाधीश नियुक्त हुए थे। जज बनने के बाद इन सभी के जीपीएफ अकाउंट को बंद कर दिया गया।

याचिका में कहा गया है कि हाईकोर्ट के जजों के साथ इस आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता कि वे न्यायिक सेवा कोटे से नियुक्त हुए हैं। इन सभी जजों के जीपीएफ अकाउंट को यह कहकर बंद कर दिया गया कि न्यायिक सेवा में उनकी नियुक्ति साल 2005 के बाद हुई थी। जजों का कहना है कि उन्हें भी वही सुविधा मिलनी चाहिए जो सुविधा बार कोटे से नियुक्त जजों को दी जा रही है।

>14

6 आलीशान महल और 100 करोड़ रुपये की संपत्ति के मालिक थे हैदराबाद के आठवें निज़ाम

अब किसे मिलेगी पूरी प्रॉपर्टी

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के आठवें निज़ाम मुकर्रम जाह बहादुर कभी दुनिया के सबसे अमीर लोगों में से एक हुआ करते थे। उनके पास खजाने का बड़ा भंडार था। उनके पास करोड़ों रुपये की संपत्ति थी। वह छह महलों के भी मालिक थे, जिसमें हैदराबाद के ऐतिहासिक फलकनुमा और चौमहल्ला महल शामिल हैं। चौमहल्ला अब म्यूजियम बन चुका है। जबकि फलकनुमा लग्जरी होटल बन चुका है और ताज ग्रुप इसे संचालित करता है। 89 वर्षीय मुकर्रम जाह बहादुर का 14 जनवरी को इस्तांबुल में निधन हो गया। उन्हें पूरे राजकीय सम्मान के साथ ऐतिहासिक मक्का मस्जिद के ख़ानदारी कब्रिस्तान में दफनाया गया था।

दादा के पास था 1000 करोड़ का हीरा

टाइम मैगजीन ने साल 1937 में मुकर्रम जाह के पिता और हैदराबाद के सातवें निज़ाम मीर उस्मान अली पर कवर स्टोरी छापी गई थी। मैगजीन में उन्हें "दुनिया का सबसे अमीर शख़्स' बताया गया था।

मीर उस्मान के पास नींबू के आकार का 282 कैरेट का जैकब डायमंड था। इसकी गिनती दुनिया के सबसे बड़े आकार के हीरों में होती है। बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, मीर उस्मान अली हीरे को पेपरवेट की तरह भी इस्तेमाल किया करते थे। उनके पास रोल्स-रॉयस का एक बेड़ा था, जिसमें सिल्वर घोस्ट थ्रोन कार भी शामिल थी।

12 किलो का सोने का सिक्का

मुकर्रम जाह के पास कथित

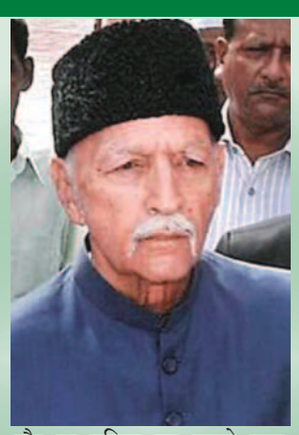

तौर पर दुनिया का सबसे बड़ा ढाला हुआ सोने का सिक्का था। यह सिक्का (मोहर) उन्हें विरासत में मिला था। सिक्के का वजन 12 किलो था। द वायर ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया है कि साल 2002 में भारत सरकार ने मुकर्रम जाह को उनके विरासत में मिले गहनों के लिए 22 मिलियन डॉलर (करीब 2.2 करोड़ रुपये) दिया था।

मौत के वक्त 100 करोड़ रुपये की संपत्ति

मुकर्रम जाह के मौत के बाद उनकी कुल संपत्ति की कीमत 100 करोड़ रुपये आंकी गयी थी। उनके पास कई कारें थीं। वह अपने दादा के गैरेज में ज्यादातर टूटी-फूटी कारों पर काम कर समय गुजारते थे। द हिंदू के अनुसार, विंटेज कार कलेक्टर मोहम्मद लुकमान अली खान ने निजाम के व्यापक संग्रह के बीच एक बेंटले, एक जीप और एक मर्सिडीज का पता लगाया।

मुकर्रम जाह ने की थी पांच शादी

मुकर्रम जाह ने पांच बार शादी की थी। उन्होंने पहली शादी तुर्की (इस्तांबुल) की एक रईस महिला इसरा बिरगिन से की थी। दूसरी शादी साल 1979 में आयशा सीमन्स नाम की महिला से की थी, जिनकी साल 1989 में मौत हो गयी थी। इसके बाद उन्होंने 1992 में पूर्व मिस तुर्की मनोल्या ओनूर से शादी की। 1997 में ओनूर से भी उनका तलाक हो गया। फिर उन्होंने जमीला बौलारस नाम की एक मोरक्कन महिला से भी शादी की। मुकर्रम जाह ने आखिरी शादी साल 1994 में आयशा ओरचेदी से की थी।

अब किसे मिलेगी संपत्ति

मुकर्रम जाह की मौत के बाद अब पूरी संपत्ति उनके बेटे 63 वर्षीय मीर मोहम्मद अजमत अली खान को मिलेगी। इसके अलावा उन्हें हैदराबाद का नौवें सांकेतिक निजाम की भी पदवी मिलेगी। केंद्र सरकार ने वर्ष 1971 में निजाम की पदवी का उन्मूलन कर दिया था इसलिए अजमत अली के पास नौवें निजाम की पदवी नहीं होगी।

वारिस पंजाब के मुखी अमृतपाल का यू-टर्न

लुधियाना, 22 फरवरी (एजेंसियां)। वारिस पंजाब के प्रमुख भाई अमृतपाल सिंह ने अमित शाह को धमकी वाले बयान पर यू टर्न ले लिया है। अमृतपाल ने कहा - मैंने गृह मंत्री को किसी तरह की धमकी नहीं दी। अमित शाह ने मुझे धमकी दी है। एजेंसियां मेरा कत्ल करवाना चाहती हैं। इससे पहले अमृतपाल ने मोगा जिले के बुध सिंह वाला गांव में कहा था कि- इंदिरा ने भी हमें दबाने की कोशिश की थी, क्या हश्र हुआ? अब अमित शाह अपनी इच्छा पूरी कर के देख लें।

अमृतपाल के इस बयान पर लुधियाना से कांग्रेस सांसद रवनीत बिट्टू ने कहा कि पंजाब को देश से अलग करने की लड़ाई में सिर देने की बात करने वाला आज एक थप्पड़ के पर्चे से डरकर सुबह से फेसबुक पर सफाई दे रहा है।

>14

अडानी विवाद पर ममता का वार, कहा

एलआईसी-एसबीआई को निजी कंपनियों में निवेश की अनुमति दे रही सरकार

कोलकाता, 22 फरवरी (एजेंसियां)। अडानी मामले पर चल रहे विवाद को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर कड़ा हमला बोला है. सीएम ममता ने एलआईसी-एसबीआई के अडानी समूह में निवेश करने को लेकर सवाल किया, इसकी अनुमति क्यों दे रही है केंद्र सरकार? दरअसल, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं. इस दौरान उन्होंने अडानी मामले को उठाते हुए कहा, केंद्र सरकार आपके पैसे को बिना चेक और बैलेंस के निजी कंपनियों को दे रही है. उन्होंने केंद्र से सीधा सवाल किया, मोदी सरकार अडानी समूह की निजी कंपनियों में निवेश करने की अनुमति क्यों दे रही है?

भारतीय जनता पार्टी के नेता अदालतों में... - ममता बनर्जी

इसी के साथ उन्होंने आरोप लगाया, प्रदेश सरकार के प्रगति कार्यों को रोकने के लिए अदालतों में जाया जा रहा है. सीएम ने कहा, एक ओर जहां हम रोजगार देने में व्यस्त हैं तो दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी के नेता अदालतों में मुकदमा दायर कर रहे हैं और हमारी प्रगति को रोक रहे हैं.

ये संतों की तरह व्यवहार कर रहे हैं- ममता बनर्जी

सीएम ममता बनर्जी ने मध्य प्रदेश के व्यापमं घोटाले को याद कर बीजेपी पर कड़ा वार किया. उन्होंने कहा, मध्य प्रदेश में बीजेपी के शासन में हुए व्यापमं घोटाले को शायद पार्टी भूल गई है. बीजेपी पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए सीएम बोलीं, 'ये संतों की तरह व्यवहार कर रहे हैं. शायद व्यापमं घोटाले को पूरी तरह भूल गए हैं.' उन्होंने कहा, बीजेपी के नेता क्यों नहीं बताते व्यापमं घोटाले के चलते कितने लोगों ने आत्महत्या की थी?

कोरोना के 125 नए मामले

उपचाराधीन रोगियों की संख्या बढ़ी, 1 की मौत

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। भारत में कोरोनावायरस संक्रमण के 125 नए मामले सामने आए जबकि उपचाराधीन रोगियों की संख्या बढ़कर 1,935 हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार को सुबह 8 बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार चंडीगढ़ में संक्रमण से 1 व्यक्ति की मौत होने की जानकारी मिलने के बाद मृतकों की कुल संख्या 5,30,762 हो गई। देश में अब तक संक्रमित पाए गए लोगों की संख्या 4,46,85,257 हो गई है। मृत्युदर 1.19 प्रतिशत है। मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार देश में राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत कोविड-19 रोधी टीकों की अब तक कुल 220.63 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं।

उद्धव गुट पर बीजेपी नेता राम कदम ने कसा तंज

कहा - 'शायद रात की अब तक उतरी नहीं'

मुंबई, 22 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में राजनेता एक-दूसरे पर शब्द बाण छोड़ने का एक भी मौका नहीं छोड़ रहे हैं। जरा सा मौका लगते ही बाण चल रहे हैं। फिर चाहे वो संजय राउत हुए या फिर और कोई नेता। इसी सूची में नया नाम जुड़ा है बीजेपी नेता राम कदम का। उन्होंने बुधवार सुबह उद्धव ठाकरे गुट पर तीखी टिप्पणी की है। कदम ने अपने ट्वीट में लिखा कि जो लोग अपने भाई और रिश्तेदारों तक को जोड़कर नहीं रख सके वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ सबको एक करने निकले हैं। राम कदम ने लिखा, जो लोग अपने खून के रिश्तेदार भाई, भाभी पूरे परिवार को भी एक साथ मे जोड़कर रख नहीं सके। इतना हीं नही बाला साहेबा की सेवा करने वाले सेवक, घर के कर्मचारी भी जिन्हें छोड़कर कर एकनाथ शिंदे के साथ चले गए। राम कदम ने लिखा, विधायक सांसद तो छोड़िए, कैबिनेट मंत्री तक वे खुद के साथ जोड़ नहीं पाए और वे निकले हैं पीएम मोदी के खिलाफ सबको एक करने के लिये। राम कदम ने कहा कि लगता है रात की अब तक शायद उतरी नहीं है। वहीं इससे पहले एक बैठक में उद्धव ठाकरे ने कहा कि यह सुपारी देकर शिवसेना को मारने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि शिवसेना का जन्म भाजपा की हथेलियों को चाटने के लिए नहीं हुआ है। अभी यह सबसे कठिन समय है। वर्तमान के हालात वैसी ही हैं जैसी शिवसेना प्रमुख के जाने के समय थी। कहा जाता था कि बालासाहेब के निधन के बाद शिवसेना नहीं चलेगी। लेकिन हम जीत गए।

उद्धव बोले सड़कों पर वापस लड़ेंगे

उद्धव ठाकरे ने इस बैठक में आगे कहा कि अगर हम अभी नहीं जागेंगे तो साल 2024 लोकसभा चुनाव में तानाशाही सरकार आएगी। मशाल 28 तारीख तक इस चिन्ह का उपयोग कर सकते हैं। यदि चिन्ह हटा भी दिया जाता है तो मेरे दिमाग में 10 और चिन्ह है। उद्धव ठाकरे ने कहा हम अदालत में और सड़कों पर वापस लड़ेंगे। बता दें कि चुनाव आयोग द्वारा धनुष तीर व शिवसेना के प्रतीक चिन्ह को एकनाथ शिंदे गुट को दे दिया गया है।

खड़ी बस को ट्रक ने मारी टक्कर

इंदौर से ग्वालियर जा रही थी बस; सीहोर और गुना के दो यात्रियों की मौत

गुना, 22 फरवरी (एजेंसियां)। जिले के म्याना इलाके में बुधवार तड़के हुए सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक दर्जन यात्री घायल हो गए। नेशनल हाईवे पर सवारी उतार रही बस को पीछे से ट्रक ने टक्कर मार दी। बस इंदौर से ग्वालियर जा रही थी। टक्कर में बस का पिछला हिस्सा चकनाचूर हो गया। हादसे में सीहोर निवासी एक महिला और गुना के केदारनाथ निवासी एक युवक की मौत हो गई। एक युवक गंभीर रूप से घायल हुए है, जिसे इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है।

दिल्ली की पॉश कॉलोनी फ्रीडम फाइटर में लूटपाट के लिए सीनियर सिटीजन की हत्या

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। दक्षिण जिले के सैनिक फार्म इलाके की फ्रीडम फाइटर कॉलोनी में 75 वर्षीय सीनियर सिटीजन की लूटपाट के लिए हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना की जानकारी सुबह करीब 9.30 बजे दिल्ली पुलिस को दी गई है। सूचना के बाद दिल्ली पुलिस के अधिकारियों में हड़कंप मच गया है। सभी सीनियर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच रहे हैं। दक्षिण जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार पुलिस को बुधवार सुबह करीब 9:30 बजे सूचना मिली थी कि फ्रीडम फाइटर कॉलोनी की ए1 ब्लॉक में रहने वाले 75 वर्षीय बुजुर्ग भारद्वाज घर में मृत पड़े हुए हैं। घर का सामान बिखरा हुआ है। सीनियर सिटीजन भारद्वाज के पड़ोस में रहने वाले व्यक्ति ने पुलिस को सूचना दी थी। उसने बताया था कि सीनियर सिटीजन के घर का सामान बिखरा हुआ है। पुलिस को शुरुआती जांच में यह लग रहा है कि लूटपाट के लिए बुजुर्ग की हत्या की गई है। पुलिस की जांच के बाद ही यह बात सामने आएगी कि बुजुर्ग को कैसे मारा गया है और घर से बदमाश क्या-क्या सामान ले गए। मृतक सीनियर सिटीजन सतीश भारद्वाज है। यह एमसीडी से रिटायर इंजीनियर हैं इनके दो बेटे हैं एक बेटा विदेश में है और दूसरा ब्रिगेडियर हैं बेटी वैशाली में रहती है। पुलिस ने सभी को सूचना दे दी है।

पुणे एलगार परिषद केस में गिरफ्तार

मानवाधिकार कार्यकर्ता गौतम नवलखा के आईएसआई से संबंध : एनआईए

मुंबई, 22 फरवरी (एजेंसियां)। पुणे एलगार परिषद केस में गिरफ्तार मानवाधिकार कार्यकर्ता गौतम नवलखा अमेरिका में गिरफ्तार पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के एजेंट के संपर्क में थे. राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बांबे हाई कोर्ट में ये दावा किया. एजेंसी ने गौतम नवलखा की जमानत अर्जी का विरोध करते हुए दायर ऐफिडेविट में दावा किया है कि नवलखा ने आईएसआई ऑपरेटिव के लिए माफी मांगने के लिए अमेरिकी अदालत को पत्र लिखा था. एजेंसी ने दावा किया है कि नवलखा

आईएसआई एजेंट गुलाम नबी फई के नियमित संपर्क में थे और फई द्वारा अमेरिका में आयोजित 'कश्मीरी अमेरिकी परिषद सम्मेलन' को संबोधित करने के लिए वो तीन बार अमेरिका भी गए थे. फई को अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफबीआई ने जुलाई 2011 में आईएसआई और पाकिस्तान सरकार से धन स्वीकार करने के आरोप में गिरफ्तार किया था. एनआईए ने कहा कि नवलखा ने अमेरिकी अदालत में फई के मुकदमे की अध्यक्षता कर रहे न्यायाधीश को पत्र भी लिखा था. एजेंसी का ये भी दावा है कि फई ने नलवखा को आईएसआई प्रमुख से भी मिलवाया था. इससे साफ है कि नवलखा के संबंध आईएसआई से हैं. इसके अलावा एनआईए ने यह भी दावा किया है कि नवलखा ने कश्मीर अलगाववादी और माओवादी आंदोलनों से जुड़े मुद्दों पर विभिन्न मंचों और कार्यक्रमों में भाषण दिए हैं. नवलखा को सीपीआई (माओवादी) संगठन की गुप्त गतिविधियों के लिए युवाओं की भर्ती करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी. एनआईए ने यह भी दावा किया कि नवलखा ने अपनी आपराधिक गतिविधियों को मानवाधिकारों के लिए काम के रूप में पेश किया. एनआईए ने दावा किया है कि नवलखा ने सीधे तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा, एकता और संप्रभुता को प्रभावित करने वाले कृत्यों को अंजाम दिया है. मामले में अभी सुनवाई होनी है.

कुमार विश्वास ने आरएसएस को बताया अनपढ़

भाजपा प्रवक्ता बोले- कथा करने आए हो, प्रमाण पत्र मत बांटो

उज्जैन, 22 फरवरी (एजेंसियां)। भारत उत्कर्ष, नवजागरण और वृहत्तर भारत की सांस्कृतिक चेतना पर एकाग्र विक्रमोत्सव 2023 (विक्रम सम्वत् 2079) के तहत कवि और लेखक कुमार विश्वास उज्जैन में राम कथा के प्रेरक प्रसंग सुनाने पहुंचे थे। मंगलवार को उन्होंने राम कथा के प्रसंग सुनाने के दौरान आरएसएस पर निशाना साधा और संघ को अनपढ़ कहा। जिस वक्त कुमार विश्वास ने संघ के बारे में ये कहा उस दौरान मंच पर उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव व सांसद अनिल फिरोजिया भी मौजूद थे। कुमार विश्वास का बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वहीं, कुमार विश्वास के बयान पर अब बीजेपी नेताओं की प्रतिक्रिया सामने आ रही है। प्रदेश प्रवक्ता राजपाल सिंह सिसोदिया ने अपने ट्विटर पर कुमार विश्वास को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि उज्जैन में कथा करने आए हो कथा करो प्रमाण पत्र मत बांटो। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे। कुमार विश्वास प्रेरक प्रसंग सुनाने के दौरान राम राज्य के बजट के बारे में लोगों को बता रहे थे, इस दौरान उन्होंने केंद्रीय बजट को राम राज्य के बजट से जोड़ते हुए संघ पर निशाना साधा और कहा कि संघ से जुड़े लोग कहते हैं कि राम राज्य में बजट नहीं होता था। हमारे देश में दो तरह के लोगों का झगड़ा चल रहा है। एक वामपंथी हैं, जो कुपढ़ हैं, उन्होंने पढ़ा तो है, लेकिन गलत पढ़ा है। दूसरे हैं उन्होंने पढ़ा ही नहीं है वो कहते हैं कि हमारे वेदों में ये लिखा है लेकिन वेदों में क्या लिखा है वो उन्होंने देखा ही नहीं हैं।

राजोरी: सैन्य कैंप के बाहर हुए हमले के बारे में एडीएम ने लोगों से मांगी जानकारी

जम्मू, 22 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू संभाग के जिला राजोरी में सैन्य कैंप के बाहर हुए हमले की मजिस्ट्रियल जांच कर रहे एडीएम राजोरी सचिन देव सिंह ने बुधवार को लोगों से घटना के बारे में जानकारी मांगी है। एडीएम राजोरी को हमले के कारणों का पता लगाने के लिए जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्होंने बुधवार को एक अधिसूचना जारी कर लोगों से एक सप्ताह के भीतर घटना की जानकारी देने के लिए कहा है।

केरल में 80 लाख लोगों का किया गया हेल्थ चेकअप

20 फीसदी गंभीर बीमारियों के खतरे में

तिरुवनंतपुरम, 22 फरवरी (एजेंसियां)। केरल में करीब 80 लाख लोगों की जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की जांच की गई और उनमें से करीब 20 फीसदी को उच्च रक्तचाप या मधुमेह पाया गया। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने इसकी जानकारी दी है। जॉर्ज ने कहा कि राज्य में कई जगह स्वास्थ्य कैंप लगाए गए हैं ताकि बीमारियों का जल्द पता लगाया जा सके और भविष्य में अधिक जटिलताओं से निपटना न पड़े। उन्होंने कहा कि जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों और कैंसर को जटिलताओं के बिना ठीक किया जा सकता है। मंत्री ने कहा कि करीब 80 लाख लोगों की जांच की गई, जिनमें से लगभग 20 प्रतिशत गंभीर बीमारियों के खतरे में पाए गए। इसके अलावा, 5 लाख से अधिक लोगों को संदिग्ध कैंसर के लिए रेफर किया गया था। जॉर्ज ने कहा कि जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों का जल्द पता लगाने और उनका इलाज करने के लिए सरकार के अभियान के तहत राज्य भर में स्क्रीनिंग की गई।

इस योजना के लिए 10 करोड़ रुपये बजट

मंत्री ने कहा कि इसके लिए बजट में 10 करोड़ रुपये जीवन शैली रोग नियंत्रण एवं संबंधित गतिविधियों की देश की एकमात्र योजना के विकास के लिये अलग रखा गया है। जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से बचाव के लिए राज्य द्वारा चलाया गया अभियान और स्क्रीनिंग स्वास्थ्य के क्षेत्र में देश में रोल मॉडल बन गया है।उन्होंने कहा कि 30 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की उनके घर जाकर जांच के लिए ई-हेल्थ के सहयोग से एक ऐप भी विकसित किया गया है।

राज्य सरकार के स्वास्थ्य संबंधी आंकड़े

अब तक जांच किए गए कुल 79,41,962 लोगों में से, 19.97 प्रतिशत (15,86,661) किसी भी गंभीर बीमारी के लिए जोखिम कारक समूह के अंतर्गत आते हैं, 11.02 प्रतिशत (8,75,236) को उच्च रक्तचाप, 8.88 प्रतिशत (7,05,475) था) मधुमेह और 3.88 प्रतिशत (3,08,825) दोनों के होने का संदेह था, मंत्री ने विज्ञप्ति में कहा।

देश में एक बार फिर बर्ड फ्लू ने दी दस्तक, इंसानों के लिए बड़ा खतरा

बोकारो, 22 फरवरी (एजेंसियां)। एक बार फिर देश में बर्ड फ्लू ने दस्तक दे दी है। झारखंड के बोकारो जिले में सरकारी पोल्ट्री फार्म में बर्ड फ्लू के मामले सामने आए हैं। प्रशासन ने बयान जारी कर बताया है कि बोकारो जिले के लोहांचल में मौजूद सरकारी पोल्ट्री फार्म में कड़कनाथ मुर्गियों में बर्ड फ्लू (एच5एन1) के मामले सामने आए हैं। बयान में ये भी कहा गया है कि बर्ड फ्लू के कारण कुछ कड़कनाथ चिकन की मौत भी हो गई है। बर्ड फ्लू के मामले सामने आने के पश्चात प्रशासन ने पोल्ट्री फार्म के एक किलोमीटर के दायरे को अफेक्टेड जोन एवं 10 किलोमीटर के दायरे को सर्विलांस जोन घोषित कर दिया है। इन क्षेत्रों में चिकन एवं बत्तखों की बिक्री पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। बता दे कि झारखंड के बोकारो जिले में सरकारी पोल्ट्री फार्म में बर्ड फ्लू फैल गया है। ये अभी कड़कनाथ मुर्गियों में फैला है। कड़कनाथ का मांस स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायी माना जाता है। इसमें आयरन एवं प्रोटीन बहुत अधिक होता है। इसकी खास बात ये होती है कि ये पूरा काला होता है, इसका मांस और खून भी काला होता है। प्रशासन ने बताया है कि बर्ड फ्लू के कारण कई कड़कनाथ मुर्गियों की मौत भी हो चुकी है। स्वास्थ्य विभाग के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी अरुण कुमार सिंह ने बताया है कि मामले सामने आने के पश्चात प्रदेश को अलर्ट पर रखा गया है। बोकारो के डिप्टी कमिश्नर कुलदीप चौधरी ने कहा कि एक मेडिकल टीम बनाई गई है, जो बोकारो की सीमा से सटे जिलों की निगरानी करेगी। साथ ही मुर्गियों एवं बत्तखों के नमूनें भी लिए जा रहे हैं।

कर्नाटक हिजाब केस

फिलहाल छात्राओं को हिजाब पहनकर परीक्षा देने की इजाज़त दी जाए.. : एससी में गुहार

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक हिजाब मामले में याचिकाकर्ताओं ने फिलहाल छात्राओं को हिजाब पहनकर परीक्षा में शामिल होने की इजाजत सुप्रीम कोर्ट से मांगी है. साथ ही जल्द सुनवाई की मांग भी की है. सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ जल्द सुनवाई के लिए तैयार भी हो गए हैं, उन्होंने कहा कि हम इसपर जल्द सुनवाई करेंगे. दरअसल याचिकाकर्ताओं की ओर से वकील शादान फरासत ने सीजेआई की बेंच को बताया कि 9 मार्च से परीक्षा शुरू होनी हैं. छात्राओं को हिजाब

पहनकर परीक्षा की इजाजत दी जाए. पहले ही वो एक साल खराब कर चुकी हैं.वकील शादान फरासत ने कहा कि इस मामले में सिर्फ अंतरिम राहत पर विचार किया जाए. दरअसल अक्टूबर 2022 में सुप्रीम कोर्ट में दो जजों की बेंच ने बंटा हुआ फैसला सुनाया था. दोनों जजों की राय अलग होने के बाद मामले को बड़ी बेंच के पास भेज दिया गया था. तब से तीन जजों की बेंच का गठन नहीं किया गया है. याचिकाकर्ता ने कहा कि कर्नाटक हिजाब मामले पर सुप्रीम कोर्ट के दो जजों के बीच मतभेद के चलते फैसला नहीं हो सका था. परीक्षाएं होने वाली हैं इसलिए फिलहाल परीक्षा तक की छूट दी जाए. सीजेआई ने पूछा कि परीक्षा में शामिल होने मे क्या समस्या है. याचिकाकर्ता के वकील शादान फरासत ने कहा कि हिजाब पहनकर परीक्षा में शामिल होने की इजाजत नहीं है. सोमवार को ही मामले की सुनवाई जाए. इसपर सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने भरोसा दिलाया कि वो देखेंगे.

कहा-सुनी के बाद दोस्तों के बीच चली गोली, एक की मौत आरोपी गिरफ्तार

जम्मू, 22 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू के नगरोटा विधानसभा क्षेत्र में दोस्तों के बीच आपसी विवाद में गोली चलने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार रात तीन दोस्त आपस में बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान दो दोस्तों के बीच किसी बात को लेकर कहा-सुनी हो गई। आरोप है कि इसमें एक दोस्त ने दूसरे पर गोली चला दी। इससे उसकी मौत हो गई। मामला नगरोटा विस क्षेत्र के मथवार ब्लॉक के अघोर गांव का है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में आगामी जांच जारी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मंगलवार देर रात अघोर गांव में गोली चलने की शिकायत मिली।

एडीआर: बीजेपी को 614 करोड़ और कांग्रेस को 95 करोड़ चंदा मिला, प्रूडेंट इलेक्टोरल ट्रस्ट ने दी सबसे ज्यादा रकम

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। चुनाव सुधारों के लिए काम करने वाली संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 2021-22 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 614 करोड़ रुपये, जबकि कांग्रेस को 95 करोड़ रुपये चंदा प्राप्त हुआ। एडीआर की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2021-22 के लिए राष्ट्रीय राजनीतिक दलों ने 7,141 चंदों से (20,000 रुपये से अधिक) प्राप्त कुल चंदा 780.774 करोड़ रुपये घोषित किया है। भाजपा और कांग्रेस को प्राप्त चंदे में 353 करोड़ रुपये प्रूडेंट इलेक्टोरल ट्रस्ट ने दिया है जो अधिकतम राशि पाने वाले दलों को शीर्ष चंदा देने वाला है।

भाजपा को 4,957 चंदों से कुल 614. 63 करोड़ रुपये प्राप्त हुए

रिपोर्ट में कहा गया है, ''भाजपा ने 4,957 चंदों से कुल 614. 63 करोड़ रुपये प्राप्त होने की घोषणा की है, जिसके बाद कांग्रेस का स्थान है। कांग्रेस ने 1,255 चंदों से 95.46 करोड़ रुपये मिलने की घोषणा की है। भाजपा द्वारा घोषित चंदा इस अवधि के लिए कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा),मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा), एनपीईपी, तृणमूल कांग्रेस द्वारा घोषित कुल चंदे से तीन गुना अधिक है।''

राष्ट्रीय दलों को मिलनेवाले चंदे में 31.50 प्रतिशत की वृद्धि

एडीआर ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने घोषणा की है कि उसे 2021-22 के दौरान 20,000 रुपये से अधिक का कोई चंदा नहीं प्राप्त नहीं हुआ, जैसा कि वह पिछले 16 वर्षों से घोषणा करती रही है। राष्ट्रीय दलों के लिए कुल चंदा 2021-22 के दौरान 187.03 करोड़ रुपये बढ़ गया, जो 2020-21 से 31.50 प्रतिशत अधिक है। भाजपा को चंदा 2020-21 के 477.55 करोड़ रुपये से बढ़ कर 2021-22 में 614.63 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल में 28.71 प्रतिशत तक की वृद्धि है। कांग्रेस का चंदा वित्त वर्ष 2020-21 के 74.52 करोड़ रुपये से बढ़ कर 2021-22 के दौरान 95.46 करोड़ रुपये हो गया, जो 28. 09 प्रतिशत की वृद्धि है।

सीपीआई और एनसीपी को 2020-21 की तुलना में कम चंदा मिला

माकपा और राकांपा ने 2020-21 की तुलना में 2021-22 में चंदे की राशि क्रमशः 22.06 प्रतिशत (2.85 करोड़ रुपये) और 40.50 प्रतिशत (24.10 लाख रुपये) कम प्राप्त होने की घोषणा की है। राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव आयोग को सौंपर गई उनकी चंदा रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। भाजपा और कांग्रेस को प्राप्त चंदे में 353 करोड़ रुपये प्रूडेंट इलेक्टोरल ट्रस्ट ने दिया है जो अधिकतम राशि पाने वाले दलों को शीर्ष चंदा देने वाला है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नुवोको विस्टाज कॉरपोरेशन लिमिटेड ने कांग्रेस को 15 करोड़ रुपये का चंदा दिया है।

चिटफंड कंपनियों ने किया 20 करोड़ का घोटाला, अब दर-दर भटक रहे हैं ग्रामीण

बैतूल, 22 फरवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के बैतूल में रुपया दुगना करने का झांसा देकर लोगों को ठगने का मामला सामने आया है। यहां तीन निजी कंपनियों ने हजारों लोगों को ठगा और कंपनियां भाग निकली। ऐसे करीब 20 हजार ग्रामीण हैं, जिनसे कंपनियों ने 20 करोड़ रुपये की उगाही की और दफ्तर बंद कर भाग निकलीं। इस मामले में बैतूल पहुंचे ग्रामीणों ने कलेक्टर से शिकायत की है। मुलताई, सारणी, मोरखा समेत कई इलाकों के दर्जनों ग्रामीण बैतूल पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि साईं प्रकाश प्रॉपर्टी डेवलपमेंट, एनआईसीएल निर्मल इंफ्राहोम कारपोरेशन लिमिटेड और जी लाइफ इंडिया लिमिटेड इंदौर जैसी कंपनियों ने पिछले आठ साल से उनका खूब शोषण किया है। कंपनियों ने ग्रामीणों को रुपये दोगुना करने का झांसा दिया। उनसे अपनी कंपनियों में निवेश करवाया। इन कंपनियों ने ग्रामीणों से तीन हजार से लाखों रुपये तक की रकम अपने खातों में जमा करवाई। उनसे कहा गया कि इस पॉलिसी के मैच्योर होने पर उन्हें यह रकम दोगुना और तीन गुना मिलेगी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार

ऐसे तो जिन्दगी में बहुत से मिल जाते हैं आपको अपना कहने वाले
रिश्ता उन्हीं से रखिए
जिनसे अपनेपन का एहसास हो..

आवारा कुत्तों के खतरे को नियंत्रित करने पर विशेष ध्यान देने का निर्देश

विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार ने उच्चस्तरीय बैठक की

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार ने अधिकारियों को जीएचएमसी सीमा में आवारा कुत्तों के खतरे को नियंत्रित करने पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया है। राज्य में ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम और अन्य नगर पालिकाओं की सीमा में आवारा कुत्तों के खतरे को रोकने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य योजना बनाना है। जीएचएमसी जोनल आयुक्तों, पशु चिकित्सा अधिकारियों के साथ एमए एंड यूडी कार्यालय में आज उनके कक्ष में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। जीएचएमसी के अधिकारियों ने जानकारी दी कि जीएचएमसी क्षेत्र में वर्तमान में पांच लाख पचास हजार आवारा कुत्ते हैं, जो पूर्व (2011) में 8 लाख 50 हजार थे, लेकिन पहले किए गए नसबंदी ऑपरेशन से यह आंकड़ा कम हो गया। वर्तमान में यह संख्या घटकर 5 लाख 50 हजार रह गई है। उन्होंने जीएचएमसी के अधिकारियों को निर्देश दिया कि एबीसी (पशु जन्म नियंत्रण) नसबंदी संचालन तुरंत किया जाए। नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे जीएचएमसी सीमा के भीतर होटल, रेस्तरां, समारोह हॉल, चिकन केंद्र और मटन केंद्रों को सड़कों पर डंप करने से प्रतिबंधित करें। शहर में आवारा कुत्तों की संख्या में संभावित वृद्धि को देखते हुए तत्काल इनकी रोकथाम के लिए उचित उपाय करने का आदेश दिया गया। उन्होंने सुझाव दिया कि शहर के सरकारी और निजी स्कूलों में भी छात्रों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। स्कूली छात्रों पर पालतू कुत्तों के प्रति जागरूकता की कमी का बोझ है। उन्होंने कहा कि इसे नियंत्रित करने के लिए छात्रों में जागरूकता पैदा करने की जरूरत है। अधिकारियों को इससे जुड़े पर्चे और होर्डिंग्स भी तैयार करने के आदेश दिए गए। अधिकारियों को शहर और पड़ोसी नगरपालिकाओं की सीमा के भीतर स्लम विकास संघों, नगर विकास संघों और निवासी कॉलोनी कल्याण संघों की मदद से नियंत्रण के उपाय करने की सलाह दी गई। उन्होंने अधिकारियों को शहर की सीमा के इलाकों में पालतू जानवरों के पंजीकरण के लिए एक अलग मोबाइल ऐप तैयार करने की सलाह दी। साथ ही माई जीएचएमसी ऐप व फोन नंबर 040-21111111 के माध्यम से इससे संबंधित शिकायत दर्ज करने के लिए भी कदम उठाए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को शहर और आसपास की नगर पालिकाओं में पालतू कुत्तों की संख्या की पहचान करने के लिए जल्द ही एक मोबाइल एप विकसित करने के निर्देश दिए।

ताकि पंजीकरण के अनुसार संबंधित स्वामियों को पहचान पत्र जारी किया जा सके। उन्होंने कहा कि जिन इलाकों में सबसे ज्यादा मामले दर्ज हुए हैं, उनकी पहचान कर वहां तत्काल कार्रवाई की जाए।

दक्षिण मध्य रेलवे ने ऐतिहासिक बावड़ी का कायाकल्प किया

200 साल पुरानी बावड़ी से निकलता प्रतिदिन 1 लाख लीटर पानी

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने जल संरक्षण और जल निकायों के पुनरुद्धार की दिशा में रेल मंत्रालय द्वारा दिए जा रहे जोर के अनुरूप जोनल रेलवे प्रशिक्षण संस्थान (जेडआरटीआई), मौला-अली, सिकंदराबाद में 200 साल पुराने हेरिटेज वेल का कायाकल्प किया है। यह कुआं पांच दशकों से अधिक समय से क्षेत्रीय रेलवे प्रशिक्षण संस्थान की पानी की जरूरतों को पूरा कर रहा है। यह परियोजना लगभग 6 लाख रुपए की लागत से शुरू की गई थी और लगभग 5 लाख रुपये प्रति माह की पर्याप्त बचत उत्पन्न करने की उम्मीद है। लगभग 50 फीट की गहराई वाला हेरिटेज कुआं प्रति दिन 1 लाख लीटर पानी का उत्पादन कर रहा है। यह क्षेत्र में (जेडआरटीआई), पर्यवेक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी) और प्रादेशिक शिविर (टीए) कार्यालय की जलापूर्ति की जरूरतों को पूरा कर रहा है। आसपास के क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन गड्ढे भी उपलब्ध कराए गए हैं जो वर्षा जल अपवाह को कम करने और जल संरक्षण की सुविधा प्रदान करने में मदद करेंगे।

इसके अलावा, कुएं को नायलॉन की जाली से ढक दिया गया है जो पत्तियों या अन्य सामग्रियों को पानी में गिरने से रोककर पानी को साफ रखने में मदद करता है। पानी को पंप करते समय, अदूषित पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए मैन्युअल क्लोरीनीकरण का भी उपयोग किया जा रहा है। हेरिटेज वेल का रखरखाव और सफाई नियमित आधार पर की जा रही है। हेरिटेज वेल का सौंदर्यीकरण ताजा पेंटिंग और सजावटी एलईडी लाइटिंग के साथ किया गया है। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने हेरिटेज बावड़ी के पुनरुद्धार के लिए हैदराबाद मंडल और जेडआरटीआई द्वारा की गई पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि दक्षिण मध्य रेलवे पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्ध है और इस संबंध में कई हरित पहलों और पर्यावरण के अनुकूल कार्य योजनाओं को लगातार लागू कर रहा है। उन्होंने कहा कि पुनर्जीवित हेरिटेज कुआं जेडआरटीआई और आसपास के कार्यालयों (एसटीसी और टीए कैंप) की सभी घरेलू पानी की आवश्यकताओं को पर्याप्त रूप से पूरा करेगा।

—ऐतिहासिक महत्व—

कहा जाता है कि हेरिटेज कुआं 200 साल पुराना खुला कुआं है जिसमें सीढ़ियां हैं। निज़ाम काल के पूर्व-स्वतंत्रता काल के दौरान कुएँ को ऐतिहासिक महत्व मिला है। सर मीर तुरब अली खान, सालार जंग-I (1829-1883) हैदराबाद के महानतम प्रधानमंत्रियों में से एक माने जाते थे। उन्होंने आम के बागानों की सिंचाई के लिए कुएं का इस्तेमाल किया। सिंचाई कर्मचारियों के ठहरने के लिए निजामों द्वारा कुएं की उत्तर दिशा की दीवार के समानांतर 10 कमरे बनवाए गए थे। आजादी के बाद की अवधि में, यह कुआं एससीआर को अपने गठन वर्ष 1966 में विरासत में मिला था।

शर्मिला ने अपमान के लिए किन्नरों से मांगी माफी

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआर तेलंगाना पार्टी की नेता वाईएस शर्मिला ने बुधवार को ट्रांसजेंडरों से कथित रूप से उनका अपमान करने के लिए विरोध प्रदर्शन करने के एक दिन बाद माफी मांगी। शर्मिला ने स्पष्ट किया कि वह और उनकी पार्टी ट्रांसजेंडर समुदाय का बहुत सम्मान करती है और यह केवल शब्दों के एक क्षणिक आदान-प्रदान में उसने यह शब्द बोला था, लेकिन उनका अपमान करने का इरादा कभी नहीं था। हम आपका सम्मान करते हैं और इस तथ्य को पहचानते हैं कि हमारे समाज में आपका एक विशेष स्थान है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी की बहन शर्मिला ने कहा कि अगर किसी को लगता है कि मैंने उन्हें चोट पहुंचाई है, तो मैं आपसे माफी मांगती हूं।

उन्होंने कहा कि एक बार सत्ता में आने के बाद, वाईएसआरटीपी उनके उत्थान की दिशा में काम करेगी और समाज में एक सम्मानजनक स्थान सुनिश्चित करेगी और कल्याणकारी योजनाओं और ऋणों का विस्तार भी करेगी। ट्रांसजेंडरों ने मंगलवार को हैदराबाद में प्रदर्शन कर शर्मिला से माफी मांगने की मांग की थी। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि अगर वह माफी नहीं मांगती हैं तो वे राज्य में उनकी पदयात्रा को रोक देंगे। गौरतलब है कि 18 फरवरी को महबूबाबाद में अपनी पदयात्रा के दौरान बोलते हुए, शर्मिला ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के स्थानीय विधायक शंकर नाइक की आलोचना की थी और उन्हें 'हिजड़ा' (हिजड़ा) कहा था। अपमानजनक शब्द का सत्ताधारी दल ने कड़ा विरोध किया था। पुलिस ने शर्मिला के खिलाफ मामला दर्ज किया, हिरासत में लिया और उसे जबरन हैदराबाद स्थानांतरित कर दिया। वाईएसआरटीपी नेता ने बाद में दावा किया था कि उन्होंने केवल विधायक की टिप्पणी का जवाब दिया था।

मंत्री केटीआर आज करेंगे 900 एससीसीएल क्वार्टर व 994 2बीएचके घरों का शुभारंभ

भूपालपल्ली, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी एवं उद्योग मंत्री केटी रामाराव के गुरुवार को भूपालपल्ली विधानसभा क्षेत्र के दौरे को लेकर सभी तैयारियां कर ली गयी हैं। वह यहां मंजूर नगर में सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के श्रमिकों के लिए 210 करोड़ रुपये की लागत से बनाए गए 900 आवासीय क्वार्टरों का उद्घाटन करेंगे। वह गरीबों के लिए राज्य सरकार द्वारा भास्कर गड्डा इलाके में बनाए गए 994 2बीएचके घरों का भी उद्घाटन करेंगे। एससीसीएलक्वार्टर का उद्घाटन करने के बाद, मंत्री एक वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लेंगे जहां एससीसीएल अधिकार क्षेत्र के तहत 4,000 पौधे लगाए जाएंगे। वह 3 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित सड़क और भवन अतिथिगृह और 23 लाख रुपये की लागत से विकलांग लोगों के उपयोग के लिए निर्मित सामुदायिक भवन का भी उद्घाटन करेंगे। बाद में, मंत्री सुभाष नगर में 4.50 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित मिनी स्टेडियम और यहां स्ट्रीट वेंडर्स जोन का उद्घाटन करने के अलावा एक एकीकृत सब्जी और मांस बाजार का उद्घाटन करेंगे। वह अपनी यात्रा के दौरान मिनी लाइब्रेरी के निर्माण की आधारशिला भी रखेंगे। रामाराव अंबेडकर स्टेडियम में भी जनसभा को संबोधित करेंगे। राज्य सरकार द्वारा जीओ 58 और 76 के अनुसार भूमि को नियमित करने के साथ मंत्री एसएचजी सदस्यों को बैंक लिंकेज ऋण सौंपने के अलावा कुछ पात्र गरीब लोगों को पट्टे भी सौंपेंगे। इस बीच, मंत्री के दौरे को देखते हुए पुलिस ने गुरुवार को भूपालपल्ली शहर की सीमा के तहत यातायात पर प्रतिबंध लगा दिया है।

शिक्षक एमएलसी निर्वाचन क्षेत्र के लिए तीन नामांकन दाखिल

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। महबूबनगर-रंगारेड्डी-हैदराबाद जिलों के शिक्षक एमएलसी निर्वाचन क्षेत्र के लिए नामांकन चल रहा है। बुधवार को तीन प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया। लिंगिडी वेंकटेश्वरलू, एस विजय कुमार और कांटे सयाना ने रिटर्निंग ऑफिसर प्रियंका अला को अपना नामांकन पत्र सौंपा। पांच और गल रेड्डी हर्षवर्धन रेड्डी, गुर्रम चेन्नाकेशव रेड्डी, ए विनय बाबू, देवन्ना गरी मल्लारेड्डी और कटेपल्ली जनार्दन रेड्डी ने नामांकन का एक और सेट दाखिल किया है। बुधवार को नामांकन दाखिल करने वाले आठ लोगों में से 13 सेट के नामांकन किए गए। आज तक, 18 उम्मीदवारों ने नामांकन के 39 सेट दाखिल किए हैं।

यूआईसी विश्व सुरक्षा कांग्रेस ने रेलवे की सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का आह्वान किया

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और इंटरनेशनल यूनियन ऑफ रेलवे (यूआईसी) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 18 वीं यूआईसी विश्व सुरक्षा कांग्रेस जयपुर में दूसरे दिन भी जारी रही, जिसमें दुनिया भर से सर्वश्रेष्ठ रेलवे सुरक्षा उपकरणों और प्रथाओं की खोज पर ध्यान केंद्रित किया गया। तीसरी बार भारत में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में दुनिया भर के प्रमुख सुरक्षा विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और उद्योग के नेताओं ने रेलवे क्षेत्र में वर्तमान सुरक्षा चुनौतियों पर चर्चा करने और अभिनव समाधानों पर विचार-विमर्श करने के लिए भागीदारी देखी है। सुबह के सत्र में उत्तरी अमेरिका, मध्य पूर्व, अफ्रीका, यूरोप और भारत में सर्वश्रेष्ठ रेलवे सुरक्षा उपकरणों और प्रथाओं पर प्रस्तुतियां थीं। प्रस्तुतियों में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि कैसे विभिन्न राष्ट्र ट्रेनों और स्टेशनों पर सुरक्षा बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी, नवाचार और अनुकूलित प्रक्रियाओं का लाभ उठा रहे हैं। दमरे के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों द्वारा किए गए हस्तक्षेपों में एक चल रही थीम एक रेलवे स्टेशन को न केवल यात्रियों के लिए प्रवेश और निकास का एक बिंदु बल्कि सामाजिक, नागरिक और आर्थिक गतिविधि का एक केंद्र के रूप में मान्यता देने की आवश्यकता थी। यह विशेष रूप से यूक्रेनी शरणार्थी संकट से निपटने के लिए विकसित समाधानों पर पोलिश प्रतिनिधि, सुश्री मैग्डेलेना कुजाकिंस्काद्वारा साझा किए गए अनुभवों में सबसे आगे आया। भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए डॉ. प्रदन्या सरवदे, महानिदेशक, रेलवे पुलिस, महाराष्ट्र और अजय सदानी, महानिरीक्षक, रेलवे सुरक्षा बल, मध्य रेलवे ने उल्लेख किया कि कैसे राज्य पुलिस ने आरपीएफ के सहयोग से औपचारिक सुरक्षा तंत्र और नागरिक वातावरण के अनुरूप समाधान विकसित किए है। मुंबई जैसे घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्र में, उन्होंने सुरक्षित यात्रा के लिए समाधान विकसित करते हुए यात्री को केंद्र में रखकर मानवीय पुलिसिंग का आह्वान किया। अन्य वक्ताओं में फ्रांस के मि. विन्सेंट रोक, बेल्जियम के सुश्री डेल्फ़िन बीटसे, मि. सेनेगल से सांबा नदिये और सुश्री यासीन सर्र, सऊदी अरब से श्री अब्दुल्ला अलोताइबी, कनाडा से ऑनलाइन शामिल होने वाले पीटर लैम्ब्रिनाकोस ने भी बहुत उपयोगी प्रस्तुतियाँ दीं। "विजन 2030" की थीम के साथ, दोपहर के सत्र में भारत के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों पर एक उत्तेजक चर्चा की। अरुण कुमार, पूर्व महानिदेशक, आरपीएफ, वीएसके कौमुदी, पूर्व सचिव (सुरक्षा), कैबिनेट सचिवालय, एस एम सहाय, अतिरिक्त सचिव, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय, नई दिल्ली ने इन चुनौतियों पर चर्चा की।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों की हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-निविदा सूचना सं.06/डीवाय.सीई/जीएस/जीएनटी दि. 21.02.2023

अधोहस्ताक्षरी व्दारा निम्न कार्यों हेतु दि. 16.03.2023 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा आग्रडी नं. :16 सेक्शन: डीवाय.सीई/जीएस/जीएनटी, कार्य विवरण: एसडब्ल्यू-1 : गूड्स का लदान व अलदान की डीलींग हेतु सीटीवायएल स्टेशन पर अतिरिक्त लूप लाइन्स की व्यवस्था का प्रावधान। कार्य सीमा: सीटीवायएल यार्ड परर बीआर नं. 96 का विस्तार करना। एसडब्ल्यू-2: कंटेनर ट्राफिक के संचालन हेतु एनडीकेडी स्टेशन पर अतिरिक्त लूप लाइन्स की व्यवस्था का प्रावधान। कार्य सीमा: एनडीकेडी यार्ड पर बीआर नं. 86 तथा 83 का विस्तार करना। अनुमानित मूल्य: (रु.)62999443/- बोली सुरक्षा राशि: (रु.)465000/-

निविदा आग्रडी नं. :17 सेक्शन: डीवाय.सीई/जीएस/जीएनटी, कार्य विवरण: एसडब्ल्यू-1 : गूड्स का लदान व अलदान की डीलींग हेतु एनडीकेडी स्टेशन पर अतिरिक्त लूप लाइन्स की व्यवस्था का प्रावधान। एसडब्ल्यू-।।: गूड्स का लदान व अलदान की डीलींग हेतु सीटीवायएल स्टेशन पर अतिरिक्त लूप लाइन्स की व्यवस्था का प्रावधान। अनुमानित मूल्य: (रु.) 49134598/- बोली सुरक्षा राशि: (रु.)395700/-

आनलाईन रूप में ई-बिड्स की प्रस्तुति की अंतिम तिथि दि.16.03.2023 के 15.30 बजे तक है।तत्संबंधित अधिक जानकारी हेतु वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर लागिन करें।

इस बारे में कोई और संचार/शुध्दिपत्रों को, ई-पोर्टल: www.ireps.gov.in के माध्यम से सूचित किया जाएगा।

उप मुख्य अभियंता, गति शक्ति, गुंटूर

ई-निविदा सूचना सं. जीएनटी /एसजी/36/270 दि. 22.02.2023

(सीपीएम/जीएस युनिट/जीएनटी की ओर से) अधोहस्ताक्षरी व्दारा निम्न कार्यों हेतु दि. 17.03.2023 के 12.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

आग्रडी नं. :270, कार्य विवरण: गुंटूर डिवीजन के एनडीकेडी व सीटीवायएल स्टेशनों पर अतिरिक्त लूप लाइन्स के प्रावधान से संबंधित सिग्नलिंग व टेलिकाम व्यवस्था्। अनुमानित मूल्य: (रु.) 1,99,11,504.40/- पूधरा /बोली सुरक्षा राशि: (रु.) 2,49,600/- निविदा दस्तावेज का मूल्यः रु. शून्य।

यदि निविदा खोलने की तिथि को बाद में अवकाश घोषित होता है तो तत्संबंधित निविदा अगले कार्य दिवस में निर्धारित समय पर खोली जायेगी। आनलाईन रूप में ई-बिड्स की प्रस्तुति की अंतिम तिथि दि.17.03.2023 के 12.00 बजे तक है।तत्संबंधित अधिक जानकारी हेतु वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर लागिन करें।

इस बारे में कोई और संचार/शुध्दिपत्रों को, ई-पोर्टल: www.ireps.gov.in के माध्यम से सूचित किया जाएगा।

वरिष्ठ मंडलीय सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता, गुंटूर

निविदा सूचना सं. 11-मेका.-युएफपी-टीपीटीवाय-22-23 दि. 21-02-2023

कृते मुख्य वर्कशाप प्रबंधक, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति, दमरे तथा भारत के राष्ट्रपति की ओर से, आग्रआरइपीएस के माध्यम से प्रतिष्ठित ठेकेदारों व्दारा निम्न कार्यों हेतु खुली निविदा आमंत्रित हैं।

निविदा सं. : निविदा सूचना सं. 11 - मेका.- युएफपी-टीपीटीवाय-22-23 दि. 21.02.2023 कार्य विवरण: कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति पर बैटरी बाक्सेस सहित कोचेस (आयसीएफ/एमइएमयु/एलएचबी) का अंडर फ्रेम पेंटिंग कार्य। अनुमानित मूल्य: रु. 1930284.14(उन्नीस लाख तीस हजार, दो सौ चौरासी रुपये व चौदह पैसे मात्र), बोली सुरक्षा: रु. 38,600/-(अडतीस हजार छह सौ रुपये मात्र), निविदा प्रपत्र का मूल्य: रु. शून्य। (कृपया निम्न नोट:1 पर ध्यान केंद्रित करें। पूरा करने की अवधि: एलओए की जारी की तिथि से 24 महिने।

नोट: जीसीसी 2022 के पैरा नं. 03, पार्ट - I के अनुसार सभी निविदादाताओं को निःशुल्क तौर पर ई- निविदा प्रपत्र जारी किया जायेगा। अतः निविदा दस्तावेज में निविदा दस्तावेज का मूल्य उल्लेखित नही किया गया है।

निविदा पेटी बंद करने की तिथि: 15-03-2023 के सुबह 11.00 बजे है।

मुख्य वर्कशाप प्रबंधक, कैरेज रिपेयर शाप,तिरुपति

A0277

तत्संबंधित निविदा शर्तों/ अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

बेसना

क्रिष्णाकुमार संघी

18/02/1945 - 22/02/2023

आपको अत्यंत दु:ख के साथ सूचित करना पड रहा है की हमारें पूजनीय श्री क्रिष्णाकुमार संघी का स्वर्गवास हो गया है।

:: बेसना ::

दि. 23/02/2023 गुरुवार
सुबह 9-00 से 11-00 बजे तक

:: स्थल ::

मदन मोहन रमणलाल होल, फर्स्ट फ्लोर
सदविचार परिवार, कोटयार्ड मेरियोट के पासे,
रामदेवनगर BRTS के सामने, सेटेलाईट, अहमदाबाद

:: शोकाकुल ::

सुधा संघी एवं समस्त संघी परिवार
मो. 9909929948 (रुचिता), 9909014993 (उमंग)

सरकारी और अर्द्धसरकारी विभागों से हटेंगे 15 साल पुराने वाहन

संभल एआरटीओ ने जारी की विभागों को चिट्ठी, जल्द शासन को भेजी जाएगी रिपोर्ट

संभल, 22 फरवरी, (ऐजेंसिया)। सरकारी एवं अर्द्ध सरकारी विभागों में चल रहे 15 साल पुराने वाहनों को अब हटाया जाएगा, शासन के आदेश के बाद में परिवहन विभाग हरकत में आया है। जनपद के सभी सरकारी एवं अर्द्ध सरकारी महकमों को चिट्ठी जारी कर दी गई है। उत्तर प्रदेश सरकार ने हाल ही में एक आदेश जारी किया है, जिसमें सभी सरकारी एवं अर्द्ध सरकारी विभागों में 15 साल से अधिक पुराने सभी वाहन अब सड़क पर नहीं दौड़ेंगे। इन वाहनों को स्क्रैप की सूची में डाला जाएगा। शासन ने बकायदा सभी जिले के सहायक संभागीय

परिवहन विभाग को निर्देश जारी किए हैं, वहीं जनपद संभल में भी सहायक संभागीय परिवहन विभाग ने शासन के आदेशों का पालन शुरू कर दिया है।

संभल जिले के सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन डॉक्टर प्रवेश कुमार सरोज ने बताया कि शासन ने सभी सरकारी एवं अर्द्ध सरकारी विभागों में 15 साल से अधिक पुराने वाहनों को हटाने के निर्देश दिए हैं, इसके चलते संभल जिले के सभी सरकारी एवं अर्द्ध सरकारी महकमों को चिट्ठी जारी की गई है, जिसमें सभी विभागों से पूछा गया है कि उनके विभाग में लगे वाहन कितने पुराने हैं। अगर वाहन 15 साल से अधिक पुराना है, तो उनको हटाया जाएगा।

एआरटीओ ने बताया कि सरकारी एवं अर्द्ध सरकारी विभागों में रोडवेज विभाग भी शामिल है। रोडवेज विभाग में अनुबंधित बसों को छोड़कर अन्य बसें जो 15 साल से अधिक पुरानी है, उनको भी शामिल किया गया है और जो भी बसें पुरानी होंगी उनको स्क्रैप सूची में डाला जाएगा। बताते चलें कि पुराने वाहनों की जगह नए वाहनों को सरकारी महकमों में लगाया जाएगा, जबकि सभी पुराने वाहन स्क्रैप में भेजे जाएंगे 1 अप्रैल 2023 से सभी पुराने वाहन स्क्रैप में भेजे जाएंगे। एआरटीओ डॉ. प्रवेश कुमार सरोज ने बताया कि संभल जिले के सभी सरकारी एवं अर्द्ध सरकारी विभागों से वाहनों के संबंध में डाटा इकट्ठा किया जा रहा है और बाद में इसे शासन को भेजा जाएगा।

योगी सरकार ने पेश किया भारी-भरकम बजट, बजट से जुड़ी बड़ी घोषणाएं

लखनऊ, 22 फरवरी, (ऐजेंसिया)। योगी सरकार 2.0 ने बुधवार को अपनी सरकार का दूसरा बजट पेश किया। बजट का आकार छह लाख 90 हजार दो सौ 42 करोड़ 43 लाख रुपये है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बजट का आकार हमारे कुशल वित्तीय प्रबंधन का प्रमाण है। बीते वर्ष जनता पर कोई नया कर नहीं लगाया गया फिर भी राजस्व की वृद्धि हुई है।

उन्होंने कहा जनता को महंगाई से राहत देने के लिए पेट्रोल-डीजल पर वैट कम किया है। प्रदेश में इंफ्रास्ट्रक्चर पर बड़ा निवेश किया गया है। यही कारण है कि आने वाले समय में 21 एयरपोर्ट वाला यूपी देश का पहला राज्य होगा।

बजट से जुड़ी बड़ी घोषणाएं...

- प्रदेश के छात्र-छात्राओं को टैबलेट व स्मार्ट फोन के लिए 3600 करोड़ रुपये देने का एलान किया गया है।
- वाराणसी-गोरखपुर में मेट्रो के लिए 100 करोड़ रुपये का एलान।
- झांसी-चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस-वे के लिए 235 करोड़ रुपये का एलान।
- स्वास्थ्य व्यवस्था पर 12,650 करोड़ रुपये खर्च का एलान।
- प्रदेश में फार्मा पार्कों की स्थापना के लिए 25 करोड़ रुपये देने का एलान।
- प्रदेश के सभी जिलों में एक मेडिकल कॉलेज की स्थापना करने के उद्देश्य के तहत 14 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाएंगे।
- लखनऊ विकास क्षेत्र तथा प्रदेश के समस्त विकास प्राधिकरणों के विकास क्षेत्र तथा नगर क्षेत्र में अवस्थापना सुविधाओं का विकास तथा वाराणसी एवं अन्य शहरों में रोप-वे सेवा विकसित किये जाने हेतु 150 करोड़ रुपये की व्यवस्था का प्रस्ताव है।
- कानपुर मेट्रो रेल परियोजना हेतु वित्तीय वर्ष 2023- 2024 में 585 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था का प्रस्ताव है।
- आगरा मेट्रो रेल परियोजना हेतु 465 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था का प्रस्ताव है।
- दिल्ली-गाजियाबाद मेरठ कॉरिडोर रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम परियोजना का निर्माण कार्य प्रगति पर है। वित्तीय वर्ष 2023- 2024 में 1306 करोड़ रुपये की व्यवस्था का प्रस्ताव है।
- वाराणसी, गोरखपुर व अन्य शहरों में मेट्रो रेल परियोजना के कियान्वयन हेतु 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था का प्रस्ताव है।
- मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण / नये शहर प्रोत्साहन योजना हेतु 3,000 करोड़ रुपये की व्यवस्था का प्रस्ताव है।
- गोरखपुर नगर स्थित गोडधोड़्या नाला एवं रामगढ़ ताल के जीर्णोद्धार तथा इंटरसेप्शन, डाइवर्जन एवं ट्रीटमेंट सम्बन्धी परियोजना हेतु भूमि अधिग्रहण के लिए 650 करोड़ 10 लाख रुपये की व्यवस्था का प्रस्ताव है।
- उत्तर प्रदेश के कृषकों की दुर्घटनावश मृत्यु व दिव्यांगता की स्थिति में मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना 14 सितम्बर, 2019 से लागू है। इस योजना के अन्तर्गत कृषक की परिभाषा का विस्तार किया गया है। योजना के अन्तर्गत दुर्घटनावश मृत्यु व दिव्यांगता की दशा में अधिकतम 5 लाख रुपये दिये जाने का प्रावधान है। योजना हेतु 750 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था की गई है।
- निर्माण श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा हेतु प्रत्येक राजस्व मण्डल में 1000 बालक व बालिकाओं के लिये कक्षा 06 से कक्षा-12 तक अध्ययन हेतु अटल आवासीय विद्यालय निर्माणाधीन हैं । इन विद्यालयों का संचालन आगामी सत्र 2023 2024 से प्रारम्भ किया जाना है। अवशेष निर्माण कार्य हेतु 63 करोड़ रुपये तथा उपकरण आदि के क्रय हेतु लगभग 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- मातृत्व शिशु एवं बालिका मदद योजना के अन्तर्गत पंजीकृत महिला श्रमिक के संस्थागत प्रसव की दशा में निर्धारित तीन माह के न्यूनतम वेतन के समतुल्य धनराशि एवं रुपये 1000 को चिकित्सा बोनस तथा पंजीकृत पुरूष कामगारों की पत्नियों को रुपये 6000 एकमुश्त में दिये जाने का प्रावधान है ।
- अधिकतम दो नवजात शिशुओं के पोष्टिक आहार हेतु लड़का पैदा होने पर एकमुश्त रुपये 20,000 तथा लड़की पैदा होने की स्थिति में रुपये 25,000 बतौर सावधि जमा जो 18 वर्ष के लिए होगा, भुगतान किया जायेगा।
- जन्म से दिव्यांग बालिकाओं को रुपये 50,000 बतौर सावधि जमा जो 18 वर्ष के लिए होगा, भुगतान किये जाने का प्रावधान है।

शक्ति पीठ माँ शाकुम्भरी देवी मंदिर के समेकित पर्यटन विकास हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष में 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। प्रयागराज के समेकित विकास हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष में 40 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है।

इसी तरह बौद्ध परिपथ के समेकित पर्यटन विकास हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष में 40 करोड़ रूपये, बुन्देलखण्ड का समेकित पर्यटन विकास हेतु 40 करोड़ रुपये, शुकतीर्थ धाम का समेकित पर्यटन विकास हेतु 10 करोड़ रुपये, प्रदेश में युवा पर्यटन को बढ़ावा देना हेतु 2 करोड़ रुपये उत्तर प्रदेश इको टूरिज्म, लखनऊ बोर्ड की स्थापना हेतु 2.50 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है।

खेलो इंण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स के लिये 30 करोड़ रुपये व प्रदेश में निजी सहभागिता से खेल अवस्थापनाओं के निर्माण हेतु 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार योजना हेतु 15 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। खेल विकास कोष की स्थापना हेतु 25 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। मेरठ में मेजर ध्यान चन्द्र खेल विश्वविद्यालय की स्थापना किये जाने के लिए 300 करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे।

लखीमपुर में चलाया गया अतिक्रमण हटाओ अभियान

लखीमपुर, 22 फरवरी, (ऐजेंसिया)। लखीमपुर में प्रशासन ने बिना किसी भेदभाव के अतिक्रमण हटाने के दौरान जेसीबी से पक्की सिढ़ियों को तोड़ा। वहीं गुमटियों को भी हटाया गया। दिन भर चले अतिक्रमण हटाओ अभियान के बाद मुख्य सड़कें चौड़ी दिखने लगी। अतिक्रमण हटाने के दौरान अतिक्रमणकारियों के बीच अफरा तफरी मची रही। अधिकारियों ने विभिन्न दुकानों के आगे लगे होर्डिंग बोर्ड लगा कर किये गए अतिक्रमण को जेसीबी से तोड़वा दिया। एसडीएम विनीत उपाध्याय ने कस्बा मितौली में लखीमपुर मैगलगंज मार्ग पर अवैध

अतिक्रमण के खिलाफ अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। एसडीएम राजेश कुमार ने तिकुनिया कस्बे में स्टेशन रोड से अस्पताल रोड से अतिक्रमण हटवाया। एसडीएम अनुराग सिंह ने गोला में अशोक चौराहे से विकास चौराहे एवं अलीगंज मार्ग पर अतिक्रमणकारियों पर शिकंजा कसते हुए कब्जा मुक्त कराया। एसडीएम श्रद्धा सिंह के निर्देश पर तहसीलदार सदर सुशील प्रताप सिंह ने हिदायतनगर चौराहे से कपूरथला तिरहा तक अतिक्रमण हटवाया। इस दौरान राजस्व, पुलिस व नगर पालिका की टीम मौके पर मौजूद रही। वहीं अन्य एसडीएम ने भी अपने-अपने तहसील क्षेत्रों में स्वयं खड़े होकर अतिक्रमण अभियान को लीड किया।डीएम महेंद्र बहादुर सिंह के निर्देश पर सभी सात तहसीलों में एसडीएम न केवल स्वयं अतिक्रमण हटाओ अभियान की कमान संभाले हैं, बल्कि वह डीएम को नियमित रिपोर्ट भी भेज रहे हैं। सभी तहसील क्षेत्रों के मुख्य मार्ग में वर्षों से अतिक्रमण जमाये अतिक्रमणकारियों पर प्रशासन ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है।

जरीफनगर में खूनी संघर्ष: पुरानी रंजिश के चलते दो पक्षों में फायरिंग, गोली लगने से तीन की मौत, चार घायल

बदायूं, 22 फरवरी, (ऐजेंसिया)। बदायूं के जरीफनगर थाना क्षेत्र के गांव आरिफपुर भक्ता नगला में बुधवार दोपहर पुरानी रंजिश के चलते दो पक्षों में जमकर गोलीबारी हो गई, जिसमें एक पक्ष के एक और दूसरे पक्ष के दो लोगों की मौत हो गई। जबकि चार लोग घायल हो गए। घायलों में एक की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं।

बताया जा रहा है कि गांव के अमर सिंह और महिपाल के बीच पुरानी रंजिश चल रही थी। दोपहर के समय दोनों ही पक्ष खेत पर

मौजूद थे। इसी दौरान उनके बीच गाली-गलौज के बाद फायरिंग हो गई। दोनों ओर से चली गोली में अमर सिंह का भाई 30 वर्षीय रेशम पाल, महिपाल का बेटा 15 वर्षीय जयप्रकाश, उसका भतीजा 22 वर्षीय सत्येंद्र की मौके पर ही मौत हो गई।

तो वहीं इस गोलीबारी में अमर सिंह, उसका भाई 25 वर्षीय राधेश्याम, महिपाल और महिपाल का भतीजा 24 वर्षीय हरिओम घायल हो गया। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसपी देहात अजय प्रताप और सीओ मौके पर पहुंच गए हैं। एसएसपी डॉक्टर ओपी सिंह घटनास्थल पर पहुंच रहे हैं।

समस्तीपुर में चाकू लेकर बैंक लूटने पहुंचा युवक, गिरफ्तार

एसबीआई में अकाउंटेंट से चाबी मांगी, विरोध करने पर महिला कर्मी पर किया हमला; अन्य कर्मियों ने दबोचा

समस्तीपुर, 22 फरवरी, (ऐजेंसिया)। समस्तीपुर शहर के मारवाड़ी बाजार स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शाखा में बुधवार को बैंक खुलते ही एक बदमाश ने बैंक लूटने का प्रयास किया। इस दौरान बदमाशों ने महिला बैंक कर्मी सुनैना रानी को चाकू मारकर जख्मी कर दिया। हालांकि हल्ला होने पर बैंक कर्मियों ने हिम्मत दिखाई और बदमाश को पकड़ लिया। पकड़े गए बदमाश की पहचान मुजफ्फरपुर जिला के बरुआ थाना क्षेत्र का आर्यन कुमार के रूप में हुई। उसके पास से पुलिस ने एक बड़ी चाकू बरामद की गई है। जिस समय बदमाश बैंक में घुसे थे, उस वक्त बैंक में करीब 50 से 60 लाख रुपए थे।

घटना के संबंध में बताया गया है कि दिन के करीब 10:10 बजे पिट्ठू बैग लिए एक युवक घुसा। उसकी उम्र करीब 22 से 23 वर्ष

बताई गई। बैंक के अंदर प्रवेश किया। बैंक की अकाउंटेंट सुनैना रानी पर चाकू से दिखाया और उससे लॉकर की चाबी मांगने लगा। जब सुनैना ने इसका विरोध किया तो बदमाश ने उस पर चाकू चला दी।

बैंक कर्मी को दाहिने हाथ में लगी। सुनैना द्वारा शोर मचाए जाने पर बैंक के अन्य कर्मी भी वहां जुट गए और बदमाश को पकड़ लिया। जिसके बाद घटना की जानकारी नगर थाने को दी गई। घटना की सूचना के बाद तुरंत नगर थानाध्यक्ष चंद्रकांत गौरी के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और बदमाश को कब्जे में ले लिया। उधर सूचना मिलने पर एसपी विनय तिवारी भी मौके पर पहुंचे। एसपी ने बताया कि बदमाश सनकी टाइप का लग रहा है। जिसे बैंक कर्मियों के सहयोग से पकड़ लिया गया है। वह मुजफ्फरपुर जिले के बरूआ थाना क्षेत्र का रहने वाला है। उसका आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। युवक की मनसा बैंक लूटने की थी। जिसे बैंक कर्मियों की हिम्मत के कारण नाकाम कर दिया गया है। उन्होंने मौके पर त्वरित कार्रवाई को लेकर नगर थाना अध्यक्ष और उनकी टीम को 5000 का इनाम देने की घोषणा की।

जख्मी महिला बैंक कर्मी सुनैना रानी ने बताया कि बैंक खुलने के कुछ देर बाद 10:10 पर एक बदमाश बैंक के अंदर प्रवेश किया। पहले उसे लगा कि यह कोई ग्राहक है लेकिन जब उसने चाबी मांगने शुरू की तथा उस पर चाकू से वार किया तो उसे लगा कि यह बदमाश है। जिसके बाद उसने हल्ला मचाया। सुनैना के हल्ला पर बैंक के अन्य कर्मी जुटे जिसके बाद बदमाश को पकड़ लिया गया।बताया गया है कि अपराधी ने जिस समय बैंक पर हमला बोला था उस समय बैंक में करीब 50 से 60 लाख रुपए थे अगर बैंक कर्मियों ने हिम्मत नहीं दिखाई होती तो लूट की बड़ी घटना हो जाती। बैंक कर्मियों की हिम्मत से इस घटना को टाला गया।

सपने में आए मुलायम सिंह : मैं रोने लगा तो वे भी रोने लगे इसलिए साइकिल से दफ्तर आया हूं : मंत्री तेज प्रताप

पटना, 22 फरवरी, (ऐजेंसिया)। बिहार सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्री तेज प्रताप यादव बुधवार को साइकिल से दफ्तर पहुंचे। उन्होंने साइकिल चलाने के पीछे की वजह बताई। मंत्री ने कहा कि नेताजी मुलायम सिंह यादव मेरे सपने में आए थे। उन्होंने मुझे घड़ी दी। मैं जब रोने लगा तो वे भी रोने लगे। नेताजी ने मेरे साथ साइकिल चलाई। इसके बाद मेरे मन में आया कि साइकिल से दफ्तर जाऊं। इससे पर्यावरण भी बचेगा। तेज प्रताप यादव ने राबड़ी आवास से विभागीय कार्यालय अरण्य भवन तक करीब एक किलोमीटर की दूरी साइकिल चलाकर तय की। फिर साइकिल से ही आवास पर वापस लौटे।

मंत्री ने कहा कि पर्यावरण को बचाने के लिए सभी को हफ्ते में एक दिन साइकिल चलाने की जरूरत

है। तेज प्रताप यादव ने ट्वीट करके बताया कि सपने में आए मुलायम सिंह के साथ क्या-क्या बातचीत हुई।

मंत्री और लालू के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने कहा- मैं सपने में वृंदावन जा रहा था। रास्ते में नेताजी का सैफई गांव पड़ा, तो सोचा कि एक बार वहां घूम लेता हूं। जब वहां पहुंचा तो देखा कि नेताजी कुछ नेताओं के साथ बैठे हुए थे, उन्होंने जब मुझे देखा तो कहा कि अरे तेजप्रताप तुम यहां, उसके बाद हमने कहा कि पूरा गांव आपका घूमना चाहते हैं और साइकिल से ही घूमना चाहते हैं।

तब उन्होंने दो साइकिल मंगवाई। वे और मैं साथ में साइकिल चला रहे थे। उसके बाद घूमते समय किसी महिला ने नेताजी को अपनी समस्या बताई। महिला ने पूछा कि यह आपके साथ कौन है तो उन्होंने कहा कि यह तेजप्रताप जी हैं। यह बिहार से आए हैं। इसके बाद वहां पर नेताजी के साथ मैंने शादी का फंक्शन अटेंड किया। वहां पर भी लोग उनको साइकिल के साथ देख कर चौंक गए।

मेरी नेताजी से पॉलिटिकल बातें हुईं। उन्होंने मुझे कहा कि आप डिपार्टमेंट संभाल रहे हैं, आप आगे बढ़ गए। आपको मेरा आशीर्वाद है। आप बहुत ऊंचाई तक जाइए। इसके बाद उन्होंने मुझे अपनी घड़ी भी दी। घड़ी लेने के बाद मैं भावुक हो गया और मैंने उनसे आशीर्वाद लिया।

मैं रोने लगा तो नेताजी भी मेरे साथ रोने लगे। मैंने कहा कि नेताजी आप हम सभी को छोड़ कर चले गए हैं। नेता जी ने कहा कि मैं छोड़कर आप लोगों को

लूडो में पैसे हारने पर बैंक मैनेजर ने किया सुसाइड!

बक्सर में रेलवे ट्रैक पर मिली थी युवक की लाश, लापता होने के 2 दिन बाद मिला शव

बक्सर, 22 फरवरी, (ऐजेंसिया)। बक्सर के मंगराव गांव के रहने वाले युवक की बिहारशरीफ के पास ट्रेन से कटकर मौत हो गई है। युवक को ऑनलाइन लूडो की लत थी जिसमें में वह काफी पैसे हार चुका था। जिससे आशंका जताई जा रही है कि युवक ने पैसे हारने के कारण ट्रेन के आगे कूद आत्महत्या कर ली।

युवक बिहार शरीफ में ही इंडसइंड बैंक का मैनेजर था। जो दो दिन से बिना कोई सूचना दिए लापता था। जिसे परिजन ढूंढ रहे थे। लेकिन दो दिन पहले जिस अज्ञात शव को पुलिस ने सुरक्षित रखा था। उसकी पहचान पिता द्वारा कर ली गई। इसके बाद से ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मिली जानकारी के अनुसार बक्सर जिले मंगराव गांव के निवासी विनय कुमार सिंह (26) पिता गौरव सिंह वर्तमान में नवादा में इंडसइंड बैंक में शाखा प्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। जो नवादा स्थित हनुमान नगर

मोहल्ला में पिंटू सिंह के किराए के मकान में रहते थे। युवक अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था।

परिजनों ने बताया कि विनय को ऑनलाइन लूडो (जुए) की लत थी। परिजनों के अनुसार 19 फरवरी की सुबह में टहलने की बात अपने रूम पार्टनर समीर से कह कर निकले। 2 दिन बाद पता चला कि शव रेलवे ट्रैक बरामद हुआ है। पहचान नहीं होने के कारण रेल पुलिस शव को पोस्टमार्टम के बाद सुरक्षित रखे हुए थे। दो दिन बाद युवक के कपड़े से पिता ने उसे पहचान लिया। जिसे अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया गया।

विनय अपने पिता के इकलौते पुत्र थे। पिता उनकी शादी को लेकर चिंतित थे। लेकिन उनकी मौत के बाद परिवार के लोग गहरे सदमे में हैं। घटना के बाद ग्रामीण भी गमगीन हैं। लोगों को भरोसा नहीं हो रहा कि विनय के साथ इस तरह की घटना हो गई। बुधवार को बक्सर के श्मशान घाट पर परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

दस दिनों में किए कई ट्रांजेक्शन

नवादा डीएसपी ने कहा कि अनुसंधान के क्रम में यह बात सामने आई है कि दस दिन में एक भारी रकम की ट्रांजेक्शन इनके खाते से हुई है। वह ऑनलाइन गेमिंग लूडो में बड़े मात्रा में राशि हार चुके थे। इसके कई साक्ष्य भी उन्हें मिले हैं। उनके पिता ने उनके खाते में 16 अप्रैल 2022 को साढ़े तीन लाख रुपये भी ट्रांसफर किए थे। इसके अलावा उनकी बहन ने भी उसे राशि ट्रांसफर की थी। हालांकि, पुलिस अन्य पहलुओं पर भी जांच कर रही है क्योंकि अभी केवल एक ही बैंक अकाउंट का डिटेल सामने आया है।

गोपालगंज में दो पक्षों में मारपीट और चाकूबाजी : 8 लोग जख्मी, चाकू लगने से एक युवक की हालत गंभीर

गोपालगंज, 22 फरवरी, (ऐजेंसिया)। गोपालगंज नगर थाना क्षेत्र के तिर्बिरवा गांव में पूर्व के आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया। इस मारपीट की घटना में दोनों पक्ष से आठ लोग जख़्मी हो गए जबकि एक युवक को चाकू गोद दिया गया। फिलहाल सभी जख्मियों को तत्काल इलाज के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां चाकू लगने से जख़्मी युवक की स्थिति नाजुक देखते हुए डॉक्टर द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए गोरखपुर रेफर कर दिया।

वही अन्य जख्मियों का इलाज गोपालगंज सदर अस्पताल में चल रहा है। जख्मियों में तिबिरवा गांव निवासी गुड्डू महतो की पत्नी शिव तारा देवी, हरेकृष्ण महतो के बेटा वर्मा जी महतो, वर्मा जी महतो की पत्नी प्रभावती देवी,प्रभु नाथ महतो के बेटा पवन कुमार और राधा

कृष्ण महतो के बेटा ओम प्रकाश महतो शामिल है जबकि दूसरे पक्ष से हरपुर गांव निवासी वशिष्ठ प्रसाद के बेटा दिनेश कुमार, सूरज प्रसाद के बेटा कमलेश प्रसाद मजिस्टर प्रसाद शामिल है।

दरअसल घटना के सन्दर्भ में बताया जाता है कि हरपुर गांव निवासी दिनेश कुमार और तिरबीरवा गांव निवासी वर्मा जी महतो के बीच पूर्व से आपसी विवाद चल रहा था। इसी बीच आज दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गई और जमकर दोनों पक्षों के ओर से लाठी डंडे और ईंट पत्थर और चाकू बाजी होने लगी। जिसमे दोनों पक्षों के आठ लोग जख़्मी हो गए। वही एक युवक मजिस्टर प्रसाद को चाकू लगने से वह बुरी तरह जख़्मी हो गया। जिसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जहां से डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए गोरखपुर रेफर कर दिया। वही अन्य सात लोगों का इलाज गोपालगंज सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में चल रहा है। इस संदर्भ में एक पक्ष के जख़्मी शिव तारा देवी ने बताया कि हरपुर गांव निवासी आरोपियो द्वारा मेरे घर के पास ही बैठ कर शराब पीते है और गाली गलौज करते है, जिसका विरोध करने पर मारपीट की गई और झोपड़ीनुमा घर को तोड़ कर समान फेंक दिया गया।

इस घटना में पांच लोग जख़्मी हो गए। वही दूसरे पक्ष के जख्मी दिनेश कुमार ने बताया कि कुछ दिन पहले मेरे घर में शादी थी जिसमें महिलाओं द्वारा शादी की रस्म पूरी की जा रही थी। इसी बीच आरोपियों द्वारा महिलाओं के साथ छेड़खानी किं गई थी जिसका विरोध किया गया था। और युवक एक थप्पड़ मार कर भगा दिया गया था। इसी बीच आज अकेला पाकर आरोपियों द्वारा लाठी डंडे व ईंट पत्थर से हमला कर दिया गया जबकि एक युवक को चाकू गोद दिया गया।

कांग्रेस की रणनीति तैयार, दिग्विजय साधेंगे हारी सीटों को, कमलनाथ बनाएंगे रणनीति

भोपाल, 22 फरवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनावों का काउंटडाउन शुरू हो गया है। सिर्फ सात-आठ महीने का समय बचा है। ऐसे में दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियों को धार देना शुरू कर दिया है। भाजपा की विकास यात्राएं अपने शबाब पर हैं, जिसमें प्रशासन की मदद से विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को साधा जा रहा है। वहीं, कांग्रेस ने भी प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के साझा नेतृत्व में आगे बढ़ने का फैसला किया है। कमलनाथ पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर बैठकर रणनीति बनाएंगे तो वहीं दिग्विजय सिंह दौरे करेंगे। फिलहाल इस पर काम शुरू हो गया है। कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की जुगलबंदी पर भले ही भाजपा के आला नेता निशाने साध रहे हो, लेकिन

कांग्रेस के प्रचार अभियान की धुरी इनके ईर्द-गिर्द ही बन रही है। दोनों ने मिलकर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के लिए मध्यप्रदेश से डेलिगेट्स की सूची को फाइनल किया। इसी वजह से दोनों के करीबी नेता इस लिस्ट में देखे जा रहे हैं। दिग्विजय सिंह और कमलनाथ के गले मिलते हुए और साथ के फोटो पिछले दिनों वायरल हुए थे। इसमें भी दोनों नेता कह चुके हैं कि हम मिलकर काम करेंगे। उनकी गतिविधियां भी इसी दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

दोनों के बीच खटपट की बात हुई पुरानी

भारत जोड़ों यात्रा के दौरान दिग्विजय सिंह और कमलनाथ के बीच मनमुटाव की अटकलें लगी थी। इसके चलते ही राहुल गांधी ने दोनों नेताओं को मंच पर गले भी मिलाया था। भारत जोड़ो यात्रा खत्म होने के बाद दोनों को यह समझ आ गया है कि मध्यप्रदेश जीतने के लिए आपसी कड़वाहट को मिटाना होगा। दोनों परिपक्व नेता हैं और दोनों की समन्वित कदमताल बता रही है कि दोनों ही इसे गंभीरता से ले रहे हैं। दोनों की मिली-जुली ताकत ही थी जो 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस एकजुटता के साथ चुनाव लड़ी और 2018 के 58 सीटों से 114 सीटों तक पहुंच गई थी। उसके बाद जो भी हुआ, वह इतिहास बन चुका है।

हारी सीटों पर दिग्विजय सिंह का फोकस

दिग्विजय सिंह ने 17 फरवरी को भोपाल की हारी हुई सीटों पर कार्यकर्ताओं से बातचीत की। फिर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की सीट बुदनी (सीहोर) भी पहुंचे। उनका टारगेट ऐसी सीटों पर कार्यकर्ताओं को एकजुट करने का है, जहां पार्टी दो-तीन चुनाव से हार रही है। इसी सिलसिले में उनके प्रदेशव्यापी दौरे शुरू हो चुके हैं। कुल मिलाकर 60 सीटें ऐसी हैं, जहां कांग्रेस पिछले दो-तीन चुनाव लगातार हारी है। इन सीटों के लिए पार्टी ने अलग से रणनीति बनाई है। शुरुआत में दिग्विजय सिंह जा रहे हैं और वहां के कार्यकर्ताओं से संवाद कर रहे हैं ताकि उन्हें एकजुट बनाया जा सके।

सर्वे कर मजबूत उम्मीदवार की रिपोर्ट बनाएंगे

दिग्विजय सिंह हारी हुई सीटों पर जाकर एक तीर से की निशाने साध रहे हैं। मंडलम, सेक्टर और बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से मिल रहे हैं। रुठे कार्यकर्ताओं को मना रहे हैं। उन्हें फिर से पार्टी और अभियान से जोड़ रहे हैं। ऐसे कार्यकर्ताओं का मनोबल भी बढ़ा रहे हैं, जो पिछले कुछ समय से राजनीतिक दुर्भावनावश मुकदमों का सामना कर रहे हैं। चुनावों तक एकजुट रहने के गुर भी सिखा रहे हैं। ग्राउंड लेवल पर लगातार दौरों के बाद दिग्विजय सिंह एक सर्वे रिपोर्ट तैयार करेंगे। वहां के मजबूत उम्मीदवार के नामों को पता करेंगे और यह रिपोर्ट कमलनाथ को सौंपेंगे। फिलहाल हारी हुई सीटों पर जा रहे हैं, लेकिन इसके बाद उनके दौरे कांग्रेस की सीटों पर भी होंगे। वहां के जमीनी हालात पर भी वह रिपोर्ट सौंपने वाले हैं।

जनता से मिलकर रणनीति बना रहे हैं कमलनाथ

प्रदेश कांग्रेस प्रमुख कमलनाथ का जोर भी उन सीटों पर हैं, जिन पर पार्टी लगातार हार रही है। वह भी ऐसी सीटों को चिह्नित कर दौरे कर रहे हैं। कोशिश हो रही है कि हर एक सीट के लिए अलग रणनीति हो। इसके लिए रोजाना लोगों से मिल रहे हैं और उनकी नाराजगी के मुद्दे समझने की कोशिश भी कर रहे हैं।

कोलकाता में बैठकर अमेरिकी नागरिकों के खाते से उड़ा लेते थे पैसे, पुलिस ने छह को दबोचा

कोलकाता, 22 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के तोपसिया थाना इलाके में कॉल सेंटर खोलकर अमेरिकी नागरिकों के खाते से लाखों उड़ाने वाले छह लोगों को कोलकाता पुलिस की टीम ने धर दबोचा है। इनकी पहचान सलमान मिर्जा, आसिफ हुसैन, इमरान अली, शेख साहिल, आयुष अग्रवाल और जैद खान के तौर पर हुई है।

इनमें से सलमान कॉल सेंटर के मालिकों में से एक है। कोलकाता पुलिस के संयुक्त आयुक्त (अपराध) मुरलीधर शर्मा ने बुधवार सुबह इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि मंगलवार की रात पुख्ता सूचना के आधार पर तोपसिया थाना क्षेत्र के तीन नंबर महेंद्र रॉय लेन स्थित इमारत के पहले तल पर छापेमारी की गई। यहां ये सारे लोग कॉल सेंटर चला रहे थे। अमेरिकी सरकार के गीकस्क्वॉड टेक्निकल डिपार्टमेंट के नाम पर ये अमेरिकी नागरिकों को फोन करते थे। इसके बाद उनके कंप्यूटर, लैपटॉप को अपने कंप्यूटर या लैपटॉप पर हैक कर लेते थे और उनसे बैंक डिटेल हासिल कर उनके अकाउंट से रुपये गायब कर देते थे।

इनके पास से 12 मोबाइल फोन, चार लैपटॉप और कॉल के अन्य सामान बरामद किए गए हैं। इन के खिलाफ भारतीय दंड विधान की धारा 120 बी, 419, 420, 465, 467, 468, 471 के साथ ही आईटी एक्ट-2000 की धारा 66, 66सी, 66डी, 84 बी और 43 के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है। इनसे पूछताछ कर इनके अन्य साथियों के बारे में पता लगाया जा रहा है।

फूफा ने किया था नौ साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म

इटारसी की कोर्ट ने सुनाई मृत्युदंड की सजा

नर्मदापुरम, 22 फरवरी (एजेंसियां)। इटारसी के विधिक इतिहास में पहली बार नाबालिग के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में द्वितीय सत्र न्यायाधीश सविता जडिया ने फांसी की सजा का एलान किया है। आरोपी पीड़ित का रिश्ते में फूफा लगता है। उसे मौत की सजा सुनाई गई है। आदिवासी केसला अंचल के ग्राम शक्तिपुरा में रिश्ते में 18 नवंबर को फूफा ने नौ साल की नाबालिग के साथ दुष्कर्म की थी। पहचान छिपाने के लिए उसकी हत्या कर दी थी। इस मामले में पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। इसके बाद लगभग 84 दिनों में स्पेशल पास्को कोर्ट ने आरोपी राहुल कवड़े को हत्या, दुष्कर्म सहित पॉक्सो एक्ट की धारा में सजा सुनाते फांसी की सजा से दंडित किया है। इटारसी के विधिक इतिहास का यह पहला मामला है जहां 84 दिनों में किसी आरोपी को फांसी की सजा से दंडित किया गया।

इस मामले में अंतिम तर्क जिला अभियोजन अधिकारी राज कुमार नेमा एवं प्रकरण की सम्पूर्ण पैरवी अतिरिक्त जिला अभियोजन अधिकारी हरि शंकर यादव ने की। नर्मदापुरम के जिला अभियोजन अधिकारी राजकुमार नेमा ने बताया कि साढ़े तीन महीने पहले यह वारदात हुई थी। फूफा के खिलाफ दुष्कर्म और गला घोंटकर हत्या का मामला दर्ज हुआ था। पुलिस ने तत्परता दिखाई।

भाजपा के पूर्व मंत्री के विवादित बोल कहा

हमने औकात दिखाई तो चली गई थी पार्टी की सरकार

दमोह, 22 फरवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनावों को लेकर सरगर्मियां बढ़ रही हैं तो वहीं पिछले चुनावों के घाव भी सामने आ रहे हैं। भाजपा के पूर्व मंत्री और पूर्व सांसद डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया का एक वीडियो वायरल हो गया है। इसमें वह कह रहे हैं कि 2018 में हमसे औकात पूछी गई थी। जब हमने मैदान में औकात दिखाई तो भाजपा की सरकार चली गई थी। कुसमरिया दमोह की पथरिया विधानसभा क्षेत्र के नंदरई गांव में विकास यात्रा के दौरान संबोधित कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में भाजपा के कई नेता और पूर्व विधायक भी शामिल हुए। पूर्व मंत्री कुसमरिया ने भाजपा की नीतियों की चर्चा शुरू की। फिर जनसंघ के समय को याद किया। उन्होंने कहा कि उमा भारती के बाद शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री बने और बनते आ रहे हैं। बीच में थोड़ी गड़बड़ हो गई थी, वह मेरे कारण हुई थी। मैं क्या करता, मेरी कोई नहीं सुन रहा था। मैंने कहा था कि मुझे पथरिया से नहीं तो बिजावर, महाराजपुर से टिकट दे दो। कहीं से भी टिकिट दे दो, सरकार बनवा दूंगा। उस समय हम लोग इसी तरह यात्राएं करते थे। मैंने प्रदेश अध्यक्ष से कहा कि सच्ची बात यह है कि हमारी सरकार नहीं आ रही है। मैंने उनसे कहा कि बुंदेलखंड के सागर जिले को छोड़कर मैंने सभी जगह से चुनाव लड़े हैं। इस क्षेत्र में मेरी एक पीढ़ी की पहचान है। मुझे टिकट दे दो, मैं तुम्हारी सरकार बनवा दूंगा। वह गलत बात बोल गए थे। मुझे ज्यादा गुस्सा आ गया और उस गुस्से का परिणाम जो हुआ, वह आप सबके सामने हैं।

राकेश सिंह ने औकात दिखाई थी

कुसमरिया का आरोप है कि टिकट को लेकर जब मेरी उस समय के प्रदेश भाजपा अध्यक्ष (राकेश सिंह) से बात हुई तो उन्होंने मुझसे कहा था कि तुम्हारी इतनी औकात है क्या? मैंने कह दिया था कि अब मैं अपनी औकात फील्ड में दिखाऊंगा, यहां नहीं। मैं इतना सीनियर और तुम कल के अध्यक्ष बने और औकात की बात कर रहे हो। ऐसे में तो किसी को भी गुस्सा आ जाएगा, इसलिए मुझे भी आ गया और भाजपा की सरकार चली गई।

बीमारी की गोली दे दी तो सब ठीक हो गया

कुसमरिया ने कहा कि मैंने जो किया उसके बाद से बहुत कुछ ठीक हो गया। जब थोड़ा-सा झटका लगता है तो सब ठीक हो जाता है । कहीं जब बीमारी लग जाती है, तो जैसे मलेरिया की गोली दी जाती है वैसे ही मैंने भी गोली दे दी। उसके बाद सबको समझ में आ गया। जब समझ में आ गया, तो फिर से सब कुछ ठीक चलने लगा। अब सब ठीक है। मेरे कारण 12-14 विधायक गए थे और अब 25 लौटकर आ गए। अब क्या चाहते हो मय ब्याज के तो दिला दिए हैं।

दमोह और पथरिया से निर्दलीय चुनाव लड़ा था

2018 के विधानसभा चुनाव में डॉ रामकृष्ण कुसमरिया को भाजपा से टिकट नहीं मिला तो उन्होंने पथरिया और दमोह से निर्दलीय चुनाव लड़ा था। पार्टी ने लखन पटेल को उम्मीदवार बनाया था। कुसमरिया को लगा था कि पूर्व वित्त मंत्री जयंत मलैया ने ही उनका टिकट कटवाया है। इस वजह से गुस्से में आकर उन्होंने दो जगह से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा। नतीजा यह हुआ कि दोनों जगह से भाजपा के प्रत्याशी चुनाव हार गए। इसके बाद कुसमरिया भाजपा छोड़कर काग्रेस गए और फिर उनकी घर वापसी हुई है।

फरवरी में गर्मी के तीखे तेवर, मार्च में क्या होगा

इंदौर, 22 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में मौसम का मिजाज बदल चुका है, जहां गर्मी ने अपनी दस्तक देती है। वहीं प्रदेश के मालवा-निमाड़ अंचल में तापमान लगातार बढ़ते चला जा रहा है। अंचल के इंदौर, खरगोन, अलीराजपुर, खंडवा और धार जिले में तापमान बढ़ने से लोग गर्मी महसूस कर रहे हैं। फरवरी के महीने में ही गर्मी के तीखे तेवर लोगों को परेशान कर रहे हैं। उधर, मौसम वैज्ञानिक मार्च के महीने में गर्मी के तेवर और भी तीखे होने की संभावना जता रहे हैं। आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ेगा, जिसके चलते गर्म हवाओं का प्रकोप झेलना पड़ सकता है। मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो मार्च में गर्मी बढ़ने की संभावना है, जहां इसका असर फरवरी के आखिरी सप्ताह से ही देखने मिल सकता है।

महामंडलेश्वर उत्तम स्वामी बोले- भारत में 30 करोड़ मुसलमान

नहीं बन सकता हिंदू राष्ट्र; धीरेंद्र शास्त्री और पंडोखर सरकार को दी सलाह

इंदौर, 22 फरवरी (एजेंसियां)। भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने को लेकर अब संतों के बीच टकराव की स्थिति बन गई है. इंदौर पहुंचे महामंडलेश्वर उत्तम स्वामी महाराज ने स्पष्ट तौर पर कहा कि भारत हिंदू राष्ट्र नहीं बन सकता है. दरअसल, देशभर में सुर्खियां बने बागेश्वरधाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री लगातार भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की बात कर रहे हैं. उनकी इस मुहिम को महामंडलेश्वर उत्तम स्वामी ने झटका दिया है. उन्होंने कहा कि भारत हिंदू राष्ट्र कहां से बनेगा. यह संभव ही नहीं हैं. उन्होंने कहा कि भारत में 25 से 30 करोड़ मुस्लिम हैं. इसके अलावा क्रिश्चियन समाज के लोग यहां रहते हैं, ऐसे में हिंदू राष्ट्र की परिकल्पना व्यर्थ है. महामंडलेश्वर उत्तम स्वामी ने

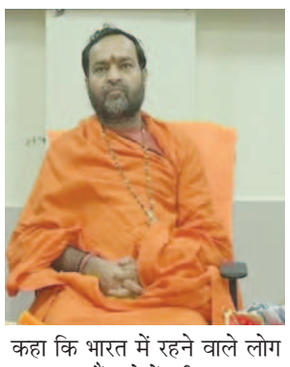

कहा कि भारत में रहने वाले लोग सब एक हैं. लोगों की पूजा-पाठ की पद्धति अलग-अलग हो सकती है, लेकिन कुछ संत सनातन हिंदू धर्म के नाम पर समाज में वैमनस्यता फैलाने का काम कर रहे हैं. विवादास्पद बयान देकर लोगों के बीच तनाव और कटुता बढ़ाने का काम कर रहे हैं. मीडिया को भी इसे नहीं दिखाना चाहिए. इंदौर में पर्यावरण संरक्षण को लेकर आयोजित प्रकृति से मित्रता व्याख्यान कार्यक्रम में शामिल होने आए महामंडलेश्वर उत्तम स्वामी ने बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री और पंडोखर सरकार को माइंड रीडर बताया. उन्होंने कहा कि आजकल कई लोग माइंड रीडर के रूप में प्रस्तुत होते हैं. चेहरा देखकर सारी बातें बता देते हैं. यह इसी तरह का एक प्रयोग है.

प्रदर्शन नहीं, दर्शन है सनातन धर्म

उत्तम स्वामी ने कहा कि बागेश्वर धाम सरकार और पंडोखर सरकार माइंड रीडर का ही एक प्रकार है. मुझे लगता है हमारे सनातन धर्म में कोई चमत्कार कर नहीं सकता है. यह उनके मनोगत भाव हो सकते हैं. आध्यात्मिकता में ऊंचाई तक पहुंचने वाले लोग कभी ऐसा नहीं करते हैं. पंडोखर सरकार और धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कोई तप-साधना तो की नहीं, न ही वे कभी 25-50 सालों तक पहाड़ों में रहे हैं. इसलिए इन्हें मैं एक माइंड रीडर के रूप में ही मानता हूं, क्योंकि सनातन धर्म बिकाऊ नहीं है. यह प्रदर्शन वाला नहीं,बल्कि दर्शन वाला धर्म है.

धीरेंद्र शास्त्री-पंडोखर सरकार को सलाह

महामंडलेश्वर उत्तम स्वामी ने कहा कि मैं इन संतों से कहूंगा कि वे हिंदी भाषी राज्यों में घूमने के बजाए, पूर्वोत्तर के राज्यों में जाएं. वहां सनातन धर्म का प्रचार करें, जहां 200 साल पहले से ईसाई समाज के लोगों ने आकर हमारे देश को इतना परिवर्तित कर दिया कि उसे हम ठीक नहीं कर पा रहे हैं. वहां इन्हें जाना चाहिए. वहीं, मध्य प्रदेश सरकार की नई शराब नीति को लेकर उत्तम स्वामी ने कहा कि प्रदेश में शराब फैक्टरियों को लाइसेंस देना बंद कर देना चाहिए. आज लोग गुटखा खाना बंद करा रहे हैं, जबकि गुटखा फैक्टरियों को बंद करने की जरूरत है. जब यह बनेगा ही नहीं तो कोई खाएगा भी नहीं. इसलिए सरकार फैक्टरियों को लाइसेंस देना बंद करे तभी इस पर रोक लग पाएगी.

महिला कांस्टेबल से रेप के आरोप में बीएसएफ इंस्पेक्टर सस्पेंड पुलिस ने दर्ज की जीरो एफआईआर

कोलकाता, 22 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में बीएसएफ की एक महिला कांस्टेबल के साथ कथित दुष्कर्म के आरोप में बीएसएफ के इंस्पेक्टर के खिलाफ जीरो एफआईआर (एफआईआर) दर्ज की गई है. कोलकाता पुलिस ने दावा किया कि बीएसएफ कर्मी के खिलाफ यहां कोई एफआईआर दर्ज नहीं किया गया था. मामला नदिया पुलिस को ट्रांसफर कर दिया गया है. यह घटना 18 फरवरी की बताई जा रही है, जब महिला कांस्टेबल पश्चिम बंगाल की नदिया सीमा चौकी पर तैनात थी. बाद में उसे कोलकाता के एक सेना अस्पताल भेजा गया. इसके बाद महिला को सरकारी एसएसकेएम अस्पताल भेजा गया. पुलिस ने दावा किया कि कोलकाता के भवानीपुर पुलिस स्टेशन में बीएसएफ इंस्पेक्टर के खिलाफ जीरो एफआईआर दर्ज की गई थी.

बीएसएफ ने शुरू की मामले में आंतरिक जांच

बीएसएफ सूत्रों के मुताबिक, इस शिकायत के बाद आरोपी बीएसएफ इंस्पेक्टर को सस्पेंड कर दिया गया है. बीएसएफ ने भी आंतरिक जांच शुरू कर दी. हालांकि, अब तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है. बीएसएफ के एक अधिकारी ने बताया कि मामले की जानकारी उसी दिन दे दी गई थी. हालांकि, अधिकारी ने विभागीय जांच के पूरा होने तक आरोपी इंस्पेक्टर का ब्योरा देने से इनकार कर दिया है.

पहले भी लगा है बीएसएफ जवानों पर रेप का आरोप

इससे पहले भी एक रेप के मामले में बीएसएफ के तीन जवानों के नाम सामने आए थे. दरअसल, 2022 नवंबर में राजस्थान के जयपुर में एक युवती के साथ गैंगरेप करने का मामला आया था. आरोप है कि यहां 5 लोगों ने मिलकर उसके साथ रेप किया था. इसमें तीन बीएसएफ के जवान भी शामिल थे. इस मामले में अधिकारियों ने जांच के लिए तीनों जवानों को पुलिस को सौंप दिया था

जम्मू कश्मीर में पहली बार आवासीय व व्यावसायिक भवनों पर लगेगा संपत्ति कर

जम्मू, 22 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में पहली बार संपत्ति कर लागू कर दिया गया है। यह शहरी सीमा में आने वाले सभी भवनों आवासीय व व्यावसायिक दोनों पर लागू होगा। नगर निगम तथा शहरी निकाय सीमा में एक अप्रैल 2023 से यह आदेश प्रभावी होगा। पिछले काफी समय से इसकी कवायद चल रही थी। इस व्यवस्था से 78 नगर निकायों के भवन दायरे में आएंगे। साथ ही सरकारी खजाने में करोड़ों रुपये आएंगे। इससे शहरी सुविधाएं विकसित करने में स्थानीय निकाय को सहूलियत होगी। नई व्यवस्था में सभी को अपनी संपत्ति का स्वयं मूल्यांकन करना होगा। इसके लिए सरकार ने फार्मूला तय किया है। संपत्ति के मूल्यांकन के आधार पर आवासीय भवनों के लिए अधिकतम पांच तथा व्यावसायिक भवनों के लिए छह प्रतिशत कर लगेगा। संपत्ति का मूल्यांकन पहले चरण में तीन साल के लिए एक अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2026 के लिए होगा। मूल्यांकन हो जाने के बाद यदि कोई नया भवन बनता है तो उसके कर की गणना संबंधित वर्ष के अनुरूप होगी। सरकार के आवास एवं शहरी विकास विभाग के आदेश के अनुसार किसी भी वित्तीय वर्ष में 30 मई तक संपत्ति कर जमा करना होगा। यदि दो किस्तों में संपत्ति कर जमा किया जा रहा हो तो 30 नवंबर तक दूसरी किस्त जमा करनी होगी। यदि कोई व्यक्ति समय पर संपत्ति कर जमा नहीं कर पाता है तो उस पर जुर्माने के रूप में 100 रुपये प्रति महीने या टैक्स का एक प्रतिशत, जो भी अधिकतम होगा, देय होगा। किसी भी हालत में जुर्माने की राशि एक हजार रुपये से अधिक नहीं होगी। केंद्र सरकार तथा केंद्र शासित प्रदेश सरकार की ओर उपयोग में लाए जा रहे भवनों को भी संपत्ति कर से छूट दी गई है। लेकिन तीन फीसदी सेवा कर संबंधित नगर निकाय को देना होगा। यह राशि वित्तीय वर्ष के अनुरूप जमा करनी होगी। भवनों के निरीक्षण के लिए कम से कम 14 दिन का नोटिस देना होगा। दोबारा संपत्ति कर के मूल्यांकन के लिए कम से कम 21 दिन का नोटिस देना होगा। प्रदेश सरकार की ओर से खाली जमीन को संपत्ति कर से मुक्त रखा गया है। यदि कोई जमीन खाली छोड़ रखी गई हो जिस पर खेती होती है। नगर निकाय की सभी संपत्तियों, सभी धार्मिक स्थलों-मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा, चर्च, जियारत आदि, श्मशान घाट व कब्रिस्तान को भी संपत्ति कर से मुक्त रखा गया है।

महाराष्ट्र बोर्ड परीक्षा: पहले ही दिन ड्रामा, सवाल की जगह दे दिए उत्तर, फिर पेपर लीक!

मुंबई, 22 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड की ओर से कक्षा 12वीं की परीक्षाएं कल यानी 21 फरवरी 2023 से शुरू हो गई है. परीक्षा के पहले ही दिन ड्रामा देखने को मिला है. कल पहले ही दिन अंग्रेजी के पेपर में 6 नंबर के गलत प्रश्न छप गए. 2-2 नंबर के 3 सवाल गायब थे इनकी जगह मॉडल आंसर-शीट छपे थे. इसके बाद गलत सवालों को लेकर छात्र और पैरेंट्स मांग कर रहे हैं कि उन्हें 6 मार्क्स बोर्ड की तरफ से मिलना चाहिए. पैरेंट्स का कहना

है कि अगर दोबारा परीक्षा करवाती है तो छात्रों का समय बर्बाद होगा. फिर से तैयारी करनी होगी और आगे की परीक्षा पर इसका असर पड़ेगा. महाराष्ट्र बोर्ड में लगभग 14.50 लाख छात्र परीक्षा दे रहे हैं. इसमे लगभग 8 लाख छात्र है बाकि छात्राएं है. वहीं एक मामला पेपर लीक का भी सामने आया है. महाराष्ट्र के यवतमाल में मुकुटबन परीक्षा केंद्र पर पर्चा बंटते ही 10 मिनट के भीतर बाहर लोगों के मोबाईल पर घूमने लगा. केंद्र के प्रभारी समेत अन्य दो पर एफआईआर दर्ज हो गईं हैं.

महाराष्ट्र बोर्ड में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

महाराष्ट्र बोर्ड इस साल राज्य में 'कॉपी फ्री बोर्ड एग्जाम' कैम्पेन चला रही है. इसके लिए बोर्ड की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं. इस साल बोर्ड परीक्षा के लिए बनाए गए मुख्य केंद्रों से सभी परीक्षा केंद्रों तक प्रश्न पत्रों को ले जाने और वितरण के लिए मोबाइल फोन के माध्यम से वीडियो के रूप में रिकॉर्डिंग की जा रही है. बोर्ड की ओर से प्रश्नपत्रों वाले वाहनों में जीपीआरएस सिस्टम का प्रयोग किया जा रहा है. साथ ही, पेपर लीक न हो इसलिए परीक्षा शुरू होने से दस मिनट पहले प्रश्नपत्रों का वितरण नहीं कर छात्रों को परीक्षा के अंत में दस अतिरिक्त मिनट का समय दिया जा रहा है.

महाराष्ट्र एचएससी परीक्षा में लापरवाही

महाराष्ट्र बोर्ड की ओर से 21 फरवरी को इंग्लिश की परीक्षा आयोजित की गई. महाराष्ट्र बोर्ड परीक्षा के दौरान बड़ी लापरवाही की घटना सामने आई है. परीक्षा में छात्रों को मिलने वाले पेपर में 6 अंकों के सवाल की जगह 2-2 अंकों के 3 सवालों की आंसर-शीट छपे थे. अहमदनगर के पाथर्डी में नकल कराने के नाम पर एजेंट ने विद्यार्थी और अभिभावकों से 70 हजार रुपए इकट्ठा कर लिए. नकल नहीं करा पाने पर अभिभावकों ने एजेंट को जमकर पीटा. हालांकि इसमें कोई मामला दर्ज नहीं हुआ.

शेरबीबी इलाके में पस्सियां, पत्थर गिरने से जम्मू-श्रीनगर हाईवे बंद, सैकड़ों वाहन फंसे

जम्मू, 22 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू संभाग के जिला रामबन के शेरबीबी इलाके में पस्सियां और पत्थर गिरने से जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग बुधवार को भी बंद है। मार्ग को बहाल करने के लिए कार्य जारी है। इससे पहले मंगलवार को दिन भर हाईवे को खोलने का काम चलता रहा, लेकिन बार बार पत्थर और मलबा गिरने के कारण अभी तक इसको खोला नहीं जा सका। उधमपुर व रामबन में सैकड़ों वाहनों को रोक कर रखा गया है। इससे इनके अंदर बैठे यात्री व चालक दिन भर परेशान रहे। पुलिस को भी यातायात व्यवस्था को बनाए रखने के लिए दिन भर मशक्कत करनी पड़ी। रात करीब तीन बजे शेरबीबी इलाके में पहाड़ से पत्थर व मलबा गिरने लगा। इससे राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही बंद हो गई। इसके बाद रामबन और बनिहाल में विभिन्न हिस्सों में घाटी और जम्मू जाने वाले वाहनों को रोक दिया गया।

जब इसकी सूचना उधमपुर में मिली तो शहर के जखैनी इलाके से घाटी जाने वाले वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया। राजमार्ग बंद होने की जानकारी नहीं होने के कारण मंगलवार को जम्मू से काफी संख्या में यात्री वाहन उधमपुर पहुंच गए थे। सुबह के सड़क राजमार्ग को खोलने का काम भी शुरू कर दिया गया। फोरलेन हाईवे का निर्माण कर रही कंपनी की मशीनरी जब मलबा हटाने का काम कर रही थी तो बार बार पहाड़ से पत्थर गिर रहे थे।

इससे काम करने में परेशानी हुई। दोपहर करीब तीन बजे काफी हद तक मलबा हटा दिया था। इस बीच वाहनों को चलाने की तैयारी ही की जा रही थी कि अचानक से पहाड़ से फिर से मलबा और पत्थर गिरना शुरू हो गए और एक बार फिर से राजमार्ग पूरी तरह से बंद हो गया। समाचार लिखे जाने तक राजमार्ग बंद था और इसको खोलने का काम चल रहा था। हाईवे बंद होने के कारण उधमपुर व रामबन में रोके गए वाहनों में सवार चालक व यात्री दिन भर परेशान रहे। रोके गए स्थानों पर खाने, पानी और शौचालय की सुविधा नहीं होने के कारण लोगों को बहुत ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ा। उधमपुर के विभिन्न हिस्सों में ज्यादातर ट्रकों को रोका गया है और इनके चालक भी परेशान हैं।

ग्वालियर स्कूल बस हादसा-34 सीट पर बैठे थे 36 बच्चे:बस की चपेट में आई नर्सिंग छात्रा की मौत

ग्वालियर, 22 फरवरी (एजेंसियां)। ग्वालियर की कैंसर हिल्स पर एक दिन पहले स्कूली बच्चों से भरी बस अनियंत्रित होकर पलट गई थी। बस में सवार चार बच्चे घायल हुए थे, जबकि बस के पलटने से उसकी चपेट में पास से गुजर रही एक नर्सिंग छात्रा भी आई थी। नर्सिंग छात्रा आठ महीने की गर्भवती भी थी। गर्भ में पल रहा बच्चा तो एक दिन पहले ही खत्म हो गया था। बुधवार सुबह नर्सिंग छात्रा ने भी दम तोड़ दिया है। हादसे में चंद कदमों की दूरी पर चल रहे नर्सिंग छात्रा की पांच साल की बेटी व पति किस्मत से बच गए। सोमवार को मृतका का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजन के सुपुर्द कर दिया है। मृतका मथुरा से अपने पति के साथ पेपर देने ग्वालियर आई थी। उसे नहीं पता था अनहोनी परीक्षा के बहाने उसे मौत तक खींचकर ला रही है। बस के दस्तावेज देखे तो खुलासा हुआ कि वह 34 सीटर थी, लेकिन उसमें 36 स्कूली छात्र सवार थे।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 23 फरवरी- 2023

अमेरिका ने आग भडकाया

रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ने जिस तरह से सीना तान कर यूक्रेन यात्रा की है, उससे हालात सुधरने की बजाय और भडक उठे हैं। देखा जाए तो इस यात्रा ने अब नई बहुस्तरीय चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। जरूरत तो इसकी थी कि यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध के एक साल पूरे होने पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता व्यक्त कर उसे खत्म करने की नए सिरे से कोशिशें शुरू की जातीं लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति ने यूक्रेन का दौरा कर आग में घी डालने का काम किया है। उम्मीद की जा रही थी कि किसी पक्ष के एक कदम पीछे हटने से युद्ध का अंत करने में मदद की संभावना तलाशी जाती तो हो सकता है यह महाविनाश के खेल खत्म हो जाता। लेकिन हुआ इसके ठीक उलटा। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन की अघोषित यात्रा की और वहां के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ एक तरह से एकजुटता जाहिर कर राख की चिंगारी को और भडका दिया। बाइडेन के इस कदम को यूक्रेन के साथ अब अमेरिका के प्रत्यक्ष रूप से खड़ा होने के तौर पर देखा जा रहा है। देखा जाए तो संकट में पड़े अपने मित्र राष्ट्र के प्रति यह किसी भी देश के लिए स्वाभाविक कदम है। विडंबना यह है कि बाइडेन के इसी कदम ने रूस और यूक्रेन में चल रहे युद्ध के बीच एक नई जटिल स्थिति बनने के हालात पैदा कर दिए हैं। बाइडेन की इस यात्रा पर भडके रूस की प्रतिक्रिया का अंदाजा सभी को था, लेकिन जिस तेवर में रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने प्रतिक्रिया दी है, उससे अब वैश्विक स्तर पर कई तरह की आशंकाएं मंडराने लगी हैं। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि बाइडेन के अघोषित और अचानक यात्रा के जरिए यूक्रेन के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने न केवल नाराजगी जाहिर की, बल्कि रूस और अमेरिका के बीच परमाणु संधि को भी निलंबित करने की खबर है। ताजा हालात से निपटने के लिए कोशिश तत्काल शुरू किया जाना जरूरी है नहीं तो इसके कैसे नतीजे सामने आ सकते हैं, किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। ताजा संदर्भों में देश को संबोधित करते हुए पुतिन ने चेतावनी दे दी है कि हम युद्ध को आखिरी विकल्प मानते हैं और बातचीत से इसका समाधान चाहते हैं, लेकिन साथ ही उन्होंने यह टिप्पणी भी की कि अमेरिका सहित पश्चिमी देशों ने काम बिगाड़ दिया है। अमेरिका ने यूक्रेन में भी वही खेल खेला है जो उसने इराक और सीरिया जैसे देशों में किया था। पूरे विश्व भर में जो देश इस युद्ध को खत्म करने की सदिच्छा रखते हैं, वे सभी मानते हैं कि समस्या का हल सिर्फ बातचीत के जरिए संभव है। देर सवेर रूस-यूक्रेन को भी बातचीत को ओर कदम बढ़ाने की जरूरत है। पुतिन ने भी यह दर्ज किया कि अपनी ताकत में इजाफे के मकसद से युद्ध को हवा देने की पश्चिमी देशों की कोशिशों के बरक्स यूक्रेन अगर बातचीत की मेज पर आ जाता तो इतना नुकसान नहीं होना था। अमेरिकी राष्ट्रपति की यूक्रेन यात्रा के बाद जो हालात पैदा हुए हैं, उसने अब नई बहुस्तरीय चुनौतियां दुनिया के सामने खड़ी कर दी हैं। जबकि महामारी के बाद आर्थिक संकट से उबरने के लिए दुनिया भर में जिस तरह के जद्दोजहद चल रहे हैं, उसमें इस युद्ध को खत्म करना भी बेहद जरूरी है। जगजाहिर है कि रूस-यूक्रेन युद्ध का असर किस तरह खाद्यान्न से लेकर तेल या अन्य जरूरी वस्तुओं के आयात-निर्यात पर पड़ा है। अब अगर दुनिया में मंदी की आशंका गहराती है तो उसमें युद्ध से उपजे हालात पहले से एक बड़ी भूमिका निभाएंगे। ऐसे में अमेरिका हो या रूस या कोई भी अन्य प्रभावशाली देश, सबको मिल कर युद्ध को खत्म करने की दिशा में ही समाधान खोजना चाहिए था। लेकिन कई बार ऐसा लगता है कि वैश्विक ताकतों का मकसद जंग से उपजी जटिलता का हल निकालने के बजाय अपने अहं की तुष्टि या फिर कुछ परोक्ष मकसद हासिल करना है। अगर ऐसा नहीं है तो वे दुनिया को युद्ध में झोंक कर कमजोर करने की कोशिश की बजाय उसे शांत करने की ओर कदम बढ़ाते। लेकिन यहां तो उल्टा ही हो रहा है, अमेरिका जैसी महाशक्ति यूक्रेन के कंधे पर हाथ रख कर नए सिरे उस आग और भड़काने का काम कर रहा है।

सरकारी तोंद

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

मैंने उसे तीन साल पहले देखा था। तभी नई-नई नौकरी लगी थी। वह भी सरकारी। वे अक्सर कहा करते थे कि कुर्सी पर बिना सरके एक जगह बैठकर नौकरी करना सरकारी नौकरी कहलाती है। इसे वे बेफिक्री का आसन जमाए रखना भी कहते थे। काम करो न करो वेतन कहाँ भागने वाला है। पहले पहल मुझे लगा उनका वेतन चर्बी बढ़ाने में नाकामयाब साबित हो रहा है। आज तीन साल बाद उन्हें देखा तो पता चला कि वजन बढ़ाऊ उत्पाद सरकारी नौकरी के सामने फेल है। छरहरा बदन दिखने वाला वह, कब भोदू बन गया पता ही नहीं चला। सब सरकारी नौकरी की माया है। आजकल वह अपने मोटापे को लेकर बड़ा चिंतित दिखाई देता है। पूछने पर बताया – यह मोटापा मुझे पहले उतना नहीं सालता था जितना अब सालता है। बात यह है कि कार्यालय में ज्यादा काम तो है नहीं। ऊपर से मेरी मेज के आगे एक खूबसूरत सी मैडम बैठती है। सुबह से लेकर शाम तक उन्हें ताड़ने का काम करता हूँ। पगार तो मिल जाती है लेकिन उसका प्यार नहीं।

बहुत दिनों तक यही दिनचर्या रही। एक दिन उस मैडम ने कहा – अब आप में पहली जैसी बात नहीं रही। पहले आप कितने स्मार्ट हुआ करते थे। अब भी हैं लेकिन आपकी तोंद पूरे स्मार्टनेस का भर्ता बना रहा है।

मुझे यह सुनकर पहले पहल बुरा लगा। किंतु दूसरे ही क्षण इस बात की खुशी हुई कि कम से कम वह मुझ में दिलचस्पी तो रखती है। बिना दिलचस्पी के वह मेरे स्मार्टनेस को कैसे पहचानती।

इस पर मैंने भी चुटकी लेते हुए कह दिया – इसे ही चर्बी का कमाल कहते हैं। एक मोटी परत जमा हो जाने के कारण तोंद इतनी पसर गई है कि हिन्दुस्तान की सारी उपज इसी में समा जाए।

इतना ही नहीं कोई उसके बारे में कहता - "सरकारी माल है भइया, निकल रहा है।"

समझदार और कुछ पढ़े-लिखे लोग कहते - "गरीबों के पसीने की कमाई है भइया, वरना नैतिकता की भी कहीं तोंद होती है? एक दिन फूटेगी जरूर।"

हरि अनंत हरि कथा अनंता। जितने मुँह, उतनी बातें।

उसने छह महीने की छुट्टी ले रखी थी। छुट्टी लेकर जिम करने का फायदा यह हुआ कि अब वह अभिनेता लगने लगा। आखिरकार वह दिन आ ही गया जिसकी प्रतीक्षा वह बहुत दिनों से कर रहा था। अब उसकी तोंद गायब हो चुकी थी। वह अपनी आशिकी का कीड़ा शांत करने और प्रेम का प्रकटीकरण करने कार्यालय पहुँचा। पता चला कि उस मैडम का स्थानांतरण हो गया है। सारी आशिकी फुर हो गई। अब वह फिर से कुर्सी तोड़ रहा है और उधर तोंद जो उनकी पुरानी और स्थायी आशिकी थी वह फिर से उन पर हावी होने लगी।

यूपी में सुशासन के सार्थक परीणाम

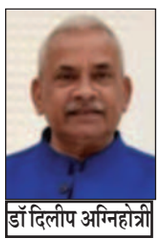

डॉ दिलीप अग्निहोत्री

सुशासन की स्थापना से सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त होता है. इसके साथ ही जनहित सम्बन्धी विषयों से लेकर उद्योग और अर्थव्यवस्था तक दिखाई देते हैं. उत्तर प्रदेश को पहले राष्ट्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन में सम्मानजनक स्थान नहीं मिलता था. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सर्वप्रथम प्रदेश में सुशासन की स्थापना की थी. फिर विकास और जनकल्याण की योजनाओं में उत्तर प्रदेश के नंबर वन होने का सिलसिला शुरू हो गया. इसी प्रकार उत्तर प्रदेश के प्रति निवेशकों का भारी उत्साह दिखाई देने लगा. पहले यही लोग उत्तर प्रदेश में निवेश को बड़ा जोखिम मानते थे. उसी प्रदेश को पिछले दिनों तैतीस लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिल गए.

योगी को छह वर्ष पहले विरासत में बड़े राजकोषीय घाटे व ऋण बोझ का राजकोष मिला था.उस समय विधानसभा में पेश नियंत्रक महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ था प्रदेश में विकास के अनुकूल माहौल नहीं बना। औद्योगिक रूप से प्रदेश बीमारू ही बना रहा। जातिवाद व मजहब के समीकरण प्रमुख हो गए थे। निवेशकों की उत्तर प्रदेश के प्रति कोई दिलचस्पी नहीं थी.इस माहौल में योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की कमान संभाली थी। उन्होंने उत्तर प्रदेश के विकास का व्यापक रोडमैप बनाया। विकास की योजनाएं बनाई गई। योजनाओं पर तेजी से अमल सुनिश्चित किया। प्रयागराज कुंभ,किसानों को राहत,किसानों की कर्जमाफी, डिफेंस कॉरिडोर,आयुष्मान योजना, अनेक एक्सप्रेस-वे प्रवासी सम्मेलन,तीन राष्ट्रीय और एक ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट आदि कार्य सुशासन से ही सफल हुए. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को पांच ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प लिया है। उत्तर प्रदेश इसमें एक ट्रिलियन डॉलर का योगदान करेगा। इसके मद्देनजर प्राथमिकताएं भी तय की गई। योगी ने कहा कि जब उन्होंने पद संभाला था, तब अर्थव्यवस्था, विकास, कानून व्यवस्था की दशा खराब थी। अराजकता भ्रष्टाचार और असुरक्षा का माहौल था। शिक्षा व्यवस्था बदहाल थी। इन समस्याओं का निराकरण किया गया.

अब विकास यात्रा प्रगति पर है. वित्त मंत्री सुरेश खन्ना द्वारा प्रस्तुत बजट में उत्तर प्रदेश को विकसित बनाने का संकल्प है. योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आजादी के अमृत काल के प्रथम वर्ष में आज प्रस्तुत होने जा रहा 'नए उत्तर प्रदेश' का बजट राज्य के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास के इतिहास में नए स्वर्णिम अध्याय जोड़ेगा। यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप प्रदेश के गांव, गरीब, किसान, नौजवान व महिलाओं समेत समाज के हर तबके के हितों की पूर्ति करने वाला होगा. वित्त मंत्री ने बजट भाषण में कहा कि अपराध एवं

अपराधियों के प्रति जीरो टालरेन्स की नीति से कानून व्यवस्था सुदृढ़ हुई है. प्रदेश में निवेश की संभावनाओं के संबंध में अवगत कराया गया. इसी थीम पर रोड शो आयोजित किये गये. अमेरिका, कनाडा, यूके जर्मनी, बेल्जियम, स्वीडन, नीदरलैण्ड्स, फ्रांस, मैक्सिको, ब्राजील, अर्जेन्टीना, जापान, दक्षिण कोरिया, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर व ऑस्ट्रेलिया आदि देशों के निवेशकों ने उत्तर प्रदेश में रुचि दिखाई. उनको योगी आदित्यनाथ के सुशासन पर विश्वास है. मुम्बई, बंगलूरू, हैदराबाद, चेन्नई, दिल्ली, कोलकाता, अहमदाबाद एवं चण्डीगढ़ आदि उद्योगीक महानगरों से भी उत्तर प्रदेश को खूब निवेश प्रस्ताव मिले. प्रत्येक जिले में एक मेडिकल कॉलेज की स्थापना की जाएगी। 'एक जनपद एक मेडिकल कालेज की योजना के अन्तर्गत प्रदेश के पैंतालीस जनपद मेडिकल कॉलेज से आच्छादित किये जा चुके हैं. चौदह जनपदों में मेडिकल कालेज निर्माणाधीन है। सोलह जनपदों में मेडिकल कालेजों की स्थापना पीपीपी मॉडल पर की जा रही है दुग्ध उत्पादन, गन्ना एवं चीनी उत्पादन तथा एथेनॉल की आपूर्ति में उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। कृषि निवेशों पर किसानों को देय अनुदान डीबीटी के माध्यम से भुगतान करने वाला देश में उत्तर प्रदेश पहला राज्य बना।कोरोना के बचाव हेतु वैक्सीनेशन के करीब चालीस करोड़ से अधिक डोज लगाने वाला देश में उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर है. चिकित्सा शिक्षण संस्थान स्थापित कर संचालित करने वाला देश का अग्रणी राज्य बन गया है.भारत सरकार द्वारा स्टार्टअप रैंकिंग के तहत उत्तर प्रदेश को इनस्पायरिंग लीडर के रूप में सम्मानित किया गया है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास नीति को लागू करने वाला देश का प्रथम राज्य बन गया है।अटल पेंशन योजना के अन्तर्गत पंजीकरण करने में उत्तर प्रदेश का देश में प्रथम स्थान पर है। सरकार द्वारा अपने पिछले कार्यकाल तथा वर्तमान कार्यकाल में प्रदेश के सर्वांगीण विकास की ठोस नीतियां तैयार कर उन्हें घरातल पर प्रभावी रूप से मूर्त रूप प्रदान किया गया हैं. अवस्थापना विस्तार, निवेशानुकूल वातावरण तैयार करने और उद्योग स्थापित करने पर बल दिया गया. किसान, महिला, युवा, श्रमिक तथा आर्थिक एवं सामाजिक रूप से दुर्बल वर्ग के सशक्तिकरण एवं स्वावलम्बन की दिशा में निरन्तर कार्य किया।उत्तर प्रदेश में तीन अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट क्रियाशील हैं। जेवर तथा अयोध्या में अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट निर्माणाधीन हैं। शीघ्र ही प्रदेश में पांच अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट क्रियाशील हो जायेंगे।

जेवर एयरपोर्ट में रनवेज की संख्या दो से बढ़ाकर पांच किये जाने का निर्णय राज्य सरकार द्वारा लिया गया है। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में चार एयरपोर्ट्स के निर्माण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है तथा छह एयरपोर्ट्स अलीगढ़, आजमगढ़,मुरादाबाद, श्रावरती, चित्रकूट तथा सोनभद्र का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो रहा है।

आने वाले वर्षों में प्रदेश में पांच अन्तर्राष्ट्रीय तथा सोलह घरेलू एयरपोर्ट, इस प्रकार कुल इक्कीस एयरपोर्ट क्रियाशील हो जायेंगे।वृद्धावस्था व किसान पेंशन योजना हेतु वित्तीय बजट में सात हजार करोड़ रुपये का बजट प्राविधान प्रस्तावित है ।दिव्यांग पेंशन योजना के अन्तर्गत लगभग दिव्यांग भरण पोषण अनुदान,

कुष्ठावस्था पेंशन योजना में पर्याप्त धनराशि का प्रस्ताव किया गया. मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत ऋण वितरण में उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर है।

लोग लाभान्वित हो रहे हैं. रोजगार के अधिक अवसरों का सृजन किया जा रहा है.उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन आगे बढ़ रहा है. सरकार द्वारा विगत छह वर्षों में साढ़े बारह लाख से अधिक युवाओं को विभिन्न प्रकार के अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में पंजीकृत किया गया है. लाखों युवाओं को विभिन्न प्रतिष्ठित कम्पनियों में सेवायोजित कराया गया है।

खतरनाक करवट लेता रूस-यूक्रेन युध्द...!

ऋतुपर्ण दवे

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के मिशन सीक्रेट का खुलासा होने और रूस द्वारा युध्द कभी न जीत पाने की चुनौती से यूक्रेन संकट जल्द खत्म होता नहीं दिखता। तीसरे विश्व युध्द की ओर बढ़ती लड़ाई अब और बड़ी होगी। कभी जिस युध्द को हफ्ते-पन्द्रह दिन में खत्म होने की बातें थी उसे अब साल पूरा रहा है। ऊपर से अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का रात के अंधेरे में पहले हवाई सफर फिर 10 घण्टे की उबाऊ ट्रेन यात्रा कर यूक्रेन की राजधानी कीव पहुंचना ही दुनिया के लिए हैरानी भरा है। बिना सूचना, चुनिंदा भरोसेमंद पत्रकारों को साथ लेकर गोपनीय तौर पर रात में निकले बाइडेन की जोखिम भरी यात्रा अब दुनिया के लिए बहुत बड़ी जोखिम की शुरुआत लग रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति का उस जगह होना जहां कभी भी रूस मिसाइलों का अटैक हो सकता है। उससे भी बड़ा यह कि यूक्रेनी हवाई आक्रमण का न तो अमेरिकी फौज के पास नियंत्रण है और न ही खुद यूक्रेन के पास, बड़ा इशारा है। इन हालातों में एक ताकतवर देश के राष्ट्रपति का युध्द विभीषिका से गुजर रहे देश की राजधानी यूं चुपचाप पहुंचना बड़े संकेतों से कम नहीं है। बाइडेन का यह बयान भी बेहद मायने रखता है जिसमें वो लोकतंत्र, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की दुहाई खातिर अपनी अटूट प्रतिबद्धता जताने कीव पहुंचना बताते हैं।

बाइडेन के जाते ही सभी की निगाहें रूस पर आ टिकीं कि पुतिन का क्या जवाब होगा? बिना देरी किए पुतिन ने भी मंगलवार को अमेरिका को काफी भला बुरा कहा। यूक्रेन में भी सीरिया-ईराक जैसा खेल कराने की बात कहते हुए पश्चिमी देशों का रूस की संस्कृति पर हमला बताया। वहीं बाइडेन लौटते हुए पोलैण्ड से ही रूस पर जुबानी जंग तेज करते हुए कहने से नहीं चूके कि हर हालत में हम यूक्रेन को साथ देंगे। उन्होंने कहा कि नाटो देश न केवल एकजुट हैं बल्कि पुतिन की हरकतों से फिनलैंड और स्वीडन को नाटों में शामिल होने की प्रेरणा मिली। यूक्रेन को रूस ने न केवल कमजोर समझा बल्कि यह झूठी धारणा भी बना ली कि पश्चिमी देश एकजुट नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के साझा बयान से युध्द को एक नए अंजाम पर पहुंचाने की संभावनाओं को बल मिलता है। अमेरिका-यूक्रेन इसे रिश्तों का ऐतिहासिक पड़ाव भी बताते हैं और नतीजा युध्द के मैदान पर दिखाने का दम भी भरते हैं। बाइडेन जोखिम भरी यात्रा पूरी होने के बाद दुनिया को पता चलना बहुत बड़ी सामरिक रणनीती और युध्द और भड़काने जैसा ही है। भले ही इस औचक दौरे से रूस चिढ़े, चीन की आँखें तने और प्रतिक्रियाएं भी दिखे लेकिन तीसरे विश्व युध्द सरीखे बड़े युध्द से इंकार की गुंजाइश नहीं दिखती।

रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन का कहना है कि लगातार नाजी खतरों के चलते वहां के लोगों के खातिर यूक्रेन में खास कार्रवाई कर रहा है। बड़ी चतुराई से भारत का नाम लेकर पुतिन ने दोस्ती का बिना कहे दम भी भरा बल्कि ईरान, चीन, पाकिस्तान जैसे देशों से आर्थिक संबंधो बढ़ाने के लिए नॉर्थ-साउथ कॉरिडोर विकसित कर हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र पर जोर दिया। पुतिन ने अमरीका और सहयोगियों पर बुनियादी समझौते से हटने और झूठे बयानों का आरोप लगाते हुए पश्चिम को ही युध्द अपराधी बताते हुए खुद की सेना को युध्द रोकने के खातिर झोंकना बता कर साफ कर दिया कि जल्द युध्द की समाप्ति अब असंभव है। पुतिन ने परमाणु संधि को भी निलंबित करने की घोषणा कर दो टूक जवाब दिया कि यदि अमरीका परमाणु हथियारों को परीक्षण करेगा तो वह चुप नहीं बैठेगा। इसके बाद अमेरिका-रूस के बीच 2010 में हुई संधि जो 2021 में 5 साल और बढ़ाई गई थी बेमायने हो गई। मतलब साफ है कि घातक और नए दौर के उन्नत तथा दूर तक मार करने वाले हथियारों के उपयोग से युध्द नए मोड़ पर होगा। बाइडेन का बतौर राष्ट्रपति यूक्रेन का यह भले ही पहला और चौंकाने वाला दौरा हो लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि उप-राष्ट्रपति रहते हुए पहले भी 6 बार यूक्रेन हो आए हैं। अब युध्द जल्द रुकने वाला नहीं और इससे भी इंकार नहीं कि कब तीसरे विश्व युध्द में बदल जाए? अब सबकी निगाहें चीन पर हैं जो देर-सबेर खुलकर रूस के साथ दिखेगा। ऐसे में भारत, पाकिस्तान और दूसरे एशियाई देशों पर दुनिया की निगाहें हैं।

आँकड़े बड़े नुकसान का इशारा कर रहे हैं। साल 2022 के अंत तक दोनों तरफ से 1.90 लाख से ज्यादा सैनिकों की मौतें और लगभग 1 लाख से ज्यादा का घायल होना तथा करीब 10 हजार स्थानीय नागरिकों के मारे जाने की भी सुर्खियां रहीं। साथ ही 1.5 करोड़ यूक्रेनी लोगों का जिन्दगी की जंग खातिर जद्दोजेहद, लाखों का प्रभावित होना तथा पलायन करना और करीब 75 लाख से अधिक का मजबूरन विस्थापित होना बड़ी हकीकत है। यूक्रेन के कई शहर और करीब 18 प्रतिशत जमीन पर रूसी कब्जे के बीच बाइडेन की कीव में मौजूदगी से कोई शांति की उम्मीद करना पूरी तरह से बेमानी है।

ये युध्द भले ही दो देशों के बीच वर्चस्व के लिए हो रहा है लेकिन भुगतना तो पूरी दुनिया को पड़ रहा है। इसका असर भी दिखने लगा है। भोजन और तेल की कीमतों में पूरी दुनिया में दो देशों की लड़ाई से जबरदस्त उछाल आया। दो महीने पुराने आंकड़ों को देखें तो ये समझ आता है कि पूरी दुनिया करीब 4 से 5 ट्रिलियन डॉलर यानी 340 से 350 लाख करोड़ रुपए की चोट खा चुकी है। अनुमानतः खुद यूक्रेन के 8 लाख करोड़ तो रूस के 8 हजार अरब रुपए फुंक चुके हैं। वहीं अमेरिका और यूरोपियन देश भी इसमें तकरीबन 12520 अरब रुपए स्वाहा कर चुके हैं। सबसे बड़ी मार आम आदमी पर पड़ी जिसके लिए भोजन और ईंधन जुटाना बहुत मंहगा हो गया। बेरोजगारी, बाधित मांग-आपूर्ति श्रंखला और स्वास्थ्य को शामिल कर लें तो आंकड़ा 24 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है। युध्द से हुई उन मौत जोड़ दें जिनकी औसत उम्र 30 साल थी और जो 30 तक अपने-अपने देश की अर्थव्यवस्था में मदद करते तो आंकड़ा 144 लाख करोड़ रुपए के पार जा पहुंचता है यानी कुल मिलाकर पूरी दुनिया में युध्द से नुकसान ही नुकसान दिखा। लेकिन हकीकत यही कि फिर भी दुनिया तीसरे विश्वयुध्द के मुहाने पर है।

अंधाधुंध मानवीकृत गतिविधियां और जलवायु परिवर्तन

सुनील कुमार महला

हाल ही में एक्सडीआई यानी कि 'क्रॉस डिपेंडेंसी इनीशिएटिव' ने जलवायु परिवर्तन को लेकर एक रिपोर्ट जारी की है। इसमें जलवायु परिवर्तन के 'हैजार्डस' यानी कि खतरों से अवगत कराया गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार भारत के 9 राज्यों समेत दुनियाभर के 2,600 राज्यों व प्रांतों पर जलवायु परिवर्तन का बड़ा खतरा मंडरा रहा है। रिपोर्ट के आंकड़ें निश्चित तौर पर मानवजाति को चिंता में डालते हैं। यह अत्यंत ही गंभीर व संवेदनशील है कि भारत के 9 राज्यों पर बाढ़, जंगलों की आग, हीटवेव, समुद्र सतह के बढ़ने और लू जैसे गंभीर खतरे मंडरा रहे हैं। शीर्ष पचास में भारत के बिहार, उत्तर प्रदेश, असम,राजस्थान, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब और केरल जैसे राज्य शामिल हैं। वर्ष 2050 तक विश्व के पचास राज्यों में भारत के नौ राज्यों को जलवायु परिवर्तन के लिहाज से अत्यंत संवेदनशील बताया गया है। जो सूची जारी की गई है उसमें अस्सी प्रतिशत राज्य भारत,चीन और अमेरिका के हैं। चीन के सत्ताइस प्रांतों के बाद सर्वाधिक नौ राज्य भारत से ही हैं। इसमें अमेरिका के पांच, इंडोनेशिया और ब्राजील के तीन-तीन और पाकिस्तान के दो तथा अफगानिस्तान के एक राज्य को शामिल किया गया है। यह पहली बार है जब दुनिया के हर राज्य, प्रांत और क्षेत्र की तुलना में विशेष रूप से निर्मित एनवायरमेंट पर केंद्रित भौतिक जलवायु जोखिम का इस प्रकार से बड़ा विश्लेषण किया गया है। एक्सडीआई द्वारा दुनिया के 2600 राज्यों, प्रांतों, क्षेत्रों को इस रिपोर्ट में कवर किया गया है। साल 2050 में 200 में से 114 जोखिम वाले प्रांत एशिया के ही हैं। सबसे ज्यादा खतरा चीन,भारत व अमेरिका को है।दस सबसे ज्यादा खतरे वाले इलाकों में नौ चीन के हैं।शियांगजू और शांगडोंग जैसे शहर जो कि चीन के सबसे बड़े आर्थिक केंद्र हैं, को गंभीर खतरा बताया गया है।

एक ही देश के सबसे ज्यादा खतरे वाली जगहों में चीन सबसे ऊपर है जबकि अमेरिका दूसरे नंबर पर है। रिपोर्ट में फ्लोरिडा को दसवें नंबर पर बताया गया है। इस रिपोर्ट में सरकारों द्वारा कार्बन उत्सर्जन को रोकने के लिए फौरन कदम उठाने की जरूरत बताते हुए कहा गया है कि खतरे वाले क्षेत्रों को बाढ़ के लिए सुरक्षा जैसे उपाय भी करने होंगे। जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाले आर्थिक नुकसान को भी बर्बादी का एक बड़ा खतरा बताया गया है। आज कार्बन के अत्यधिक उत्सर्जन से हमारे पर्यावरण का लगातार सत्यानाश हो रहा है और वर्ष 1990 की तुलना में लगभग धरती का तापमान यदि तीन डिग्री सेल्सियस तक बढ़ता है तो हमें इसमें कमी लाने के प्रयास करने होंगे और इसे 1.5 डिग्री सेल्सियस तक रोकना होगा। इस रिपोर्ट में मानव गतिविधियों और घरों से लेकर इमारतों तक यानी मानव निर्मित पर्यावरण को जलवायु परिवर्तन व मौसम के चरम हालात से नुकसान के पूर्वानुमान का प्रयास हुआ है।

आर्थिक तरक्की और युवा स्वाभिमान

-सुरेश सेठ

भारत में कृषि की प्रकृति यह है कि यहां किसानों को मौसमी रोजगार मिलता है, यानी फसल के बोने और काटने के समय का रोजगार। भारतीय खेती छिपी हुई बेरोजगारी का मर्ज है। नौजवान खेतों में काम करते हैं, लेकिन परिवार की निबल आय में बढ़ोतरी नहीं होती। इसीलिए युवा अब खेती-बाड़ी को अपना पैतृक धंधा नहीं मानते।

भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन गया है। निस्संदेह यह सफलता उल्लेखनीय है, लेकिन इस युवा देश की लगभग आधी जनसंख्या, जो पैंतीस वर्ष उम्र तक की श्रमशक्ति है, एक बात पूछती है कि देश ने चाहे किसी को भी भूख से न मरने देने की गारंटी दे दी हो, मगर उसने नौजवानों को उनकी योग्यता के अनुसार रोजगार प्रदान करने की गारंटी क्यों नहीं दी?

बेशक काम तलाशते नौजवानों को धीरज बंधाने के लिए विश्व में कीर्तिमान स्थापित करती रियायती अनाज बांटने की योजना इस साल के अंत तक बढ़ा दी गई है और अस्सी करोड़ से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल रहा है। भारत की आर्थिक विकास दर इस समय दुनिया में सबसे अधिक हो गई है और उधर दुनिया रूस और यूक्रेन युद्ध, चीन और ताइवान की तनातनी के बीच अवसादग्रस्त मंदी झेल रही है और उसकी औसत विकास दर दो से तीन प्रतिशत से ऊपर नहीं है।

हमारा देश छह प्रतिशत से ऊपर विकास दर दिखा रहा है। सन 2047 का शतकीय महोत्सव मनाने के समय देशवासियों को एक विकसित राष्ट्र में जीने का वादा कर रहा है।

मगर सवाल है कि महंगाई नियंत्रण की दर काबू में तो आ गई, सरकार ने कह दिया कि भ्रष्टाचारियों के प्रति कोई ढिलाई नहीं होगी, मगर यह क्यों नहीं बताया जा रहा कि कोरोना काल और उसके बाद की विकट स्थिति में इस समय देश में बेकारी की दर अपना शिखर छू रही है। पहले कभी बेरोजगारी की दर इतनी ऊंचाई तक नहीं गई। नए आंकड़े बता रहे हैं कि ग्रामीणों में बेकारी की दर कुछ कम और शहरी आबादी में अधिक है।

भारत में कृषि की प्रकृति यह है कि यहां किसानों को मौसमी रोजगार मिलता है, यानी फसल के बोने और काटने के समय का रोजगार। भारतीय खेती छिपी हुई बेरोजगारी का मर्ज है। नौजवान खेतों में काम करते हैं, लेकिन परिवार की निबल आय में बढ़ोतरी नहीं होती। इसीलिए युवा अब खेती-बाड़ी को अपना पैतृक धंधा नहीं मानते। जीने का अंदाज नहीं मानते। काम या रोजगार की तलाश में उनकी कतारें दूतावासों के बाहर वीजा प्राप्त करने के लिए लगती हैं। वे किसी भी तरह डालर या पौंड देशों में पहुंच कर अपने भाग्य का मिजाज बदल देना चाहते हैं, जिसे वंचित रहने की आदत हो गई है।

'आक्सफैम इंडिया' की ताजा रिपोर्ट बताती है कि तरक्की तो हुई, लेकिन देश में अमीर और गरीब का अंतर भी तेजी से बढ़ा है। इतनी तेजी से बढ़ा कि भारत में सबसे अधिक एक प्रतिशत लोग देश की चालीस प्रतिशत कुल संपदा पर कब्जा जमाए बैठे हैं। महिला सशक्तिकरण की बातें होती हैं, लेकिन 2020 की आक्सफेम रिपोर्ट कहती है कि महिलाओं को दुनिया में सबसे कम रोजगार देने वाले देशों के कोष्ठक में भारत दसवें नंबर पर है।

संसद के हर सत्र में हर बात पर हंगामा होता है, कोलाहल होता है। कभी तवांग घाटी में चीनी सैनिकों की धक्कामुक्की पर, जो मानसून सत्र में हुआ। जैसे अब बजट सत्र में अडाणी या हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पर हुआ। मगर पूछा जाता है कि वहां और सब चर्चा हो जाती है, लेकिन नौजवानों की बेकारी की समस्या के समाधान पर विशेष चर्चा क्यों नहीं होती? इसके बारे में क्यों यह कह दिया जाता है, जैसा कि इस बजट सत्र में वित्तमंत्री ने भी कहा, कि हम युवाओं को विशिष्ट प्रशिक्षण देंगे और उन्हें नौकरियों के काबिल बनाएंगे।

पूछा जा सकता है कि नौकरी के काबिल तो बना देंगे, लेकिन नौकरियां हैं कहां? सालों से कच्ची असामियां पक्की होने के लिए तरस रही हैं और अभी एक राज्य की ओर से यह समाचार आ गया कि मितव्ययिता के लिए खाली असामियों को खत्म ही कर दिया जाएगा, नए असामियों की बात तो छोड़िए। तो फिर कच्ची असामियां पक्की कैसे होंगी?

माना गया था कि देश में सूचना तकनीक क्षेत्र में तरक्की होगी। देश डिजिटल हो जाएगा और उसके साथ नौजवानों को भी रोजगार मिलने लगेगा। नई शिक्षा नीति में कहा गया कि इसे रोजगारपरक बनाया जाएगा। अभी इंटरनेट की गति को 5जी तक बढ़ाने की घोषणा भी हो गई, लेकिन नतीजा क्या? आक्सफेम इंडिया की रिपोर्ट ने तो यही बताया कि भारत की कहानी यह है कि अमीर और अमीर होते रहे, गरीबों की विपन्नता बढ़ गई।

नई खबर यह है कि 5जी की ताकत बढ़ने के साथ देश के नवनिर्माण के बजाय ठगों के व्यवसाय में वृद्धि हो गई। दुनिया में 'आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस' के साथ उत्पादन को बढ़ावा देने की बात थी, लेकिन भारत की छोड़िए, अमेरिका में ही पिछले माह तकनीकी कंपनियों में बयालीस हजार छंटनियां हो गईं। इसको रोबोटनुमा 'आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस' ने पैदा कर दिया।

भगवान गणेश, शिव और सूर्य पूजा का महत्व

23 फरवरी को विनायक चतुर्थी, 24 को नागेश्वर पंचमी और 26 तारीख को रहेगा भानु सप्तमी व्रत

इस हफ्ते भगवान गणेश, शिवजी और सूर्य पूजा के लिए खास दिन रहेंगे। फाल्गुन महीने के शुक्ल पक्ष में चतुर्थी तिथि पर गणेश जी की पूजा एवं पंचमी पर शिवजी के नागेश्वर रूप की पूजा करने का महत्व बताया गया है। फाल्गुन शुक्ल पक्ष की सप्तमी को सूर्य देव की पूजा विष्णु रूप में की जाती है। इसके अगले दिन यानी अष्टमी से होलाष्टक शुरू हो जाता है। जो होलिका दहन तक रहता है। इन दिनों किसी भी तरह का शुभ काम नहीं किया जाता है। दरसअसल ग्रंथों के हवाले से बनारस और पुरी के जानकारों का कहना है कि फाल्गुन महीने के शुक्ल पक्ष में भगवान गणेश, शिव और सूर्य की पूजा करने से पाप खत्म हो जाते हैं। साथ ही इन दिनों व्रत करने से सेहत अच्छी रहती है।

विनायक चतुर्थी (23 फरवरी, गुरुवार)

इस दिन फाल्गुन महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि है। पुराणों के मुताबिक इस दिन व्रत रखने और गणेशजी की उपासना करने से सुख-समृद्धि, आर्थिक संपन्नता, ज्ञान और बुद्धि मिलती है। भगवान गणेश की पूजा से कार्य सिद्ध होते हैं और मनोकामना पूरी होती हैं। विनायक चतुर्थी के बारे में मान्यता है कि इस व्रत से जीवन में आ रही रुकावटें दूर होती हैं।

नागेश्वर पंचमी (24 फरवरी, शुक्रवार)

फाल्गुन महीने की इस पंचमी पर शिवजी के नागेश्वर रूप की पूजा करने का विधान ग्रंथों में बताया गया है। महाशिवरात्रि पर्व के पांच दिन बाद इस तिथि को शिव पूजा का विशेष दिन माना जाता है। इस दिन नागेश्वर ज्योतिर्लिंग का दर्शन करने से हर तरह की परेशानियां दूर होती हैं। शिव पुराण में नागेश्वर ज्योतिर्लिंग के बारे में कहा गया है कि गुजरात के द्वारका में शिव ने पाशुपतास्त्र से दारुका राक्षस का वध कर भक्तों की रक्षा की थी और यहां ज्योतिर्लिंग में स्थापित हो गए। द्वारकाधीश श्रीकृष्ण भी शिव का रुद्राभिषेक करते थे। श्रद्धालु यहां चांदी के नाग-नागिन चढ़ाते हैं। मान्यता है कि यहां शिव पूजन से मन और शरीर जहर मुक्त होता है।

सूर्य सप्तमी (26 फरवरी, रविवार)

फाल्गुन महीने में विष्णु नाम से भगवान सूर्य की पूजा करनी चाहिए। इस महीने के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि अगर रविवार को पड़े तो ये विशेष शुभ संयोग होता है। जिसे भानु सप्तमी कहा जाता है। इस संयोग में उगते हुए सूरज को 12 नामों से प्रणाम करना चाहिए। इसके बाद अर्घ्य देना चाहिए। दिनभर व्रत रखें। इस व्रत में नमक बिल्कुल नहीं खाना चाहिए। इस दिन पानी में लाल चंदन, लाल फूल, अक्षत और गंगाजल मिलाकर सूर्य को तांबे के लोटे से अर्घ्य दें। ऐसा करने से बीमारियां दूर होती हैं और उम्र बढ़ती है।

आग, कर्ज, रोग और शत्रु को लेकर क्या कहता है गरुड़ पुराण?

इन बातों को जानना है बहुत जरुरी

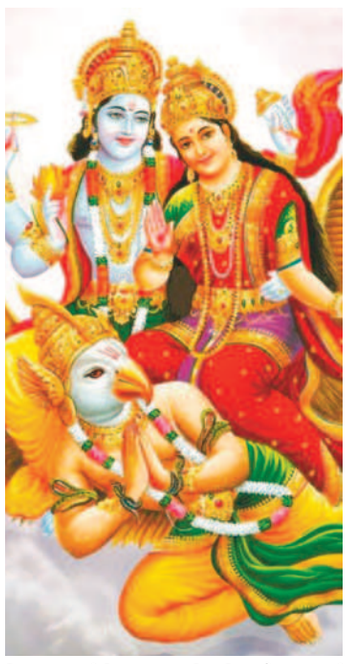

हिंदू धर्म में 4 वेद और 18 महापुराणों के बारे में बताया गया है। इसमें गरुड़ पुराण भी एक है। यह वैष्णव सम्प्रदाय से सम्बन्धित ग्रंथ है। गरुड़ पुराण को मृत्यु के बाद सद्गति प्रदान करने वाला ग्रंथ माना गया है। यही कारण है कि घर पर किसी परिजन की मृत्यु के पश्चात इसका पाठ कराने और सुनने की मान्यता है। गरुड़ पुराण के अधिष्ठातृ स्वयं भगवान विष्णु हैं, जोकि अपने प्रिय वाहन पक्षीराज गरुड़ देव से वार्तालाप करते हैं और इसी का वर्णन गरुड़ पुराण में मिलता है। इसमें भक्ति, ज्ञान, वैराग्य, सदाचार, निष्काम, कर्म और नीति-नियम की महिमा के साथ यज्ञ, दान, तप तीर्थ आदि शुभ कर्मों में सर्व साधारण को प्रवृत्त करने के लिये कई लौकिक और पारलौकिक बातों का वर्णन मिलता है। साथ ही इसमें आयुर्वेद, विज्ञान, नीतिसार आदि विषयों का भी वर्णन किया गया है। लेकिन विशेषकर गरुड़ पुराण में मृत्यु और स्वर्ग-नरक से जुड़ी गूढ़ बाते बताई गई है। आत्मज्ञान का विवेचन भी गरुड़ पुराण का मुख्य विषय है। इसमें भगवान विष्णु द्वारा ऐसी बातें बताई गई है, जिसका अनुसरण करने पर सफलता प्राप्त होती है और व्यक्ति खुशहाल जीवन व्यतीत करता है। इसमें भगवान विष्णु ऐसे कामों के बारे में बताते हैं, जिसे निपटाने के लिए बिल्कुल भी इंतजार नहीं करना चाहिए। बल्कि जितनी जल्दी हो सके इन कामों को निपटा देना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं करेंगे तो इससे आप बड़ी परेशानी में पड़ सकते हैं। जानते हैं कौन से हैं वो काम।

इन कामों को निपटाने में न करें देर

कर्ज चुकाने में देरी: कर्ज का बोझ जितनी जल्दी उतर जाए उतना बढ़िया होता है। इसलिए शीघ्र अतिशीघ्र कर्ज या उधारी को चुकाने की कोशिश करें। कहा जाता है कि यदि आप लंबे समय से किसी की उधारी अपने पास रखेंगे तो इससे ना सिर्फ आपसी संबंध खराब होंगे बल्कि अन्य कई तरह की समस्याएं भी पैदा होंगी।

भूल के लिए माफी मांगना: यदि आपसे कोई भूल या गलती हुई है तो इसके लिए माफी मांगने में जरा भी देर न करें। आप सामने वाली से जितनी जल्दी हो सके माफी मांग ले। इससे आपसी कड़वाहट दूर होगी और रिश्ते में मजबूती आएगी।

शत्रुता समाप्त करने: किसी से बैर या हीन भावना रखना कभी भी लाभकारी साबित नहीं होता है। इसलिए किसी से शत्रुता है तो इसे खत्म कर दें।

अग्नि: यदि कहीं आग लग गई है तो ऐसी स्थिति में इंतजार करना खतरे को और अधिक बढ़ा सकता है। इसलिए इसे तुरंत ही बुझाने का प्रयास करें।

रोग का इलाज: रोग बीमारी से पीड़ित लोगों को भी इंतजार नहीं करना चाहिए। बीमारी के संकेत दिखते हैं तुरंत इलाज कराएं। वरना शारीरिक कष्ट बढ़ सकता है।

घर का सपना होगा पूरा

बस कर लें ये छोटा और आसान उपाय

घर बनाने का सपना अब होगा पूरा। अगर आपका भी घर बनाने का सपना रह गया है अधूरा तो यह सपना अब होगा पूरा। आपका घर बनाने का सपना अगर पूरा नहीं हो पा रहा ,तो आप भी कर सकते है यो छोटा सा अचूक उपाय। इंसान पूरी जिंदगी मेहनत करता है, कमाता है लेकिन कई बार हम अपना खुद का घर नहीं ले पाते। इंसान जी तोड़ मेहनत करता है सब कुछ बना लेता है, गाड़ी खरीदता है लेकिन अपना घर नहीं बना पाता, वो सपना अधूरा रह जाता है। किराए की जिंदगी आखिर इंसान कब तक जी सकता है। ऐसा माना जाता है कि जिन लोगों की कुंडली में मंगल और चंद्रमा का संबंध नहीं होता है वो लोग अपना घर नहीं बना पाते। वो पैतृक संपत्ति को तो पा लेता है लेकिन अपना कभी खुद का घर नहीं खरीद पाते है और न अपना घर बना पाता है। अगर आप की कुंडली में चंद्रमा कमजोर है तो आप प्रपर्टी नहीं बना सकेंगे, साथ ही अगर आप की कुंडली में मंगल नीच का है, यानि 12वें या छठे भाव में बैठा है तो वो कभी अपना घर नहीं बना पाएंगे। चाहे आपके पास कितना भी पैसा क्यों ना हो। जब मंगल और चंद्रमा साथ आते हैं तो इंसान के पास अचूक प्रापर्टी होती है। यानि चंद्रमा का समावेश मंगल में कैसे कराया जाए।

एक अचूक उपाय पूरा करेगा घर का सपना

जिस जातक की कुंडली में ऐसा योग है वो एक चांदी की कील से अपना घर का सपना पूरा होगा। एक चांदी की किल को नीम के पेड़ में गाड़ दें, इसको गाड़ने के लिए लकड़ी का प्रयोग करें। नीम का पेड़ मंगल से संबंध रखता है। तो यहां हम मंगल और चंद्रमा को एक साथ ला कर अपना ये दोष दूर कर सकते हैं। ये उपाय किसी भी तृतीया की तिथि को कर सकते हैं। इस छोटे से उपाय से आपका घर बनाने का सपना पूरा होगा।

हरिद्वार का वह घाट जहां भगवान राम ने किया था अपने पिता का पिंडदान

यहां तर्पण से पितरों को मिलता है मोक्ष

धर्म नगरी हरिद्वार विश्व में एक तीर्थ स्थल के नाम से विख्यात है। हरिद्वार को कुंभ नगरी के नाम से भी जाना जाता है। प्राचीन काल में देवताओं और असुरों के मध्य हुए समुद्र मंथन के बाद अमृत कलश निकला था, जिसके बाद अमृत के लिए असुरों और देवताओं में युद्ध हुआ था। इस दौरान अमृत कलश को लेकर जाते वक्त अमृत की कुछ बूंदें धरती पर चार जगह हरिद्वार, इलाहाबाद, नासिक और उज्जैन में छलक कर गिरी थी। हरिद्वार में हर की पौड़ी पर अमृत की बूंदें गिराने के कारण यहां हर 12 साल बाद महाकुंभ का आयोजन बहुत बड़े स्तर पर होता है। महाकुंभ में लाखों साधु-संत और देश-विदेश से लोग गंगा में डुबकी लगाने आते है। वहीं हरिद्वार के प्राचीन गंगा घाटों में से कुशावर्त घाट है, जहां पर पिंड दान करने, दसवां क्रिया करने की धार्मिक मान्यता बताई गई है। हरिद्वार के प्राचीन गंगा घाटों में कुशावर्त घाट का विशेष महत्व बताया गया है, जहां पर गंगा स्नान करने और अपने प्रियजनों, पित्रों के निमित कार्य करने से उन्हें मोक्ष की प्राप्ति मिलने की धार्मिक मान्यता बताई गई है। कुशावर्त घाट पर मुख्य रूप से रोजाना देश के अलग-अलग प्रांतों से लोग यहां पिंड दान, तर्पण और अस्थियां प्रवाहित करने आते है।

हिन्दू धार्मिक ग्रंथों में है उल्लेख

कुशावर्त घाट की अपनी ही प्राचीन मान्यता है। इस घाट पर श्राद्ध तर्पण और कर्मकांड करने का विशेष महत्व बताया जाता है। इस घाट का वर्णन भी धार्मिक ग्रंथों में किया गया है। कहा जाता है कि यहां भगवान दत्तात्रेय की तपोस्थली है। यहां भगवान दत्तात्रेय का मंदिर भी बना हुआ है। कुशावर्त घाट पर पूर्वजों की आत्मा शांति के लिए कर्मकांड किए जाते हैं। यहां अस्थि विसर्जन या पिंड दान करने से उनकी आत्मा को शांति मिलती है।

भगवान राम ने किया था कुशावर्त घाट पर पिंडदान

पुरोहित कन्हैया शर्मा बताते हैं कि कुशावर्त घाट देवों और पितरों को प्रसन्न करने का एक स्थान है। इस स्थान का वर्णन विष्णु पुराण, शिव पुराण और स्कंद पुराण के केदारखंड में किया गया है। धार्मिक

मान्यता है कि इस स्थान पर प्राचीन काल में कुशा के बहुत से वृक्ष हुआ करते थे। त्रेता युग में भगवान राम ने अपने पिता और समस्त पूर्वजों के उद्धार हेतु यहां पर पिंडदान और तर्पण आदि किया था। द्वापर युग में पांडवों ने इसी स्थान पर पिंड दान आदि किए थे।

यहां है 1 लाख छिद्र वाला दुनिया का एकमात्र शिवलिंग

पाताल लोक से है कनेक्शन

छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा में अद्भुत रहस्यों और आश्चर्यों से भरा एक ऐसा शिवलिंग है जिसमें एक लाख छिद्र हैं। जिसमें से एक छिद्र पाताल लोक से जुड़ा हुआ है। लोगों में ऐसी मान्यता है कि इस छिद्र में जितना भी जल डालो वह पाताल लोक में चला जाता है। जांजगीर-चांपा जिले के शिवरीनारायण से 3 किलोमीटर और छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से 120 किलोमीटर दूर खरौद नगर में स्थित है लक्ष्मणेश्वर महादेव। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान राम ने यहां पर खर व दूषण का वध किया था। इसलिए इस जगह का नाम खरौद पड़ा। खरौद नगर में प्राचीन कालीन अनेक मंदिरों की उपस्थिति के कारण इसे छत्तीसगढ़ का काशी भी कहा जाता है। लक्ष्मणेश्वर महादेव के इस मंदिर में सावन मास में श्रावणी और महाशिवरात्रि में मेला लगता है।

लक्ष्मण ने की थी स्थापना

लक्ष्मणेश्वर महादेव मंदिर के गर्भगृह में एक शिवलिंग है जिसके बारे में मान्यता है कि इसकी स्थापना स्वयं लक्ष्मण ने की थी। इसलिए लक्ष्मणेश्वर महादेव कहते हैं। इस शिवलिंग में एक लाख छिद्र है। इसलिए इसे लक्षलिंग कहा जाता है। मंदिर के पुजारी के अनुसार एक लाख छिद्रों वाला यह दुनिया का एकलौता शिवलिंग है। अभी तक इस तरह के दूसरे शिवलिंग के बारे में जानकारी सामने नहीं आई है।

इस शिवलिंग में है एक लाख छिद्र

यह लक्ष्मणेश्वर मंदिर अपने आप में बेहद अद्भुत और आश्चर्यों से भरा है। लक्ष्मणेश्वर शिवलिंग में एक लाख छिद्र हैं जो पातालगामी है, क्योंकि उसमे कितना भी जल डालो वो सब उसमें समा जाता है। वहीं एक छिद्र अक्षय कुण्ड है इसमें जल हमेशा भरा ही रहता है। एक लाख छिद्र होने के कारण इसे लखेश्वर महादेव भी कहा जाता है। लक्षलिंग जमीन से करीब 30 फीट ऊपर है और इसे स्वयंभू भी कहा जाता है।

लक्ष्मणेश्वर महादेव में चढ़ता है लक्ष चावल

खरौद के लक्ष्मणेश्वर महादेव में एक लाख चावल के दाने चढ़ाने का विशेष महत्व है। लोग मनोकामना पूरा करने के लिए चावल के एक लाख दाने कपड़े की थैली में भरकर चढ़ाते हैं। इस चावल को लाख चाउर या लक्ष चावल भी कहा जाता है। सावन मास में बड़ी संख्या में लोग यहां एक लाख चावल और जल चढ़ाने आते हैं। महाशिवरात्रि के दिन यहां विशेष पूजा और अभिषेक किया जाता है। दूर-दूर से लोग इस अद्भुत शिवलिंग के दर्शन करने आते हैं।

नई मुश्किल में फंसी उर्फी जावेद...सामान लेकर भागा ड्राइवर

सोशल मीडिया सनसनी, उर्फी जावेद सोशल मीडिया पर किसी न किसी वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं. हालांकि वो भी फेमस होने का कुछ भी मौका चूंकती नहीं हैं. यूं तो ज्यादातर वक्त वे अपने बोल्ड फैशन सेंस को लेकर लोगों से घिरी रहती हैं लेकिन इस बार मामला थोड़ा अलग है. उर्फी ने इस बार महिलाओं की सुरक्षा के लिए एक गंभीर अनुरोध किया है. बता दें, दिल्ली में उनका सामान लेकर उबर ड्राइवर के भाग जाने के बाद मंगलवार को उन्होंने उबर इंडिया से 'लड़कियों की सुरक्षा के बारे में कुछ करने' का अनुरोध किया. उन्होंने एक पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर किया और उस दिन की पूरी घटना बताई.

ट्विटर पर अपने उबर ड्राइवर के बारे में लिखते हुए उर्फी ने बताया कि "दिल्ली में सबसे खराब अनुभव रहा, 6 घंटे के लिए कैब बुक की, एयरपोर्ट के रास्ते में लंच करने के लिए रुकी, ड्राइवर मेरे सामान के साथ कार लेकर गायब हो गया. मेरे पुरुष मित्र के इंटरफेयर के बाद, ड्राइवर 1 घंटे के बाद पूरी तरह से नशे में वापस आ गया।

उर्फी ने अपना ये एक्सपीरियंस इंस्टाग्राम स्टोरी पर भी शेयर किया है. उर्फी ने लिखा-उबर इंडिया महिलाओं की सुरक्षा के लिए कुछ करो प्लीज़. उबर इंडिया ने भी उनकी पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी और लिखा, "हमने इस मुद्दे को अपनी संबंधित टीम तक पहुंचा दिया है. हमारी सुरक्षा टीम का एक सदस्य जल्द से जल्द आपसे संपर्क करेगा. हम आपके धेर्य की सराहना करते हैं.

उर्फी की इस पोस्ट पर कई लोगों ने कमेंट करते हुए लिखा- 'अच्छा अनुभव आपको जीवन में ऐसे अनुभव की जरूर जरूरत है' दूसरे ने कहा, "मेट्रो का उपयोग करें. बहुत से लोग सेल्फी लेंगे और आपको ज्यादा पब्लिसिटी मिलेगी. तीसरे ने कहा, "इसलिए अगली बार ऑटो बुक करना सबसे अच्छा है." चौथे ने कहा, "दारू का नहीं आपके हुस्न का नशा हो गया होगा."

करीना-सैफ ने जेह के बर्थडे पर रखी पूल पार्टी

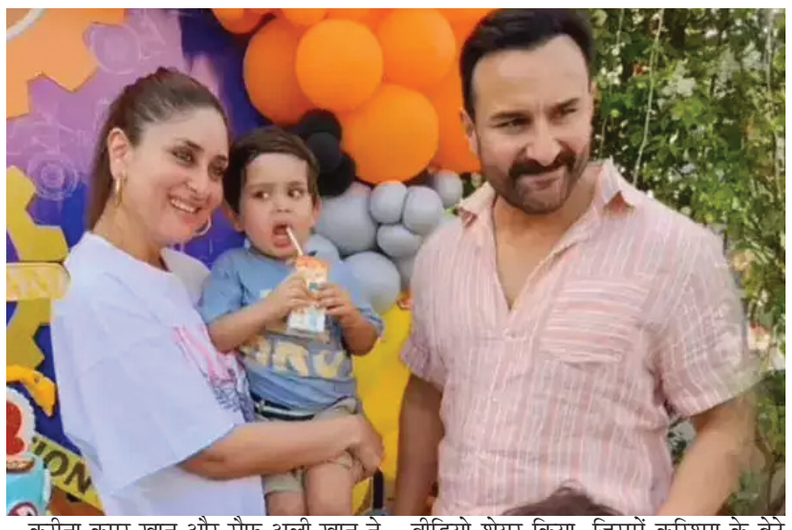

करीना कपूर खान और सैफ अली खान ने 21 फरवरी को छोटे बेटे जेह का दूसरा जन्मदिन मनाया। इस मौके पर कपल ने करीबियों के लिए खास पार्टी रखी, जिसमें जेह की मौसी करिश्मा कपूर, बुआ सबा और सोहा अली खान समेत कई सेलेब्स ने शिरकत की।

वहीं सोहा अली खान की बेटी इनाया नॉमी खेमू, अंगद बेदी के बेटे मेहर और गुरिक, करिश्मा कपूर की बेटी समायरा कपूर और बेटे कियान समेत कई सेलेब्स के बच्चे भी पहुंचे। सैफ अली खान की बहन सबा ने इंस्टाग्राम हैंडल पर पार्टी की तस्वीरें और वीडियोज शेयर किए हैं। जिसमें पूरा परिवार एक साथ एंजॉय करता हुआ नजर आ रहा है।

जेह को गोद में लेकर करीना ने कटवाया केक

शेयर किए गए एक वीडियो में जेह करीना की गोद में नजर आ रहे हैं। तस्वीर में वो क्यूट अंदाज में केक पर लगी मोमबत्तियां बुझा रहे हैं। इस दौरान बर्थडे बॉय जेह ब्लू टी-शर्ट और ग्रे शॉर्ट्स में बेहद क्यूट लग रहे हैं। फोटो के साथ सबा ने कैप्शन में लिखा- जन्मदिन मुबारक हो हमारे प्यारे जेह बाबा।'

एक साथ मिलकर फैमिली ने किया एंजॉय

सोहा अली खान ने पार्टी का एक मजेदार वीडियो शेयर किया, जिसमें करिश्मा के बेटे कियान एक बैलून के साथ मस्ती करते हुए नजर आ रहे हैं, इस बीच बैलून आसमान में उड़ जाता है। ये देख कर घरवाले हंसने लगते हैं। पास खड़ी करिश्मा अपने फोन पर ये वीडियो रिकॉर्ड कर रही हैं। जबकि करीना अचानक ये देखकर हैरान हो जाती है।' पार्टी का ये मस्ती भरा वीडियो बेहद सुर्खियों में है।

आखिरी फेज में पहुंचा फिल्म जवान का काम

फास्ट एंड फ्यूरियस-7 की टीम ने कोरियोग्राफ किए एक्शन सीक्वेंस

पठान से धमाल मचाने के बाद अब शाहरुख खान जल्द जवान और डंकी लेकर आ रहे हैं। दोनों की शूटिंग इन दिनों तेजी से चल रही है। दोनों ही फिल्मों की शूटिंग अपने अंतिम फेज में है। सोर्सेस की मानें तो जवान की शूटिंग महज 20 से 30 दिनों पूरी हो जाएगी। इसकी शूटिंग करीब 130 दिनों चल चुकी है, बाकी बचा हुआ काम मुंबई में पूरा किया जाएगा। कहा जा रहा है कि ये एक चेज सीन है, जिसमें शाहरुख खान का डबल रोल दिखाया जाएगा।

इससे पहले शाहरुख ने एक एक्शन सीन शूट किया था, जिसे एक्शन जीप और गाड़ियों के साथ शूट किया गया था। खास बात ये रही कि उस सीक्वेंस के लिए फास्ट एंड फ्यूरियस 7 की एक्शन डिजाइन करने वाली टीम को बुलाया गया। दरअसल, उन्होंने उस एक्शन का सीक्वेंस कोरियोग्राफ किया। सोर्सेस की मानें तो इस टीम को दो दिनों के लिए बुलाया गया था।

फिल्म के मेजर एक्शन सीन्स अनल अरसु और सुनील रोड्रिग्स की टीम ने ही पूरे किए हैं। बता दें कि सुनील शाहरुख फिल्म पठान का एक्शन कोरियोग्राफ कर चुके हैं। बीते कुछ समय से फिल्म मेकर्स और एक्शन डायरेक्टर के बीच मिलकर काम करने का चलन बढ़ गया है। जवान के साथ भी ऐसा ही किया गया है।अलग तरह के एक्शन की एक्सपरटीज के हिसाब से एक्सपर्ट स्टंट डायरेक्टर हायर किए जाने लगे हैं।

20 से 30 दिन में पूरा होगा जवान का काम

जवान की करीब 20 से 30 दिन की शूटिंग अभी बची हुई है। उनमें से ज्यादातर पोर्शन शाहरुख के हैं। फिल्म में मेन विलेन विजय सेतुपति हैं। विजय अपने हिस्से के ज्यादातर सीन फिल्मा चुके हैं। उनका अब बस दो से तीन दिनों का काम है। बाकी के 25 से 28 दिन शाहरुख और बाकी कलाकार शूट करेंगे।

प्रियामणि और सान्या मल्होत्रा करेंगी एक्शन

जवान में एक्ट्रेसेस प्रियामणि और सान्या मल्होत्रा के भी एक्शन सीक्वेंस हैं। सोर्सेस की मानें तो एक्ट्रेसेस के एक्शन सीक्वेंस काफी ज्यादा हैं। फिल्म में दीपिका भी हैं, हालांकि वो कैमियो रोल में हैं।

अलग-अलग फिजिकल अपीरियंस में दिखेंगे किंग खान

सोर्सेस की मानें तो पठान के मुकाबले जवान में शाहरुख के अलग-अलग फिजिकल अपीरियंस देखने को मिलेंगे। इतना ही नहीं इस बार उन्हे बेयर बॉडी के बजाय कॉस्ट्यूम में एक्शन करता दिखाया जाएगा। यहां डबल रोल में जो शाहरुख का यंग वर्जन है, उसे छह अलग लुक में दिखाए जाएगा। पठान की तरह जवान भी एक एक्शन फिल्म है। डायरेक्टर एटली भी हाल में पिता बने हैं । हालांकि उन्होंने शूट से महज एक दिन की ब्रेक लिया।

चोरी-छिपे फोटो खींचे जाने पर भड़कीं आलिया भट्ट

आलिया भट्ट ने बीती रात यानी मंगलवार को इंस्टाग्राम के जरिए मीडिया को खरी खोटी सुनाई। इसके साथ ही उन्होंने एक पब्लिकेशन पर अपनी प्राइवेसी में दखल देने का आरोप भी लगाया। दरअसल एक पब्लिकेशन ने आलिया की लिविंग रुम में बैठे हुए फोटोज शेयर की थी, जिसे देखने के बाद आलिया भड़क गईं।

किस दुनिया में ऐसा किसी के साथ करना ठीक है?

आलिया भट्ट ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा, 'क्या आप मेरे साथ मजाक कर रहे हैं? मैं अपने घर पर थी और एक साधारण सी नॉर्मल दोपहर बिता रही थी। मैं अपने लिविंग रूम में बैठी थी कि मुझे लगा कि कोई मुझे देख रहा है। मैंने देखा कि दो शख्स मेरे पड़ोसी की बिल्डिंग से मुझे क्लिक कर रहे हैं। किस दुनिया में ऐसा किसी के साथ करना ठीक है?'

आलिया ने आगे लिखा, 'क्या ये करने की इजाजत किसी को भी आसानी से मिल सकती है? क्या ये किसी की प्राइवेसी को खराब करना नहीं है? एक लाइन होती है, जिसे आप क्रॉस नहीं कर सकते हैं। और मेरे लिए ये कहना एकदम सेफ रहेगा कि आपने सारी लाइनें क्रॉस कर दी हैं।' इसके साथ ही आलिया ने मदद के लिए मुंबई पुलिस को भी टैग किया।

सेलेब्स ने किया आलिया का सपोर्ट

आलिया के इस पोस्ट को देखने के बाद उनकी बहन शाहीन भट्ट, अर्जुन कपूर, अनुष्का शर्मा, करण जौहर, स्वरा भास्कर और जाह्नवी कपूर समेत कई सेलेब्स ने भी मीडिया के प्रति अपना गुस्सा जाहिर किया।

अर्जुन ने इस घटना को बताया शर्मनाक

अर्जुन कपूर ने लिखा, 'एकदम शर्मनाक। ये एक ऐसी चीज हुई है, जहां हर लिमिट को क्रॉस किया गया है। एक महिला अपने खुद के घर तक में सुरक्षित महसूस नहीं कर रही है, जो भी लोग एक पब्लिक फिगर की तस्वीरें निकालते हैं, क्या उनका ये लिमिट क्रॉस करना सही है? इन्हीं लोगों पर हम भरोसा करते हैं और सोचते हैं कि ये फोटो ले रहे हैं, क्योंकि ये इनका काम है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि कोई महिला को असुरक्षित महसूस कराने लगेगा और किसी की प्राइवेसी भंग करने की कोशिश में जुट जाएगा। ये किसी को देखना नहीं, बल्कि किसी महिला को स्टॉक करना है मुंबई पुलिस।'

हमारे मना करने के बाद भी इन लोगों ने हमारी बेटी की फोटोज भी पोस्ट की थीं

अनुष्का ने आलिया का सपोर्ट करते हुए लिखा, 'ऐसा ये लोग पहली बार नहीं कर रहे हैं। करीब दो साल पहले हम लोगों ने भी इनकी इसी रीजन की वजह से क्लास लगाई थी। क्या आपको लगता है कि ये सब करके आप लोग इज्जत हासिल कर लोगे? ये एकदम शर्मनाक हरकत है। यही वो लोग हैं, जिन्होंने हमारी बेटी की तस्वीरें पोस्ट की थीं, जबकि हम लोगों ने मना किया था और प्राइवेसी की रिस्पेक्ट करने को कहा था।'

ड्रीम गर्ल 2 में नुसरत के बजाए अनन्या पांडे को कास्ट किया गया : खुराना

आयुष्मान खुराना स्टारर 'ड्रीम गर्ल 2' का टीजर रिलीज हो गया है। इसमें किरदार पूजा की आवाज में आयुष्मान खुराना डायरेक्ट शाहरुख खान के पठान वाले किरदार से बातें करते हुए नजर आ रहे हैं। ट्रेड में अफवाहें थीं कि खुद शाहरुख ने फिल्म में अपनी आवाज दी है। हालांकि फिल्म के डायरेक्टर राज शांडिल्य ने इसे खारिज किया है।

राज ने कहा, 'जाहिर है शाहरुख सर की व्यस्तता कितनी ज्यादा है, वो तो सब जानते हैं। वो खुद मौजूद नहीं थे। इस वजह से इसमें आवाज मिमिक्री आर्टिस्ट की है। उनकी आवाज यूज करने का आयडिया तो पठान की पॉपुलैरिटी के बाद ही आया। हम सब फिगर आउट कर रहे थे कि पूजा के दीवाने तो ढेर सारे हैं। ऐसे में अब पूजा के पास किसका कॉल सबसे पहले आना चाहिए? हमने सोचा कि पूजा के पास आम लोगों के तो फोन आते ही रहते हैं। क्यों न इस बार उसके पास किसी सेलिब्रिटी का फोन आए? जाहिर तौर पर वो सेलिब्रिटी का नाम पठान के सिवा और कौन हो सकता था?'

नुसरत की जगह इस बार फिल्म में अनन्या पांडे होंगी

इस बार अतिरिक्त किरदारों के लिए परेश रावल, मनोज जोशी, राजपाल यादव, सीमा पाहवा फिल्म से जुड़ी हैं। पिछली बार हीरोइन नुसरत भरुचा थीं। लेकिन इस बार उस रोल में अनन्या पांडे होंगी। बाकी पुराने कलाकार भी रहेंगे, जैसे अन्नू कपूर, विजय राज, अभिषेक बनर्जी आदि।

राज शांडिल्य ने इस बारे में बात करते हुए कहा, 'इस बार हम नई कहानी लेकर आए हैं। तो यहां हमें नई एक्ट्रेस की जरूरत थी। अनन्या ने अपने किरदार के साथ न्याय किया है। हमने यहां मथुरा और ब्रज में बोली जाने वाली एक्सेंट रखी है।'

परेश रावल भी फिल्म में आएंगे नजर

अभिषेक बनर्जी के पिता के रोल में परेश रावल हैं। परेश रावल पहले पार्ट में नहीं थे। अभिषेक बनर्जी जरूर पहले पार्ट में नुसरत भरुचा के भाई के रोल में थे। यहां एक्ट्रेस अनन्या पांडे के पिता के रोल में मनोज जोशी हैं। नुसरत को इस बार राज शांडिल्य ने कास्ट नहीं किया, मगर वो बहुत जल्द जनहित में जारी का दूसरा पार्ट लाने वाले हैं। उसे राज, नुसरत के साथ ही अनाउंस करने वाले हैं।

रणवीर को बॉलीवुड में ब्रेक दिलाने में भूमि का बड़ा हाथ

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह इंडस्ट्री के बड़े कलाकारों में से एक हैं। उन्होंने अपने अभिनय के दम पर इंडस्ट्री में जगह बनाई है। हालांकि उन्हें बॉलीवुड में एंट्री किसके जरिए मिली, इस बारे में बेहद कम लोग जानते हैं। रणवीर सिंह ने हाल ही में बॉलीवुड में अपने ब्रेक मिलने को लेकर बात की है। उन्होंने इसके बारे में नेटफ्लिक्स के शो द रोमैंटिक्स में बताया।

स्क्रीन टेस्ट में भूमि ने की मदद

रणवीर सिंह ने बताया कि उन्हें ब्रेक दिलाने में एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर का बहुत बड़ा हाथ है। उस दौरान भूमि ने एक्टिंग की दुनिया में कदम नहीं रखा था। रणवीर ने कहा कि कास्टिंग डायरेक्टर शानू शर्मा ने उनकी तस्वीरें फिल्म निर्माता आदित्य चोपड़ा को दिखाई थी। हालांकि, आदित्य को मैं कुछ खास गुड लुकिंग या अट्रैक्टिव नहीं लगा था। कास्टिंग डायरेक्टर शानू की जिद के कारण मेरा स्क्रीन टेस्ट लिया गया। रणवीर ने बताया कि मुझे सीन शानू की असिस्टेंट ने समझाए थे, जो कोई और नहीं भूमि पेडनेकर थीं।

भूमि के कारण अच्छा गया था ऑडिशन

रणवीर ने बताया कि वह वाकई में प्रोफेशनल थीं, उन्होंने मेरे लिए चीजों को आसान कर दिया। उन्होंने मेरे लिए और सीन में मेरे साथी की भूमिका अदा की थी। रणवीर ने आगे कहा कि यह भूमि के कारण ही था, जो मैं बैंड बाजा बरात के लिए इतना अच्छा ऑडिशन दे पाया था। आदित्य चोपड़ा ने ऑडिशन देखा और उसके बाद शाम को तुरंत बोर्ड पर ले लिया।

द रोमैंटिक्स 14 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर हुआ शुरू

बता दें कि द रोमैंटिक्स की शुरुआत 14 फरवरी को यश चोपड़ा की याद में किया था। इसे विश्व स्तर पर रिलीज किया गया है। यश चोपड़ा को रोमांटिक फिल्मों का जनक कहा जाता है। वहीं, इस शो का निर्देशन स्मृति मूंदड़ा ने किया। वह इंडियन मैचमेकिंग और नेवर हैव आई एवर की फ्रेंचाइजी हैं, जिन्होंने नेटफ्लिक्स के इस शो से वापसी की है।

एक लेजेंड्री सुपरस्टार होने के बाद भी कमल हसन का डेडिकेशन कमाल का था : रकुल

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह की फिल्म 'छतरीवाली' को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अच्छा रिव्यू मिला था। रकुल की मानें तो वे अब आउट एंड आउट लव स्टोरी करना चाहती हैं। फिलहाल वे कमल हासन के साथ इंडियन 2 में नजर आएंगीं।

'छतरीवाली' करते वक्त मुझे विश्वास था कि ये फिल्म लोगों से कनेक्ट करेगी। ये टॉपिक शायद मेट्रो सिटी नहीं, लेकिन छोटे शहरों के लोगों से काफी कनेक्ट हो पाया। निश्चित रूप से, खुद पर यकीन बढ़ा, जैसे सोचा था वैसा ही हुआ। हालांकि ऐसा नहीं है कि मैं अब सोशल अवेयरनेस पर बेस्ड फिल्में ही करूंगी, मेरे लिए फिल्म का एंटरटेनिंग होना बहुत जरूरी है। मैं सब कुछ करना चाहूंगीं- कॉमर्शियल, नाच-गाना और सोशल अवेयरनेस बेस्ड भी। स्क्रिप्ट अच्छी होना बहुत ज्यादा मायने रखता है।

मैं एक लव स्टोरी जरूर करना चाहती हूं। मुझे सच में इस शैली का हिस्सा बनना है क्योंकि मुझे लगता है कि रोमांस कभी नहीं मरता। जो बड़े परदे पर रोमांस का आइडिया देखकर बड़े हुए हैं, उसका हिस्सा बनना है। कम से कम एक तो आउट एंड आउट रामांटिक फिल्म करना है।

खाना खराब पकाना भी अपने आप में एक अनोखी स्किल है। एक डिश को कोई कैसे खराब कर सकता है, ये कोई मुझसे सीखे। खाना खा सकती हूं, लेकिन पका नहीं सकती। इसके अलावा मुझे स्पोर्ट्स पसंद है, खास तौर पर गोल्फ खेलना। जब टाइम मिलता है तो सीरीज या फिल्म देखना पसंद करती हूं या फिर ट्रैवल करती हूं।

मैं सबसे ज्यादा खाने के बारे में गूगल करती हूं। जैसे कि किसी डिश में कितनी कैलोरीज है वगैरह। मेरे दिमाग में हमेशा ये कैलकुलेशन चलता रहता है कि मैंने कितनी कैलोरीज कंज्यूम की। तो ज्यादातर मैं खाना और हेल्थ के बारे में पढ़ती हूं।

वो तो आटोमेटिक गूगल अलर्ट पर आ जाता है। ऐसे तो हर हफ्ते कोई न कोई आर्टिकल मेरे बारे में आता है। मुझे ये बताया गया कि पिछले साल नवम्बर में मेरी शादी थी। तो पूछना चाहती हूं कि, कैसी थी मेरी शादी?

हां, इस फिल्म की शूटिंग लगभग खत्म ही चुकी है, सिर्फ कुछ गाने बचे हैं। मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत महसूस करती हूं कि मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिला। वो एक इंस्टीटयूशन हैं, कमल सर अपने आप में एक पूरी इंडस्ट्री हैं। उन्होंने अपने 60 साल इस इंडस्ट्री को दिए हैं और जिस तरह का उनका एक्सपीरियंस है, जितना उनका आज भी एक्टिंग को लेकर पैशन हैं, वो अमेजिंग हैं।

इतने एक्सपीरिएंस के बाद भी, एक लेजेंड्री सुपरस्टार होने के बाद भी उनका डेडिकेशन कमाल का था। फिल्म में उनका प्रोस्थेटिक मेकअप बहुत ज्यादा था। 4 घंटे पहले सुबह आना, फिर 9 बजे शॉट देना, फिर पैकअप के बाद प्रोस्थेटिक निकालने के लिए 2-3 घंटा देना, वो पैशन के बिना नहीं हो सकता है। इतने सालों बाद भी यदि वो ऐसे पेशनेट हैं तो हमारी जर्नी तो अभी शुरू हुई है। उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला।

अर्जुन एक बेहतरीन कलाकार हैं, मैं अभी इस पर ज्यादा बात नहीं कर सकती क्योंकि फिल्म ऑफिशियली अनाउंस नहीं हुई हैं। हालांकि उनके साथ ये मेरी दूसरी फिल्म है। वो बहुत अच्छे इंसान हैं, बहुत मजा आया। मैं इतना कहूंगी कि ये फिल्म शूट करने में जितना मजा आया, उतना ही मजा ऑडियंस को उसे देखने में आएगा।

अजय देवगन की बेटी न्यासा ने बोली टूटी-फूटी हिंदी : वीडियो देख लोगों ने उड़ाया मजाक, कहा- इन्हें बस पार्टी करना आता है

बॉलीवुड के स्टार कपल अजय देवगन और काजोल की बेटी न्यासा देवगन आए दिन सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। हाल ही में वह अहमदनगर के एक ग्रामीण इलाके में पहुंची थीं। जहां उन्होंने बच्चों की पढ़ाई के लिए डिजिटल लाइब्रेरी का उद्घाटन किया। साथ ही बच्चों को मोटिवेट करने के लिए हिंदी भाषा में स्पीच भी दी। इसी दौरान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें न्यासा ठीक से हिंदी भी नहीं बोल पा रही हैं, जिसकी वजह से उनको काफी ट्रोल किया जा रहा है।

न्यासा ने बोली टूटी-फूटी हिंदी

इस वीडियो में वह एनवाई फाउंडेशन के एक कार्यक्रम में बच्चों से हिंदी में बात कर रही हैं। वह बच्चों को हमेशा पढ़ते रहने की सलाह दे रही हैं। लेकिन हिंदी बोलते हुए वह कई बार अटकती हैं। अब इस टूटी फूटी हिंदी को लेकर लोग उन्हें सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'इसको बस पार्टी करना आता है'। तो वहीं दूसरे ने लिखा, 'कितनी झूठी है यह दुनिया, पीआर के बलबूते प्यार पाते हैं और इंग्लिश में रट्टे मारकर हिंदी में स्पीच नहीं दे पाते हैं। हमें नहीं चाहिए ऐसे स्टार किड्स, जिनको पीआर स्टंट्स करके लाइमलाइट में आना है।'

इवेंट के दौरान न्यासा ने यलो सलवार-सूट कैरी किया है। बिंदी और सिंपल मेकअप के साथ वह इस लुक में काफी अच्छी लग रही हैं। इस दौरान उन्होंने बच्चों से बातचीत भी करती नजर आई। जिसके कुछ फोटोज सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अजय देवगन की NY फाउंडेशन ने एक ऐसे संगठन के साथ हाथ मिलाया है, जो देश के 200 गांवों में एक्टिव है। अब नीसा देवगन भी इसी से जुड़े कार्यक्रम में शामिल हुई थीं। यहां उन्होंने बच्चों को किताबें और स्पोर्ट्स किट भी बाटी हैं।

जरूरत से दोगुना तेल खा रहे भारतीय

हार्ट को ब्लॉक कर सकता है इसका फैट, नारियल तेल 'शुद्ध जहर', बदलते रहें तेल-रहेंगे हेल्दी

खाने को सुघड, चिकना और स्वादिष्ट बनाने के लिए तेल का इस्तेमाल हजारों साल से किया जा रहा है। तेल में फैट होता है, जो शरीर को जरूरी पोषण देता है। लेकिन हमारी बॉडी एक सीमा तक ही फैट पचा सकती है। इससे ज्यादा फैट लेने पर ये शरीर के अलग-अलग हिस्सों में जमा होने लगती है।

फैट शरीर पर जमे तो मोटापा और फेफड़े की नली में जमे तो हार्ट ब्लॉकेज की समस्या हो सकती है। इसके अलावा ज्यादा तेल खाने से बीपी, शुगर, कॉलेस्ट्रॉल में भी बढ़ोतरी होती है। ऐसे में तेल कैसा खाएं और कितना खाएं, इसे जान लेना जरूरी हो जाता है।

दिन में कितना तेल खा सकते हैं?

अलग-अलग संस्कृतियों में तेल खाने को लेकर अलग-अलग आदतें रही हैं। ब्रिटिश सरकार की गाइडलाइन कहती है कि एक हेल्दी इंसान को दिन में 30gm से ज्यादा तेल नहीं खाना चाहिए। भारत की मौसमी और भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार जानकारों की राय है कि यहां लोग साल में 7 से 10 किलो तक तेल खा सकते हैं। लेकिन भारत में तेल की औसत खपत लगभग 17 किलो सालाना है।

ऐड और फिल्म देखकर तेल खरीद रहे लोग

यूरोप में ठंडे देशों में ऑलिव ऑयल यानी जैतून का तेल खाने की परम्परा रही है। बॉलीवुड फिल्मों, रियलिटी शो और ऐड को देखकर आज कल भारत के अपर मिडिल क्लास लोगों में ऑलिव ऑयल खाने का चलन बढ़ा है। लेकिन जानकार ऑलिव ऑयल को भारतीय परिस्थितियों में मुफीद नहीं मानते। ऑलिव ऑयल टेम्प्रेचर के थोड़ा बढ़ने पर भी

खराब हो जाता है।

नारियल तेल को 'हार्वर्ड' ने कहा था शुद्ध जहर

लंबे समय तक लोगों का ऐसा मानना रहा है कि नारियल का तेल खाने के लिए सबसे मुफीद है। इसे प्योर नेचुरल ऑयल माना जाता था। लेकिन कुछ हालिया रिसर्चों ने इस दावे पर सवाल उठा दिए हैं। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में हुई एक रिसर्च में नारियल के तेल को 'शुद्ध जहर' बताया गया। इसमें मौजूद सैचुरेटेड फैटी एसिड्स को सेहत के लिए काफी खतरनाक बताया गया।

सबसे खतरनाक कहे जाने वाले पाम ऑयल का सबसे बड़ा ख़रीददार है भारत

आम राय है कि पाम ऑयल खाने के लिए सबसे अनुपयुक्त है। इसमें ट्राइग्लिसरीसाइड्स पाया जाता है जो हार्ट के लिए काफी खतरनाक माना जाता है। बावजूद इसके भारत पाम ऑयल का सबसे बड़ा आयातक है। हर साल हजारों करोड़ के पाम ऑयल इंडोनेशिया और मलेशिया जैसे देशों से मंगाए जाते हैं। खाने अलावा पाम ऑयल का इस्तेमाल साबुन, शैंपू, पेंट, चॉकलेट और दूसरी खाने-पीने की चीज बनाने में भी किया जाता है।

सरसों का तेल हो सकता है सही विकल्प पर लॉन्ग टर्म में इसके भी हैं नुकसान

भारतीय रसाई में लंबे समय से भरोसेमंद तेल के रूप में सरसों के तेल की मौजूदगी रही है। इसी झांस और तीखी खुशबू को इंडियन खाने के लिए सबसे मुफीद माना जाता है। साथ ही सरसों के तेल की बर्निंग पॉइंट भी ज्यादा होता है, जिसके चलते ये भारत जैसे गर्म आबोहवा वाले देश के लिए फिट बैठता है। लेकिन लॉन्ग टर्म में सरसों का तेल भी खतरनाक हो सकता है।

बदल-बदल कर तेल खाना सबसे बेहतर

अलग-अलग तरह के तेलों में तीन तरह के फैट पाए जाते हैं- पॉलीअनसैचुरेटेड फैट (PUFA), मोनोअनसैचुरेटेड फैट (MUFA) और सैचुरेटेड फैट। इसमें से किसी एक के ज्यादा हो जाने पर कई तरह की हेल्थ प्रॉब्लम हो सकती है। इसलिए सबसे बेहतर यही है कि हम बदल-बदल कर तेल खाएं। इससे शरीर को सभी तरह के फैट मिलते रहेंगे और हम स्वस्थ रहेंगे।

आंतों में बनता है प्रेशर, ऐसी स्थिति में भूल कर भी न खाएं ये चीजें

आयुर्वेद में सेहत के तीन दोष बताए गए हैं- पित्त, कफ और वात। वात यानी वायु या गैस। आयुर्वेद कहता है कि शरीर में होने वाली सभी बीमारियों के मूल में यही तीन दोष हैं। बदलते लाइफ स्टाइल में लोग बाहर का और अन-हेल्दी खाना ज्यादा खाने लगे हैं। जिसके चलते बड़ी आबादी गैस की समस्या से परेशान है। लेकिन गैस की ये समस्या सिर्फ पेट के लिए ही नुकसानदेह नहीं, ये कई दूसरी बीमारियों का भी कारण बन सकती है।

गर्मी का मौसम आने वाला है। इस मौसम में गैस और कब्ज की समस्या बढ़ जाती है। ऐसे में इन दिनों के लिए सही डाइट और गैस-कब्ज हो जाने पर इससे बचने के उपायों का जान लेना जरूरी है। बैक्टीरिया के चलते पेट में बनती है गैस, बढ़ने पर दूसरे हिस्सों में भी जाती है।

पेट में गैस बनने के प्रॉसेस : हमारे पेट में दो तरह के बैक्टीरिया होते हैं- गुड बैक्टीरिया और बैड बैक्टीरिया। सामान्य स्थिति में गुड बैक्टीरिया सही मात्रा में गैस पार्टिकल बनाते हैं जो पेट में गए खाने को तोड़ कर पचाने का काम करते हैं। लेकिन कुछ खास तरह के फूड और ड्रिंक्स गैस बनने की दर को बढ़ा देते हैं। जिसके चलते छोटी आंत फूल जाती है और पेट में दर्द होने लगता है। कई बार गैस ज्यादा होने पर वो शरीर के दूसरे हिस्सों में पहुंच उस जगह को भी प्रभावित करती है। जब हम कुछ ऐसा खाते हैं, जो आसानी से पचने वाला नहीं होता हो उसे पचाने के लिए बॉडी ज्यादा गैस बनाने लगती है।

पेट की थोड़ी भी समस्या हो तो इन चीजों से बना लें दूरी

कई लोगों का पाचन तंत्र इतना मजबूत होता है कि वे कुछ भी पचा लेते हैं। लेकिन आज के समय में ज्यादातर लोगों का पाचन तंत्र उतना मजबूत नहीं। कुछ चीजें ऐसी हैं जो पाचन तंत्र पर जरूरत से ज्यादा दबाव डालती हैं और उससे गैस-कब्ज की समस्या होती है।

दूध, प्याज, मूली, बैंगन, खीरा,

बींस, कटहल, राजमा, अरबी, खट्टे फल, कैफीन (चाय-कॉफी) और सोडा जैसी चीजें गैस को बढ़ाती हैं। अगर गैस की समस्या हो तो इनसे बचने की सलाह दी जाती है।

गैस बनना नेचुरल प्रॉसेस, गलत खानपान से बिगड़ता है संतुलन

अब आप समझ गए होंगे कि पेट में गैस बनना एक नेचुरल प्रॉसेस है; जो खाने को पचाने के लिए जरूरी है। डॉक्टर्स के मुताबिक एक स्वस्थ आदमी दिन में 14 से 20 बार गैस पास करता है। लेकिन दिक्कत तब हो जाती है, जब हमारे खाए हुए फूड या ड्रिंक्स गैस बनने की दर को बढ़ा देते हैं। जिससे अपच, मितली, दर्द-ऐंठन और उल्टी की भी समस्या हो सकती है।

खाना न खाने या ज्यादा खाने से भी बन सकता है गैस

आपने जाना कि हमारे शरीर में नेचुरली गैस बनती रहती है। जब हम काफी देर तक कुछ नहीं खाते तो पेट में गैस बढ़ती चली जाती है। दूसरी ओर, बार-बार या ज्यादा खाना खाने से भी पेट में गैस बढ़ जाती है।

तेजी से खाने पर पेट में चली जाती है बाहर की हवा

कई लोगों को संतुलित और सही खाने के बाद भी गैस की समस्या होती है। ऐसा जल्दबाजी में खाने की वजह से भी हो सकता है। तेजी में खाने के चलते निवाले के साथ बाहर की हवा भी पेट में चली जाती और वहां फंस जाती है। जो गैस की समस्या की वजह बनती है। ऐसे ही सॉफ्ट या कार्बोनेटेड ड्रिंक्स से भी गैस की प्रॉब्लम बढ़ सकती है।

इन आदतों से सही रहेगा पेट का प्रेशर

सही खान पान के सहारे गैस की समस्या को काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। गैस होने पर रोटी की जगह चावल या खिचड़ी और दूध की जगह दही खाना शुरू करें। मौसमी फल और कम तेल-मसाले में पकी सब्जियां भी फायदेमंद हैं। तले-भूने और मसालेदार खाने से दूरी बनाएं।

किशोरावस्था में बच्चे जल्दी भटक जाते हैं, जानिए किशोर खुद को भटकने से कैसे बचा सकते हैं

किशोरावस्था बड़ी नाज़ुक होती है, क्योंकि यही समय होता है जब भविष्य बनाने की दिशा में कार्य किए जाते हैं और इसी उम्र में भटक जाने के आसार भी होते हैं। इसलिए उम्र के इस मोड़ पर समझदारी से काम लेना बहुत आवश्यक हो जाता है। किशोर अवस्था उम्र का वह पड़ाव है, जहां से जीवन के अनगिनत रास्ते निकलते हैं। इसी उम्र में ऊर्जा और क्षमता भी भरपूर होती है। हालांकि, किशोरावस्था में कुछ शारीरिक व मानसिक बदलाव आते हैं जिससे थोड़ा भटकने की आशंका रहती है लेकिन इस उम्र का भटकाव भविष्य को अंधकार में डाल सकता है।

इसके साथ ही यही कॅरियर बनाने का समय भी होता है। इसलिए भटकाव को रोकने के लिए और कॅरियर पर फोकस करने के लिए कुछ ज़रूरी बातों का ध्यान रखना होगा। कुछ बातों का ख़्याल रखकर किशोर ख़ुद को भटकने से बचा सकते हैं और अपना भविष्य भी सुरक्षित कर सकते हैं।

अभी से करें तैयारी

आपको किस क्षेत्र में अपना कॅरियर बनाना है, ये सिर्फ़ आप तय कर सकते हैं। सबसे पहले अपनी रुचि को ध्यान में रखते हुए ये पता करें कि आप किस क्षेत्र के लिए बने हैं। उसके बाद उसकी तैयारी अभी से ही शुरू कर दें। इससे आपके मन में अपने कॅरियर को लेकर जिज्ञासा बनी रहेगी और आप भटकाव से दूर रहेंगे। पढ़ाई करने के साथ ही जिस क्षेत्र में अपना कॅरियर बनाना चाहते हैं धीरे-धीरे उस बारे भी रिसर्च करें और सही दिशा में आगे बढ़ें।

पसंदीदा गतिविधियां करें

हर किसी के कोई न कोई शौक़ होते हैं जैसे खाना पकाना, खेलना, किताबें पढ़ना, पेंटिंग करना आदि। ये शौक़ मन को शांत रखते हैं और इस कारण दिमाग़ इधर-उधर की बातों में नहीं उलझता। इसके अलावा पसंदीदा गाने भी सुन सकते हैं या डांसिंग एक्सरसाइज़ कर सकते हैं। इससे मज़ा भी आएगा और शरीर भी स्वस्थ रहेगा। अगर पेट्स के साथ खेलना पसंद है तो घर में पालतू भी रख सकते हैं। इससे ऊब महसूस नहीं करेंगे और मन भी नकारात्मक बातों से दूर रहेगा।

लत से दूरी भली

आजकल बच्चों की एक समस्या सामान्य होती जा रही है, वो है मोबाइल फोन और इंटरनेट का हद से ज़्यादा उपयोग। ये एक ऐसा आकर्षण या लत बन गई है जिसका सीधा संबंध बच्चे के मानसिक विकास और कॅरियर से होता है। यदि बच्चों से मोबाइल छीन लिया जाए या इंटरनेट एक्सेस नहीं दिया जाए तो वे और ज़्यादा बौखला जाते हैं। ऐसे में बहुत ज़रूरी है कि बच्चों के फोन उपयोग करने के समय को निर्धारित किया जाए। फोन से जुड़ाव कम होगा तो पढ़ाई से बढ़ेगा।

दोस्ती लाएगी सकारात्मकता

जब भी आप तनावपूर्ण महसूस करें या मन कभी शांत न लगे तो अपने दोस्तों के बीच बैठें। उनके साथ मस्ती-मज़ाक, गपशप करें। ऐसा करने से आपको ख़ुशी और ताज़गी दोनों मिलेंगे। दोस्तों के साथ मिलकर पसंदीदा फिल्म देखें या रोज़ साथ मिलकर सुबह या शाम सैर पर जाएं। दोस्तों से कॅरियर पर भी बात करें। उनसे राय लें कि वे क्या करना चाहते हैं, किस दिशा में कॅरियर बनाना चाहते हैं। इससे आपको भी पता चलेगा कि कौन-सी फील्ड हैं जिनके बारे में आपको जानकारी नहीं थी या आप भी वैसा ही कुछ करना चाहते हैं।

ख़ुद के साथ वक़्त बिताएं

दिमाग़ को शांत रखने के लिए घर से बाहर जाएं और ख़ुद के साथ समय बिताएं। अपने आसपास के पार्क में जाकर अलग-अलग तरह के फूलों को देखें। इसके अलावा आप ख़ुद भी अपने पसंदीदा पौधों को घर या अपने आसपास के पार्क में लगा सकते हैं। सुबह-सुबह जल्दी उठकर प्राकृतिक नज़ारे देखने से मन शांत और अच्छा महसूस करता है। ऐसा करने से आप शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहते हैं। अगर बाहर नहीं जा पा रहे हैं तो सुबह बालकनी में बैठकर चिड़ियों की चहचहाहट सुनें, बहुत सुकून मिलेगा।

संगत पहचानना है अहम

भटकाव का सबसे बड़ा और पहला कारण संगत होती है। इस उम्र में मस्ती मज़ाक करना, दोस्तों के साथ घूमना-फिरना अच्छा है। लेकिन अगर संगत ग़लत हो तो भविष्य ख़तरे में पड़ सकता है, चूंकि किशोर इतने परिपक्व नहीं होते कि सही-ग़लत पहचान सकें। इसलिए माता-पिता बच्चे की संगत व दोस्तों की पूरी जानकारी रखें।

ज्यादा खाने के बाद भी वजन क्यों नहीं बढ़ता है?

कुछ लोगों का वजन नहीं बढ़ता है. इसके पीछे कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं. ऐसे में लोगों को इन कारणों के बारे में पता होना जरूरी है. जानते हैं इन कारणों के बारे में...

लोग अपने वजन को बढ़ाने के लिए ना जानें कौन-कौन से तरीकों को अपनाते हैं. दुबला पतला शरीर लोगों को कई समस्याओं का शिकार बना सकता है. साथ ही लोगों की नजरों में शर्मिंदगी का सामना भी करा सकता है. ऐसे में समय पर खाना खाने के बाद भी और जरूरी चीजों को दिनचर्या में जोड़ने के बाद भी वजन को बढ़ाना मुश्किल हो रहा है तो ऐसे में बता दें कि कुछ कारण इसके लिए जिम्मेदार हो सकते हैं. आज का हमारा लेख इन्हीं कारणों पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि वजन ना बढ़ने के पीछे क्या कारण जिम्मेदार हो सकते हैं. पढ़ते हैं आगे...

वजन ना बढ़ने के कारण

केवल पेट भर कर खाना खा लेना ही जरूरी नहीं होता, आप जो खाना खा रहे हैं उसमें

कितने पोषक तत्व हैं यह ज्यादा मायने रखता है. यदि आप बैलेंस डाइट नहीं ले रहे हैं तो ऐसे में शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है, जिससे वजन ना बढ़ने की समस्या हो सकती है.

कुछ लोगों का मेटाबॉलिज्म आम लोगों की तुलना में हाई होता है. ऐसे में यह लोग आराम करते समय भी आसानी से अपना खाना पचा सकते हैं. इन लोगों को ज्यादा कैलोरी का सेवन करने की जरूरत होती है. लेकिन जब ऐसे लोग कम कैलोरी का सेवन करते हैं तो इसके कारण भी वजन ना बढ़ने की समस्या हो सकती है.

आज के समय में लोग बाहरी प्रोडक्ट का सेवन ज्यादा कर रहे हैं. पैकेट बंद खाने का सेवन करने से शरीर को कई समस्याएं हो सकती हैं. इसके अलावा जंक फूड, अल्कोहल आदि वजन ना बढ़ने के पीछे जिम्मेदार हो सकते हैं. खराब जीवनशैली के कारण भी व्यक्ति का वजन नहीं बढ़ता है. इससे शरीर को भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है.

क्या आप भी दही में इन चीजों को डालकर खाते हैं? बढ़ने लगेगा वजन

कुछ लोगों की आदत होती है वह दही में चीनी डालकर खाना शुरू कर देते हैं. लेकिन यह सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है. जी हां, रोजाना यदि दही में चीनी डालकर खाई जाए तो इससे शरीर को कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है. ऐसे में इन समस्याओं के बारे में पता होना जरूरी है. दही में चीनी डालकर खाने से कौन से नुकसान हो सकते हैं.

दही में चीनी मिलाकर खाने के नुकसान

यदि आप फिट रहना चाहते हैं या आप मोटापे का शिकार हो गए हैं तो ऐसे में आप भूल कर भी दही में चीनी मिलाकर ना खाएं. बता दें कि चीनी के अंदर कैलोरी की मात्रा अधिक पाई जाती है. ऐसे में

दही में चीनी डालकर खाने से व्यक्ति को भूख ज्यादा लगती है, जिससे ज्यादा मात्रा में खाने का सेवन करता है और उसका वजन बढ़ सकता है.

दही में चीनी का सेवन यदि नियमित रूप से किया जाए तो डायबिटीज का खतरा भी बढ़ सकता है. ऐसे में व्यक्ति को दही में चीनी का सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए.

दही और चीनी दोनों को एक साथ खाने से दांतों में कैविटी की समस्या भी हो सकती है. यह दांतों में सड़न पैदा करने के साथ-साथ दांतो की परेशानियां भी बढ़ा सकता है.दही के साथ चीनी खाने से दिल संबंधी समस्याएं भी हो सकती हैं. चीनी में कैलोरी की मात्रा मौजूद होती है. वहीं यह हार्ट संबंधित बीमारियों का सामना भी कर सकता है.

दही के साथ चीनी का सेवन करने से डायरिया की समस्या का भी सामना करना पड़ सकता है शरीर में चीनी की मात्रा ज्यादा हो जाती है तो उस स पेट खराब होने लगता है. व्यक्ति को सीमित मात्रा में ही दही और चीनी का सेवन करना चाहिए।

अडाणी ग्रुप के सभी 10 शेयरों में गिरावट

फ्लैगशिप कंपनी एंटरप्राइजेज का शेयर 11% से ज्यादा टूटा; सेंसेक्स 927 अंक नीचे बंद

मुंबई, 22 फरवरी (एजेंसियां)। कमजोर ग्लोबल संकेतों के चलते आज यानी बुधवार (22 फरवरी 23) को शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स करीब 927 अंक टूटकर 59,744 पर आ गया। निफ्टी भी 272 अंक नीचे 17,554 के स्तर पर बंद हुआ। बाजार की बिकवाली में बैंकिंग, मेटल और IT स्टॉक्स सबसे आगे रहे। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 29 में गिरावट रही।

अडाणी ग्रुप के सभी 10 शेयरों में गिरावट रही। फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 11% टूटकर 1397 रुपए पर बंद हुआ। अडाणी पोर्ट्स भी 7.24% फिसलकर 541 रुपए पर आ गया। अडाणी पावर, ट्रांसमिशन, ग्रीन एनर्जी, टोटल गैस, विल्मर, एनडीटीवी, ACC और अंबुजा सीमेंट में करीब 5-5% की गिरावट रही।

ग्रुप का मार्केट कैप 100 बिलियन डॉलर से नीचे पहुंचा

शेयरों में लगातार गिरावट के चलते अडाणी ग्रुप का मार्केट कैपिटलाइजेशन गिरकर 100 बिलियन डॉलर से भी नीचे पहुंच गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, ग्रुप की 10 कंपनियों का मार्केट कैप मंगलवार को गिरकर 8,20,915 करोड़ रुपए रह गया है।

इतना ही नहीं फोर्ब्स की रियल टाइम बिलियनेयर्स लिस्ट के मुताबिक, गौतम अडाणी की नेटवर्थ सिर्फ 46.7 बिलियन डॉलर रह गई है। अडाणी को बीते 24 घंटे में 2.9 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है। अब वे दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 26वें नंबर

पर पहुंच गए हैं।

मंगलवार को अडाणी ग्रुप के 6 शेयरों में गिरावट और 4 में तेजी रही थी।

अडाणी ग्रुप ने एसबीआई का 1,500 करोड़ रुपए का कर्ज चुकाया

इस बीच हिंडनबर्ग रिपोर्ट के असर को कम करने और निवेशकों का भरोसा कायम रखने के लिए अडाणी ग्रुप अब अलग रणनीति पर काम कर रहा है। ग्रुप अब अपना पूरा फोकस कर्ज के भुगतान और कैश बचाने पर कर रहा है। इसके साथ ही ग्रुप ने अपनी विस्तार योजनाओं पर ब्रेक लगाने का फैसला भी किया गया है।

इसका ताजा उदाहरण पीटीसी इंडिया डील से कदम पीछे खींचना है। सोमवार को ही ग्रुप की ओर से जारी एक बयान में जानकारी शेयर की गई थी कि अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकॉनमिक जोन ने एसबीआई का 1,500 करोड़ रुपए का कर्ज चुका दिया है।

निफ्टी मेटल सबसे ज्यादा 2.64% टूटा

एनएसई के सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो निफ्टी मेटल सबसे ज्यादा 2.64% टूटा है। पीएसयू बैंक इंडेक्स में 1.91% और प्राइवेट बैंक में 1.68% की गिरावट रही। निफ्टी बैंक इंडेक्स 1.67% नीचे बंद हुआ। मीडिया और रियल्टी भी 1.5% से ज्यादा गिरे हैं। वहीं ऑटो और आईटी में 1% से ज्यादा की गिरावट देखी गई। फार्मा और एफएमसीजी 0.3% के करीब गिरे हैं।

अमेरिकी बाजार में भी गिरावट

मंगलवार को अमेरिकी बाजारों में गिरावट देखने को मिली। बाजार यूएस फेड की एक और बार ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना को लेकर अलर्ट है। डाउ जोन्स में 697 अंक या 2.06% गिरावट रही और यह 33,129 के लेवल पर बंद हुआ। S&P 500 इंडेक्स 81.75 अंक या 2% टूटकर 3,997 के लेवल पर बंद हुआ। नैस्डेक में 294 अंकों या 2.5% की कमजोरी आई। यह 11,492 के लेवल पर बंद हुआ।

मंगलवार को 18 अंक नीचे बंद हुआ था सेंसेक्स

भारतीय शेयर बाजार में हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन, यानी मंगलवार (21 फरवरी 23) को भी गिरावट देखने को मिली थी। सेंसेक्स 18 अंक गिरकर 60,672 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में भी 17 अंकों की गिरावट रही। यह 17,826 के स्तर पर बंद हुआ। लगातार दूसरे दिन मार्केट में यह गिरावट आई थी। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 शेयरों में गिरावट और 13 में तेजी रही।

दुनिया में महंगाई घटी, भारत में बढ़ी

मूंगफली तेल, कॉटन दुनिया में 24% तक सस्ते, पर भारत में 13% से ज्यादा महंगे हुए

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। इस साल देश में जनवरी में गैस, खाद, कॉफी-चाय, कॉटन और खाद्य तेल जैसे करीब 10 वस्तुओं के दाम दोगुने तक हो गए। इसके उलट अंतरराष्ट्रीय बाजारों में ये 48% तक सस्ते हुए। बीते माह देश में रिटेल महंगाई दर एक बार फिर 6.5% तक पहुंचने की एक वजह ये भी रही। बीते साल नवंबर और दिसंबर में महंगाई दर 6% से नीचे आ गई थी।

वैश्विक बाजार में बीते माह यूरिया के भाव सबसे ज्यादा 47.6% घटे, लेकिन भारतीय बाजार में इसकी थोक महंगाई दर 5.2% रही। प्राकृतिक गैस के मामले में सबसे ज्यादा अंतर देखा गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में जहां इसकी कीमत में 28.6% गिरावट आई, वहीं घरेलू बाजार में दाम 95% से ज्यादा बढ़ गए। कॉटन के भाव भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में 24.1% घटने के मुकाबले घरेलू बाजार में 8.6% बढ़े हैं।

किसानों ने रोकी कॉटन की फसल

ओरिगो कमोडिटीज इंडिया के सीनियर मैनेजर (कॉरपोरेट रिसर्च) इंद्रजीत पॉल ने कहा कि इस साल कॉटन की आवक करीब 40% कम है। भाव और बढ़ने की उम्मीद में किसानों ने फसल रोक रखी है। इसी तरह मूंगफली का उत्पादन बीते सीजन से 16.4% कम रहा है। इन दोनों के दाम बढ़ने की सबसे बड़ी वजह यही है।

रुपया कमजोर होने से महंगा पड़ रहा आयात

केडिया कमोडिटी के डायरेक्टर अजय केडिया के मुताबिक, मुख्य रूप से डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट के चलते घरेलू बाजार में आयातित वस्तुओं की कीमतें कम नहीं हो पा रही हैं। इसके अलावा खपत बढ़ना भी इसकी एक वजह है। 1 जनवरी 2022 को रुपया 74.51 प्रति डॉलर था, जो अभी 83 के करीब पहुंच गया है।

आयात के लिए गैस लिक्विफाइ करना महंगा पड़ता है, फिर गैस में तब्दील करने पर भी काफी पैसा खर्च होता है।

मशहूर एनर्जी एक्सपर्ट नरेंद्र तनेजा ने कहा कि भारत तकरीबन 60% प्राकृतिक गैस आयात करता है। आयात करने के लिए इसे लिक्विफाइ (तरल बनाना) करना पड़ता है। देश में आने के बाद इसे दोबारा गैस में तब्दील करना पड़ता है। इसमें काफी पैसा खर्च होता है। इसीलिए भारत और अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस की कीमतों में बड़ा फर्क देखा जा रहा है।

युवाओं को रास नहीं आ रहा किराए का घर

देश में 70% युवा किराये पर रहने की जगह अगले दो साल में खरीदना चाहते हैं अपना घर

मुंबई, 22 फरवरी (एजेंसियां)। देश के करीब आधे युवा दो साल में नए घर में शिफ्ट होना चाहते हैं। सीबीआरई के एक सर्वे में 18-41 साल के 45% युवाओं ने कहा कि शहर में किसी नए घर में शिफ्ट होना उनकी पहली पसंद होगी। 26-41 साल के 70% भारतीयों ने कहा कि वे किराये के मकान में रहने की जगह खुद का घर खरीदना पसंद करेंगे। पिछले सर्वे में रुझान के इसके उलट था। रियल एस्टेट कंसल्टिंग फर्म सीबीआरई साउथ एशिया के सर्वे में भारत समेत दुनिया के 20 हजार से ज्यादा लोग शामिल हुए।

क्वालिटी लाइफ को सबसे तरजीह दे रहे भारतीय

सर्वे में शामिल 52% भारतीयों ने कहा कि वे बेहतर क्वालिटी की प्रॉपर्टी और माहौल में रहना चाहते हैं। 72% ने अगले दो साल में कहीं और शिफ्ट होने की योजना बनाई है। लेकिन वे किराये के घर में रहने के बजाय अपनी प्रॉपर्टी खरीदना पसंद करेंगे। 69% ने कहा कि वे हफ्ते में तीन दिन ऑफिस से काम करना चाहते हैं। ज्यादातर युवा ने घर खरीदने की अच्छा जताई है। अब लोग घर लेने से पहले प्रॉपर्टी की क्वालिटी और आसपास के माहौल पर भी गौर कर रहे हैं। ऐसे में डेवलपर्स को रिमोट वर्किंग इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ इंटीरियर डिजाइन और बेहतर आउटडोर जैसी चीजों पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत होगी।

बढ़ सकता है शेयर मार्केट का ट्रेडिंग टाइम

बाजार के कारोबार का समय दोपहर 3:30 से बढ़ाकर शाम 5:00 बजे तक किया जा सकता है

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में कारोबार का समय बढ़ाने की बात चल रही है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने मंगलवार (21 फरवरी) को एक बिजनेस चैनल के हवाले से कहा है कि इंडियन शेयर मार्केट का ट्रेडिंग टाइम दोपहर 3:30 बजे से बढ़ाकर शाम 5:00 बजे तक किया जा सकता है। मार्केट रेगुलेटर सेबी (सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया) ने 2018 में मार्केट का ट्रेडिंग टाइम बढ़ाने के लिए एक फ्रेमवर्क जारी भी किया था। रॉयटर्स ने रिपोर्ट में कहा है कि ट्रेडिंग टाइम बढ़ाने के संबंध में मार्केट पार्टिसिपेंट्स के साथ प्रारंभिक चर्चा चल रही है। वर्तमान में घरेलू सूचकांक (डोमेस्टिक इंडेक्स) सुबह 9:15 बजे से दोपहर 3:30 बजे के बीच कारोबार के लिए खुलता है।

शेयर बाजार पर कैश और फ्यूचर एंड ऑप्शन सेगमेंट में सुबह 9:15 से दोपहर 3:30 बजे तक कारोबार होता है। वहीं स्टॉक एक्सचेंज के इक्विटी और डेरिवेटिव सेगमेंट मौजूदा वक्त में सुबह 9:15 बजे से दोपहर 3:30 बजे के बीच कारोबार के लिए खुले होते हैं। सेबी की ओर से एक रूपरेखा पहले तैयार की गई थी, जो एफ&ओ ट्रेडिंग की रात 11:55 बजे तक और शेयर की ट्रेडिंग को शाम 5 बजे तक खुला रखने की अनुमति देता है।

देश का सबसे बड़ा स्टॉक एक्सचेंज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज इक्विटी सेगमेंट में कारोबारी घंटे बढ़ाना चाहता है। यह पहली बार नहीं है, जब ट्रेडिंग का समय बढ़ाने की चर्चा चल रही है। पिछले महीने सेबी एक स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर लेकर आया था। जिसमें स्टॉक एक्सचेंजों को कहा गया था कि ट्रेडिंग में किसी प्रकार की रुकावट आने पर सभी स्टेकहोल्डर्स को 15 मिनटों के अंदर सूचित किया जाना चाहिए। इसके अलावा सेबी ने कुछ परिस्थितियों में ट्रेडिंग के समय को डेढ़ घंटे तक बढ़ाए जाने के बारे में भी निर्देश दिए थे। सेबी ने कहा था, 'यदि किसी टेक्निकल कारण से या अन्य किसी भी वजह से स्टॉक एक्सचेंजों पर निरंतर ट्रेडिंग बाधित होती है, तो यह जरूरी है कि न केवल अन्य एमआईआई सहित सभी मार्केट पार्टिसिपेंट्स को आउटेज के बारे में तुरंत सूचित किया जाए। वहीं आवश्यक हो तो ट्रेडिंग के समय को भी बढ़ा दिया जाए, ताकि इंट्राडे पोजीशन को सुचारू रूप से बंद करने का अवसर प्रदान किया जा सके।' हालांकि, हर कोई ट्रेडिंग के समय को बढ़ाने के पक्ष में नहीं है। जेरोधा के सीईओ नितिन कामथ ने इस बारे में ट्विटर कर रिएक्शन दिया है। नितिन कामथ का मानना है कि इस फैसले से ट्रेडर्स के ऊपर प्रतिकूल असर हो सकता है। उन्होंने कहा कि इस फैसले से कम भागीदारी और लंबे समय में लिक्विडिटी की समस्या सामने आ सकती है। इसके साथ ही ट्रेडिंग से इतर ट्रेडर्स के जीवन पर भी इसका खराब असर पड़ सकता है।

एचडीएफसी में एफडी कराने पर अब ज्यादा ब्याज

फिक्स्ड डिपॉजिट कराने पर अब 7.10% तक का रिटर्न

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। एचडीएफसी बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट की ब्याज दरों में बदलाव किया है। ये बदलाव 2 करोड़ रुपए से कम की एफडी की ब्याज दरों में किया गया है। अब एचडीएफसी बैंक में एफडी कराने पर आपको 3% से 7.10% तक का ब्याज मिलेगा। इससे पहले इसी महीने एसबीआई ने भी ब्याज दरों में बढ़ोतरी की थी।

एसबीआई ने भी एफडी की ब्याज दरों में की बढ़ोतरी

इससे पहले हाल ही में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने एफडी पर मिलने वाले ब्याज की दरों में बढ़ोतरी की है। एसबीआई में एफडी कराने पर अब आपको अधिकतम 7% ब्याज मिलेगा।

सही टेन्योर चुनना जरूरी

एफडी में निवेश करने से पहले उसके टेन्योर (अवधि) को लेकर सोच-विचार करना जरूरी है। ऐसा इसलिए क्योंकि अगर निवेशक मेच्योरिटी से पहले विड्रॉल करते हैं, तो उन्हें जुर्माने का भुगतान करना होगा। एफडी मेच्योर होने से पहले उसे ब्रेक करने पर 1% तक की पेनल्टी देनी पड़ेगी। इससे डिपॉजिट पर कमाए जाने वाला कुल ब्याज कम हो सकता है।

एक ही एफडी में न लगाएं पूरा पैसा

यदि आप किसी एक बैंक में एफडी में 10 लाख रुपए का निवेश करने की योजना बना रहे हैं, तो इसकी जगह एक से ज्यादा बैंकों में 1 लाख रुपए की 8 एफडी और 50 हजार रुपए की 4 एफडी में निवेश करें। इससे बीच में पैसों की जरूरत पड़ने पर आप अपनी जरूरत के हिसाब से एफडी को बीच में ही तुड़वाकर पैसों की व्यवस्था कर सकते हैं। आपकी बाकी एफडी सेफ रहेंगी।

ब्याज का विड्रॉल

बैंकों में पहले तिमाही और सालाना आधार पर ब्याज का विड्रॉल करने का ऑप्शन था। अब कुछ बैंकों में मासिक विड्रॉल भी कर सकते हैं। आप अपनी जरूरत के हिसाब से इसे चुन सकते हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	कुंभ	में	कुंभ -	06-09	बजे
चंद्र-	मीन	में	मीन...	07-46	बजे
मंगल	वृष	में	मेष--	09-22	बजे
बुध-	मकर	में	वृष--	11-06	बजे
गुरु-	मीन	में	मिथुन..	13-07	बजे
शुक्र-	मीन	में	कर्क...	15-19	बजे
शनि-	कुंभ	में	सिंह...	17-31	बजे
राहु-	मेष	में	कन्या..	19-38	बजे
केतु-	तुला	में	तुला..	21-43	बजे
			वृश्चिक.	23-53	बजे
			धनु.....	02-07	बजे
			मकर..	04-17	बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,** हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-बसंत दिशाशूल- दक्षिण • जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी **-01 -33** तक उपरान्त, पंचमी
मास - फाल्गुन शुक्ल पक्ष , गुरूवार **Feb 23**
नक्षत्र - रेवती - **03 -43** राततक तक उपरान्त अश्विनी
योग - शुभ - **20 - 57** - तक उप शुक्ल
करण- वणिज-**14 - 23** - तक उप- विष्टि
विशेष:- भद्रा काल-**14 -23** से
व्रत -त्योहार - पंचक रात **03 -43** से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 13:57 से 15:25 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	06:42 - 08:07	शुभ	अमृत.	18:17 - 19:52	शुभ
रोग	08:07 - 09:35	अशुभ	चंचल.	19:52 - 21:24	शुभ
उत्पात	09:35 - 11:02	अशुभ	रोग.	21:24 - 22:57	अशुभ
चंचल	11:02 - 12:30	शुभ	काल.	22:57 - 00:29	अशुभ
लाभ	12:30 - 13:57	शुभ	लाभ.	00:29 - 02:02	शुभ
अमृत	13:57 - 15:25	शुभ	उत्पात	02:02 - 03:34	अशुभ
काल	15:25 - 16:52	अशुभ	शुभ.	03:34 - 05:07	शुभ
शुभ	16:52 - 18:17	शुभ	अमृत	05:07 - 06:42	शुभ

आपका राशिफल

मेष (धू धे धो ला ली लू ले लो अ) — आज बोलने में सावधानी रखें । आप जिसे अपना करीबी समझते हैं,वो आपकी गुप्त बात को उजागर कर सकता है । बोलने से पहले सोच लें,अपनी बातचीत का विषय अपने और सामने वाले तक ही सीमित रखें । किसी तीसरे के बारे में बात करने से बचें ।

वृष (ई उ ए जो वा वी वू वे वो) — आज आप खुद की जरुरत से अधिक आलोचना करने के मूड में हैं ।आपको भी पता है कि आपकी अधिकतर चिंताएं निरर्थक हैं,फिर भी आप चिंता करते रहते हैं । इसका एकमात्र समाधान यह है कि अपने किसी ऐसे करीबी से सा अपनी चिंताओं के बारे में बात करें जो आपको सहारा दे सके ।

मिथुन (का की कू घ ड झ के को हा) — यह समय दोस्तों के साथ हल्का –फुल्का समय गुजारने के लिए बहुत अच्छा है ।कोई पार्टी करें या शाम को मस्ती के साथ गुजरें,आप पार्टी की जान बने रहेंगे ।इस दौरान आप किसी ऐसे व्यक्ति से भी मिलेंगे जिसकी रुचियाँ आप जैसी होंगी और वो आप जैसे कार्यकलापों का आनंद लेगा ।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — आप अपने आसपास के लोगों से अच्छी खासी सहायता और पहचान की उम्मीद रख सकते हैं । आप मजबूत आधार और आशावादिता से भरपूर हैं और नयी परियोजनाओं के लिए बिलकुल तैयार हैं लेकिन आपमें अभी भी अच्छी परियोजना को पहचानने की क्षमता बरक़रार है ।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — आपका कोई करीबी शायद आपके कारण भावनात्मक उथल-पुथल के दायरे में है ।आप एकदम से निष्कर्ष पर पहुच जाते हैं और इस बार भी आपने सही से समझे बिना ही इस व्यक्ति पर वफादार न होने का आरोप लगा दिया है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ट पे पो) — आज के दिन की खासियत आपकी किसी प्रभावी व्यक्ति से मुलाकात रहेगी जिसका प्रभाव आपके जीवन पर पर काफी लम्बे समय तक रहेगा। आप किसी ऐसीस्थिति या व्यक्ति के संपर्क में भी आ सकते हैं जहाँ आपको विपरीत दृष्टिकोणों का सामना करना पड़ सकता है ।

तुला (स री रु रे से ता तू ते) — अपने सृजनात्मक विचारों को कार्यान्वित करने का यह बहुत अच्छा समय है ।अपने विचारों को बड़ा रखें तथा किसी बोद्धिक या व्यवसायिक प्रशिक्षण में हिस्सा लें, इससे आपको औरो पर बढ़त हासिल होगी । हालाँकि ऐसा करते हुए आपको कुछ वित्तीय परेशानियां आ सकती हैं ।

वृश्चिक (तो मा मी मू मे मो य यी यू) — आज का दिन अपने जीवन की वर्त्तमान स्थिति का मूल्यांकन करने और अपनी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर बांटने के लिए बिलकुल उपयुक्त है । अगर आप पिछले कुछ समय से आलसी महसूस कर रहे हैं और काफी सारा काम इकठ्ठा हो गया है ।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — जब आप एक नई परियोजना में तल्लीन हो जाओगे तो शायद ही अन्य बातों के लिए आपको समय मिलेगा । आपको सावधान रहने की जरुरत है की रास्ते में आ रही किसी भी महत्वपूर्ण जानकारी आप से छूट न जाये ! यह एक उच्च स्थान प्राप्त करने में सहायता करने के लिए महत्वपूर्ण संदेश भी हो सकता है।

मकर (भो जा जी खी खू खो गा गी) — अगर आप अपने कार्यक्षेत्र या अपने आर्थिक लक्ष्यों के लिए किसी पारंगत व्यक्ति या अपने निकट जानने वाले व्यक्ति से परामर्श लेते है तो ये सुझाव आपको काफी लाभ दे सकता है । आज का दिन इंजीनियरों और कंप्यूटर में प्रवीण व्यक्तियों के लिए काफी अछा रहेगा ।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — आपके भावनात्मक व्यवहार की वजह से आपका कार्य गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। आप इसके आदि हो चुके है और इस से छुटकारा पाने में आपको समय लगेगा । अपनी इस संवेदनशीलता का आसपास के अन्य लोगों के प्रति समानुभूतिक रहकर इसका लाभ आप उठा सकते है ।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो च ची) — आपका भाग्य आपके वित्तीय उपक्रम को पूरा समर्थन दे रहा है एवं आपकी नौकरी भी काफी अच्छी है परन्तु आपको अपने धन पर ध्यान रखने की जरुरत है जैसे की हम सब जानते है की पैसे पेड पर नहीं उगते है। आपके अपव्यय करने की आदत से आपको अपने निकट के व्यक्तियों से आलोचना सुननी पड़ती है ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

कर्मियों-पेंशनभोगियों के लिए उच्च पेंशन का विकल्प चुनने के निर्देश जारी किए

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। जिन कर्मचारियों और पेंशनभोगियों ने ईपीएस में योगदान दिया था और 1 सितंबर, 2014 से पहले वास्तविक वेतन पर उच्च पेंशन के लिए ईपीएस के पाराग्राफ 11(3) संयुक्त विकल्प का उपयोग नहीं किया था वे अब बढ़ी हुई पेंशन के लिए आवेदन कर सकते हैं।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने कई दिनों की चर्चा के बाद सोमवार को अपने क्षेत्रीय कार्यालयों को एक परिपत्र जारी किया है। इस परिपत्र में उच्च भविष्य निधि (पीएफ) पेंशन पर सुप्रीम कोर्ट के चार नवंबर के फैसले को लागू करने के निर्देश दिए गए हैं।

इस परिपत्र में मौजूदा कर्मचारियों और एक सितंबर 2014 के बाद सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों के लिए कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) में निर्धारित सीमा से अधिक वास्तविक वेतन के आधार पर उच्च पेंशन का दावा करने की प्रक्रियाओं और आवश्यक दस्तावेजों को सूचीबद्ध किया गया है।

ईपीएफओ की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार कर्मचारी ईपीएफओ वेबसाइट के सदस्य अनुभाग का उपयोग करके नियोक्ताओं के साथ संयुक्त विकल्प का उपयोग कर पेंशन की राशि बढ़ाने का आवेदन दे सकते हैं। इसके लिए आवेदन ₹जल्द ही₹ उपलब्ध कराया जाएगा। नियोक्ता संगठनों ने जहां परिपत्र का स्वागत किया है, वहीं ट्रेड यूनियनों ने कहा कि इसमें उच्चतम न्यायालय की ओर से सुझाई गई तारीख से देरी हुई है। इससे पेंशनभोगियों को विकल्प का इस्तेमाल करने में असुविधा होगी क्योंकि संयुक्त विकल्प जमा करने के लिए उच्चतम न्यायालय की ओर से निर्धारित समयसीमा तीन मार्च को समाप्त हो जाएगी।

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त (पेंशन) अपराजिता जग्गी ने परिपत्र में कहा कि जिन कर्मचारियों ने ईपीएस के पैराग्राफ 11 (3) के अनुसार संयुक्त विकल्प का इस्तेमाल नहीं किया है वे संयुक्त विकल्प का इस्तेमाल करने के हकदार होंगे। जिन कर्मचारियों और पेंशनभोगियों ने ईपीएस में योगदान दिया था और 1 सितंबर, 2014 से पहले वास्तविक वेतन पर उच्च पेंशन के लिए ईपीएस के पाराग्राफ 11(3) संयुक्त विकल्प का उपयोग नहीं किया था वे अब बढ़ी हुई पेंशन के लिए आवेदन कर सकते हैं। कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को भविष्य निधि से पेंशन कोष में समायोजन और निधि में किसी भी तरह की रिडिपॉजिट के लिए ईपीएफओ को नियोक्ता के साथ संयुक्त सहमति देना पड़ेगा।

आयकर विभाग बताएगा नई या पुरानी कर व्यवस्था में कौन अच्छी, वेबसाइट पर शुरू की टैक्स कैलकुलेटर सुविधा

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। नई व्यवस्था में बदलाव वित्त वर्ष 2023-24 से लागू करने का प्रस्ताव है। इसमें छूट को 5 लाख से बढ़ाकर 7 लाख करना व स्टैंडर्ड डिडक्शन की अनुमति शामिल है।

आयकर विभाग ने अपनी वेबसाइट पर टैक्स कैलकुलेटर की नई सुविधा शुरू की है। इससे आयकरदाता अब यह पता लगा सकेंगे कि उनके लिए नई या पुरानी कर व्यवस्था में से कौन सी अच्छी है। दरअसल, ज्यादातर लोग अब भी इन दो कर व्यवस्थाओं के कारण भ्रम की स्थिति में हैं। इसके चलते सलाहकारों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। इस कैलकुलेटर की मदद से लोगों को दोनों कर व्यवस्थाओं में टैक्स देनदारी के बारे में आसानी से पता चल सकेगा और इसके जरिए वे यह फैसला कर सकेंगे कि वे कौन सी व्यवस्था को चुनें। नई व्यवस्था में बदलाव वित्त वर्ष 2023-24 से लागू करने का प्रस्ताव है। इसमें छूट को 5 लाख से बढ़ाकर 7 लाख करना व स्टैंडर्ड डिडक्शन की अनुमति शामिल है।

पुरानी व्यवस्था के कॉलम में आपको वह सभी जानकारी देनी होगी, जो कटौती के योग्य है। उधर, नई व्यवस्था में केवल कुल आय और स्टैंडर्ड डिडक्शन की जानकारी मुहैया करानी

होगी। अंत में आपको इस टैक्स कैलकुलेटर से यह पता चल सकेगा कि नई और पुरानी कर व्यवस्था में से आपके लिए कौन सी व्यवस्था अच्छी है। इस आधार पर आप अपनी पसंदीदा व्यवस्था का चयन कर सकते हैं।

कैलकुलेटर पहले कुल वेतन (दोनों व्यवस्था के तहत छूट वाले भत्ते काटने के बाद) से कटौती योग्य/छूट राशि (स्टैंडर्ड डिडक्शन को छोड़कर) जिसकी नई व्यवस्था में अनुमति नहीं है, वेतन और विशेष आयकर दर, ब्याज के अलावा अन्य आय के बारे में जानकारी मांगेगा। इसके लिए आपको आयकर विभाग की वेबसाइट के होम पेज पर जाकर टैक्स कैलकुलेटर को चुनना होगा। फिर इसमें आपके सामने नई और पुरानी दोनों कर व्यवस्था का कॉलम होगा।

12 की उम्र में शादी, 16 में दो बच्चे

बहन विधवा हुई, तो पति ने तलाक दे दिया, 600 लड़कियों को मुफ्त में पढ़ा चुकी हूं

नई दिल्ली, 22 फरवरी। (एक्सक्लूसिव डेस्क) 'खेलने-कूदने की उम्र में शादी। 16 साल की उम्र में दो बच्चों की मां, तलाक और फिर कैंसर से अम्मी (मां) की मौत। 16 साल की थी, तब पहली बार स्कूल गई। बीईडी किया, स्कूल में नौकरी भी लग गई। लगा अब सब ठीक हो जाएगा, तभी पैर टूट गया, लेकिन मैंने हौसला नहीं खोया। अपने घर को ही स्कूल बना लिया। आज मेरे यहां 50 से ज्यादा लड़कियां पढ़ती हैं। 600 से ज्यादा लड़कियों को कामयाब बना चुकी हूं। मेरी पढ़ाई लड़कियां डॉक्टर, इंजीनियर हैं।'

ये कहानी है दिल्ली की रहने वाली फरीदा की...

दोपहर का वक्त, दिल्ली के बदरपुर का जैतपुर इलाका। संकीर्ण गलियों के बीच एक बिल्डिंग है, जिस पर 'पहचान' का बोर्ड लगा है। दर्जनभर से अधिक मुस्लिम लड़कियों को 55 साल की फरीदा खान पढ़ा रही हैं। बच्चों को पढ़ाने के बाद फरीदा से मेरी बातचीत शुरू होती है।

फरीदा अपनी कहानी बताती हैं, '1980 की बात है। तब मैं 12 साल की थी। बहन की शादी हुई, तो साथ में मेरी शादी भी अब्बू ने जीजा के भाई से कर दी। तब मुझे तो शादी का मतलब भी पता नहीं था।

बड़ी बहन के पति बालिग और थोड़े समझदार थे, लेकिन मेरे पति मुझसे एक-डेढ़ साल ही बड़े थे। जो मेरी सास उनसे कहतीं, वो वही करते। तब मुझे खाना बनाना नहीं आता था। सास कहती थीं कि मैं आटा गूंथना सीख लूं, वो मुझे रोटी बनाना सिखा देंगी। बाद में सिलबट्टे पर मुझसे मसाले पिसवाने लगीं। हाथ से इतना भारी सिलबट्टा उठता नहीं था।

मैंने चूल्हे पर कभी खाना नहीं बनाया था। ससुराल में हर दिन चूल्हे पर ही खाना बनाना पड़ता था। कई बार मेरे कपड़े जल जाते थे। चेहरा धुआं से काला पड़ जाता।'

ससुराल में गरीबी ज्यादा थी क्या?

फरीदा जवाब देती हैं, 'नहीं। उनके पास काफी जमीनें थीं, लेकिन वे लोग लालची थे। दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे। पति को सोने की चेन, साइकिल दहेज में नहीं मिली थी। इसलिए सास तंग करती थी।

ठीक से खाना नहीं खाने की वजह से मेरा दूध नहीं बनता था। बच्चे को अपना दूध नहीं पिला पाती थी। सास एक छोटी से बोतल में दूध भरकर देती और कहती, 'बेटी है, इसी दूध में 24 घंटे पिलाओ।

आप ही बताइए! डेढ़ साल की बेटी को एक बोतल दूध में एक दिन कैसे रख सकती। जब मेरे खाने की बारी आती, तो सास कहती- पहले मर्द खाएंगे फिर तुम।'

कई बार ऐसा भी हुआ कि मुझे तीन-तीन महीने बिना साबुन के नहाना पड़ा। सास कभी मारती तो नहीं थी, लेकिन गाली बहुत देती थी। मैं अपने आस-पड़ोस में देखती थी कि महिलाओं को उनके पति डंडे से जानवर की तरह पीटते थे। मुझे भी पति ने कई बार पीटने की कोशिश की, लेकिन मैंने हाथ नहीं लगाने दिया।

तलाक के कुछ महीने बाद जब लड़का पैदा हुआ, तो पापा ने ससुराल वालों को खबर दी। पापा को लगता था कि शादीशुदा बेटी ससुराल ही रहे, तो अच्छा है। पति मिलना चाहते थे। वो फिर से बुलाने लगे, लेकिन मैंने ठान लिया था कि अब तो कभी ससुराल नहीं जाऊंगी और ना ही दूसरी शादी करूंगी। बच्चों का जीवन नर्क नहीं बना सकती थी। आज मेरा बेटा सॉफ्टवेयर इंजीनियर है और बेटी ग्रेजुएट।'

किसी ने दूसरी शादी करने के लिए दबाव नहीं बनाया?

फरीदा बताती हैं, 'पापा ने बहुत कहा कि कैसे मैं पूरी जिंदगी बिना पति के काटूंगी, लेकिन मैंने जो दंश ससुराल में झेला, उसके बाद लगा कि अब तो शादी नहीं ही करूंगी। मुझे ये भी लगता है कि शादी जिंदगी का बहुत छोटा सा हिस्सा है। जब मैंने मां से कहा कि मुझे अब शादी नहीं करनी है, तो वो राजी हो गईं।'

16 साल की उम्र में मैंने पहली बार स्कूल का मुंह देखा

फरीदा कहती हैं, 'दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके में, जहां हम लोग रहते थे। वहां पढ़ाई-लिखाई का कोई माहौल नहीं था। इसी बीच मेरी मुलाकात सोशल एक्टिविस्ट शबनम हाशमी से हुई। उन्होंने कहा कि तुम्हें पढ़ाई करनी चाहिए। पढ़ोगी तो ही तुम अपने पैरों पर खड़ी हो पाओगी। इसके बाद वे मुझे पढ़ाने लगीं।

मेरे समुदाय के लोग इसका विरोध करते थे। उनका कहना था कि लालटेन में रहने वाली लड़कियां पढ़ेंगी! मुस्लिम लड़कियां बाहर जाएंगी! लोग पापा को बहुत टॉर्चर करते थे। कहते थे- 'तुम्हारी बेटी घर से बाहर निकलने पर बुर्के निकाल लेती है।'

फरीदा मुस्कुराते हुए कहती हैं,

फरीदा खान के साथ सोशल एक्टिविस्ट शबनम हाशमी हैं

'फिर क्या... मां ने मेरा पूरा सपोर्ट किया। वो कहती थीं- जब दुखों का पहाड़ टूटा, तब तो दुनिया वाले नहीं थे। ये पढ़ेगी नहीं, तो अपने दो बच्चों को कैसे पालेगी।

मायके की हालत भी उतनी मजबूत नहीं थी। हम लोग 33 गज के एक छोटे से कमरे में रहते थे। मैंने किसी तरह से बीईडी कर लिया और एक स्कूल में पढ़ाने लगी। 300 रुपए महीने मिलते थे। हालांकि, कुछ साल बाद ही स्कूल बंद हो गया। उसके बाद मैंने फैक्ट्रियों में काम करना शुरू किया।'

इसी बीच मां को कैंसर हो गया, मैंने उनकी पूरी देखभाल की, लेकिन बचा नहीं सकी। उनके जाने के बाद ऐसा लगा कि मेरी जिंदगी खत्म हो गई।'

फरीदा भारत-पाकिस्तान बंटवारे को याद करती हैं। वो बताती हैं, '1947 में बंटवारे के वक्त हुए हिंदू-मुस्लिम दंगे में मेरी मां के परिवार वालों का सामूहिक कत्ल हुआ था। मां को मौसी ने किसी तरह से बचा लिया। 6 महीने बाद वो एक कैंप में मिली थीं।

मौसी ने ही मां की परवरिश की, शादी-ब्याह सब कुछ उन्होंने ही किया। नाना-नानी, मामा-मामी का प्यार कैसा होता है, हमें कभी नसीब नहीं हुआ।'

फरीदा के शरीर के एक हिस्से में, कंधे से लेकर कमर तक फ्रैक्चर है। वो 2003 का एक वाकया बताती हैं, 'मौत के मुंह से बची थी। बेटी छत पर कपड़े सुखा रही थी, तभी वो अचानक नीचे मेरे ऊपर गिर पड़ी। शरीर का एक हिस्सा चकनाचूर हो गया। 3 महीने तक इलाज चला, कई ऑपरेशन हुए, 3 साल तक बेड पर पड़ी रही।

इसके बाद मैंने घर पर ही गली की महिलाओं को पढ़ाना शुरू किया। अनपढ़ महिलाओं को पढ़ाने लगी, फिर 2015 में 'पहचान' नाम से एनजीओ की शुरुआत की।'

फरीदा की आंखों में आंसू साफ झलक रहे हैं, लेकिन वे खुद को संभालते हुए कहती हैं, 'जो व्यक्ति जितना दर्द झेलता है, वो उतना मजबूत होता चला जाता है। अब मैं भी मजबूत हो गई हूं।'

आज शनिवार है, इसलिए कई लड़कियां अपने घर जा चुकी हैं।

फरीदा जाते हुए बच्चों को दिखाते हुए बोलती हैं, 'अब यही बच्चे मेरी पहचान और कमाई हैं। जो दर्द मैंने अपने जीवन में सहा, झेला। चाहती हूं कि इन बच्चों को वो दिन कभी न झेलना पड़े।

इस इलाके में माइग्रेंट वर्कर्स सबसे ज्यादा रहते हैं। आर्थिक तंगी की वजह से ये लोग खास तौर पर लड़कियों को नहीं पढ़ाना चाहते। कई लड़कियां ऐसी भी होती हैं, जो छेड़-छाड़ के डर से स्कूल जाना छोड़ देती हैं।

ये लड़कियां तीसरी से लेकर छठी क्लास तक की होती हैं। इन्हें हम हायर एजुकेशन के लिए पढ़ाते हैं और सिलाई, कंप्यूटर की ट्रेनिंग देते हैं। इसमें हिंदू और मुस्लिम, दोनों समुदाय की लड़कियां हैं।'

अब हर साल 50 से ज्यादा लड़कियों को पढ़ाती हूं। घरेलू हिंसा की शिकार महिलाओं को कानूनी सलाह भी देती हूं। 'पहचान' से पढ़ी लड़कियां अपनी पहचान बना चुकी हैं। कुछ लड़कियां प्राइवेट जॉब कर रही हैं, तो कुछ लड़कियां अपने घर पर ट्यूशन पढ़ा रही हैं।'

पूजा सिंघल के चार्टर्ड अकाउंटेंट की जमानत अर्जी खारिज

रांची, 22 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड हाईकोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग (धन शोधन) के एक मामले में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की निलंबित अधिकारी पूजा सिंघल के चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) सुमन कुमार सिंह की जमानत अर्जी खारिज कर दी। कोर्ट ने मंगलवार को यह फैसला सुनाया।

जस्टिस गौतम चौधरी ने 14 फरवरी को सुमन कुमार सिंह की जमानत अर्जी पर आदेश सुरक्षित रख लिया था। इसके बाद उन्होंने मंगलवार को जमानत अर्जी खारिज कर दी।

प्रवर्तन निदेशालय ने सुमन कुमार सिंह के कार्यालय और घर से बरामद 19.31 करोड़ रुपये नकद राशि के साथ पिछले साल मई में उन्हें गिरफ्तार किया था। तब से वह न्यायिक हिरासत में हैं।

ईडी ने जब्त की थीं 36 करोड़ की नकदी

ईडी ने राज्य के खनन विभाग

की पूर्व सचिव सिंघल पर धन शोधन का आरोप लगाया है और कहा है कि उनकी टीम ने धन शोधन की दो अलग-अलग जांचों के तहत कथित अवैध खनन से जुड़ी 36 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी जब्त की है।

सिंघल के साथ चार्टर अकाउंटेंट पति भी हुआ था गिरफ्तार

2000 बैच की आईएएस अधिकारी के अलावा, उनके व्यवसायी पति, दंपति से जुड़े एक चार्टर्ड अकाउंटेंट और अन्य पर भी ईडी ने धन शोधन जांच के हिस्से के रूप में छापा मारा था। सिंघल की गिरफ्तारी के बाद राज्य सरकार ने उन्हें निलंबित कर दिया था। सिंघल और उनके चार्टर्ड अकाउंटेंट पति सुमन कुमार को भी एजेंसी ने गिरफ्तार किया था और उनके पास से कुल 19.76 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की थी।

लैंको पॉवर प्लांट से लोहे की चोरी, पांच कबाडी पकडे गये

कोरबा, 22 फरवरी (एजेंसियां)। कोरबा के ग्राम कुदूरमाल में ग्रामीणों ने पांच कबाड़ चोरों को पकड़कर उनकी जमकर पिटाई की। इस घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। लैंको के रिवर इंटेक से लोहे के पाईप की चोर कर भाग रहे पांच कबाड़ चोरों को ग्रामीणों ने दौड़ाकर पकड़ा। फिर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस को चोरों के पास चोरी का माल, पिकअप और स्कॉर्पियो वाहन के साथ ही गैस कटर और सिलेंडर मिला है। उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम कुदूरमाल में मौजूद लैंको पॉवर प्लांट के रिवर इंटेक से लोहे के खंबे की चोरी कर भाग रहे कबाड़ चोरों को ग्रामीणों को रंगे हाथ पकड़ लिया। रात के अंधेरे में ग्रामीणों के हत्थे चढ़े कबाड़ चोरों की जमकर पिटाई की गई जिसका वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। सुबह होने पर ग्रामीणों ने कबाड़ चोरों को पुलिस के हवाले कर दिया। इस मामले में उरगा पुलिस ने आरोपियों के पास से एक पिकअप और स्कॉर्पियो वाहन को जब्त किया है इसके साथ ही चोरी के लोहे के खंबे के साथ ही गैस कटर व सिलेंडर और 20 हजार रुपये भी जब्त किया गया है। पकड़े गए आरोपी राजेश पटेल उर्फ अनुज पटेल भिलाई खुर्द, ओम प्रकाश पटेल दादर खुर्द मानिकपुर, राजेश कुमार पटेल भिलाई खुर्द मानिकपुर, विकास पटेल दादर खुर्द मानिकपुर, संदीप यादव दादर खुर्द निवासी है जिन्हें गिरफ्तार किया गया है। सभी आरोपी इंटेक कुदुरमल स्टोर में कटार से पाइप की कटिंग कर चोरी कर रहे थे। मुखबिर की सूचना पर सभी आरोपियों को पकड़ा गया है। बताया जा रहा है कि ग्रामीणों ने पहले कबाड़ चोर गिरोह को पकड़ा उसके बाद सभी की जमकर पिटाई की गई। उरगा थाना प्रभारी सनत सोनवानी ने बताया कि पुलिस ने लैंको प्रबंधन की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया गया है।

मोबाइल टॉवर लगाने के नाम पर ठगी करने वाले 27 गिरफ्तार

फर्जी कॉल सेंटर से घटना को देते थे अंजाम

कबीरधाम, 22 फरवरी (एजेंसियां)। कबीरधाम जिले के थाना कुंडा पुलिस ने मोबाइल टॉवर लगाने के नाम पर लोगों से ऑनलाइन ठगी करने वाले 27 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। आरोपी फर्जी कॉल सेंटर से घटना को अंजाम देते थे। अभी तक लगभग 22 लाख रुपये की ठगी की बात सामने आई है। आरोपियों द्वारा देश के अन्य राज्यों में भी ठगी की घटना की गई।

थाना कुंडा में आईटी एक्ट में प्रार्थी देवदत्त चन्द्राकर ने मामला दर्ज कराया था। जिसमें रिलायंस जिओ एवं एयरटेल मोबाइल टॉवर लगाने के नाम से अज्ञात मोबाइल नंबरो द्वारा प्रार्थी को झांसे में लेकर अलग-अलग बैंक खातों में करीबन 22 लाख रूपये की ठगी करने की बात की गई। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक कबीरधाम डॉ. लाल उमेद सिंह और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनीषा ठाकुर रावटे द्वारा थाना प्रभारी कुंडा को अज्ञात मोबाईल धारकों का पता सीज के लिए निर्देश दिए। विवेचना में पाया गया कि आरोपियों के विरूद्ध जिला रायगढ़ के थाना पुसौर में भी आईटी एक्ट में मामला दर्ज है। जिस पर रायगढ़ पुलिस से समन्वय स्थापित कर थाना कुंडा से टीम गठित कर जिला रायगढ़ में गिरफ्तार आरोपियों पूछताछ की गई। जिसमें गिरोह के मुख्य सरगना वरूण सिंह और सलोनी प्रिया ने बताया गया कि उनके द्वारा कोलकाता में एक फर्जी कॉल सेंटर खोला गया है जिसमें कुल 27 लोग कार्य करते थे। इन सभी को लोगों से कैसे बात कर अपने झांसे में लेने की ट्रेनिंग भी दी गई थी। इसके साथ ही सभी को 10-10 मोबाइल सिम एवं कीपेड वाली मोबाइल भी दिये गये थे। सभी सिम फर्जी दस्तावेज के आधार पर प्राप्त किये गये थे। गिरोह के सभी सदस्य मोबाइल नंबरो से देश के विभिन्न राज्यों के लोगों को कॉल कर मोबाइल कंपनी का टॉवर लगाने का ऑफर देते थे। जिसमें खाली प्लाट पर डेढ़ लाख रुपये, 10 से 12 हजार रूपये प्रतिमाह किराया, परिवार के एक सदस्य को नौकरी का प्रलोभन दिया जाता था। ग्राहक द्वारा रूचि लेन पर व्हाटसअप के द्वारा उससे जमीन के दस्तावेज अनुबंध पत्र आदि मांग कर उसे कंपनी से संबंधित कुछ फर्जी दस्तावेज भेजे जाते थे। इसके बाद अन्य लोगो के नाम से खोले गये फर्जी बैंक खातों में प्रोसेसिंग फीस के नाम पर पैसे की मांग की जाती थी। पुलिस ने कुल 27 आरोपियों को माननीय न्यायालय से प्रोडेक्शन वारंट प्राप्त कर न्यायालय पेश कर गिरफ्तार किया। आरोपियों द्वारा उपयोग किये गये नौ बैंक खातों को सीज किया गया है।

इसके साथ ही चार बैंक पास बुक, एटीएम कार्ड एवं कॉल सेंटर में कार्य करने वाले आरोपियो की उपस्थिति पंजी व देश के विभिन्न राज्यो के लोगो से ठगी की रकम के संबंध में रजिस्टर जब्त किया गया।

रुपयों के लालच में युवक ने भाई को कुल्हाड़ी से काटा

मुआवजा राशि को लेकर था विवाद

जगदलपुर, 22 फरवरी (एजेंसियां)। रुपये का लालच किस तरह आदमी को बुरा बना देता है, इस बात का उदाहरण सोमवार की देर रात देखने को मिला। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में सगे भाई ने अपने ही भाई पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। एनएमडीसी द्वारा किसान के लिए जमीन के मुआवजा राशि में एक भाई का नाम नहीं था। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले के बारे में जानकारी देते हुए कोड़ेनार थाना प्रभारी संतोष सिंह ने बताया कि आरोपी बिज्जो बेंजाम (36) साल निवासी ईरपा बुधूपारा और आरोपी का छोटा भाई मनीष बेंजाम दोनों अलग-अलग जगह अपने-अपने मकान में रहते हैं। दोनों की सामुहिक जमीन से एनएमडीसी का पाइप लाइन बिछ रहा था।

जिसका मुआवजा राशि का बैंक चेक आरोपी बिज्जो बेंजाम के नाम से आया, मुआवजा राशि में मनीष बेंजाम अपना हिस्सा मांगता था। इसी बात पर दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा हुआ करता था।

20 फरवरी को मनीष बेंजाम शाम करीब सात बजे अपने घर में सोया था कि रंजिश में आरोपी बिज्जो बेंजाम ने टंगिया से मनीष बेंजाम के सिर, पीठ और कमर में ताबड़तोड़ वार किए।

हत्या के दो आरोपियों को आजीवन कारावास

एक ने नानी तो दूसरे ने युवक को मार डाला था

गौरेला, 22 फरवरी (एजेंसियां)। पेंड्रा में पैसों की मांग और जमीन बेचने से इंकार करने पर नानी की हत्या करने और पत्नि के साथ बात करते देखने के बाद शराब के नशे में हुये विवाद के बाद युवक की गर्दन तोड़कर हत्या करने के दो अलग अलग मामलों में एडीजे कोर्ट ने दोनों आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनायी है।

दरअसल पहला मामला गौरेला में 10 सितंबर 2020 को हुआ। जिसमें बुजुर्ग महिला ललियाबाई काशीपुरी रहस्यमय तरीके से गायब हुयी थी। जिसकी लाश 10 दिन बाद कंकाल के रूप में रेंजराभार के रतनजोत प्लांट में रतनजोत के पौधों से ढंकी हुयी मिली थी।

ललियाबाई के घर में ही आरोपी राजकुमार उर्फ अमृतलाल काशीपुरी रहता था और शराब के लिये पैसों की मांग करने के अलावा ललियाबाई की जमीन को बेचने के लिये दबाव बनाते रहता था।

घटना के पहले भी आरोपी ने नानी को पास के नदी में फेंकने की योजना भी बनायी थी पर वहां लोगों के मौजूद होने के कारण नाकाम रहा। वहीं, शराब के लिये पैसे मांगने को लेकर कई बार नानी के साथ आरोपी का विवाद भी हुआ उधर घटना के दिन नानी को राशन दिलाने के नाम पर आरोपी अपने साथ सायकल में नानी को ले गया और गड्ढे में गिराकर गला दबाकर हत्या कर दिया। और लाश को छिपाने के लिये टंगिया से रतनजोत के पौधे काटकर लाश के ऊपर ढंक दिया था। घटना के दिन से आरोपी भी घर से गायब था और लाश मिलने के बाद गौरेला पुलिस ने आरोपी राजकुमार उर्फ अमृतलाल को भी गिरफ्तार कर लिया था। इस मामले मे फैसला सुनाते हुये एडीजे गौरेला किरण थवाईत ने आरोपी को भादवि की धारा 302 के तहत आजीवन कारावास और धारा 201 के तहत पांच साल के सश्रम कारावास सहित अर्थदंड की सजा सुनायी है।

इस मामले में शासन की ओर से पैरवी अतिरिक्त लोक अभियोजक पंकज नागाईच ने किया। वहीं, दूसरा मामला पत्नि से बात करते हुये देखकर आक्रोशित शराबी पति के द्वारा एक व्यक्ति की हत्या कर लाश तालाब में छिपाने वाले आरोपी को एडीजे गौरेला कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनायी है।

दरअसल, मामला 20 फरवरी 2021 को गौरेला थाना के कोरजा गांव का है जहां ईटा भट्ठा में काम करने वाले अजय कौल की लाश गांव के तालाब में मिली थी जिसकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गर्दन तोड़कर हत्या किये जाने की पुष्टि हुयी थी।

इस मामले में खुलासा हुआ था कि गांव में दिलीप सोनी के इंटा भट्ठा में काम करने वाला अजय कौल घटना के दिन शाम को एक महिला से बात कर रहा था। जिस दौरान उसका पति आरोपी रेचकु उर्फ रमेश कोल आ गया जोकि शराब पिये हुये था और बात करते हुये देख उसने अपनी पत्नि गोलकी बाई को भी डांटा और आरोपी से विवाद होने के बाद उसकी गर्दन तोड़कर हत्या कर दिया। लाश को दर्री तालाब में छिपा दिया।

पुलिस ने पहले मृतक की पत्नि की रिपोर्ट पर गुमशुदगी का मामला दर्ज किया और बाद में तालाब में लाश मिलने पर हत्या का मामला दर्ज करते हुये बाद में आरोपी को गिरफ्तार किया था।

इस मामले मे फैसला सुनाते हुये एडीजे गौरेला किरण थवाईत ने आरोपी रेचकु उर्फ रमेश कोल को भादवि की धारा 302 के तहत आजीवन कारावास और धारा 201 के तहत पांच साल के सश्रम कारावास सहित अर्थदंड की सजा सुनायी है। इस मामले में शासन की ओर से पैरवी अतिरिक्त लोक अभियोजक पंकज नागाईच ने की।

कफन प्रथा को हटाने के लिए एकजुट हो रहे संथाल जनजाति

रांची, 22 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड में संथाल जनजाति अपने एक प्राचीन मृत्यु संस्कार को सुधारने के नए रास्ते पर हैं। इसके तहत कफन प्रथा को हटाने के लिए सभी एकजुट हो रहे हैं। सभी अब इस कफन प्रथा को हटाकर आर्थिक रूप से मदद करने का फैसला लिया है।

झारखंड के हजारीबाग जिले के चरही में लंबी बीमारी के बाद पिछले महीने 65 वर्षीय टुंडा मांझी के निधन के बाद अंतिम संस्कार में करीब 200 लोग शामिल हुए थे। गांव के पास वन विभाग की जमीन पर उनका अंतिम संस्कार किया गया था। उस दौरान उनकी कब्र पर सैकड़ों लोगों ने कफन चढ़ाया था जिससे वहां सिर्फ कफन ही कफन जमा हो गए थे। संथाल जनजाति की परंपरा के अनुसार, सभी को मृतकों के प्रति सम्मान दिखाने के लिए 2.5 मीटर का कफन लाना अनिवार्य होता था। इन कफनों को पार्थिव शव के साथ ही दफ्न किया जाता है। इनकी मात्रा इतनी होती है कि लोग इन्हें खरीदने के लिए 50-200 रुपये खर्च करने के बाद कब्र के पास ही जला देते हैं। हालांकि सदियों से चली आ रही यह रस्म अब खत्म होने वाली है। पिछले महीने संथाल समुदाय के सैकड़ों लोग कजरी भुरकुंडा गांव में एकत्र हुए और अपनी कफन परंपरा को बदलने का फैसला किया।

'अडानी को डुबा रही है छत्तीसगढ़ से गई पनौती'

सीएम भूपेश ने दो पूर्व अफसरशाहों पर साधा निशाना, बोले-मूणत के यहां छापा क्यों नहीं पड़ता

रायपुर, 22 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ में काम कर चुके दो पूर्व अफसरशाहों को पनौती बताया है। उनका कहना था, उनकी वजह से ही अडानी समूह डूब रहा है। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ से जो दो पनौती अडानी के पास गए हैं वे पहले जिसके साथ थे वे डूब गए। वे जबसे वहां गए हैं तो उनकी हालत देख लीजिए। उन्होंने पूर्व मंत्री राजेश मूणत की आय को लेकर भी बयान दिया।

कांग्रेस नेताओं पर ईडी के छापों से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, विनोद तिवारी के यहां छापा डालने का क्या औचित्य है? केवल इसलिए कि उसने रमन सिंह के खिलाफ शिकायत की थी। आरपी सिंह के यहां छापा डालने का क्या मतलब है, क्योंकि उसने अमन सिंह के खिलाफ शिकायत की थी। यह तो अडानी जी को समझना चाहिए कि जो दो पनौती गये हैं छत्तीसगढ़ से वे जिसके साथ थे वो डूबे थे।

अब जबसे वहां गये हैं देख लीजिए उसकी स्थिति क्या है!

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, जैसे-जैसे चुनाव आएगा वैसे-वैसे केंद्रीय एजेंसियां सक्रिय होंगी। अभी कर्नाटक में चुनाव है तो उस समय करेंगे। उसके बाद कोई नेता आएंगे तो फिर वे करेंगे। इनका

प्रोग्राम बन चुका है कि कब-कब छापा डालना है। उसका माइलेज ले सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, रमन सिंह तो उसके प्रवक्ता बने हुए हैं। राजेश मूणत प्रवक्ता बने हुआ है। जब वह छत्तीसगढ़ में आया तो उसके पास क्या था? एक पुराना प्रिंटिंग प्रेस और एक पुरानी मोटरसाइकिल! 15 साल मंत्री रहे, उसके पास इतना इनकम कहां से आ गया कि करोड़ों रुपया फूंके हैं अपने परिवार की शादी में। कहां से इतना पैसा आ गया। उसके यहां छापा क्यों नहीं डालते? जब आया था तो कितनी संपत्ति थी उसके पास यह पूरा रायपुर शहर जानता है। उसके बाद ऐसा कौन सा काम कर लिया कि इतनी आय बढ़ गई। रमन सिंह की संपत्ति मामले में भी विनोद तिवारी ने ठीक कहा, रमन सिंह के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के जो पेपर विनोद के घर पड़े थे वह तो ईडी वाले ले ही नहीं गये।

ईडी छापों के खिलाफ न्यायालय जाने की तैयारी

राज्य सरकार ईडी के छापों के खिलाफ न्यायालय जाने की तैयारी है। बताया जा रहा है, पीड़ितों की शिकायतों के आधार पर इसकी भूमिका तैयार की जा रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी मंगलवार को इसके संकेत दिये। उन्होंने कहा, ईडी लगातार परेशान कर रही है। लोगों को प्रताड़ित कर रहे हैं। झूठे केस में फंसाने की कोशिश कर रहे हैं। पीड़ित पक्ष के द्वारा आवेदन दिया गया है। हमने केंद्र सरकार को भी अवगत कराया है। उसके बाद भी केंद्र सरकार कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। अब हमारे पास न्यायालय में जाने के अलावा कोई रास्ता नहीं है। इस मामले को न्यायालय तक ले जाएंगे।

डरी हुई है भाजपा इसलिए कांग्रेस नेता टारगेट में

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, इस कार्रवाई से डरने की बात नहीं है। जब वे सीधी लड़ाई नहीं लड़ सकते तब इस प्रकार के हथकंडे अपनाते हैं। ईडी-आईटी भेजने के पीछे यह है कि छत्तीसगढ़ के मामले में भाजपा डरी हुई है। वह छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस से डरी हुई है। इसी वजह से लगातार कांग्रेस के नेताओं को टारगेट किया जा रहा है।

बाइडेन ने पुतिन से कहा- यूक्रेन कभी नहीं जीत पाओगे

रूस की फौज बेरहम और वहशी, महिलाओं से रेप को हथियार की तरह इस्तेमाल किया

मॉस्को/वारसा, 22 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन जंग पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बयानों का सख्त लहजे में जवाब दिया। पौलेंड में मंगलवार देर रात बाइडेन ने कहा कि अमेरिका और नाटो यूक्रेन के साथ थे और रहेंगे। रूसी फौज ने जुल्म किया है। महिलाओं से रेप को हथियार की तरह इस्तेमाल किया। पुतिन याद रखें कि वो यूक्रेन को कभी नहीं जीत पाएंगे।' बाइडेन यूक्रेन के अचानक दौरे के बाद मंगलवार को पौलेंड पहुंचे। यहां एक सभा को संबोधित किया।

इससे पहले मंगलवार को ही रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था, 'रूस ने शुरुआत में जंग को टालने के लिए तमाम डिप्लोमैटिक कोशिशें कीं, लेकिन नाटो और अमेरिका ने इन्हें कामयाब नहीं होने दिया। हम अब भी बातचीत चाहते हैं, लेकिन इसके लिए शर्तें मंजूर नहीं हैं।'

रूसी राष्ट्रपतति पुतिन का दावा गलतः पुतिन कहते हैं कि हम रूस को कंट्रोल करना चाहते हैं। मैं आज रूस के लोगों को यही बताना चाहता हूं कि अमेरिका या यूरोप के लोग रूस को तबाह नहीं करना चाहते। रूस ने यूक्रेन के बच्चों का भविष्य छीन लिया। ट्रेन, स्कूल, हॉस्पिटल और अनाथालय पर बम बरसाए गए। इन चीजों को कैसे नजरअंदाज किया जाए। यूक्रेन के लोग भी खास हैं और मैं दावे से कह सकता हूं कि रूस कभी यूक्रेन को नहीं जीत सकता।

यूक्रेन का साथ कभी नहीं छोड़ेंगे : इस बात में कोई शक नहीं होना चाहिए कि अमेरिका हर हाल और हर वक्त यूक्रेन के साथ खड़ा है। पुतिन को यह याद रखना होगा कि नाटो में बंटवारा मुमकिन नहीं है। हम बिना रुके और बिना थके यूक्रेन की मदद करते रहेंगे। पुतिन जमीन पर कब्जे के लिए यह सब कर रहे हैं।

तानाशाही के लिए एक शब्द- नहीं और नहीं: यूक्रेन के लोग अपने वतन से मोहब्बत के चलते जान देने को तैयार हैं। तानाशाहों और तानाशाही के लिए सिर्फ एक शब्द है- नहीं, नहीं और नहीं। कोई आपके मुल्क पर कब्जा नहीं कर सकता। आपकी आजादी नहीं छीन सकता और न आपके सपने और भविष्य छीन सकता। यूक्रेन पर हमला सिर्फ यूक्रेन का ही इम्तिहान नहीं है, ये पूरी दुनिया की परीक्षा है।

पुतिन का आरोप- जंग की शुरुआत वेस्टर्न पावर्स की वजह से

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने मंगलवार दोपहर संसद को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने कई मुद्दों पर बात की थी। पुतिन ने कहा- सच्चाई ये है कि इस जंग की शुरुआत वेस्टर्न पावर्स की वजह से हुई। हमने उस वक्त भी हर मुमकिन कोशिश की। वो लोग कीव और यूक्रेन के कंधों पर रखकर बंदूक चला रहे हैं, उन्हें मूर्ख बना रहे हैं। हम अपने वतन की हिफाजत करना बखूबी जानते हैं।

हम बिना रुके और बिना थके यूक्रेन की मदद करते रहेंगे। पुतिन जमीन पर कब्जे के लिए यह सब कर रहे हैं।
अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन

अमेरिका और उसके साथी महज अपना दबदबा बढ़ाने की साजिश की खातिर दूसरों को मोहरा बना रहे हैं। वेस्टर्न पावर ने ही जंग के जिन्न को बोतल से बाहर निकाला है, और वो ही इसे वापस बोतल में डाल सकते हैं। हम तो सिर्फ अपने देश और लोगों की हिफाजत करना चाहते हैं और यही कर भी रहे हैं।

वेस्टर्न लीडर्स ने सिर्फ धोखेबाजी कीः जहां तक डोनबास इलाके का मामला है तो हमने हमेशा कहा कि पहले इसे शांति से सुलझा लीजिए, लेकिन रूस पर इल्जाम लगाने वाले ये भी देख लें कि वेस्टर्न लीडर्स का क्या रोल रहा। इन लोगों ने लगातार धोखेबाजी की और झूठ बोला। वेस्टर्न पावर सम्मान देना नहीं जानते। वो पूरी दुनिया पर थूकने की कोशिश करते हैं। यही तरीका वो अपने देश की जनता के साथ भी अपनाते हैं।

कीव अकेले नहीं सुलझा सकता मसलाः वेस्ट की हरकतों की वजह से हमें यूक्रेन पर हमला करना पड़ा। अपनी हिफाजत के लिए, यूक्रेन पर अटैक जरूरी था। डोनबास के लोगों ने तो रूस सरकार से मदद मांगी थी। जिस तरह इन ताकतों ने यूगोस्लोवाकिया, इराक, लीबिया और सीरिया को तबाह किया, वही ये यूक्रेन के साथ भी करना चाहते हैं। ये ध्यान रखना चाहिए कि रूस अपनी इज्जत से समझौता नहीं करेगा। कीव में इतनी ताकत नहीं कि वो अकेले डोनबास का मसला सुलझा ले।

अमेरिका ने रूस को नजरअंदाज कियाः हमें तो वेस्टर्न पावर्स से भी बातचीत करने में कोई दिक्कत नहीं है। हम चाहते हैं कि हमारे बीच जॉइंट सिक्योरिटी स्ट्रक्चर हो। इसके लिए मैंने खुद कई साल तक कोशिश की, लेकिन अमेरिका और दूसरे वेस्टर्न पावर हल चाहते ही नहीं है। हमें हमेशा इग्नोर किया गया।

'न्यूयॉर्क टाइम्स' से बातचीत में एनएटीओ के सेक्रेटरी जनरल जेन्स स्टोलेनबर्ग ने पुतिन के फैसले पर कहा- इससे तो एटमी हथियारों पर कंट्रोल का पूरा सिस्टम ही तबाह हो जाएगा। रूस को फैसले पर फिर विचार करना चाहिए। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के मुताबिक- इस फैसले में कुछ नया नहीं है, क्योंकि रूस पहले ही इस करार का पालन नहीं कर रहा था। हमने जनवरी में ही इस बारे में जानकारी दे दी थी। रूस ने अमेरिकी टीम को अपनी न्यूक्लियर साइट्स के इन्सपेक्शन से रोक दिया था।

वैसे, पुतिन ने एक रास्ता खुला रखा है। खुद पुतिन ने कहा- हम एटमी ट्रीटी को छोड़ नहीं रहे हैं, फिलहाल इसे सस्पेंड किया गया है। अभी इस बारे में विचार किया जाना है। नाटो, फ्रांस और ब्रिटेन के पास तो काफी बड़ा एटमी जखीरा है। इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन सोमवार को अचानक यूक्रेन की राजधानी कीव पहुंचे। यहां वे यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्दोमिर जेलेंस्की के साथ नजर आए। बाइडेन का यह दौरा चौंकाने वाला है। इसकी किसी को कानों-कान खबर नहीं हुई। दरअसल, प्रेसिडेंट बाइडेन शनिवार रात (भारत में रविवार तड़के) पोलैंड गए थे। यहां से वो एक घंटे का सफर करके ट्रेन के जरिए कीव पहुंच गए।

यूएस के सीएटल में जातिगत भेदभाव पर बैन

ऐसा करने वाला अमेरिका का पहला शहर बना साउथ एशियन्स के बीच बढ़ रहे थे भेदभाव के मामले

वॉशिंगटन, 22 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के सीएटल में जाति के आधार पर होने वाले भेदभाव को पूरी तरह से बैन कर दिया गया है। दूसरे शब्दों में कहें तो सीएटल के भेदभाव विरोधी कानून में जाति को भी शामिल कर लिया गया है। अमेरिका में रहने वाले साउथ एशियन्स के बीच भेदभाव से जुड़े कई मामले सामने आए हैं। जिसके बाद ये फैसला लिया गया है।

सीएटल सिटी काउंसल में इससे जुड़ा एक अध्यादेश पास हो गया है। काउंसल की एकमात्र भारतीय-अमेरिकी लीडर क्षमा सावंत ने ये अध्यादेश पेश किया। उन्होंने कहा- जातिगत भेदभाव के खिलाफ लड़ाई सभी तरह के अत्याचार के खिलाफ उठने वाली आवाज से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा- हमें ये समझने की जरूरत है कि भले ही अमेरिका में भेदभाव उस तरह नहीं दिखता जैसा कि दक्षिण एशिया में हर जगह दिखता है, लेकिन यहां भी भेदभाव एक सच्चाई है। अमेरिका के स्कूलों और कामकाज की जगहों पर जातिगत भेदभाव होता है। यही वजह है कि कैलिफॉर्निया यूनिवर्सिटी कैंपस ने जाति आधारित भेदभाव को अपनी भेदभाव-विरोधी नीतियों का हिस्सा बनाया। 2015 में नेपाल से

अमेरिका गए 37 वर्षीय प्रेम पेरियार ने कैलिफॉर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी में एडमिशन लिया था। वो कथित निचली जाति के थे। पेरियार बताते हैं कि अन्य दक्षिण एशियाई लोगों के साथ संपर्क के दौरान रेस्तराओं से लेकर कम्यूनिटी प्रोग्राम तक में उन्हें जाति की याद दिलाई जाती थी। वो कहते हैं- कुछ लोग मुझे जानने के नाम पर मेरा सरनेम पूछते हैं, जबकि असल में वे यह जानना चाहते हैं कि मेरी जाति क्या है। यह पता चलने के बाद कि मैं दलित हूं, कुछ लोग मुझे अलग बर्तनों में खाना देते हैं।

2020 में कैलिफॉर्निया में एक दलित भारतीय इंजीनियर को सिलिकॉन वैली स्थित एक कंपनी में जाति के कारण भेदभाव का सामना करना पड़ा था। इंजीनियर सिस्को के सैन होसे स्थित मुख्यालय में तैनात था। उसके कई भारतीय सहयोगी कथित ऊंची जातियों से थे, जो उसके साथ भेदभाव करते थे।

ब्रिटेन में महंगाई से भुखमरी जैसे हालात

खाने का खर्च नहीं उठा पा रहे टीचर्स और स्वास्थ्यकर्मी, फूड बैंक से मदद मांग रहे

लंदन, 22 फरवरी (एजेंसियां)। ब्रिटेन में महंगाई के कारण हालात ऐसे हो गए हैं कि अब आम लोगों के साथ ही टीचर्स, स्वास्थ्यकर्मी और पेंशनधारियों को भी फूड बैंक पर निर्भर होना पड़ रहा है। दिसंबर 2022 और जनवरी 2023 में लोगों ने सबसे ज्यादा फूड बैंक से मदद मांगी। ब्रिटेन में करीब 154 संस्थाएं फूड बैंक चलाती हैं, जो लोगों को मुफ्त भोजन बांटते हैं।

इंडिपेंडेंट फूड एड नेटवर्क (आईएफएएन) ने 90 फीसदी फूड बैंकों के आंकड़ों के आधार पर यह रिपोर्ट तैयार की है। फूड बैंक संचालित करने वाली 85 संस्थाओं ने बताया कि जब भोजन की मांग करने वाले लोगों की संख्या बढ़ी तो उन्होंने कई बार भोजन में कटौती की और भोजन मांगने आए बहुत से लोगों को वापस भी लौटा दिया।

सवा 3 लाख लोग फूड बैंक जा चुके हैं

ब्रिटेन में सबसे ज्यादा फूड बैंक द ट्रसेल ट्रस्ट नाम की संस्था चला रही है। उसके 1300 से अधिक फूड बैंक हैं। ट्रस्ट के मुताबिक उसने पिछले साल अप्रैल से सितंबर के बीच 13

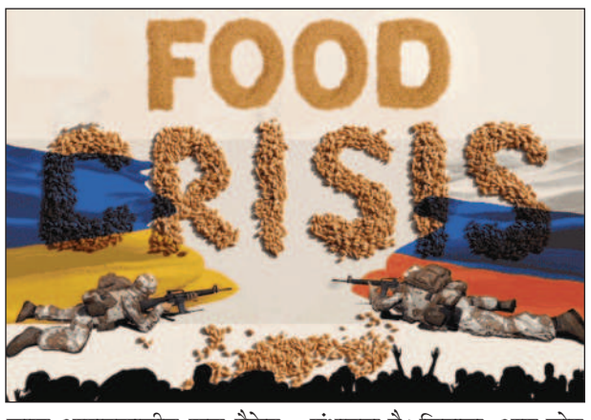

लाख आपातकालीन फूड पैकेट बांटे। आंकड़ों के मुताबिक, अभी तक 3 लाख 20 हजार से ज्यादा लोग खाने के लिए फूड बैंक जा चुके हैं।

2021 की तुलना में यह संख्या एक तिहाई ज्यादा है, जबकि महामारी के पहले से तुलना करें तो यह 50% ज्यादा है। महंगाई के कारण लोगों के खरीदने की क्षमता भी प्रभावित हुई हैं। ब्रिटेन में हाल के महीनों में इसके चलते लगातार हड़तालों का सिलसिला भी चला। वहीं जूनियर डॉक्टरों के हड़ताल पर जाने की भी संभावना है। लिहाजा, आम लोग भोजन खरीदने में अपने को अक्षम पा रहे हैं। ऐसे लोगों की ही निर्भरता फूड बैंकों पर बढ़ी है।

नौकरी कर रहे लोग भी ले रहे हैं फूड बैंकों की मदद

आईएफएएन के अध्ययन से सामने आया है कि ऐसे बहुत से लोग भोजन के लिए फूड बैंकों के पास गए हैं, जो अभी नौकरी में हैं। जो लोग फूड बैंकों के पास जा रहे हैं, उनमें से 80 फीसदी से ज्यादा ऐसे लोग हैं, जिन्होंने पहले कभी इस तरह की मदद नहीं ली थी।

यूके के डेली न्यूजपेपर को दिए एक इंटरव्यू में लिजा क्लार्क नाम की महिला बताती है कि खाने के दाम बढ़ जाने के कारण वो खुद भूखी रह रही हैं। वो बच्चों के स्कूल से घर आने का इंतजार करती हैं, ताकि बच्चों का छोड़ा हुआ खाना खाकर अपनी भूख मिटा सकें। फूड फाउंडेशन की रिसर्च के मुताबिक सितंबर माह तक 40 लाख बच्चे बगैर प्रॉपर खाने के रहने को मजबूर थे।

ब्रिटेन में तेजी से बढ़े खाने के दाम

ब्रिटिश रिटेल कंसोर्टियम की लेटेस्ट इंफलेशन रिपोर्ट के मुताबिक सितंबर माह में सालाना फूड इंफलेशन 10.06 फीसदी तक बढ़ी। वहीं अगर बात रोजमर्रा इस्तेमाल किए जाने वाले खाने की करें तो इनकी कीमतों में भी काफी तेजी से उछाल देखा गया। फ्रेश फूड यानी तुरंत इस्तेमाल होने वाले खाने की महंगाई में केवल सितंबर के महीने में 12.1% बढ़ोतरी हुई। जबकि इन उत्पदों की सालाना महंगाई दर 13.3% तक रही थी।

अमेरिका ने इस साल 36% ज्यादा भारतीयों को वीजा दिया

कहा- भारत हमारे लिए टॉप प्रायोरिटी, अब आईटी प्रोफेशनल्स का वीजा यूएस में रिन्यू होगा

वॉशिंगटन, 22 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी वीजा मिलने के मामले में भारत यूएस की नंबर-1 प्रायोरिटी है। अमेरिकी वीजा अधिकारियों के मुताबिक, कोविड के बाद देशभर में वीजा 36% जल्दी प्रोसेस हो रहा है। इसमें भारत उनकी पहली प्राथमिकता है। अगर कोई भारतीय अमेरिका के वीजा के लिए अपॉइंटमेंट लेने की कोशिश कर रहा है तो उसका वेट वाइम कम से कम रखने की कोशिश की जा रही है।

अमेरिकी वीजा सेवाओं के लिए असिस्टेंट सेक्रेटरी जूली स्टफ्ट ने कहा कि हमने महामारी से पहले की तुलना में भारतीयों के लिए 36% ज्यादा वीजा जारी किए हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि इस साल से अमेरिका डोमेस्टिक वीजा का रिवैलिडेशन शुरू करने जा रहा है।

वीजा रेन्यू के लिए नहीं लौटना पड़ेगा अपने देश

दरअसल, 2004 तक एच-1बी वीजा को अमेरिका में ही रिन्यू किया जाता था, लेकिन 2004 के बाद से अमेरिका में काम करने वाले माइग्रेंट वर्कर्स को इसे रिन्यू कराने के लिए अपने देश लौटना पड़ रहा है। अब इस नए पायलट प्रोजेक्ट के तहत एच-1बी वीजा अमेरिका में ही रिन्यू किए जाएंगे। यानी किसी भी

माइग्रेंट वर्कर को इसे रिन्यू करवाने के लिए अपने देश नहीं जाना पड़ेगा।

भारतीयों के लिए रिकॉर्ड वीजा प्रोसेस करेगा अमेरिका

इससे पहले अमेरिकी एम्बेसी ने इस साल भारतीयों के लिए रिकॉर्ड वीजा प्रोसेस करने की घोषणा की थी। दूतावास फर्स्ट-टाइम बी1 और बी2 टूरिस्ट और बिजनेस ट्रैवल वीजा में बैकलॉग को कम करना चाहता है। इसके तहत पूरे भारत में 2.5 लाख बी1/बी2 वीजा अपॉइंटमेंट बुक हुए हैं। साथ ही फर्स्ट-टाइम बी1/बी2 वीजा के इंटरव्यू के लिए दुनियाभर के दूतावासों और वॉशिंगटन डीसी से खासतौर पर अधिकारियों को बुलाया गया है।

एच-1बी और एल-1बी वीजा क्या होता है?

एच-1बी वीजा आमतौर पर उन लोगों के लिए जारी किया जाता है,जो किसी खास पेशे (जैसे-आईटी प्रोफेशनल, आर्किटेक्चर, हेल्थ प्रोफेशनल आदि) से जुड़े होते हैं। ऐसे प्रोफेशनल्स जिन्हें जॉब ऑफर होती है उन्हें ही ये वीजा मिल सकता है। यह पूरी तरह से एम्पलॉयर पर डिपेंड करता है। यानी अगर एम्पलॉयर नौकरी से निकाल दे और दूसरा एम्पलॉयर ऑफर न करे तो वीजा खत्म हो जाएगा। एल-1ए और एल-1बी वीजा टेम्परेरी इंट्राकंपनी ट्रांसफरीज के लिए उपलब्ध हैं जो मैनेजीरिअल पोजीशन पर काम करते हैं या स्पेशलाइज्ड नॉलेज रखते हैं। एल-1बी वीजा के तहत कंपनियों को एंप्लॉइज को कम से कम एक साल के लिए अमेरिका भेजने की अनुमति होती है। ये ऐसे लोगों को दिया जाता है जो वहां स्थायी तौर पर रहने नहीं जाते। भारत में अमेरिकी वीजा के लिए बैकलॉग को कम करने के प्रयासों के बावजूद एप्वाइंटमेंट का वेटिंग पीरियड अभी 500 दिनों से अधिक है। भारत में अमेरिकी दूतावास ने रविवार को कहा कि जो भारतीय विदेश यात्रा कर रहे हैं, वे वहीं पर अमेरिकी दूतावास या वाणिज्य दूतावास में वीजा एप्वाइंटमेंट ले कर सकते हैं। अमेरिका में हजारों भारतीय आईटी प्रोफेशनल्स मुसीबत में फंस गए हैं। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन जैसी कंपनियों में छंटनी के बाद इन्हें देश लौटने पर मजबूर होना पड़ रहा है। दरअसल, जॉब जाने के बाद उनकी वर्क वीजा खत्म हो रहा है और बची अवधि में जॉब नहीं मिलने के कारण उनके पास वापस लौटने का ही ऑप्शन है।

आईएमएफ ने अमीरों पर टैक्स लगाने की सलाह दी

इस्लामाबाद, 22 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान अपने अस्तित्व के सबसे गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। हालात ये है कि पाकिस्तान दिवालिया होने के कगार पर पहुंच गया है और उसकी डूबती अर्थव्यवस्था को सिर्फ कर्ज ही बचा सकता है। पाकिस्तान की सरकार बीते दिनों आईएमएफ से कर्ज पाने के लिए बातचीत कर रही थी लेकिन आईएमएफ की शर्तों को पाकिस्तान की सरकार ने मानने से इनकार कर दिया और यह डील अटक गई। अब पाकिस्तानी मीडिया की एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि पाकिस्तान की आईएमएफ के साथ डील अटकने की वजह क्या थी। रिपोर्ट के अनुसार, इंटरनेशनल मोनेटरी फंड की मैनेजिंग डायरेक्टर क्रिस्टालिना जॉर्जेवा ने बीते दिनों म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस से इतर एक जर्मन ब्रॉडकास्टर के साथ बातचीत में कहा था कि हमने पाकिस्तान की सरकार से ऐसे कदम उठाने के लिए कहा था, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था सही से काम कर सके और उसे अपने कर्ज को पुनर्गठित करने की जरूरत ना पड़े। जॉर्जेवा ने सलाह दी कि पाकिस्तानी सरकार को सरकारी और निजी वर्ग के उन लोगों पर टैक्स लगाने की जरूरत है जिनकी कमाई ज्यादा है और गरीब वर्ग को सब्सिडी देनी चाहिए।

ब्रिटेन की सुनक सरकार बोली- हम बीबीसी के साथ

संसद में आईटी रेड पर बहस के दौरान कहा- लोकतंत्र में मीडिया की आजादी जरूरी

लंदन, 22 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली और मुंबई में बीबीसी के ऑफिस में पड़ी रेड का मुद्दा अब ब्रिटेन की संसद में उठा है। ब्रिटिश हाउस ऑफ कॉमन्स के मेंबर जिम शैनन ने सरकार से इस मामले में जवाब देने को कहा। इस पर सुनक सरकार के सांसद डेविड रटले ने कहा कि हम बीबीसी के लिए खड़े हैं। ब्रिटिश संसद बीबीसी की फंडिंग करती है और हम उसकी आजादी का सम्मान करते हैं। ब्रिटेन में भी बीबीसी कंजर्वेटिव और लेबर दोनों पार्टियों का विरोध करती आई है।

रटले ने कहा- बीबीसी के पास बात कहने की आजादी है जो हमारे हिसाब से ये बेहद जरूरी है। हम ये बात हमारी दोस्त भारत सरकार से भी कहना चाहेंगे। मीडिया की आजादी लोकतंत्र में बेहद जरूरी है। हालांकि, उन्होंने रेड को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की।

बीबीसी के लिए कॉन्सुलर समर्थन उपलब्ध

भारत से अपने रिश्तों का जिक्र करते हुए रटले बोले- यूके और भारत के बीच गहरी दोस्ती है और बाकी मुद्दों के साथ ही इस पर भी भारत सरकार से बातचीत जारी है। ब्रिटिश सरकार की पूरे मामले पर नजर बनी हुई है। बीबीसी केवल अपने स्टाफ का समर्थन कर रही थी और उनके लिए कॉन्सुलर समर्थन उपलब्ध है। वहीं कंजर्वेटिव पार्टी की एमपी जूलियन लुइस ने कार्रवाई को बेहद चिंताजनक बताया।

विपक्ष ने कार्रवाई को चिंताजनक बताया

मंगलवार को ब्रिटेन की सांसदों ने निचले सदन में अर्जेंट क्वेश्चन के जरिए ये मुद्दा उठाया गया। डिबेट के दौरान सांसद जिम शैनन ने कहा कि भारत के लीडर के खिलाफ रिलीज हुई डॉक्यूमेंट्री को देखते हुए ये धमकाने की एक कोशिश थी। लेबर पार्टी के एक और सांसद फैबियन हैमिल्टन ने कहा कि बीबीसी पर ये कार्रवाई ब्रिटेन के लिए चिंता का विषय है फिर चाहे इसके पीछे कोई भी वजह रही हो। इसे लेकर दोनों सरकारों में बातचीत की जानकारी दी जानी चाहिए।

बीबीसी के दिल्ली-मुंबई ऑफिस पर आईटी ने डाली थी रेड

बता दें कि 14 फरवरी को दिल्ली और मुंबई में बीबीसी के दफ्तरों पर आईटी विभाग ने छापा मारा था। आयकर विभाग के सूत्रों के मुताबिक बीबीसी पर इंटरनेशनल टैक्स में गड़बड़ी का आरोप लगा था। बीबीसी ने ट्वीट कर कहा था- आयकर विभाग की टीम दिल्ली और मुंबई ऑफिस में मौजूद हैं। हम उन्हें पूरा सहयोग कर रहे हैं। सर्वे का काम जारी है। इस दौरान टीम ने फाइनेंस डिपार्टमेंट के लोगों के मोबाइल, लैपटॉप-डेस्कटॉप जब्त किए थे।

इन देशों का आबादी बढ़ाने पर जोर

कहीं बच्चे पैदा करने पर लाखों का इनाम, कहीं सरकारी खर्च पर परवरिश

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। दुनिया की आबादी आठ सौ करोड़ से ज्यादा हो चुकी है। हर एक सेकेंड औसतन तीन से चार बच्चे पैदा हो रहे हैं। जब तक आप ये खबर पूरी पढ़ेंगे तब तक दुनिया में करीब 900 बच्चे पैदा हो चुके होंगे। वर्ल्डोमीटर्स के आंकड़ों के अनुसार, 2037 तक दुनिया की आबादी नौ सौ करोड़ से ज्यादा हो जाएगी। सबसे ज्यादा आबादी वाले देशों में चीन, भारत, अमेरिका, इंडोनेशिया और पाकिस्तान शामिल हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि तेजी से बढ़ती आबादी के बावजूद दुनिया के कई बड़े देश ज्यादा बच्चे पैदा करने पर जोर दे रहे हैं। इसमें दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाला देश चीन भी शामिल है। चीन से बुधवार को खबर आई कि यहां बच्चे पैदा करने के लिए सरकार ने नवविवाहित जोड़ों को 30 दिन की पेड मैरिज लीव देने का एलान किया है। इसका मकसद ये है कि पति-पत्नी आपस में समय बिता सके और जनसंख्या बढ़ाने में भागीदार बन सकें। पहले चीन में शादी के लिए मात्र तीन दिनों की पेड लीव मिलती थी।

मेडिकल फील्ड की सबसे ज्यादा डिमांड

ब्रिटेन के पैरेंट्स भी बच्चों को डॉक्टर बनाना चाहते हैं, वजह- परिवार को सम्मान और जिंदगी में स्थायित्व

लंदन, 22 फरवरी (एजेंसियां)। बच्चों को डॉक्टर बनाने का सपना सिर्फ भारत के ही मिडिल क्लास पैरेंट्स नहीं देखते, ब्रिटेन के माता-पिता भी अपने बच्चों को डॉक्टर बनाना चाहते हैं। अधिक कमाई और ज्यादा शोहरत देने वाले कई नए पेशों के उभरने के बावजूद डॉक्टरी का क्रेज बढ़ रहा है।

यूनिवर्सिटीज एंड कॉलेजेस एडमिशन सर्विसेस के आंकड़ों के मुताबिक, जहां दूसरे विषयों में करिअर बनाने वाले प्रतिभागियों की संख्या 2014 से अब तक दो-तीन गुना ही बढ़ी है, वहीं मेडिसिन में करिअर का सपना देखने वाले प्रतिभागी ब्रिटेन में छह गुना हो गए हैं। 2014 से अब तक यह 18% की दर से बढ़ी है।

परिवार में डॉक्टर होने से सबको मिलता है सम्मान

ब्रिटेन में करिअर विशेषज्ञ चार्ली बॉल कहते हैं, डॉक्टरी पेशे को मिडिल क्लास सम्मान से देखती है। जिस परिवार में एक डॉक्टर हो जाता है, तो पूरे परिवार को सम्मान से देखा जाने लगता है। यही वजह है कि कई बच्चों की रुचि न होने के बावजूद मां-बाप

उनपर डॉक्टर बनने का दबाव डालते हैं। ब्रिटेन के मेडिकल स्कूलों में सीटें अब भी कम हैं। उसके लिए प्रतियोगिता ज्यादा है। इसलिए उसे हासिल करना बड़ी बात मानी जाती है।

डॉक्टरों की आय घटी लेकिन डिमांड बढ़ी

बॉल कहते हैं- बाजार की जरूरत के हिसाब से अलग-अलग पेशों के वेतन में अंतर होता है। इस वक्त एआई और तकनीक के दूसरे सेक्टर में विशेषज्ञों की कमी है। इस वजह से कई नए पेशों में वेतन बहुत ज्यादा हैं। उनके मुकाबले 7 साल की लंबी ट्रेनिंग के बाद बने डॉक्टरों की कमाई ज्यादा नहीं है। इस पेशे में दबाव और काम के घंटे बढ़े हैं। डॉक्टरों की आय बढ़ने की बजाय तुलनात्मक रूप से घटी है। फिर भी डॉक्टर बनने की चाहत बढ़ रही है। ज्यादातर परिवारों को जॉब के नए मौकों का पता ही नहीं होता। ब्रिटेन में मिडिल क्लास फैमिली के माता-पिता को लगता है कि डॉक्टरों के पेशे में स्थायित्व है। वे इसे नोबल प्रोफेशन मानते हैं। इसलिए अपने बच्चों को डॉक्टर बनाना चाहते हैं। एक वजह जानकारी का अभाव भी है। ज्यादातर परिवारों को पता ही नहीं होता कि अब जॉब के किस तरह के नए मौके आ गए हैं।

6 महीने में 1 लाख भर्तियां कैसे करेगी सरकार?

आरपीएससी और चयन बोर्ड पुरानी भर्तियों में व्यस्त, जानिए– कहां पेच फंसा

जयपुर, 22 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक लाख पदों पर सरकारी नौकरियों की घोषणा तो कर दी है, लेकिन इसे पूरा करना आसान नहीं है।

16 फरवरी को बजट पर रिप्लाई देते हुए सीएम अशोक गहलोत ने कहा था कि वर्तमान में जो भर्ती प्रक्रियाएं चल रही हैं, उनके अलावा इस वर्ष में एक लाख नई भर्तियां की जाएंगी।

बेरोजगारों को राहत देने वाली इस घोषणा ने तालियां तो बटोरी लेकिन क्या असल में ये वादा पूरा होगा भी या नहीं?

दरअसल, सरकार के पास इन भर्तियों को पूरा करने के लिए लगभग 6-7 महीने का ही वक्त बचा है, क्योंकि चुनावी साल होने के कारण सितंबर-अक्टूबर में आचार संहिता लगेगी। इसके बाद कोई भी भर्ती नहीं निकाली जा सकेगी।

भास्कर ने पिछले 5 साल में हुई सरकारी नौकरी की घोषणाओं का एनालिसिस किया तो सामने आया कि अबतक एक भी ऐसी भर्ती नहीं है जो एक साल से कम समय में पूरी हुई हो। वहीं जब कार्मिक विभाग के संयुक्त शासन सचिव मुकुट बिहारी जांगिड़ ने जब विभागों से रिक्त पदों की जानकारी मांगी तो विभागों ने अपडेट जानकारी नहीं होने की बात कही है। ऐसे में खाली पदों के वर्गीकरण को लेकर मीटिंग भी स्थगित करनी पड़ी है।

तो क्या ये नौकरियां धरातल पर आ पाएंगी? क्या चुनौतियां हैं जो भर्तियों की राह रोक सकती है।

आम तौर पर कोई भी भर्ती प्रक्रिया शुरू होती है, तो उसे परिणाम जारी होने और युवाओं को नियुक्ति मिलने तक के सफर में ही डेढ़ से दो वर्ष का समय लगता है।

वो भी तब जब विभागों द्वारा समय पर पदों का वर्गीकरण करके उनकी अभ्यर्थना जारी हो जाए। प्रदेश में पेपर लीक के मामलों ने पिछले चार वर्षों में लगभग सभी परीक्षाओं को प्रभावित किया है।

क्या हैं चुनौतियां एक लाख भर्तियों के सामने

1. किस विभाग में कितने पद, यह अभी तय ही नहीं

सरकार ने सीधे एक आंकड़ा (एक लाख पद) बोलकर घोषणा कर दी है, लेकिन किस विभाग में कितने पदों पर भर्तियां होंगी यह अभी तक तय ही नहीं है। विभागों से यह जानकारी अब जुटाई जाएगी।

इसके लिए कार्मिक विभाग की पहली बैठक भी अब तक नहीं हुई है। कार्मिक विभाग विभिन्न विभागों के साथ बैठकें कर पहले रिक्त पदों की सूचियां तैयार करेगा। उसके बाद उन रिक्त पदों पर भर्ती को मंजूरी के लिए वित्त विभाग के पास भेजा जाएगा।

वित्त विभाग अपना अध्ययन करके मंजूरी कार्मिक विभाग को भेजेगा और तब कार्मिक विभाग संबंधित विभागों को बताएगा कि वहां कितनी भर्तियां हो सकेंगी।

उसके बाद भर्ती की एजेन्सी (चयन आयोग) तय करना और विभाग द्वारा अभ्यर्थना भेजने का काम होगा। जानकारों की मानें तो इस प्रक्रिया में ही कम से कम एक महीने का वक्त लगेगा।

कार्मिक विभाग के प्रमुख शासन सचिव हेमंत गेरा के अनुसार पदों के वर्गीकरण पर जल्द ही विभागों के साथ मीटिंग्स शुरू होंगी।

2. एक भर्ती को पूरा होने में लगते हैं करीब डेढ़-दो साल

आम तौर पर प्रदेश में कोई भी भर्ती निकलती है, तो वो तीन से पांच चरणों में पूरी होती है। पहला चरण है पदों का वर्गीकरण (कौन से विभाग में कितने), फिर उन पदों की अभ्यर्थना राजस्थान लोक सेवा आयोग या कर्मचारी चयन आयोग को भेजनी होती है।

उसके बाद आयोग के स्तर पर परीक्षा के लिए पेपर सेट करने, परीक्षा केन्द्र तय करने, प्रथम-द्वितीय चरण की प्रारंभिक-मुख्य लिखित परीक्षा, साक्षात्कार, परिणाम जारी करने की प्रक्रिया होती है।

उसके बाद अंतिम रूप से नियुक्ति मिलती है। इन सभी चरणों के बीच में लगभग 3 से 4 महीनों का अंतराल होता है। ऐसे में बड़ा सवाल है कि 6 या 7 महीने में ये भर्तियां पूरी हो पाएंगी?

3. आरपीएससी (राजस्थान लोक सेवा आयोग-अजमेर) 2023 के अंत तक है व्यस्त

आरपीएससी के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी नवीन आनंदकर ने भास्कर को बताया कि आरपीएससी जून अंत तक

विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी में व्यस्त है।

आरपीएससी 19 मार्च को ऑक्युपेशन थेरेपिस्ट, 30 अप्रेल को सीनियर फिजिकल एजुकेशन टीचर, 14 मई को रेवेन्यु ऑफिसर, 21 मई को सहायक अभियंता, 16 जून को सहायक टाउन प्लानर और 27 जून को फूड सेफ्टी ऑफिसर के लिए परीक्षाएं करवाने में व्यस्त है।

आरपीएससी के शैक्षणिक कलैंडर में इन परीक्षाओं के साक्षात्कार और परिणाम जारी होने तक प्रक्रिया लगभग दिसंबर-2023 तक चलेगी।

कर्मचारी चयन बोर्ड भी शिक्षक भर्ती में व्यस्त

कर्मचारी चयन बोर्ड इन दिनों 48000 पदों पर शिक्षक भर्ती करवाने में व्यस्त है। यह परीक्षा 25 फरवरी से 1 मार्च के बीच

प्रदेश के 11 जिलों में होगी।

यह भर्ती प्रक्रिया करीब दो वर्ष से चल रही है, जो अब तक जारी है। पेपर लीक हो जाने के कारण अब तक यह परीक्षा हो नहीं पाई है, हालांकि कर्मचारी चयन बोर्ड से पहले इसकी जिम्मेदारी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (अजमेर) के पास थी। इस भर्ती के अलावा आयोग के पास तीन-चार भर्तियां और पेंडिंग हैं।

लेटलतीफी का सबसे बड़ा उदाहरण

भर्ती प्रक्रिया किस तरह से विभागों और चयन एजेंसियों के बीच उलझती है, इसकी एक मिसाल है आरएएस भर्ती-2022 की अभ्यर्थना।

राजस्थान सरकार की सबसे बड़ी सर्विस आरएएस मानी जाती है। हर एग्जाम में करीब 5 लाख से ज्यादा युवा अपना भाग्य आजमाते हैं।

इस भर्ती के लगभग 1000 पदों के लिए कार्मिक विभाग ने आरपीएससी को अभ्यर्थना भेजी थी करीब 9 महीने पहले।

आरपीएससी ने उसके पदों में वर्गीकरण (आरएएस व सहायक सेवाओं में कितने-कितने पद) को लेकर अपने सुझाव कार्मिक विभाग को भेजकर संशोधित अभ्यर्थना मांगी थी।

उस पर अब तक कार्मिक विभाग की संशोधित अभ्यर्थना आरपीएससी के पास वापस नहीं गई है। अब यह भर्ती ना जाने कब शुरू होगी।

आरएएस की परीक्षा पिछले दो दशक में जब भी हुई है, उसे अभ्यर्थना से नियुक्ति तक का सफर पूरा करने में औसतन लगभग दो वर्ष का समय लगा है।

4. पेपर लीक ने बिगाड़ा भर्तियों का ट्रैक रिकॉर्ड

राजस्थान में भर्ती परीक्षाओं के ट्रेक रिकॉर्ड को पेपर लीक के मामलों ने बुरी तरह से प्रभावित किया हुआ है। राजस्थान में पिछले 4 वर्षों में कांस्टेबल भर्ती-2018, लाइब्रेरियन भर्ती-2018, जेईएन सिविल भर्ती-2018, रीट लेवल-2 परीक्षा-2021, बिजली विभाग हेल्पर भर्ती-2022, कांस्टेबल भर्ती-2022, वनरक्षक भर्ती-2020, शिक्षक भर्ती सैकंड ग्रेड-2022 के पेपर लीक हो गए।

ऐसे में इन परीक्षाओं को पूरा होने में तय शेड्युल से भी एक से दो वर्ष तक का ज्यादा समय लगा। शिक्षक भर्ती तो अब तक चल ही रही है।

पेपर लीक होने से परीक्षा दुबारा आयोजित करनी पड़ती है। दुबारा आयोजित करने से उनका परिणाम भी देरी से जारी होता है।

ऐसे में विभिन्न विभागों के अलग-अलग पदों की भर्तियों वो भी एक लाख पदों पर करवाना अगले एक साल में तो लगभग असंभव ही लगता है।

5. चुनावी वर्ष और आचार संहिता भी बनेगी बाधा

इस वर्ष के अंत में चुनाव होना भी इन भर्तियों की राह में बाधा की तरह है। सितंबर-अक्टूबर में आचार संहिता लगने से लेकर नई सरकार के गठन तक (दिसंबर मध्य तक) कोई नई भर्ती शुरू नहीं हो सकेगी।

केवल वही भर्तियां हो सकेंगी, जिनकी प्रक्रिया सरकार के स्तर पर पूरी होकर चयन एजेंसी के पास चली जाए और चयन एजेंसी उस परीक्षा के आयोजन की तारीखें घोषित कर दे।

ऐसे में करीब तीन महीने कोई नई भर्ती अमली जामा नहीं पहन पाएगी। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर भर्तियों का विज्ञापन आचार संहिता से पहले जारी हुआ तभी बेरोजगारों का सपना साकार हो सकता है। आचार संहिता लागू होने के बाद सरकार भी नए पदों की भर्ती जारी नहीं कर पाएगी।

गहलोत बोले- हम निपट लेंगे, निपटना जानते हैं

कहा- मोदी सरकार ओल्ड पेंशन स्कीम के विरोध में, नहीं करने देंगे खत्म

जयपुर, 22 फरवरी (एजेंसियां)। सीएम अशोक गहलोत ने ओल्ड पेंशन स्कीम को लेकर पीएम मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर हमला बोला है। गहलोत ने कहा- हमने इस बार ओपीएस दिया है। केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण OPS का विरोध कर रही हैं। संसद में भी पीएम विरोध कर चुके हैं। ओपीएस लागू करने वाले राज्यों को भला बुरा कहा गया।

गहलोत ने कहा इनसे (मोदी-सीतारमण) से हम निपट लेंगे, निपटना जानते हैं। सरकार रिपीट करोगे तो स्कीम्स और मजबूत होंगी। ओपीएस को खत्म नहीं करने देंगे। गहलोत जयपुर जिले में किशनगढ़-रेनवाल के रघुनंदपुरा में मंगलवार को मूर्ति अनावरण समारोह में बोल रहे थे।

गहलोत ने कहा कि हमारी कल्याणकारी योजनाएं हैं। सामाजिक सुरक्षा के लिए हैं। ये विश्वगुरु बनने की बात करते हैं। विश्वगुरु तो तब बनोगे जब सामाजिक सुरक्षा के लिए काम करेंगे। विदेशों में सामाजिक सुरक्षा के तहत वीकली पैसा मिलता है। केंद्र सरकार को भी सामाजिक सुरक्षा के लिए कानून बनाना चाहिए। गहलोत ने कहा कि मैंने

बजट बनाने में बहुत मेहनत की है। राहुल गांधी ने कहा था कि जनता से पूछकर बजट बनाइए। मैं 10 बजट पेश कर चुका हूं। मेरी सरकार पहली थी, जिसने घोषणा पत्र को कानूनी रूप दिया। तीन-तीन बार सीएम बनना मामूली बात नहीं है।

सोनिया गांधी ने मुझे पहचाना। मेरा हर पल सेवा में गया है। बचपन के संस्कार हैं। जब मैं सांसद बना तो गांव-गांव घूमता था। तीन बार जब सीएम बना तो मेरा अनुभव काम आया। गांव से जो सीखा, वह काम ले रहा हूं। बजट में मैंने अपनी पूरी जिंदगी का निचोड़ रखा है। मैं खुद बजट बनाने के बाद एक-एक चीज बारीकी से देखता हूं। मैं खुद बजट बनाने बैठता हूं, किस प्रकार हर वर्ग का ध्यान रखा जाए।

गहलोत ने कहा कि पीएम ने वादा किया था कि ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट पर सकारात्मक सोच रखेंगे। अब याद दिला रहा हूं तो टस से मस नहीं हो रहे हैं। पानी का मंत्री जोधपुर का है, लेकिन उसे परवाह नहीं है। प्रधानमंत्री अब ईआरसीपी पर भ्रमित कर रहे हैं। पीएम और पानी के मंत्री यह सोच रखते हैं, यह अच्छी बात नहीं है। बीसलपुर का पानी जयपुर लाने वाले हम लोग हैं। पानी की समस्या क्या होती है, यह राजस्थान से ज्यादा कोई नहीं समझ सकता। गहलोत ने कहा- सरकार बदलती है तो हम उसके काम बंद नहीं करते। वो हमारे काम बंद कर देते हैं। बीजेपी सरकार ने रिफाइनरी को बंद कर दिया। पांच साल में 30 हजार करोड़ रुपए एक्स्ट्रा लगेगा, उसकी लागत बढ़ गई। जो 40 हजार करोड़ का प्रोजेक्ट था। वह 70 हजार करोड़ का हो गया।

गहलोत ने कहा- हमारी योजनाएं बहुत मजबूत और कल्याणकारी हैं। प्रदेश का बजट शानदार आया है। मुझे लगता है कि इस बार जनता चाहती है कि सरकार रिपीट हो। बस इस बार आप उनके बहकावे में नहीं आएं। पिछली सरकार के समय जब बद्रीनाथ- केदारनाथ में तूफान आया ,उसमें राजस्थान के काफी लोग मारे गए। उस समय मैंने फैसला किया था कि उस हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को मैं नौकरी दूंगा। हमने 20-25 लोगों को नौकरी दी, लेकिन हमारी सरकार चली गई। नई सरकार ने बाकी बचे लोगों की नौकरी रोकी। जिनकी नौकरी लग गई थी, उन्हें भी वापस निकाल दिया।

गहलोत ने कहा- हमने जो वादे किए हैं, वे निभाएंगे। बीजेपी वाले गौ-भक्त बनते हैं, लेकिन गायों की सेवा तो हम करते हैं। हमने सबसे पहले गौशालाओं का अनुदान बढ़ाकर छह से नौ महीने किया। अब नंदीशाला के लिए 12 महीने का अनुदान दे रहे हैं।

गहलोत बोले- संजीवनी घोटाले की एसओजी जांच में गजेंद्र दोषी

कहा– शेखावत बेकसूर हैं तो गरीबों को पैसा दिलवाने आगे क्यों नहीं आते?

जयपुर, 22 फरवरी (एजेंसियां)। अशोक गहलोत ने संजीवनी सोसायटी के मुद्दे पर एक बार फिर केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को घेरा। कहा- केंद्रीय मंत्री जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं।

संजीवनी क्रेडिट कॉपरेटिव सोसाइटी के घोटाले में सीएम अशोक गहलोत और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई है।

एक दिन पहले गजेंद्र सिंह शेखावत ने गहलोत पर हमला बोलते हुए उन पर राजनीतक हत्या करने के लिए चरित्र हनन करने का आरोप लगाया।

अब गहलोत ने गजेंद्र सिंह पर पलटवार करते हुए दावा किया है संजीवनी घोटाले के बाकी दोषियों की तरह ही गजेंद्र सिंह के खिलाफ भी जुर्म साबित हो चुका है।

सीएम अशोक गहलोत ने शेखावत पर निशाना साधते हुए कहा- केंद्रीय मंत्री संजीवनी को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड घोटाले के मामले में जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं।

स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप की जांच में दूसरे गिरफ्तार किए जा चुके अभियुक्तों के समान धाराओं में ही उनके ऊपर जुर्म प्रमाणित हो चुका है।

वो स्वयं इस बात को अच्छे से जानते हैं। सिंह जानते हैं कि 1 लाख से ज्यादा पीड़ितों की जिंदगीभर की जमापूंजी के करीब 900 करोड़ से ज्यादा की रकम को संजीवनी सोसाइटी ने लूटा है

संजीवनी घोटाले के आरोपियों की प्रोपर्टी तक अटैच नहीं की है

गहलोत ने कहा- इस मामले में प्रोपर्टी अटैच करने के अधिकार एसओजी के पास ना होकर प्रवर्तन निदेशालय के पास हैं।

एसओजी ने पिछले दो साल में ईडी को 5 बार संजीवनी सोसाइटी से जुड़ी प्रोपर्टी अटैच करने का आग्रह किया है।

इसके बावजूद देशभर में विपक्षी नेताओं के घर छापे मारने वाली ईडी ने अभी तक संजीवनी घोटाले के आरोपियों की प्रोपर्टी तक अटैच नहीं की है।

गजेंद्र बेकसूर हैं तो गरीबों को पैसा दिलवाने आगे क्यों नहीं आते?

गहलोत ने गजेंद्र सिंह पर निशाना साधते हुए कहा- आप खुद केंद्रीय मंत्री हैं, यदि आप बेकसूर हैं तो गरीबों का पैसा वापस दिलवाने के लिए आगे क्यों नहीं आते?

सेंट्रल रजिस्ट्रार ने इस मामले में एक लिक्विडेटर नियुक्त किया है, लेकिन वो तब ही पीड़ितों का पैसा लौटा पाएगा जब संजीवनी सोसाइटी की प्रोपर्टी अटैच होकर वहां से पैसे की रिकवरी होगी। केंद्र सरकार को इस मामले में सख्त कार्रवाई करनी चाहिए जिसमें राजस्थान सरकार पूरा सहयोग करेगी।

घोटाला पीड़ितों का दर्द सुनकर मैं भावुक हो गया , साहस है तो उनकी बातें सुने गजेंद्र सिंह

गहलोत ने कहा— संजीवनी घोटाला पीड़ित संघ के लोग करीब 6 महीने पहले जयपुर में मुख्यमंत्री निवास पर और दो दिन पहले जोधपुर सर्किट हाउस में मुझसे मिले थे।

उनकी बातें सुनकर मैं भी भावुक हो गया कि किस प्रकार उन्हें झांसे लेकर उनकी मेहनत की जमा पूंजी लूटी गई। कई पीड़ितों के तो करोड़ों रुपए इस घोटाले में डूब गए हैं।

मेरे पास सभी पीड़ितों की बातों की वीडियो रिकॉर्डिंग है जिसमें उनका दर्द फूट रहा है। अगर नैतिक साहस है तो गजेंद्र सिंह को उनकी बातें सुननी चाहिए और समझना चाहिए कि उन्होंने कितना बड़ा अपराध किया है।

केंद्रीय मंत्री होने के नाते ईडी से अभी तक कार्रवाई क्यों नहीं करवा पाए? इसका जवाब जनता को देना होगा। राजस्थान सरकार पीड़ितों को इंसाफ सुनिश्चित करने के लिए लगातार ईडी से संपर्क साधेगी।

गजेंद्र शेखावत ने एक दिन पहले ही गहलोत के आरोपों पर जवाबी हमला बोला था। शेखावत ने कहा कि सीएम मेरी राजनीतिक हत्या करने के प्रसास के तहत मेरा चरित्र हनन कर रहे हैं।

जेम्स बॉन्ड के कोड नेम पर लॉरेंस ने बनाई गैंग

पंजाब से जान बचाकर जोधपुर लाया था एक सरपंच, उसे ही बनाया पहला पार्टनर

जोधपुर, 22 फरवरी (एजेंसियां)। लॉरेंस के पाकिस्तान और हथियारों की सप्लाई का कनेक्शन सामने आने के बाद एनआईए एक्टिव हो गई है। मंगलवार को प्रदेश के 23 जगह पर लॉरेंस के ठिकानों और गुर्गों के यहां दबिश दी गई और सर्च ऑपरेशन चलाया गया। बताया जा रहा है कि लॉरेंस कई विदेशी हथियार अपनी गैंग तक पहुंचा रहा था। एनआईए की इस कार्रवाई में टीम ने जोधपुर से 45 किलोमीटर दूर बालेसर के पास भाटेलाई गांव और जोधपुर की सबसे पॉश सोसायटी वीतराग सिटी में दबिश दी। ये ठिकाने गैंगस्टर और मोस्ट वॉन्टेड कैलाश मांजू के थे। कैलाश मांजू ही सबसे पहले लॉरेंस को जोधपुर लेकर आया था।

बताया जा रहा है कि लॉरेंस को जब जयपुर लाया गया, उससे पहले वह कैलाश मांजू के सीधे कॉन्टैक्ट में था।इसी के चलते मांजू एनआईए की टीम के रडार पर आया। जोधपुर में दो ठिकानों पर एनआईए का सर्च

करीब 5 से 6 घंटे चला, लेकिन मांजू जोधपुर में अपने फ्लैट से 20 दिन पहले ही फरार हो चुका था। दरअसल, साल 2016-2017 के समय लॉरेंस पंजाब, दिल्ली और हरियाणा में ज्यादा एक्टिव था। यहां दुश्मनी बढ़ने के कारण उसे अपनी जान का खतरा लग रहा था। कैलाश मांजू इस दौरान लॉरेंस के कॉन्टैक्ट में था। मांजू को जब इसके बारे में पता लगा तो वह लॉरेंस को जोधपुर ले आया।

जोधपुर में लॉरेंस को कुछ दिनों के लिए छिपा कर रखा गया। इसके बाद लॉरेंस ने रंगदारी और फिरौती का नेटवर्क शुरू किया। इस क्राइम बिजनेस में कैलाश मांजू लॉरेंस का पहला क्राइम पार्टनर बना। जब कैलाश लॉरेंस से जुड़ा तब वह भाटेलाई गांव का सरपंच था।

इसी बीच उन्होंने हथियारों की तस्करी का नेटवर्क शुरू किया। जब लॉरेंस का नाम होने लगा तो उससे जुड़े लोगों ने हॉलीवुड फिल्म सीरीज जेम्स बॉन्ड के कोड नेम 007 के नाम से गैंग बनाई। यही गैंग लॉरेंस के लिए हथियारों की सप्लाई का काम करने लगी। बताया जा रहा है कि जोधपुर के आस-पास अब भी ये गैंग एक्टिव है और हथियारों का काम देखती है।

लॉरेंस ने 2017 में जोधपुर से रंगदारी और फिरौती का नेटवर्क बनाना शुरू किया। इस दौरान कैलाश मांजू का नाम हुआ करता था। वह पिता की साख पर सरपंच बना। कैलाश के पिता रामचंद्र भी सरपंच थे। वहां उसने अपनी सरपंची का गलत फायदा उठाना शुरू किया। पैसों के लालच व वर्चस्व की होड़ में वह लॉरेंस से जुड़ गया।

हत्या के 12 घंटे में आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा, 22 फरवरी (एजेंसियां)। माइंस पर सो रहे श्रमिक एमपी कटनी निवासी लटूरी यादव (22) की चाकू से हत्या करने के मामले में पुलिस ने आरोपी श्रमिक एमपी सिंगोली निवासी शीतल कोल को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को पुलिस ने घटनास्थल से 40 किलोमीटर दूर दौलतगढ़ से गिरफ्तार किया है। आरोपी हत्या करने के बाद चाकू को मौके पर ही छोड़कर पैदल ही चला गया था।

जयपुर में एसएमएस के सामने न्यूड होकर बैठी नर्स

2022 से एपीओ चल रही थी महिला, पुलिस बोली- गुस्से में ऐसी हरकत की

जयपुर, 22 फरवरी (एजेंसियां)। जयपुर में बुधवार सुबह सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के सामने एक महिला कपड़े खोलकर डिवाइडर पर बैठ गई। पूछताछ में सामने आया कि वो एक नर्स (एएनएम) है। जो 2020 से एपीओ चल रही है। जब लोगों ने महिला को कपड़े पहनने के लिए बोला तो मना कर दिया। इसके बाद पुलिस कंट्रोल रूम को जानकारी दी गई। इसके बाद एसएमएस थाना पुलिस मौके पर पहुंची। महिला को कपड़े पहनाकर थाने ले गई।

एसएचओ एसएमएस थाना नवरत्न धूलिया ने बताया- महिला करीब 36 साल की है। अब तक हुई पूछताछ में सामने आया है कि वह 2020 से एपीओ चल रही है। महिला ने इस संबंध में कई बार सीनियर मेडिकल ऑफिसर से भी बात की। उसे अभी तक बहाल नहीं किया गया। जानकारी में यह भी आया है कि महिला ब्यावर में तैनात थी। उसका तबादला अजमेर कर दिया गया था। महिला के बारे में जानकारी के लिए उसके परिवार को एसएमएस थाने बुलाया गया है।

कार्य में लापरवाही और बिना बताए ड्यूटी से गैरहाजिर रहने के चलते ब्यावर के पूर्व पीएमओ (प्रिंसिपल मेडिकल ऑफिसर) डॉक्टर दिलीप चौधरी ने नर्स को एपीओ कर दिया गया था।

कोटा के रेस्टोरेंट में धमाके

कोटा, 22 फरवरी (एजेंसियां)। कोटा के स्टेशन रोड पर देर रात एक रेस्टोरेंट में ब्लास्ट हो गया। तेज धमाके से पूरा इलाका गूंज गया। ब्लास्ट की घटना रेस्टोरेंट में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। दरअसल, रेस्टोरेंट में रखे सिलेंडर से गैस लीक हो रही थी। गैस का वैक्यूम बनने के बाद धमाका हो गया। फायर ब्रिगेड अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि कोटा रेलवे स्टेशन रोड पर हाट रोड इलाके में अंगीठी रेस्टोरेंट है। यह रेस्टोरेंट जतिन अगनानी का है। पिछले काफी समय से यह बंद पड़ा हुआ है। मंगलवार रात को 8 बजे करीब दुकान के अंदर तेज धमाका हुआ। धमाके से आसपास के दुकानदारों और लोगों में हड़कंप मच गया। इसके बाद अंदर रेस्टोरेंट में आग लग गई। इससे रेस्टोरेंट में रखा सामान भी जल गया।

धमाका इतना तेज था कि रेस्टोरेंट का शटर टूटकर 50 फीट दूर गिरा। धमाके और आवाज की सूचना पर दमकल की गाड़ियां मौके पर भेजी गई। हालांकि लोगों ने पहले ही आग पर काबू पा लिया था। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची।

ज्वालामुखी जैसा करंट, भाई के पैर, बहन का हाथ कटा

मैरिज गार्डन को सीज तक नहीं किया, हादसे के बाद 2 और शादियां

जयपुर, 22 फरवरी (एजेंसियां)। ऊपर वीडियो में जो बच्ची नजर आ रही है, वो है 3 साल की मीनाक्षी और जो बच्चा दिख रहा है, वो है ढाई साल का प्रिंस। दोनों ने ज्वालामुखी फटने जितना खतरनाक 11 हजार केवी का करंट अपने शरीर पर झेला। हादसे में प्रिंस ने दोनों पैर और मीनाक्षी ने एक हाथ गंवा दिया। करौली के कुडगांव के रहने वाले चचेरे बहन-भाई मीनाक्षी और प्रिंस 23 जनवरी को एक शादी समारोह में शामिल होने परिवार के साथ मैरिज गार्डन में गए थे। समारोह में महिलाएं गीत गा रही थीं। बैंड-बाजे बज रहे थे। चारों तरफ खुशी का माहौल था।

इस बीच मीनाक्षी और प्रिंस खेलते हुए छत पर चले गए। दोनों छत के ऊपर से गुजर रही 11 हजार केवी की लाइन की चपेट में आ गए। मीनाक्षी छत पर ही गिर गई, लेकिन प्रिंस झटके से नीचे आकर गिर पड़ा। कुछ लोग नीचे प्रिंस को संभाल रहे थे तो कुछ छत की तरह दौड़े। छत पर मीनाक्षी बेहोश पड़ी थी। परिवार वाले दोनों को जयपुर के निजी अस्पताल में लेकर आए।

27 दिन से दोनों बहन-भाई अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं। प्रिंस के दोनों पैर और लक्ष्मी का एक हाथ काटकर शरीर से अलग करना पड़ा। मामले में सबसे चौंकाने वाली बात ये है कि हादसे के 27 दिन बाद भी मैरिज गार्डन पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

शहरों व कस्बों में हरियाली के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता : शांति कुमारी

मुख्य सचिव ने अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार की मुख्य सचिव शांति कुमारी ने कहा कि ग्रेटर हैदराबाद के साथ उपनगरों में बड़े पैमाने पर शहरी पार्कों और हरियाली की स्थापना में काफी वृद्धि हुई है और ऐसा ही सभी शहरों में किया जाना चाहिए। बीआरकेआर भवन में आज नगर निगम एवं शहरी विकास विभाग की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में नगरपालिका और शहरी विकास विभाग के विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार, जल बोर्ड के प्रबंध निदेशक दाना किशोर, जीएचएमसी आयुक्त लोकेश कुमार, नगर निगम विभाग आयुक्त डॉ. सत्यनारायण, हैदराबाद मेट्रो रेल के प्रबंध निदेशक एनवीएस रेड्डी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। संबंधित अधिकारियों ने सीएस शांति कुमारी को एच एमडीए, जीएच एमसी, जलमंडली, हैदराबाद मेट्रो रेल, रेरा और अन्य नगरपालिका और शहरी विकास विभागों के अधिकार के तहत लागू की जा रही विभिन्न विकास योजनाओं के बारे में एक पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से समझाया। बाद में, सीएस ने कहा कि देश में सबसे अधिक शहरी आबादी वाले राज्यों में तेलंगाना चौथे स्थान पर है और पेयजल आपूर्ति, हरित पट्टी, आंतरिक सड़कों का निर्माण, स्वच्छ भारत कार्यक्रम, न्यूनतम बुनियादी ढांचे का निर्माण आदि जैसे कई कार्यक्रम किए जा रहे हैं। राज्य के शहरों और कस्बों में सफलतापूर्वक लागू किया गया। उन्होंने ग्रेटर हैदराबाद और उपनगरों में 14 शहरी पार्कों की स्थापना और हरिता हरम के तहत बड़े पैमाने पर हरियाली के विकास की सराहना की। उन्होंने आदेश दिया कि राज्य में हरिता हरनकिंडा के तहत बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण कार्यक्रम को जारी रखा जाएगा और पट्टम क्षेत्रों में इसे और अधिक करने के लिए प्राथमिकता दी जानी चाहिए। राज्य की सभी नगर पालिकाओं में, कीचड़ उपचार संयंत्रों की स्थापना दिसंबर के अंत तक पूरी हो जाएगी। उन्होंने इसके साथ ही सभी नगर पालिकाओं में एफ.एस.टी. खिताब पाने वाला दूसरा राज्य बनने के लिए बधाई भी दी।

यह सुझाव दिया जाता है कि नगरपालिका के पास आंतरिक निधि संग्रह के माध्यम से एक स्व-वित्तपोषित बफर होना चाहिए। पिछले दिनों हुई भारी बारिश को देखते हुए हैदराबाद में चल रहे नाला के विकास कार्यों को मई के अंत तक पूरा करने की बात कही गई थी। सीएस ने संबंधित अधिकारियों को नगर निगम विभाग से जुड़े लंबित मामलों की विस्तृत रिपोर्ट देने को कहा है।

पूर्व विधायक की हत्या का आरोपी माओवादी गिरफ्तार

पडेरू, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व विधायक किदरी सर्वेश्वर राव और सिवेरी सोमा की हत्या के मुख्य आरोपी माओवादी नेता जनुमुरु श्रीनिबाबू राइनो उर्फ सुनील को बुधवार को यहां अल्लूरी सीताराम राजू जिले में आंध्र-ओडिशा सीमा पर माओवादियों और पुलिस के बीच मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उसके कब्जे से एक आईईडी, बंदूक, विस्फोटक सामग्री, चरमपंथी साहित्य और नकदी भी बरामद की। एओबी विशेष क्षेत्र विशेष मंडल समिति के सदस्य श्रीनुबाबू 23 सितंबर, 2018 के हमले के सूत्रधार थे, जिसमें सर्वेश्वर राव और सोमा मारे गए थे। पुलिस ने कहा कि वह हिंसा की कई घटनाओं में भी शामिल था और उसके सिर पर 5 लाख रुपये का इनाम था।

कविता के पूर्व चार्टर्ड अकाउंटेंट से पूछताछ करेगी ईडी

सीबीआई ने किया था गिरफ्तार

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को आबकारी नीति मामले में तेलंगाना के सीएम केसीआर की बेटी के कविता के पूर्व चार्टर्ड अकाउंटेंट बुच्ची बाबू से पूछताछ करने की अनुमति दी है। बुच्ची बाबू को हाल ही में सीबीआई ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में गिरफ्तार किया था। फिलहाल वह तिहाड़ में न्यायिक हिरासत में है।

ईडी ने मांगी थी पूछताछ की इजाजत

ईडी ने आबकारी नीति से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बुच्ची बाबू से पूछताछ करने और उनका बयान दर्ज करने की अनुमति मांगी थी। इससे पहले केंद्रीय जांच ब्यूरो ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए हैदराबाद के चार्टर्ड अकाउंटेंट बुच्ची बाबू को 7 फरवरी 2023 को गिरफ्तार किया था। चार्टर्ड अकाउंटेंट बुच्ची बाबू दिल्ली आबकारी नीति के निर्माण और कार्यान्वयन में शामिल थे।

केंद्रीय एजेंसी ने जानकारी दी थी कि सीबीआई ने दिल्ली आबकारी नीति के निर्माण और कार्यान्वयन में भूमिका और हैदराबाद स्थित थोक और खुदरा लाइसेंसधारियों और उनके लाभार्थी मालिकों को लाभ पहुंचाने के आरोप में हैदराबाद स्थित चार्टर्ड एकाउंटेंट बुच्ची बाबू को गिरफ्तार किया था। सीबीआई ने कहा था कि के. कविता के पूर्व ऑडिटर बुच्ची बाबू इस मामले में साउथ ग्रुप का प्रतिनिधित्व करते हैं। जांच एजेंसी ने कहा था कि असहयोग करने के कारण उन्हें गिरफ्तार किया गया।

के कविता से भी की गयी थी पूछताछ

सीबीआई ने आरोप लगाया था कि अब रद्द की जा चुकी दिल्ली आबकारी नीति के निर्माण और कार्यान्वयन में बाबू की भूमिका ने हैदराबाद स्थित थोक और खुदरा लाइसेंसधारियों और उनके लाभार्थी मालिकों को गलत लाभ पहुचाया था। इससे पहले के कविता से सीबीआई की एक टीम ने 12 दिसंबर 2022 को हैदराबाद में मामले के सिलसिले में सात घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की थी। ईडी ने आरोप लगाया था कि के कविता साउथ कार्टेल का हिस्सा थीं, जिसे शराब नीति मामले में फायदा हुआ था। ईडी और सीबीआई ने दावा किया है कि "साउथ ग्रुप' के नाम से जानी जाने वाली एक लॉबी की मिलीभगत के साथ दिल्ली की एक्साइज पॉलिसी को संशोधित करते हुए अनियमितताएं की गईं।

दो दिवसीय आयुष चिकित्सा शिविर और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीएचईएल में आजादी का अमृत महोत्सव समारोह के हिस्से के रूप में भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (राभाचिसंसं), हैदराबाद ने बीएचईएल, आरसी पुरम के कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए आयुर्वेद पर आयुष चिकित्सा शिविर और जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया।

पहले दिन बीएचईएल के ओएचएस डॉ. आशा शर्मा, एजीएम, मेडिकल ने कारखाने के भीतर विभिन्न स्थानों से आयुष प्रणाली के सभी चिकित्सकों का स्वागत किया और डॉ. यादगिरी, प्रभारी ओएचएस,बीएचईएल की उपस्थिति मंड शिविर का उद्घाटन किया। डॉ. पीवीवी प्रसाद, राभाचिसंसं के पूर्व निदेशक और राभाचिसंसं के प्रमुख और डॉ. एल.वी. श्रीवानी, एसआरएफ (आयु), राभाचिसंसं द्वारा कर्मचारियों को आयुर्वेद परामर्श दिया गया और उन्हें आहार संबंधी दिशा-निर्देश भी प्रदान किए गए। बाद में जागरूकता कार्यक्रम के हिस्से के रूप में संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया और आयुर्वेद की मूल अवधारणाओं और घरेलू उपचार पर डॉ. पी.वी.वी. प्रसाद द्वारा व्याख्यान भी दिया गया।

दूसरे दिन सामान्य अस्पताल, आरसी पुरम, बीएचईएल में शिविर का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन टी.एस. वरदराजन, ईडी, बीएचईएल द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. बिथिका नोह, सीएमएस, अन्य अधिकारी, चिकित्सक और कर्मचारी भी उपस्थित थे। दो दिवसीय आयुष चिकित्सा शिविर के अंत में डॉ. बिथिका नोह, सी.एम.एस. ने सभी उपस्थित चिकित्सकों, अन्य स्टाफ सदस्यों को धन्यवाद दिया और उन्हें सुविधा प्रदान की। उन्होंने डॉ. जी.पी. प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक, राभाचिसंसं और सहायक स्टाफ को सहयोग के लिए आभार भी व्यक्त किया। कार्यक्रम का समन्वय श्रीमती लीला सुदरसी, एजीएम/एचए सामान्य अस्पताल, के. श्रीनिवास राव, पुस्तकालय एवं सूचना सहायक, राभाचिसंसं, हैदराबाद और श्रीमती सौजन्या, भौतिक चिकित्सा विभाग, बीएचईएल सामान्य अस्पताल, हैदराबाद द्वारा किया गया।

विवाहेतर संबंध बनाते पकड़े गए शिक्षक, पति ने कराई परेड

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुलुगु जिले में पुलिस को सौंपे जाने से पहले दो शिक्षकों के. नागेंद्र और एक अन्य शिक्षक को विवाहेतर संबंध में पकड़ा गया था। दोनों को महिला के पति और ग्रामीणों द्वारा गांव में परेड कराई गई। के नागेंद्र जेडपीएचएस मंगापेट मंडल केंद्र में भौतिक विज्ञान और जीव विज्ञान स्कूल सहायक के रूप में काम करता है। उसका एक अन्य शिक्षका के साथ नजदीकी संबंध हो गया। शिक्षिका के पति एआर कांस्टेबल के रूप में कार्यरत हैं। पहले पति ने उन्हें अफेयर के बारे में चेतावनी दी थी लेकिन उन्होंने कथित तौर पर ध्यान नहीं दिया। दोनों के रंगे हाथों पकड़े जाने पर इस मामले का पर्दाफाश हुआ। महिला के पति व ग्रामीणों ने दोनों के हाथ को रस्सी से बांधकर गांव में घुमाया।

एनएमडीसी मुख्यालय में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी लिमिटेड के मुख्यालय, हैदराबाद में गैर-लिपिकवर्गीय कर्मचारियों के लिए विशेष हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में रूद्रनाथ मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा उन्हें हिंदी कार्यशाला के आयोजन, उद्देश्य एवं रूपरेखा के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि गैर-लिपिकवर्गीय कर्मचारी भी अपने दैनिक कामकाज जैसे लॉगबुक भरना, हस्ताक्षर करना, रजिस्टरों में जानकारी भरना आदि कार्य राजभाषा हिंदी में सफलतापूर्वक सम्पन्न कर सकें, इस उद्देश्य से यह कार्यशाला आयोजित की जा रही है। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि के. मोहन, मुख्य महाप्रबंधक (कार्मिक) ने अपने संबोधन में इस हिंदी कार्यशाला के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने राजभाषा हिंदी के सफलतापूर्वक कार्यान्वयन के लिए एनएमडीसी द्वारा किए जा रहे प्रयासों की चर्चा करते हुए नियमित रूप से राजभाषा हिंदी संबंधी विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन के लिए राजभाषा विभाग की सराहना की। उन्होंने सभी उपस्थित प्रतिभागियों का अभिनंदन करते हुए उन्हें उनके ज्ञानवर्धन के लिए पहली बार आयोजित इस विशेष हिंदी कार्यशाला का पूर्ण सदुपयोग करने एवं इससे भरपूर लाभ उठाने की सलाह दी।

तत्पश्चात संकाय सदस्य के रूप में उपस्थित मो. कमालुद्दीन, सहायक निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना, हैदराबाद ने सत्र लिया। उन्होंने प्रतिभागियों को दैनिक बोलचाल में सरलता के साथ आसान हिंदी बोलने तथा अपने दैनिक कामकाज यथा रजिस्टरों, लॉग बुक आदि में हिंदी में प्रविष्टि करने के विषय में जानकारी दी। आरएन मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने अपने दैनिक कार्यों में राजभाषा हिंदी के आसान उपयोग के विषय में जानकारी दी। कार्यशाला का समापन प्रश्नोत्तर एवं सामूहिक चर्चा सत्र के साथ हुआ। इस सत्र में प्रतिभागियों ने प्रश्नों के माध्यम से अपनी शंकाओं का निवारण किया। प्रश्नों के उत्तर राजभाषा विभाग के अधिकारियों द्वारा दिए गए। कार्यशाला का समन्वयन श्री राजेश कुमार गोंड, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने किया। डॉ. रजिन्दर कौर, प्रबंधक (राजभाषा) एवं श्री एस.के. सनोडिया, सहायक प्रबंधक (सचि.) एवं सुश्री सौम्या, अप्रेंटिस प्रशिक्षु ने कार्यशाला के आयोजन में सहयोग किया।

रिकाबगंज पर शीतल पयेजल व्यवस्था शुरू

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुंभ मेला अग्रवाल बंधु अशोक फाउंडेशन के तत्वावधान में हर वर्ष के तरह इस वर्ष भी हैदराबाद नगर में बढ़ते तापमान व गर्मी में नगरवासियो राहगीरों की जलसेवा हेतु नगर के रिकाब गंज क्षेत्र भंडारा चौक में शीतल पयेजलव्यवस्था (प्याऊ) का उद्घाटन मुंगारामजी अशोक कुमार अग्रवाल के सौजन्य से सुरेंद्र नारनौली, श्रीमती प्रियंका अग्रवाल, श्रीनिवास, सुनील व अन्य कि उपस्थिति में पंकज कुमार अग्रवाल द्वारा किया गया। विज्ञप्ति में सभी से इस जलशाला का लाभ लेने की अपील की गई है।

सड़क दुर्घटना में राहगीर की मौत

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके इब्राहिमपट्टणम में मंगलवार रात एक सड़क दुर्घटना में एक राहगीर की मौत हो गई। वह व्यक्ति, जिसकी अभी तक पहचान नहीं हो पाई है, सड़क पार कर रहा था जब एक बाइक सवार नवा चंदू (25) ने उसे टक्कर मार दी। पीड़िता को चोटें आईं और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना सीतारामपेट गांव के पास हुई। बाइक सवार को भी चोटें आई हैं और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला दर्ज कर छानबीन की जा रही है।

एडवांस इन बायोलॉजी एंड मेडिसिन'-बॉयोमी '23 के दूसरे दिन

सात वक्ताओं ने की जीव विज्ञान और चिकित्सा पर चर्चा

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीएसडब्लूआरईआईएस और टीटीडब्लूआरईआईएस गुरुकुलम के उच्च शिक्षा विंग द्वारा संयुक्त रूप से 21-23 फरवरी, 2023 को कान्हा शांति वनम, चेगुर गांव, कोत्तूर मंडल में 'बायोलॉजी एंड मेडिसिन में एडवांस' विषय के साथ एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'बॉयोमी'23 आयोजित किया जा रहा है। तेलंगाना लाइफ साइंसेज, फेडरेशन ऑफ एशियन बायोटेक एसोसिएशन अकादमी और कान्हा शांति वनम के हार्टफुलनेस एजुकेशन ट्रस्ट के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रीमियर विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों के 14 वक्ता फैकल्टी सहित 750 बायोसाइंसेज और फार्मेसी के क्षेत्र में नवीनतम प्रगति पर शोधकर्ताओं और छात्रों प्रतिनिधियों को संबोधित करेंगे।

तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'एडवांस इन बायोलॉजी एंड मेडिसिन'-बायोमी '23 के दूसरे दिन जीव विज्ञान और चिकित्सा के क्षेत्र में उनके शोध से संबंधित विभिन्न विषयों पर सात वक्ताओं ने बात की। सत्र की शुरुआत प्रतिनिधियों के साथ आमंत्रित वक्ताओं के संवादात्मक सत्र से हुई। पूर्ण सत्र का संचालन प्रो. फ्रेडरिक विलेम, कॉलेज ऑफ फार्मेसी एंड फार्मास्यूटिकल्स, यूनिवर्सिटी ऑफ टोलेडो, यूएसए द्वारा किया गया था। प्रो. फ्रेडरिक ने मानव रोगों और इलाज के लिए आनुवंशिक आधार खोजने के लिए एक शोध उपकरण के रूप में ज़ेब्राफिश की मॉडलिंग पर बात की, क्योंकि ज़ेबरा मछली मनुष्यों के साथ 70 प्रतिशत समरूप जीन साझा करती है, इसलिए लैब चूहे के रूप में अध्ययन और अनुसंधान के लिए आदर्श मॉडल है। उनका अध्ययन वर्तमान में कैंसर चिकित्सा विज्ञान पर केंद्रित है। डॉ.रितु चक्रवर्ती, फिजियोलॉजी और फार्माकोलॉजी विभाग, टोलेडो विश्वविद्यालय, यूएसए ने प्रतिनिधियों को सूजन संबंधी गठिया के इलाज के लिए विकसित एक टीका पेश किया। एक और दिलचस्प सत्र ऑबर्न विश्वविद्यालय के डॉ. जयरामपुरम ने 3डी प्रिंटेड दवाओं और चिकित्सा उपकरणों के बारे में बात की।

प्रो. पाई. डी. वोगल सदर्न मेथोडिस्ट यूनिवर्सिटी, डलास, यूएसए ने कैंसर के इलाज में एबीसी ट्रांसपोर्टर्स के माध्यम से मल्टी ड्रग रेजिस्टेंस पर अपना काम प्रस्तुत किया। डॉ. रंगा रेड्डी बुउरी, निदेशक, इंफेक्शन कंट्रोल एकेडमी ऑफ इंडिया, हैदराबाद और हैदराबाद विश्वविद्यालय में मानद प्रोफेसर ने जी- 20 द्वारा प्रस्तावित 'वन हेल्थ' अवधारणा के बारे में चर्चा की। सांस्कृतिक संध्या के भाग के रूप में भारत के पहले समर्पित फाइन आर्ट्स स्कूल और जूनियर कॉलेज, मल्काजगिरी टीएसडब्लूआरईआईएस के 46 कला छात्रों द्वारा एक आकर्षक सिम्फनी का प्रदर्शन किया गया।

फागुन के रंग : कान्हाजी के संग कार्यक्रम 25 को, हुई बैठक

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी महिला मंच की हिमायत नगर कार्यालय में हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 25 फरवरी को 'फागुन के रंग : कान्हाजी के संग' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। अध्यक्ष सुमन भुवानिया ने उक्त जानकारी देते हुए कहा कि स्पेशल फूलोa की होली एवम तंबोला एवम अन्य मनोरंजक खेल खिलाए जाएंगे। अवसर पर बबिता गर्ग, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, सुनयना नरसरिया, संगीता जाजोदिया, सोनिया गोयल, स्मिता शाह, चंचल अग्रवाल, रीता अग्रवाल, रितु गोयल, श्रद्धा सुखिया आदि उपस्थित थे।

बीएसएफ के पूर्व महानिदेशक एमएल कुमावत का पुष्प गुच्छ द्वारा स्वागत करते हुए कुमावत समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद के पूर्व अध्यक्ष धर्मीचन्द कुमावत।

कोठी स्थित गुजराती स्कूल में श्री गुजराती भगीनी समाज के होली एवं लग्न प्रसंग पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष केंकिला पारेख, मंत्री आरती पुरोहित, विजल मेहता, बीना पौराणा, उर्विता पारेख व अन्य।

भारत के पहले शिक्षा मंत्री भारतरत्न मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की 65वीं पुण्यतिथि पर कांग्रेस मुख्यालय गांधी भवन में उनके चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पीसीसी के पूर्व अध्यक्ष वी. हनुमंत राव, कुमार राव, रामुलू नाइक, एसपी क्रांति कुमार और अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

दिल्ली में पहली...

इसे लेकर आप की मेयर प्रत्याशी शैली ओबेरॉय सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई थीं।

17 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने आप के पक्ष में फैसला सुनाया था। 24 घंटों के अंदर नोटिस जारी करने के लिए कहा था। इसके बाद दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने उपराज्यपाल को 22 फरवरी को चुनाव कराने का प्रस्ताव दिया था, जिसे उन्होंने 2 घंटे में ही मान लिया।

मेयर के साथ डिप्टी मेयर और स्थायी समिति के छह सदस्यों के लिए 6 जनवरी, 24 जनवरी और 6 फरवरी को 3 बार कोशिशें हुईं, लेकिन हर बार हंगामे के बाद कार्यवाही स्थगित हो गई।

प्रधानमंत्री मोदी बताएंगे रूस...

पाकिस्तान ने चीन के डिप्लोमेटिक चैनल के जरिए श्रीनगर में जी-20 की मीटिंग रुकवाने की खासी कोशिश की थी, लेकिन वह विफल रहा।

1 और 2 मार्च को होने वाली जी-20 विदेशमंत्रियों की बैठक में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, साउथ कोरिया, जापान, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्किये, अमेरिका और यूरोपीय यूनियन भाग लेंगे।

बांग्लादेश, मिस्र, मॉरिशस, नीदरलैंड्स, नाइजीरिया, ओमान, सिंगापुर, स्पेन और यूएई जैसे मित्र देशों को भी बुलाया गया है। इनमें से लगभग सभी देशों के विदेश मंत्रियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी मुलाकात होगी।

कोहिनूर भारत...

हालांकि, वह इस बात का जिक्र नहीं करता है कि दलीप सिंह की मां जींद कौर को ईस्ट इंडिया कंपनी ने कैदी बनाया था। भारत के गवर्नर-जनरल जेम्स एंड्रयू ब्रौन-रामसे उर्फ लॉर्ड डलहौजी ने गहना को युद्ध की लूट के रूप में माना। कोहिनूर हीरा महारानी विक्टोरिया को भेंट किया गया था और 1851 में प्रदर्शित किया गया था और अब यह ब्रिटिश सम्राट के मुकुट में माल्टीज क्रॉस पर जड़ा हुआ है।

पटना हाईकोर्ट के...

जानकारी के अनुसार सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता वेणुगोपाल इस मामले में जजों की ओर से बहस करेंगे। उनके जीपीएफ खाते को बंद करने का निर्देश इसलिए दिया गया है क्यों कि उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नति से पहले, याचिकाकर्ताओं को न्यायिक अधिकारियों के रूप में राष्ट्रीय पेंशन योजना के तहत कवर किया गया था।

गौरतलब है कि हाईकोर्ट के जजों का वेतन और सेवा की शर्तें अधिनियम, 1954 की धारा 20 का प्रावधान प्रदान करता है, एक न्यायाधीश जिसने संघ या राज्य के तहत किसी भी अन्य पेंशन योग्य सिविल पद पर कार्य किया है, वह उस भविष्य निधि में अंशदान करना जारी रखेगा जिसमें वह था।

जीपीएफ एक तरह का प्रॉविडेंट फंड अकाउंट ही है, लेकिन यह हर तरह के एंप्लाइज के लिए नहीं होता है। इसका फायदा केवल सरकारी कर्मचारियों को ही मिलता है और वह भी रिटायरमेंट के वक्त। ये एक तरह की रिटायरमेंट प्लानिंग होती है, क्योंकि, इसकी रकम कर्मचारी को रिटायरमेंट के बाद मिलती है। सरकारी कर्मचारी अपनी सैलरी का 15% तक जीपीएफ खाते में योगदान कर सकता है।

सानिया ने 20 साल के करियर में की छप्पर फाड़ कमाई

कितनी है टेनिस स्टार की ईनाम का पैसा

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। सानिया मिर्जा के 20 साल के चमकदार करियर पर विराम लग गया. डब्ल्यूटीए दुबई ड्यूटी फ्री चैंपियनशिप के पहले दौर में सानिया और उनके अमेरिकी जोड़ीदार मैडिसन कीज को रूस की वेरोनिका कुदेरमेतोवा और ल्यूडमिला सैमसोनोवा ने सीधे सेटों में 6-4, 6-0 से हराया. 36 साल की सानिया मिर्जा ने 2003 पेशेवर प्लेयर बनी थीं. सानिया मिर्जा ने अपने करियर में कुल 6 ग्रैंड स्लैम और 43 डब्ल्स खिताब जीते. इस दौरान सानिया ने खूब प्राइज मनी भी जीती. वूमेंस टेनिस एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, 21 फरवरी 2023 तक सानिया मिर्जा की कुल प्राइज मनी 60 करोड़ रुपये से ज्यादा है. इस साल के शुरुआती 2 महीनों में ही टेनिस स्टार ने प्राइज मनी के जरिए 16 लाख रुपये से अधिक की कमाई की है. वेबसाइट के मुताबिक, 2008 में सानिया मिर्जा ने 8 करोड़ से ज्यादा की प्राइज मनी जीती थी.

'ना बागी हूं, ना ही ट्रेंड सेटर'

सानिया मिर्जा ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में कहा, "जो लोग अपने तरीके से काम करने की हिम्मत करते हैं उन्हें लेकर समाज को मतभेदों को स्वीकार करना चाहिए और किसी को खलनायक या नायक के तौर पर पेश करने से बचना चाहिए." उन्होंने कहा था, "मुझे नहीं लगता कि मैंने किसी नियम या बंदिश को तोड़ा है. ट्रेंड सेटर होने के सवाल पर सानिया मिर्जा ने कहा, मैं ईमानदारी के साथ रहने की कोशिश करती हूं. मैंने हमेशा यही करने की कोशिश की है. मैंने खुद के प्रति सच्चे रहने की कोशिश की है. मैंने जिंदगी अपनी शर्तों पर जीने की कोशिश की है."सानिया मिर्जा ने कहा, "मुझे लगता है कि हर किसी को ऐसा करने में सक्षम होना चाहिए और उसे ऐसा करने की आजादी भी मिलनी चाहिए. किसी के लिए यह नहीं कहना चाहिए कि आप नया ट्रेंड सेट कर रहे हैं. आप नियम तोड़ रहे हैं. मैं आपके लिए अलग हो सकती हूं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं कोई बागी हूं, या किसी तरह की बंदिशों को तोड़ रही हूं."

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अब तक कैसा रहा है भारत का प्रदर्शन

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। दिन तय है.. समय तय है.. मैदान तय है.. बस इंतजार है तो सीर्फ एक जीत का. आईसीसी ट्रॉफी पाने के लिए तरस रही भारत की 125 करोड़ जनता को होली से पहले भारत की बेटियां टी-20 वर्ल्ड कप जीतकर देश के क्रिकेटप्रेमियों को दोहरी खुशी का मौका दे सकती हैं. भारत की टीम टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंच गई है. गुरुवार 23 फरवरी को भारतीय समय के अनुसार शाम 6:30 बजे से भारत का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा. यह मैच केपटाउन के मैदान पर खेला जाएगा. भारत की टीम के लिए पांच बार की टी-20 विमेंस वर्ल्ड कप चैंपियन टीम ऑस्ट्रेलिया को हराना आसान नहीं है. भारतीय टीम का लक्ष्य इस कड़े मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई चुनौती को पार कर फाइनल में जगह बनाने पर है.आपको बता दें कि फाइनल में पहुंचने कि लिए भारत की राह आसान नहीं होगी. भारत की टीम को सेमीफाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया की मजबूत टीम को हराना होगा. पांच बार की टी-20 विश्व कप चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की टीम आत्मविश्वास से भरी हुई है और ग्रुप स्टेज के अपने चारों मैच में बड़ी जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में पहुंची है. टी-20 विमेंस वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया की टीम के खिलाफ भारत का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है. भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कुल 5 मैच खेले हैं जिनमें से सीर्फ 2 मैचों में ही टीम को जीत हासिल हुई है और बाकी 3 मैचों में भारत को हार का सामना करना पड़ा है. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जो 2 जीत भारत को मिली है वो ग्रुप स्टेज के मैच थे. नॉकआउट मैच में भारत की महिला टीम आज तक ऑस्ट्रेलिया को हरा नहीं पाई है. इस बार भी सेमीफाइनल मैच ऑस्ट्रेलिया से ही है. ऐसे में भारत के पास ऑस्ट्रेलिया को हराकर इतिहास रचने का सुनहरा मौका है.

टी-20 विमेंस वर्ल्ड कप में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अब तक खेले गए सभी पांच मैच

पहला मैच : टी-20 विमेंस वर्ल्ड कप 2010 के सेमीफाइनल मैच में पहली बार दोनों टीमें आपस में भिड़ीं थी. इस सेमीफाइनल मैच में भारत को ऑस्ट्रेलिया ने 7 विकेट से हराया था. इस टूर्नामेंट की ऑस्ट्रेलिया चैंपियन बनी थी.

दूसरा मैच: टी-20 विमेंस वर्ल्ड कप 2012-13 के ग्रुप स्टेज के इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 8 विकेट से हराया था. इस बार भी ऑस्ट्रेलिया चैंपियन बनी थी.

तीसरा मैच : टी-20 विमेंस वर्ल्ड कप 2018-19 के ग्रुप स्टेज के इस मैच में भारत की टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 48 रनों से हराया था. इस वर्ल्ड कप में भारत को सेमीफाइनल में इंग्लैंड से 8 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था. इस बार भी आस्ट्रेलिया टी-20 वर्ल्ड चैंपियन टीम बनी थी.चौथा मैच : ऑस्ट्रेलिया में खेले गए इस टी-20 विमेंस वर्ल्ड कप 2019-20 में भारत ने टूर्नामेंट के पहले ही मैच में ऑस्ट्रेलिया को 17 रनों से हराया था.

पांचवा मैच : टी-20 विमेंस वर्ल्ड कप 2019-20 के फाइनल मैच में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया ने 85 रनों के बड़े अंतर से हराया था. इस मैच में 184 रनों का पीछा कर रही भारतीय टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था और पूरी टीम 99 रन के स्कोर पर ऑलआउट हो गई थी. इस बार भी ऑस्ट्रेलिया की टीम चैंपियन बनी थी.आंकड़ों की बात करें तो टी-20 विश्व कप के किसी भी नॉकआउट मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत जीत नहीं पाया है. ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध खेले गए 1 सेमीफाइनल मैच और 1 फाइनल मैच में भारत को हार का सामना करना पड़ा है. हालांकि टी-20 विश्व कप में खेले गए पिछले 3 मुकाबलों में से 2 में भारत ने जीत दर्ज की है. भारत इस बार से पहले कुल 3 बार सेमीफाइनल और 1 बार फाइनल में पहुंचा है लेकिन दुर्भाग्यवश एक भी बार टी-20 विमेंस विश्व कप जीत नहीं पाया है. भारत टी-20 विश्व चैंपियन बनने से सीर्फ दो कदम दूर है. भारत अगर सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हरा देता है तो क्रिकेटप्रेमियों को उम्मीद है कि फाइनल में तो भारत जीत दर्ज कर ही लेगा और भारत के आईसीसी ट्रॉफी जीतने के सूखे को खत्म करेगा. मौजूदा टी-20 विश्व कप चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल मैच में हराना बहुत चुनौतीपूर्ण लक्ष्य है. लेकिन नामुमकिन नहीं है. भारत की बेटियां जीत के लक्ष्य के साथ ही मैदान पर उतरेंगी, और जीत हासिल भी करेंगी.

एनसीए से क्लीयरेंस मिलने का इंतजार कर रहे हैं जसप्रीत बुमराह

पिछले 10 दिनों से खेल रहे हैं प्रैक्टिस मैच

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। जसप्रीत बुमराह की मैदान में वापसी को लेकर लंबे समय से सस्पेंस बरकरार है. माना जा रहा था कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के आखिरी दो मुकाबलों में वह नजर आ सकते हैं लेकिन ऐसा नहीं हो सका. यहां तक कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से भी वह बाहर रखे गए हैं. हालांकि एक मीडिया रिपोर्ट में यह कहा गया है कि बुमराह नेशनल क्रिकेट अकेडमी (एनसीए) में अभ्यास मैच खेल रहे हैं और उन्हें वहां से क्लीयरेंस मिलने का इंतजार है. क्रिकबज़ की एक रिपोर्ट में कहा गया है, एनसीए में बुमराह पिछले 10 दिनों में कुछ अभ्यास मैच खेलते हुए नजर आए हैं, लेकिन उन्हें अभी तक क्लीयरेंस नहीं मिला है. बीसीसीआई लगातार बुमराह के फिटनेस लेवल की मॉनीटरिंग कर रहा है. बोर्ड का ध्यान बुमराह के आगामी वर्कलोड पर भी है. बीसीसीआई बुमराह को लेकर काफी सतर्क है. आईपीएल के बाद होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल और फिर इस साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप में बुमराह की मौजूदगी जरूरी है, ऐसे में बुमराह के वर्कलोड को लेकर प्रोग्राम बनाने में काफी ध्यान रखा जाएगा.

तीसरे टेस्ट के लिए टीम में होगा बड़ा बदलाव

इस प्लेयर को अचानक मिलेगी प्लेइंग 11 में एंट्री!

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट मैच 1 मार्च से खेला जाएगा। टीम इंडिया ने शुरुआती दो मैच जीतकर सीरीज में 2-0 की बढ़त ले ली है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया टीम के लिए प्लेइंग इलेवन चुनने का भी संकट सामने खड़ा हुआ है। टीम के ज्यादातर खिलाड़ी या तो चोटिल हो गए हैं या फिर ऑस्ट्रेलिया वापस लौट गए हैं। डेविड वॉर्नर दूसरे टेस्ट में चोटिल हो गए थे, अब उनकी जगह टीम में एक स्टार खिलाड़ी ले सकता है। इस खिलाड़ी को ऑस्ट्रेलिया से बुलाया जाएगा।

इस प्लेयर को मिलेगी जगह

ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक ओपनर बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को दूसरे टेस्ट में मोहम्मद सिराज की गेंद सिर पर लग गई थी, उसके बाद वह दूसरे टेस्ट में बल्लेबाजी करने के लिए नहीं उतरे और फिर पूरे टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए। दूसरे टेस्ट मैच में उनकी जगह मैट रैनशॉ को मौका मिला था। फॉक्स स्पोर्ट की रिपोर्ट के मुताबिक ऑस्ट्रेलियाई टीम में कैमरन बेनक्रॉफ्ट को डेविड वॉर्नर की जगह शामिल किया जा सकता है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 10 टेस्ट मैचों में 446 रन बनाए हैं। जबकि उस्मान ख्वाजा के साथ ओपनिंग के लिए ट्रेविस हेड को मौका मिल सकता है।

कोच ने कही ये बात

ऑस्ट्रेलिया के कोच एंड्रयू मैक्डोनाल्ड पहले ही कह चुके हैं कि हमने यहां आने से पहले चर्चा की थी कि अगर एक ओपनर नहीं खेल पाता है, तो हम ट्रेविस हेड को ओपनिंग के लिए भेजेंगे। हम उपमहाद्वीप की परिस्थितियों में महसूस करते हैं कि वह तेज शुरुआत के लिए उतर सकता है जो उसने दिखाया। हेड ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में शानदार 43 रनों की पारी खेली थी।

डब्ल्यूटीसी फाइनल पर मंडराया संकट

ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत के खिलाफ लगातार दो टेस्ट मैच हार चुकी है। अगर वह सीरीज के बाकी बचे दो टेस्ट मैच भी हार जाती है और दूसरी तरफ श्रीलंका न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट 2-0 से अपने नाम कर लेती है, तो ऑस्ट्रेलिया वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल से बाहर हो जाएगी। फिर फाइनल मुकाबला श्रीलंका और भारत के बीच होगा। ऐसे में भारत के खिलाफ तीसरे और चौथे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया अच्छा प्रदर्शन करना चाहेगा।

अवार्ड के लिए नॉमिनेट राफेल ने किया मेसी का समर्थन

फुटबॉलर ने कहा: स्पीचलेस हूं

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। टेनिस स्टार राफेल नडाल ने प्रतिष्ठित लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स जीतने के लिए फुटबॉलर लियोनेल मेसी का समर्थन किया है. जिसके बाद अब मेसी ने राफेल नडाल को धन्यवाद किया. फुटबॉलर मेसी ने राफेल नडाल की कहानी को इंस्टाग्राम पर रीपोस्ट किया है. उन्होंने लिखा कि नडाल जैसा महान खिलाड़ी उन्हें हमेशा स्पीचलेस कर देता है. उन्होंने राफेल नडाल का उनका समर्थन करने के लिए धन्यवाद किया. मेसी ने कहा कि नडाल ने जिस तरह से टेनिस कोर्ट में अभी तक का शानदार वक्त बिताया है. उसके लिए वह हर चीज के हकदार हैं और वह एक सच्चे विजेता हैं.गौरतलब है कि नडाल ने हाल ही में लॉरियस स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए मेसी को सपोर्ट किया था जबकि नडाल खुद भी खिताब के लिए नॉमिनेट थे. इसके अलावा चार अन्य एथलीटों के नाम भी पुरस्कार जीतने के लिए नामित किए गए थे. वहीं, मेसी अन्य नामांकितों के बारे में नहीं भूले और कहा कि प्रतियोगिता कठिन है और सभी खिलाड़ी लॉरियस खेल पुरस्कार के हकदार हैं.

इस दिन आ सकता है एशिया कप के आयोजन पर बड़ा फैसला

पीसीबी के पास हैं टूर्नामेंट आयोजन के अधिकार

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। एशिया कप 2023 की मेजबानी को लेकर अभी तक यह तय नहीं हो सका है कि यह पाकिस्तान में ही खेला जाएगा किसी अन्य स्थान पर. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने जहां पहले ही अपने रुख को साफ कर दिया है कि वह किसी भी कीमत पर अपनी टीम को पाकिस्तान खेलने नहीं भेजेगा. वहीं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) लगातार यह प्रयास कर रहा है कि एशिया कप का आयोजन उन्हीं के देश में किया जाए. साल 2023 में खेले जाने वाले वनडे वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए इस बार एशिया कप भी वनडे फॉर्मेट में ही आयोजित किया जाएगा. वहीं अभी तक एशिया क्रिकेट काउंसिल की हुई मीटिंग में एशिया कप के आयोजन को लेकर कुछ भी फैसला नहीं लिया गया है. अब मार्च महीने के दूसरे सप्ताह में होने वाली एक मीटिंग में इसके आयोजन को लेकर बड़ा फैसला लिया जा सकता है. एशिया क्रिकेट काउंसिल की इससे पहले बहरीन में हुई मीटिंग में जब आयोजन को लेकर कोई फैसला नहीं लिया गया था तो इसे मार्च में होने वाली मीटिंग तक टाल दिया गया था. पाकिस्तान के पास जहां अभी भी इस बार के एशिया कप आयोजन का अधिकार है वहीं वह एक अलग योजना के साथ इसे आयोजित करने का विचार मीटिंग के दौरान रख सकता है.

भारत के मैचों को किसी यूएई में आयोजित किया जा सकता है

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड अपने देश में अब क्रिकेट के बड़े टूर्नामेंट की वापसी को लेकर लगातार मेहनत करता दिखाई दे रहा है. हालांकि पाकिस्तान में अभी भी सुरक्षा के माहौल के देखते हुए कई टीमें वहां खेलने से कतराती हुई दिखाई दीं हैं. ऐसे में पाकिस्तान एशिया कप का आयोजन करके सभी को बड़ा संदेश देने की कोशिश कर रहा है. वहीं पाकिस्तानी मीडिया में एशिया कप के आयोजन को लेकर जो खबरें सामने आईं थी वह यह कि सिर्फ भारतीय टीम के मुकाबलों को छोड़कर अन्य मैचों का आयोजन पाकिस्तान में ही कराया जा सकता है. भारतीय टीम के मैच यूएई में कराए जा सकते हैं. हालांकि अभी तक इसको लेकर कुछ भी साफ नहीं हो सका है. एशिया कप 2023 का आयोजन सितंबर महीने में कराया जाना है और उसके बाद ही वनडे वर्ल्ड भी खेला जाएगा.

संदीप लामिछाने से स्कॉटलैंड के प्लेयर्स ने नहीं मिलाया हाथ, सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा वीडियो

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। नेपाल में इस समय ट्राई सीरीज खेली जा रही है। नेपाल ने स्कॉटलैंड को रोमांचक मुकाबले में 2 विकेट से शिकस्त दी, लेकिन इस मैच में नेपाल के क्रिकेटर संदीप लामिछाने से स्कॉटलैंड के प्लेयर्स ने हाथ मिलाने से इनकार कर दिया। संदीप पर रेप का आरोप लग चुका है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। नेपाल और स्कॉटलैंड के दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों ने एक-दूसरे से हाथ मिलाया। जैसे संदीप लामिछाने सामने आए, स्कॉलैंड के प्लेयर्स ने उन्हें इग्नोर कर दिया और पूरी टीम उनसे बिना हाथ मिलाए ही आगे बढ़ गई। संदीप को छोड़कर स्कॉलैंड के खिलाड़ियों ने सभी से हाथ मिलाया। संदीप लामिछाने पर एक युवती ने बलात्कार का आरोप लगाया था। इसके बाद यौन शोषण के आरोपों में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल वह जमानत पर बाहर चल रहे हैं। एनसीए (क्रिकेट एसोसिएशन नेपाल) ने उनकी जमानत पर से निलंबन हटा लिया, जिससे उन्हें ट्राई सीरीज में खेलने की मंजूरी दे गई थी।

जडेजा-अश्विन की बल्ले-बल्ले, दुनिया को मिला नया नंबर एक गेंदबाज

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय टीम के दिग्गज स्पिन गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा मौजूदा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में कमाल का प्रदर्शन कर रहे हैं। जडेजा और अश्विन ने सीरीज के पहले दो मैच में जमकर विकेट हासिल किए। वहीं इसका फायदा इन दोनों ही खिलाड़ियों को आईसीसी की जारी टेस्ट रैंकिंग में भी हुआ है। इसके अलावा दुनिया को अब नया नंबर एक गेंदबाज भी मिल चुका है। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान और घातक तेज गेंदबाज पैट कमिंस से आईसीसी के नंबर एक टेस्ट रैंकिंग का ताज छिन चुका है। कमिंस ने टीम इंडिया के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों में खासा प्रदर्शन नहीं किया। जिसके चलते उन्हें अब अपनी नंबर एक रैंकिंग का ताज गंवाना पड़ा है। अब इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन दुनिया के नए नंबर एक तेज गेंदबाज बन गए हैं। वहीं पैट कमिंस भारी नुकसान के साथ तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। एंडरसन के 866 रेटिंग अंक हैं और वो नंबर एक पर पहुंच चुके हैं। वहीं 864 अंक के साथ रविचंद्रन अश्विन दूसरे स्थान पर हैं। तीसरे नंबर पर पैट कमिंस पहुंच गए हैं जिनके इस वक्त 858 रेटिंग अंक हैं। अश्विन-जडेजा को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में कमाल की गेंदबाजी का फायदा मिला है। अश्विन ने अपना दूसरा स्थान जहां पक्का कर लिया है, वहीं जडेजा की भी टॉप 10 में एंट्री हो चुकी है। जडेजा 763 अंकों के साथ अब 9वें नंबर पर पहुंच चुके हैं।

इस महिला खिलाड़ी ने बनाए सबसे ज्यादा रन, विकेट झटकने में किसने मारी बाजी

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)। आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्डकप 2023 टूर्नामेंट में ग्रुप स्टेज के सभी मैच खेले जा चुके हैं. अब सेमीफाइनल और फाइनल की टक्कर होगी. केप टाउन के न्यूलैंड्स स्टेडियम गुरुवार 23 फरवरी को पहला सेमीफाइनल मैच भारतीय महिला टीम और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जाएगा. सेमीफाइनल का दूसरा मैच शुक्रवार 24 फरवरी को इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका की महिला टीम के बीच होगा. इसके बाद देखना होगा कि कौनसी टीम फाइनल तक अपने सफर को बरकरार रखने में कामयाब रहेगी. टीम इंडिया पहली बार महिला टी20 के खिताब को हासिल करने की जंग लड़ रही है. आइए जानते हैं इस टूर्नामेंट में खेले जा चुके ग्रुप स्टेज के मुकाबलों में किसने सबसे ज्यादा रन और विकेट चटकाए हैं. इसके साथ ही क्या है अब तक का सर्वोच्च स्कोर. महिला टी20 वर्ल्डकप टूर्नामेंट में दो ग्रुपों में बांटी गई 10 टीमों के बीच कुल 20 मैच खेले जा चुके हैं. इन दस टीमों में से हरेक के हिस्से में 4-4 मैच पड़े थे. ग्रुप स्टेज के मैच खेले जा चुके हैं. इन मुकाबलों में सबसे ज्यादा रन और विकेट लेने से लेकर जानें कौनसे खिलाड़ी टॉप पर चल रहे हैं.

गरीबों को उत्तम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार कटिबद्ध : इंद्रकरण

मंत्री किया निर्मल जिला मुख्य अस्पताल में सिटी स्कैन मशीन का शुभारंभ

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण, न्याय और कानून विभाग मंत्री इंद्रकरन रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद निर्मल जिला सरकारी मुख्य अस्पताल के माध्यम से लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए सभी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। बुधवार को मंत्री ने जेडपी अध्यक्ष विजयलक्ष्मी किशन, जिला प्रशासक वरुण रेड्डी, विधायक रेखा श्याम नाइक व विट्ठल रेड्डी ने निर्मल जिला मुख्य सरकारी अस्पताल में डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से स्थापित सीटी स्कैन मशीन का शुभारंभ किया तथा लोगों को इस सेवा का लाभ लेने का आग्रह किया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि लोग गरीबी के कारण महंगे इलाज से वंचित हो रहे हैं। ऐसे लोगों की कठिनाइयों को पूरा करने के लिए निर्मल जिले के मुख्य सरकारी अस्पताल में नि:शुल्क सभी सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पताल में सीटी स्कैन की स्थापना से गरीब लोगों पर आर्थिक बोझ के साथ-साथ दूरी की समस्या भी कम होगी। उन्होंने कहा कि जिला अस्पतालों में बिस्तरों की संख्या में वृद्धि की गई है। मां और बच्चे की देखभाल के लिए किए गए उपायों के कारण सामान्य प्रसव की संख्या में वृद्धि हुई है और सर्जरी और सीजेरियन ऑपरेशन कम हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि डायग्नोस्टिक सेंटर के माध्यम से लोगों को विभिन्न रोगों की जांच की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है। उन्होंने कहा कि वह 42 करोड़ से जिला शासकीय मुख्य चिकित्सालय भवन परिसर का निर्माण करा रहे हैं, इसी तरह मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए 400 करोड़ रुपये की लागत से निर्माण करा रहे हैं। मंत्री ने खुलासा किया कि 166 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। जल्द ही निविदाएं बुलाई जाएंगी और मेडिकल कॉलेज भवन के निर्माण का शिलान्यास स्वयं केसीआर के हाथों किया जाएगा। इसके अलावा नगर पालिका में 30 करोड़ की लागत से बने अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय में 2000 डबल बेड रूम का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें से 1200 आवास बनकर तैयार हो चुके हैं और इन्हें भी सेयम के माध्यम से शुरू करने की व्यवस्था की जा रही है। कार्यक्रम में टीएसआईडीसी के अध्यक्ष वेणुगोपालाचारी, जिला चिकित्सा अधिकारी धन राज, अधीक्षक देवेंद्र रेड्डी, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और अन्य लोगों ने भाग लिया।

विधायक राजा सिंह ने धमकी भरे फोन पर डीजीपी को लिखा पत्र

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा विधायक टी. राजा सिंह ने डीजीपी अंजनी कुमार को एक खुला पत्र लिखा और कहा कि उन्हें अज्ञात व्यक्तियों से धमकी भरे फोन आ रहे हैं। जिन फोन नंबरों से उन्हें धमकी भरे कॉल आए हैं, उनका खुलासा करते हुए उन्होंने डीजीपी से उन्हें आवश्यक सुरक्षा प्रदान करने का आग्रह किया। श्री सिंह ने अपने ट्विटर हैंडल पर अपनी सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें पाकिस्तान से लोगों के फोन आ रहे हैं और कहा कि वे उन्हें जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। उन्होंने अपने ट्वीट में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और हैदराबाद के सीपी सीवी आनंद को टैग किया।

राजा सिंह को राज्य सरकार द्वारा प्रदान किए गए अपने बुलेट प्रूफ वाहन के साथ भी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने इस मुद्दे को पुलिस अधिकारियों के सामने उठाया और इसे बदलने का आग्रह किया। हालांकि, पुलिस अधिकारियों ने अब तक उनके अनुरोध का सम्मान नहीं किया।

प्रधानमंत्री व रेल मंत्री के 'स्वच्छ भारत-स्वच्छ रेल' के नारे को ठेंगा दिखा रहे हैं दमरे अफसर

बाइबिल हाउस ओवरब्रिज में बड़े-बड़े होल से लोगों के ऊपर गिर रहा है ट्रेनों के टॉयलेट का पानी

'स्वतंत्र वार्ता' ने 2016 में प्रमुखता से छापी थी खबर, तब हुई थी मरम्मत, फिर हालत खराब

बाइबिल हाउल रेल पुल से गुजरना मुश्किल

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) के आला अधिकारी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के 'स्वच्छ भारत-स्वच्छ रेल' के नारे को ठेंगा दिखा रहे हैं। दमरे के मुख्यालय रेल निलयम से करीब एक किलोमीटर की दूरी पर भीड़-भाड़ वाले व्यस्ततम मार्ग सिकंदराबाद, बाइबिल हाउस पर स्थित रेलवे ओवरब्रिज में लगाई गई लोहे की चादर में बड़े-बड़े छेद हो गए हैं। शहर का एक मुख्य मार्ग के रुप में परिचित इस सड़क से रोज लाखों की संख्या में लोगों का गुजरना होता है। इसी रास्ते से लोग विधानसभा, सचिवालय, मुख्य डाकघर, ओल्ड सिटी, चारमीनार आदि जगहों पर आवागमन है। इसी पुलिस के पास ट्रैफिक सिग्नल है। इस रेलवे पुल से दर्जनों ट्रेनें रोज गुजरती हैं। जब इस पुल से ट्रेनों गुजरती है तो लोगों की कुछ समय के लिए सांसे थम जाती है। आए दिन ऐसा हो रहा है कि लोगों पर ट्रेनों के टॉयलेट का पानी गिर रहा है। नहा धोकर तैयार होकर आफिस, धार्मिक स्थल और कार्यक्रम में भाग लेने वाले लोग भी रेलवे की कृपा से गंदे पानी का शिकार हो जाते हैं। ट्रैफिक का ग्रीन सिग्नल होने के बाद भी गंदगी से बचने के लिए ट्रेनों के गुजरने के दौरान कुछ देर के लिए पुल के पहले ही खड़े हो जाते हैं। इससे कुछ समय के लिए आवागमन में भी व्यवधान रहता है। इसी तरह रानीगंज, जेम्स स्ट्रीट, सिकंदराबाद आरक्षण कार्यालय के पास, मल्काजगिरी के चन्द्रगिरी कालोनी आदि में स्थित रेलवे के ओवर ब्रिजों में कुछ-कुछ कमियां हैं। आम लोगों को इन पुलों में मामूली, रोशनी का आभाव, पानी का लिकेज आदि नजर आ रहे है, लेकिन रेलवे के अधिकारियों को ये सब समस्याएं नहीं दिख रही है। अनुमान लगाया जा रहा है कि रेल पटरियों आदि के निरीक्षण के लिए निकले रेलवे बड़े अधिकारी स्पेशल ट्रेनों से निकल पुलों के ऊपर से निकल जाते है। शायद इसीलिए पुल के नीचे चलने वालों की समस्याएं उनको नहीं दिख रही है। आए दिन दक्षिण मध्य रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों की फौज रेल संचालन, सुरक्षा, सफाई आदि को लेकर बैठक करती है। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा फील्ड स्तरीय निरीक्षण का निर्देश अधिकारियों और कर्मचारियों को दिया जाता है। आदेश का क्रियान्वयन किस हद तक हो रहा है। इसका नतीजा सिकंदराबाद में स्थित बाइबिल हाउस आदि पुलों की स्थिति को देखकर लगाया जा सकता है। जबकि सिकंदराबाद में दमरे के महाप्रबंधक, सिकंदराबाद और हैदराबाद मंडल रेलवे प्रबंधक का कार्यालय है। सभी वरिष्ठ अधिकारियों का कार्यालय पास में होने के बाद भी पुल की स्थिति पर निगरानी, मरम्मत करने वाले रेलकर्मियों में कोई खौफ नहीं है। इसके बाद भी रेलकर्मियों की मुश्स्ती का नमूना आम लोग देख रहे है। इसके पहले वर्ष 2016 में भी बाइबिल हाउस समेत कई रेलवे ओवर ब्रिजों की हालत खराब थी। तब भी बाइबिल हाउस रेल पुल से गुजरने वालों को गंदगी का सामना करना पड़ता था। उस समय 'स्वतंत्र वार्ता' ने गंदगी को लेकर प्रमुखता से खबर छापी थी। तब जाकर लोहे की चादरों को लगाया गया था। इस पुल से गुजरने वालों का कहना है कि भारतीय रेलवे स्वच्छ भारत-स्वच्छ रेल कार्यक्रम के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है।

विभिन्न कार्यक्रमों के दौरान केन्द्र सरकार के मंत्री, अधिकारी और विभिन्न दलों के नेता अपने हाथों में झाड़ू लेकर सफाई करते नजर आते है। लेकिन सफाई वाली हकीकत कोसों दूर है। इस संबंध में रेल अधिकारियों से पूछे जाने पर बताया कि पहले पुल पर लोहे की चादर लगाई गई थी। मौजूदा समय में कुछ ऐसा है को निरीक्षण के बाद दुरुस्त करा दिया जाएगा।

अडानी का अफगानिस्तान के ड्रग माफिया से संबंध : भाकपा

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाकपा के राष्ट्रीय सचिव के. नारायणा ने आरोप लगाया है कि अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी के अफगानिस्तान ड्रग माफिया से संबंध हैं और वह अपना ड्रग कारोबार चलाने के लिए देश में बंदरगाहों का अधिग्रहण कर रहा है। बुधवार को यहां पूर्व राज्यसभा सदस्य और सीपीआई के वरिष्ठ नेता अजीज पाशा के साथ एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, नारायण ने दावा किया कि अडानी और उनके भाई विनोद अडानी अपने शुरुआती दिनों से मादक पदार्थों की तस्करी में थे और उनके खिलाफ गुजरात पुलिस द्वारा एक मामला भी दर्ज किया गया था। उन्होंने कहा कि गुजरात के कच्छ जिले में मुंद्रा बंदरगाह पर 2021 में अडानी समूह द्वारा संचालित 3,000 किलोग्राम हेरोइन की जब्ती इस बात का सबूत है कि उसके अफगानिस्तान के ड्रग माफिया से संबंध है। चूंकि सड़कों के माध्यम से ड्रग्स का परिवहन मुश्किल है, क्योंकि इसे विभिन्न चेक-पोस्टों से गुजरना पड़ता है। अडानी ने उन्हें जलमार्गों के माध्यम से परिवहन करने का फैसला किया और इसलिए वह देश के सभी बंदरगाहों का अधिग्रहण कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब प्रवर्तन एजेंसियों की नाक के नीचे हो रहा है और कोई भी अडानी से पूछताछ नहीं कर रहा है क्योंकि उनके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के साथ घनिष्ठ संबंध हैं।

अडानी समूह पर अमेरिकी लघु विक्रेता हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट पर टिप्पणी करते हुए नारायण ने कहा कि केंद्र को पूरे मामले की जांच के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन करना चाहिए। यह आश्चर्यजनक है कि सेबी और अन्य एजेंसियों ने अब तक कार्रवाई नहीं की है। यह अपने आप में एक संकेत है कि उन्हें अडानी के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने के लिए ऊपर से निर्देश मिला है।

पीजी मेडिको ने किया आत्महत्या का प्रयास

वारंगल, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। काकतीय मेडिकल कॉलेज (केएमसी) के एनेस्थीसिया विभाग में स्नातकोत्तर (एमडी) के प्रथम वर्ष की एक छात्रा ने बुधवार को यहां ड्यूटी के दौरान एमजीएम अस्पताल में तड़के कथित तौर पर आत्महत्या करने का प्रयास किया। बताया जा रहा है कि छात्रा ने अपनी जीवन लीला समाप्त करने के लिए खुद को एक इंजेक्शन लगाया और सुबह साढ़े छह बजे बेहोशी की हालत में मिली। अस्पताल के कर्मचारियों ने तुरंत वरिष्ठ डॉक्टरों को सतर्क किया और लड़की को आपातकालीन वार्ड में भर्ती कराया जहां सीपीआर दिया गया। एमजीएम के अधीक्षक डॉ. वी. चंद्रशेखर ने कहा कि विभिन्न विभागों के वरिष्ठ डॉक्टरों की एक टीम उसे बचाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो हम उन्हें हैदराबाद स्थानांतरित करने की भी योजना बना रहे हैं।

आरोप है कि अस्पताल में डॉक्टर द्वारा प्रताड़ित किए जाने के कारण उसने इतना बड़ा कदम उठाया। उसने कथित तौर पर केएमसी प्रिंसिपल के पास डॉक्टर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, जिन्होंने आरोपी की काउंसलिंग की थी। हालांकि, अधिकारियों का दावा है कि उसने स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण अपनी जीवन लीला समाप्त करने का प्रयास किया। मतवाड़ा पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सीएम जगन ने राज्यपाल हरिचंदन को विदाई दी

विजयवाड़ा, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी ने मंगलवार को यहां गन्नावरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आंध्र प्रदेश के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन को गर्मजोशी से विदाई दी। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल दंपत्ति का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को पुष्पगुच्छ भेंट कर शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर बोलते हुए, हरिचंदन ने कहा कि वह आंध्र प्रदेश के राज्यपाल के रूप में अपने कार्यकाल से बहुत खुश और संतुष्ट हैं और उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान समर्थन और सहयोग के लिए मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी को धन्यवाद दिया। हवाई अड्डे पर उनके आगमन पर पुलिस बटालियन द्वारा औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। बाद में मुख्यमंत्री, मंत्री जोगी रमेश, मुख्य सचिव डॉ. के.एस. जवाहर रेड्डी, डीजीपी के. राजेंद्रनाथ रेड्डी, राज्यपाल के प्रधान सचिव अनिल कुमार सिंघल और अन्य वरिष्ठ अधिकारी राज्यपाल के साथ विमान में गए और उन्हें विदाई दी।

सिंगरेणी में छह माह के लिए बढ़ाई गई हड़ताल पर रोक

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने बुधवार को आवश्यक सेवा रखरखाव अधिनियम के तहत सिंगरेनी कोलियरीज़ कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) में सभी सेवाओं में हड़ताल पर रोक को छह महीने की अवधि के लिए बढ़ा दिया। बुधवार को यहां जारी एक आधिकारिक बयान में विशेष मुख्य सचिव (ऊर्जा) सुनील शर्मा ने कहा कि यह आदेश 11 मार्च से लागू होगा।

टीडीपी नेता पट्टाभी गन्नावरम उप-जेल में स्थानांतरित

विजयवाड़ा , 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अतिरिक्त जूनियर सिविल जज ने पुलिस को तेलुगुदेशम (तेदेपा) नेता कोमारेड्डी पट्टाभिराम को गन्नावरम उप-जेल में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया। न्यायाधीश ने सुरक्षा कारणों को देखते हुए उसे दूसरी जेल में स्थानांतरित करने की उसकी याचिका खारिज कर दी। न्यायाधीश ने यह कहते हुए इनकार कर दिया कि अनुरोध पर तभी विचार किया जाएगा जब पूर्व अनुमति मांगी जाएगी। मालूम हो कि पट्टाभि को तेदेपा के 11 अन्य नेताओं के साथ मंगलवार को गन्नवरम अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। अदालत में पेशी के दौरान पट्टाभि ने दावा किया कि पुलिस ने उन पर थर्ड डिग्री का इस्तेमाल किया था। न्यायाधीश ने पुलिस को मेडिकल जांच कराने और रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया।

गांजा बेचने के आरोप में युवक गिरफ्तार

मनचेरियल, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जन्नाराम मंडल के पोंकल गांव में बुधवार को गांजा की तस्करी के आरोप में एक 23 वर्षीय छात्र को टास्क फोर्सद्वारा गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसके पास से 208 ग्राम गांजा और एक मोबाइल बरामद किया है। एक अन्य आरोपित फरार चल रहा है। टास्कफोर्स इंस्पेक्टर अकुला अशोक ने कहा कि पोंकल से बीकॉम ड्रॉपआउट नेथुला नागराजू को संदिग्ध रूप से घूमते हुए हिरासत में लिया गया था। उसने कथित तौर पर काफी लंबे समय तक जन्नाराम मंडल के आसपास के कई गांवों के खरीदारों को गांजा बेचने की बात स्वीकार की थी। आगे की कार्रवाई के लिए उसे जन्नाराम पुलिस को सौंप दिया गया। जन्नाराम के लठौर गांव का रहने वाला पटेल अभी भी फरार है और उसे पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

बच्चे पर स्ट्रीट डॉग के हमले का एक और मामला सामने आया

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में स्ट्रीट डॉग के खतरे का एक और मामला सामने आया है, जिसमें अंबरपेट की दुखद घटना के बाद एक चार साल के बच्चे को आवारा कुत्तों ने मार डाला था। सूत्रों के मुताबिक, घटना हैदराबाद में चैतन्यपुरी कॉलोनी के मारुति नगर में हुई। पीड़ित, ऋषि नाम के एक युवा लड़के पर उसके घर के बाहर खेल रहे आवारा कुत्तों के झुंड ने हमला किया था। उन्हें चोटें आईं और उन्हें तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। पीड़ित परिवार ने मीडिया को दिए बयान में जीएचएमसी से तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है। ऋषि की मां ने दावा किया कि कुछ स्थानीय लोग गली के कुत्तों को खाना खिला रहे थे, बावजूद इसके कि वे समुदाय, खासकर छोटे बच्चों के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहे थे। यह घटना तेलंगाना में स्ट्रीट डॉग्स के हमलों की बढ़ती प्रवृत्ति का हिस्सा है।

आरटीसी बस की टक्कर से बाइक सवार की मौत

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेहदीपट्टनम में बुधवार सुबह आरटीसी बस की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। जिस पीड़ित की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है वह सड़क पर जा रहा था जब एक टीएसआरटीसी बस ने उसे टक्कर मार दी। वह सड़क पर गिरा और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

मंदिर में चोरी करने गए चोर की मौत

हैदराबाद, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंदिर की हुंडी से पैसे चुराने की कोशिश कर रहे एक चोर की मंदिर के चौकीदार द्वारा डंडे से पिटाई करने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, गद्दाम राजू कथित तौर पर मंगलवार आधी रात के करीब कुशाईगुड़ा के एक मंदिर में आया और हुंडी से पैसे चुराने का प्रयास किया। इसकी भनक लगते ही मंदिर के चौकीदार सतर्क हो गए और उसे पकड़ने की कोशिश की। हालाँकि राजू ने चौकीदार पर पथराव किया और खुद को बचाने के लिए राजू को डंडे से मारा राजू मंदिर परिसर में गिर गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मोर्चरी में भेज दिया। केस दर्ज है।

जगन ने 'वाईएसआर लॉ नेस्तम' के तहत फंड जारी किया

अमरावती, 22 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी ने बुधवार को राज्य भर में 2011 के पात्र कनिष्ठ अधिवक्ताओं को लाभान्वित करने के लिए वाईएसआर कानून नेस्तम के तहत 1,00,55,000 रुपये जारी किए, यह राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा की गई। यहां कैंप कार्यालय में एक बटन के क्लिक के साथ राशि जारी करते हुए, उन्होंने कहा कि यह राशि कनिष्ठ अधिवक्ताओं को वजीफे के रूप में वितरित की जाएगी, जिन्हें कानून की डिग्री पूरी करने के बाद अभ्यास के लिए नामांकित किया गया है।

सरकार ने वाईएसआर कानून नेस्तम के तहत पिछले साढ़े तीन वर्षों में 4,248 कनिष्ठ अधिवक्ताओं को अब तक कुल 35.40 करोड़ रुपये के साथ लाभान्वित किया। जूनियर अधिवक्ताओं को पहले तीन वर्षों के अभ्यास के दौरान बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है क्योंकि वे स्व-नियोजित समूहों से संबंधित होते हैं, उन्होंने कहा कि रुपये का मासिक वजीफा। योजना के तहत प्रत्येक को तीन साल के लिए 5000 रुपये देने से उन्हें अपने दम पर खड़े होने में मदद मिलेगी। वाईएसआर लॉ नेस्तम को पार्टी के चुनाव घोषणापत्र के अनुसार पेश किया गया था ताकि कनिष्ठ अधिवक्ताओं को आर्थिक रूप से मदद की जा सके क्योंकि उन्होंने अपनी प्रजा संकल्प यात्रा के दौरान अपनी कठिनाइयों को बताया था। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक कनिष्ठ अधिवक्ताओं को मदद पहुंचाने के लिए वार्षिक योजना को अब से साल में दो बार लागू किया जाएगा।

वाईएसआर कानून नेस्तम या एडवोकेट्स वेलफेयर ट्रस्ट के तहत वित्तीय सहायता की मांग करने वाले आकांक्षी कनिष्ठ अधिवक्ता ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं या सीधे विधि सचिव को अपना अनुरोध भेज सकते हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India
भारत सरकार का उपक्रम A Government of India Undertaking
क्षेत्रीय कार्यालय, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया,D No: 51-1-2/1, एम आर ओ बिल्डिंग के के सामने, क्षेत्रीय कार्यालय बिल्डिंग, प्रथम तल, सिथम्मधारा, पुराना इनाडु जंक्शन के पास, विशाखपट्टणम, आंध्र प्रदेश- 530013

विशाखपट्टणम में आवासीय फ्लैट की खरीद

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, विशाखपट्टणम में एक (1) आवासीय फ्लैट की खरीद के लिए दो बोली प्रणाली में निविदा प्रस्ताव आमंत्रित करता है। अधिक जानकारी के लिए कृपया बैंक की वैबसाईट www.unionbankofindia.co.in एवं एनआईसी पोर्टल www.tenders.gov.in पर उपलब्ध है। निर्धारित प्रारूप में आवेदनों/ प्रस्तावों को प्राप्त करने की अंतिम तिथि 14.03.2023 दोपहर चार बजे तक है।

बैंक को यह अधिकार है कि वह प्राप्त किसी भी निविदा/ सभी निविदाओं को बिना किसी कारण बताएं अस्वीकृत/ खारिज कर सकता है।

S/d क्षेत्र प्रमुख

श्री आईमाता मंदिर, जीडिमेटला हैदराबाद
के तत्वावधान मे

ध्वजा रोहण समारोह
आज गुरुवार दि.23 फरवरी 2023
* शोभा यात्रा प्रात: 10.15 बजे मंदिर के सामने से गाजे-बाजे के साथ रवाना होकर श्री आईमाताजी मंदिर तक आएगी
* श्री आईमाता मंदिर पर श्री बाबूलालजी चोयल परिवार एवं श्री शीतलामाता मंदिर पर श्री हुक्मारामजी सोलंकी परिवार के करकमलो द्वारा पूजा-अर्चनाकर
प्रात: 11.15 बजे से ध्वजा रोहण कार्यक्रम होगा
: निवेदन : समाज बंधुओ व भक्तों से निवेदन है कि उपरोक्त कार्यक्रम मे सहभागी बनकर कार्यक्रम का लाभ लेवे
: निवेदक : कार्यकारिणी समिति सीरवी समाज, जीडिमेटला-हैदराबाद
: अध्यक्ष : मांगीलाल काग 9676147019 : सचिव : नारायणलाल वरपा 9440885229
P.Solankey

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.